तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

# भूगोल
# Geography

## कक्षा / Class XII

2025-26

विद्यार्थी सहायक सामग्री
Student Support Material

केन्द्रीय विद्यालय संगठन~Kendriya Vidyalaya Sangathan

# संदेश

विद्यालयी शिक्षा में शैक्षिक उत्कृष्टता प्राप्त करना एवं नवाचार द्वारा उच्च - नवीन मानक स्थापित करना केन्द्रीय विद्यालय संगठन की नियमित कार्यप्रणाली का अविभाज्य अंग है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं पी. एम. श्री विद्यालयों के निर्देशों का पालन करते हुए गतिविधि आधारित पठन-पाठन, अनुभवजन्य शिक्षण एवं कौशल विकास को समाहित कर, अपने विद्यालयों को हमने ज्ञान एवं खोज की अद्‌भुत प्रयोगशाला बना दिया है। माध्यमिक स्तर तक पहुँच कर हमारे विद्यार्थी सैद्धांतिक समझ के साथ-साथ, रचनात्मक, विश्लेषणात्मक एवं आलोचनात्मक चिंतन भी विकसित कर लेते हैं। यही कारण है कि वह बोर्ड कक्षाओं के दौरान विभिन्न प्रकार के मूल्यांकनों के लिए सहजता से तैयार रहते हैं। उनकी इस यात्रा में हमारा सतत योगदान एवं सहयोग आवश्यक है - केन्द्रीय विद्यालय संगठन के पांचों आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा संकलित यह विद्यार्थी सहायक-सामग्री इसी दिशा में एक आवश्यक कदम है । यह सहायक सामाग्री कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के लिए सभी महत्वपूर्ण विषयों पर तैयार की गयी है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन की विद्यार्थी सहायक- सामग्री अपनी गुणवत्ता एवं परीक्षा संबंधी सामग्री संकलन की विशेषज्ञता के लिए जानी जाती है और शिक्षा से जुड़े विभिन्न मंचों पर इसकी सराहना होती रही है। मुझे विश्वास है कि यह सहायक सामग्री विद्यार्थियों की सहयोगी बनकर निरंतर मार्गदर्शन करते हुए उन्हें सफलता के लक्ष्य तक पहुँचाएगी।

शुभाकांक्षा सहित ।

**निधि पांडे**
**आयुक्त , केन्द्रीय विद्यालय संगठन**

**संरक्षक**

श्रीमती निधि पाण्डेय, आयुक्त, केविसं

**सह-संरक्षक**

डॉ पी देवकुमार, अतिरिक्त आयुक्त (शैक्षिक), केविसं (मु.)

**समन्वयक**

सुश्री चंदना मंडल,संयुक्त आयुक्त (प्रशिक्षण), केविसं (मु.)

**कवर डिजाईन**

केविसं प्रकाशन विभाग

**संपादक:**

1. श्री बी.एल. मोरोडिया, निदेशक, जीट ग्वालियर
2. सुश्री मीनाक्षी जैन, निदेशक, जीट मैसूर
3. सुश्री शाहिदा परवीन, निदेशक, जीट मुंबई
4. सुश्री प्रीती सक्सेना, प्रभारी निदेशक, जीट चंडीगढ़
5. श्री बीरबल धींवा, प्रभारी निदेशक, जीट भुवनेश्वर

**CONTENT CREATORS:**

श्री मनोज अग्रवाल, पीजीटी-भूगोल केवी दमोह, जबलपुर संभाग

श्री वरुण कुमार, पीजीटी-भूगोल, के. वी. एसजीपीजीआई, लखनऊ, लखनऊ संभाग

श्रीमती हेमलता भारती, पीजीटी- भूगोल पी एम श्री के. वी. बीएलडब्ल्यू वाराणसी, वाराणसी संभाग

श्री सुभाष पंचोनिया, पीजीटी- भूगोल, पी एम श्री के.वी. महो, भोपाल संभाग

श्री अभिषेक कुमार, पीजीटी- भूगोल, पी एम श्री के.वी. सुल्तानपुर, वाराणसी संभाग

श्री विमल कुमार, पीजीटी- भूगोल, पी एम श्री के. वी. सीतापुर, लखनऊ संभाग

श्री अजय दास, पीजीटी- भूगोल पी एम श्री के. वी. बैरागढ़ भोपाल संभाग

## मानचित्र कार्य संयोजक (कक्षा 11 एवं 12)

| क्रम संख्या | नाम | पद | केवि | संभाग |
|---|---|---|---|---|
| 1 | श्री वरुण कुमार | पीजीटी भूगोल | केवि एसजीपीजीआई | लखनऊ |
| 2 | श्री सुभाष पंचोनीया | पीजीटी भूगोल | पीएम श्री केवि महो | भोपाल |

## अनुसूची


| | | |
|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम संरचना | 04-06 |
| 2 | मानचित्र मदों की सूची | 05-06 |
| 3 | मानव भूगोल | 07-10 |
| 4 | विश्व जनसंख्या घनत्व वितरण और वृद्धि | 10-13 |
| 5 | मानव विकास | 13-17 |
| 6 | प्राथमिक गतिविधियाँ | 17-22 |
| 7 | द्वितीयक गतिविधियाँ | 22-25 |
| 8 | तृतीयक और चतुर्थक गतिविधियाँ | 25-29 |
| 9 | परिवहन और संचार | 30-36 |
| 10 | अंतर्राष्ट्रीय व्यापार | 36-40 |
| 11 | जनसंख्या वितरण घनत्व वृद्धि और संरचना | 41-46 |
| 12 | मानव बस्तियाँ | 46-51 |
| 13 | भूमि संसाधन और कृषि | 52-55 |
| 14 | जल संसाधन | 55-61 |
| 15 | खनिज और ऊर्जा संसाधन | 61-66 |
| 16 | भारतीय संदर्भ में योजना और सतत विकास | 66-71 |
| 17 | परिवहन और संचार | 71-77 |
| 18 | अंतर्राष्ट्रीय व्यापार | 77-84 |
| 19 | चयनित मुद्दों और समस्याओं पर भौगोलिक परिप्रेक्ष्य | 84-88 |
| 20 | मानचित्र मदें | 88-96 |
| 21 | प्रश्न पत्र | 96-111 |


## कक्षा- XII

# पाठ्यक्रम संरचना

## पुस्तक- मानव भूगोल के मूल सिद्धांत

| अध्याय संख्या | अध्याय का नाम | भारांक |
|---|---|---|
| | यूनिट I | |
| 1 | मानव भूगोल | 3 |
| | यूनिट II | |
| 2 | विश्व जनसंख्या घनत्व वितरण और वृद्धि | 8 |
| 3 | मानव विकास | |
| | यूनिट III | |
| 4 | प्राथमिक गतिविधियाँ | |
| 5 | द्वितीयक गतिविधियाँ | |

| | | |
|---|---|---|
| 6 | तृतीयक और चतुर्थक गतिविधियाँ | 19 |
| 7 | परिवहन और संचार | |
| 8 | अंतर्राष्ट्रीय व्यापार | |
| मानचित्र कार्य (विश्व राजनीतिक मानचित्र पर विशेषताओं की पहचान पर आधारित) | | 5 |
| | **कुल** | **35** |

## भारत की लोग और अर्थव्यवस्था

| अध्याय संख्या | अध्याय का नाम | भारांक |
|---|---|---|
| | Unit I | |
| **1** | जनसंख्या वितरण घनत्व वृद्धि और संरचना | 5 |
| | Unit II | |
| **2** | मानव बस्ती | 3 |
| | Unit III | |
| **3** | भूमि संसाधन और कृषि | 10 |
| **4** | जल संसाधन | |
| **5** | खनिज एवं ऊर्जा संसाधन | |
| **6** | भारतीय संदर्भ में योजना और सतत विकास | |
| | Unit IV | |
| **7** | परिवहन और संचार | 7 |
| **8** | अंतर्राष्ट्रीय व्यापार | |
| | Unit V | |
| **9** | चयनित मुद्दों और समस्याओं पर भौगोलिक परिप्रेक्ष्य | 5 |
| मानचित्र कार्य (भारत के राजनीतिक मानचित्र पर स्थान निर्धारण और लेबलिंग पर आधारित) | | 5 |
| **Total** | | **35** |

## पुस्तक- भूगोल में प्रयोगत्मक कार्य II

| अध्याय संख्या | अध्याय का नाम | भारांक |
|---|---|---|
| 1 | आकड़े- स्रोत और संकलन | 18 |
| 2 | आकड़ो का प्रक्रमण | |
| 3 | आकड़ो का आलेखी निरूपण | |
| 4 | स्थानिक सूचना प्रोद्योगिकी | 7 |
| प्रयोगत्मक रेकॉर्ड बुक और मौखिक परीक्षा | | 5 |
| **कुल** | | **30** |

## मानव भूगोल के मूल सिद्धांत

**(विश्व के रूपरेखा भौतिक/राजनीतिक मानचित्र पर इकाई I से III के आधार पर विशेषताओं की पहचान पर मानचित्र कार्य)**

| अध्याय संख्या और नाम | मानचित्र आइटम |
|---|---|
| **1. मानव भूगोल** | शून्य |
| **2. विश्व जनसंख्या घनत्व वितरण एवं वृद्धि** | शून्य |
| **3. मानव विकास** | शून्य |
| **4. प्राथमिक गतिविधियाँ** | 1. निर्वाहक संग्रहण के क्षेत्र (चित्र 4.2) |

| | |
|---|---|
| | 2. विश्व के चलवासी पशुचारण के प्रमुख क्षेत्र (चित्र 4.4)<br>3. वाणिज्यिक पशुधन पालन के प्रमुख क्षेत्र (चित्र 4.6)<br>4. विस्तृत वाणिज्यिक अनाज खेती के प्रमुख क्षेत्र (चित्र 4.12)<br>5. विश्व के मिश्रित कृषि के प्रमुख क्षेत्र (चित्र 4.14) |
| **5. द्वितीयक क्रियाकलाप** | शून्य |
| **6. तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप** | शून्य |
| **7. परिवहन और संचार** | **ट्रांसकॉन्टिनेंटल रेलवे के टर्मिनल स्टेशन-**<br>ट्रांस-साइबेरियन, ट्रांस कैनेडियन, ट्रांस-ऑस्ट्रेलियन रेलवे।<br>**प्रमुख समुद्री बंदरगाह-**<br>यूरोप: नॉर्थ केप, लंदन, हैम्बर्ग<br>उत्तरी अमेरिका: वैंकूवर, सैन फ्रांसिस्को, न्यू ऑरलियन्स<br>दक्षिण अमेरिका: रियो डी जेनेरो, कोलोन, वालपाराइसो<br>अफ्रीका: स्वेज और केप टाउन<br>एशिया: योकोहामा, शंघाई, हांगकांग, अदन, कराची, कोलकाता<br>ऑस्ट्रेलिया: पर्थ, सिडनी, मेलबर्न<br>**प्रमुख हवाई अड्डे-**<br>एशिया: टोक्यो, बीजिंग, मुंबई, जेद्दा, अदन<br>अफ्रीका: जोहान्सबर्ग और नैरोबी<br>यूरोप: मॉस्को, लंदन, पेरिस, बर्लिन और रोम<br>उत्तरी अमेरिका: शिकागो, न्यू ऑरलियन्स, मेक्सिको सिटी<br>दक्षिण अमेरिका: ब्यूनस आयर्स, सैंटियागो<br>ऑस्ट्रेलिया: डार्विन और वेलिंगटन<br>**अंतर्देशीय जलमार्ग-**<br>स्वेज नहर, पनामा नहर, राइन जलमार्ग और सेंट लॉरेंस समुद्री मार्ग |
| **8. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार** | शून्य |

## पुस्तक: भारत के लोग और अर्थव्यवस्था

**(भारत के राजनीतिक/भौतिक मानचित्र के आधार पर सुविधाओं का पता लगाने और लेबलिंग पर मानचित्र कार्य।)**

| अध्याय संख्या और नाम | मानचित्र आइटम |
|---|---|
| **1. जनसंख्या वितरण घनत्व वृद्धि और संरचना** | 1. सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला राज्य एवं न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य (2011) |
| **2. मानव बस्तियाँ** | शून्य |
| **3. भूमि संसाधन और कृषि** | **निम्नलिखित फसलों के अग्रणी उत्पादक राज्य:**<br>(a) चावल (b) गेहूँ (c) कपास (d) जूट (e) गन्ना (f) चाय और (g) कॉफी |
| **4. जल संसाधन** | शून्य |
| **5. खनिज और ऊर्जा संसाधन** | **खदानें:**<br>• लौह-अयस्क की खदानें: मयूरभंज, बैलाडीला, रत्नागिरी, बेल्लारी<br>• मैंगनीज खदानें: बालाघाट, शिमोगा<br>• तांबे की खदानें: हज़ारीबाग़, सिंहभूम, खेतरी<br>• बॉक्साइट खदानें: कटनी, बिलासपुर और कोरापुट<br>• कोयला खदानें: झरिया, बोकारो, रानीगंज, नेवेली<br>• तेल रिफाइनरियां: मथुरा, जामनगर, बरौनी |
| **6. भारतीय संदर्भ में नियोजन और सततपोषणीय विकास** | शून्य |
| **7. परिवहन और संचार** | शून्य |

| | |
|---|---|
| **8. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार** | **प्रमुख समुद्री बंदरगाह:** कांडला, मुंबई, मर्मगाओ, कोच्चि, मैंगलोर, तूतीकोरिन, चेन्नई, विशाखापत्तनम, पाराद्वीप, हल्दिया।<br>**अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे:** अहमदाबाद, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता, गुवाहाटी, दिल्ली, अमृतसर, तिरुवनंतपुरम और हैदराबाद। |
| **9. भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे और समस्याएँ** | शून्य |

# पुस्तक- मानव भूगोल के मूल सिद्धांत

## इकाई -I (अंक भार: 3 अंक)

## अध्याय-01: मानव भूगोल, प्रकृति और क्षेत्र

पाठ का सार

• मानव भूगोल मानव समाज और पृथ्वी की सतह के बीच अंतर संबंधों का संश्लेषित अध्ययन है। **फ्रेडरिक रैटज़ेल।**

• मानव भूगोल "अशांत मनुष्य और अस्थिर पृथ्वी के बीच बदलते संबंधों" का अध्ययन है। **एलेन सी. सेम्पल।**

•मानव भूगोल पृथ्वी और मानव के बीच अंतर्संबंधों की एक नई अवधारणा प्रस्तुत करता है। **पॉल विडाल डी ला ब्लाश ।**

**•मानव भूगोल के जनक- फ्रेडरिक रेटज़ेल।**

•आदिम समाज और प्रकृति के बीच की अंतःक्रिया को **पर्यावरण नियतिवाद** कहा जाता है

**नियतिवाद, संभाव्यतावाद और नव नियतिवाद** के अर्थ और अंतर निम्नानुसार हैं: - पुस्तक- मानव भूगोल के मूल सिद्धांत नियतिवाद, संभाव्यतावाद और नव नियतिवाद के अर्थ और अंतर निम्नानुसार हैं: -

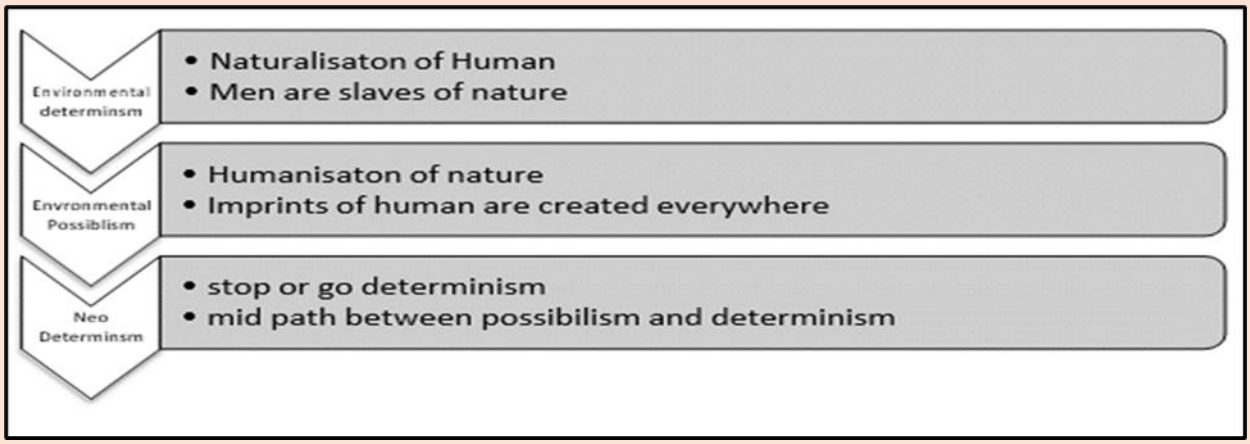


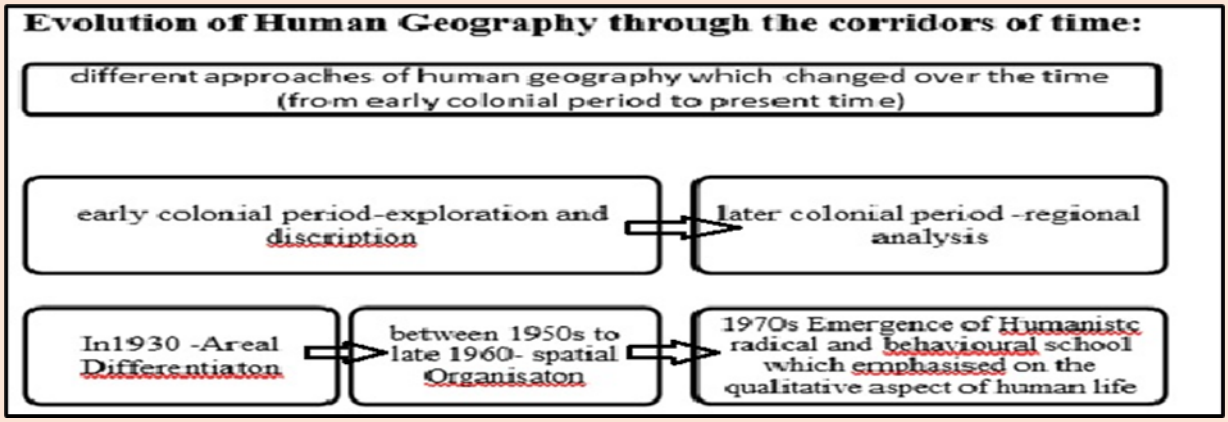


## बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न 1. अभिकथन: भूगोल का अध्ययन करने के लिए क्षेत्रीय विश्लेषण का उपयोग किया गया था।

कारण: क्षेत्र के सभी पहलुओं का विस्तृत वर्णन किया गया।

[a] A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

[b] A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

[c] A सत्य है लेकिन R असत्य है. [d] A असत्य है लेकिन R सत्य है.

**उत्तर: [a] A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।**

प्रश्न 2. अभिकथन: घर्षण और ऊष्मा की समझ ने मनुष्यों को आग की खोज करने में मदद की। कारण: प्रौद्योगिकी मनुष्यों को प्रकृति द्वारा लगाई गई सीमाओं को पार करने में सक्षम बनाती है।

[a] A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

[b] A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

[c] A सत्य है लेकिन R असत्य है. [d] A असत्य है लेकिन R सत्य है.

**उत्तर: [b] A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।**

प्रश्न 3. अभिकथन (A):नव-नियतिवाद मध्य मार्ग दृष्टिकोण पर आधारित है।

कारण(R):इस संसार में निरंकुशता की कोई सम्भावना नहीं है।

(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की व्याख्या करता है

(B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की व्याख्या नहीं करता है

(C) A सत्य है, परन्तु R असत्य है। (D) A असत्य है, परन्तु R सत्य है।

**उत्तर: (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की व्याख्या करता है**

## स्रोत आधारित प्रश्न (3 अंक)

प्रश्न 1. नीचे दी गई केस स्टडी को पढ़ें और उसके बाद दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें।

ट्रॉनहेम शहर में सर्दियों का मतलब है भयंकर हवाएँ और भारी बर्फबारी। महीनों तक आसमान में अंधेरा रहता है। कारी सुबह 8 बजे अंधेरे में काम पर जाती है। उसके पास सर्दियों के लिए विशेष टायर हैं और वह अपनी शक्तिशाली कार की हेडलाइट्स को चालू रखती है। उसका कार्यालय आरामदायक 23 डिग्री सेल्सियस पर कृत्रिम रूप से गर्म होता है। जिस विश्वविद्यालय में वह काम करती है उसका परिसर एक विशाल कांच के गुंबद के नीचे बना है। यह गुंबद सर्दियों में बर्फ को बाहर रखता है और गर्मियों में धूप को अंदर आने देता है।

तापमान को सावधानीपूर्वक नियंत्रित किया जाता है और पर्याप्त रोशनी होती है। भले ही कठोर मौसम में ताज़ी सब्ज़ियाँ और पौधे ज़्यादा नहीं उगते, लेकिन कारी अपनी मेज़ पर एक ऑर्किड रखती हैं और केले और कीवी जैसे उष्णकटिबंधीय फल खाना पसंद करती हैं। इन्हें नियमित रूप से गर्म क्षेत्रों से मंगवाया जाता है। माउस के एक क्लिक से कारी नई दिल्ली में सहकर्मियों के साथ नेटवर्क बना सकती हैं।

(i) सर्दियों के दौरान ट्रॉनहैम की मौसम की स्थिति कैसी होती है?

उत्तर: ट्रॉनहैम शहर में सर्दियों का मतलब है भयंकर हवाएं और भारी बर्फबारी।

(ii) कारी का जीवन मानव भूगोल के किन दृष्टिकोणों का वर्णन करता है?

उत्तर: कारी का जीवन मानव भूगोल के सम्भावनावादी दृष्टिकोण का वर्णन करता है।

(iii) कारी को किस प्रकार के फल पसंद हैं?

उत्तर: कारी को केला और कीवी जैसे उष्णकटिबंधीय फल खाना पसंद है।

## लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक)

प्रश्न 1. मानव भूगोल के संदर्भ में "मानव का प्राकृतिककरण" शब्द क्या दर्शाता है?

उत्तर 1- मानवीय गतिविधियाँ पर्यावरण द्वारा नियंत्रित और संचालित होती हैं।

2-मनुष्य को एक निष्क्रिय एजेंट के रूप में माना जाता है।

3-उपलब्ध प्रौद्योगिकी की सहायता से पर्यावरण में मानवीय समायोजन।

4- मध्य भारत के बेंदा जीवन का उदाहरण।

प्रश्न 2. मनुष्य अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप प्रकृति को कैसे परिवर्तित और आकार देता है, और इस प्रक्रिया को क्या कहा जाता है?

उत्तर:मनुष्य को एक स्वतंत्र और सक्रिय एजेंट के रूप में माना जाता है। हर जगह संभावनाएँ हैं और मनुष्य इन संभावनाओं का स्वामी है। मनुष्य संस्कृति और तकनीकी ज्ञान के माध्यम से प्रकृति को बदल सकता है। ट्रॉनहेम (नॉर्वे) में रहने वाले कारी का उदाहरण

प्रश्न 3. भूगोल के प्रादेशिक दृष्टिकोण और व्यवस्थित दृष्टिकोण के बीच अंतर स्पष्ट करें।

| व्यवस्थित उपागम | क्षेत्रीय उपागम |
|---|---|
| **1.राजनीतिक इकाइयों पर आधारित.** | 1. भौगोलिक इकाइयों पर आधारित। |
| **2.अध्ययन के लिए एकल तत्व को लिया जाता है, जैसे जलवायु।** | 2. समानता के आधार पर. |

प्रश्न 4. क्या आप मानव भूगोल की अवधारणा का वर्णन कर सकते हैं तथा इसके प्रमुख विषयों की रूपरेखा बता सकते हैं?

उत्तर: भौतिक पर्यावरण और मानव के बीच अंतरसंबंधों और विविधताओं के अध्ययन को मानव भूगोल कहा जाता है। यह मानव समाज और पृथ्वी की सतह के बीच संबंधों का संश्लिष्ट अध्ययन है। मानव भूगोल के अध्ययन क्षेत्र (क्षेत्र)

•यह किसी क्षेत्र की जनसंख्या और उसकी क्षमताओं के बारे में अध्ययन करता है।

•यह किसी क्षेत्र के संसाधनों के उपयोग और नियोजन के बारे में अध्ययन करता है।

•यह सांस्कृतिक पर्यावरण अनुकूलन का अध्ययन करता है।

प्रश्न 5. मानव और प्राकृतिक दुनिया के बीच पारस्परिक संबंधों का वर्णन कीजिए तथा अपने उत्तर की पुष्टि उदाहरणों से कीजिए।

उत्तर: प्रकृति और मनुष्य के बीच संबंध इस प्रकार हैं-

•मनुष्य और प्रकृति अविभाज्य हैं।

•मनुष्य ने प्राकृतिक पर्यावरण के साथ अंतःक्रिया करके सामाजिक और सांस्कृतिक पर्यावरण का निर्माण किया है।

•भौतिक और मानवीय घटनाओं का वर्णन मानव शरीर रचना से प्रतीकों का उपयोग करके रूपकों में किया जाता है।

प्रश्न 6. भूगोल के क्षेत्र में द्वैतवाद किस प्रकार प्रकट होता है? कोई तीन उदाहरण दीजिए।

उत्तर:

•द्वैतवाद से तात्पर्य एक समय में दो विचारधाराओं के अस्तित्व से है, जैसे - भौतिक भूगोल बनाम मानव भूगोल, नोमोथेटिक बनाम आइडियोग्राफिक।

•इसी प्रकार, इस बात पर भी बहस चल रही है कि भूगोल का अध्ययन क्षेत्रीय या व्यवस्थित दृष्टिकोण से किया जाना चाहिए।

•इसी प्रकार, नियतिवाद बनाम सम्भावनावाद मानव भूगोल में द्वैतवादी दृष्टिकोण का एक और पहलू है।

प्रश्न-7

1.1. दिए गए चित्र में मानव भूगोल की प्रकृति को पहचानें।

उत्तर: मनुष्यों का प्राकृतिककरण

1.2. चित्र में किस मानवीय गतिविधि को दर्शाया जा रहा है?

उत्तर: शिकार

1.3. यह चित्र मानव भूगोल में "पर्यावरणीय नियतिवाद" से "संभावनावाद" की ओर बदलाव को कैसे दर्शाता है?

प्रश्न 8."संकल्पनात्मक रूप से, नव नियतिवाद पर्यावरणीय नियतिवाद और संभाव्यतावाद के बीच एक मध्य मार्ग को दर्शाता है।" स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:•यह अवधारणा ग्रिफिथ टेलर द्वारा प्रस्तुत की गई थी।

•यह अवधारणा पर्यावरणीय नियतिवाद और सम्भावनावाद के बीच एक मध्य मार्ग प्रदान करती है।

•यह उन सीमाओं के भीतर संभावनाओं के सृजन पर ध्यान केंद्रित करता है जो पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाएं।

•यह अवधारणा दर्शाती है कि न तो पूर्ण आवश्यकता की कोई स्थिति है और न ही पूर्ण स्वतंत्रता की कोई स्थिति है।

•मनुष्य प्रकृति की आज्ञा मानकर उस पर विजय प्राप्त कर सकता है तथा उसे क्षति से बचा सकता है।

**प्रश्न 9. दिए गए चित्र का अध्ययन कीजिए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

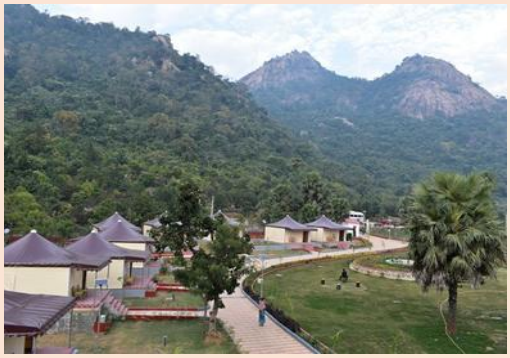

2.1. मनुष्य अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप प्रकृति को कैसे संशोधित और आकार देता है?

उत्तर: हर जगह संभावनाएँ हैं और मनुष्य इन संभावनाओं का स्वामी है। मनुष्य तकनीकी ज्ञान के माध्यम से प्रकृति और संस्कृति को बदल सकता है।

2.2. संभावनावाद की अवधारणा पर्यावरण निर्धारणवाद से किस प्रकार भिन्न है? अपने उत्तर को चित्र से संबंधित करें

**********

## इकाई –II (भार: 8 अंक)

## अध्याय-2: विश्व जनसंख्या वितरण, घनत्व और वृद्धि

### अध्याय का सार

विश्व में जनसंख्या वितरण के पैटर्न-

- जनसंख्या वितरण शब्द का तात्पर्य पृथ्वी की सतह पर लोगों के फैलाव से है।
- मोटे तौर पर, विश्व की 90% जनसंख्या लगभग 10% भू-क्षेत्र पर रहती है।
- विश्व के 10 सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश विश्व की लगभग 60% जनसंख्या का योगदान करते हैं।
- इन 10 देशों में से 6 एशिया में स्थित हैं।

### जनसंख्या घनत्व

**जनसँख्या घनत्व =जनसँख्या/क्षेत्रफल**

जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारक-

I. भौगोलिक कारक- जल की उपलब्धता, भू-आकृतियाँ, जलवायु, मिट्टी।

II. आर्थिक कारक- खनिज, शहरीकरण और औद्योगीकरण।

III- सामाजिक और सांस्कृतिक कारक- कुछ स्थान अधिक लोगों को आकर्षित करते हैं क्योंकि उनका धार्मिक या सांस्कृतिक महत्व होता है।

जनसंख्या भूगोल की कुछ बुनियादी अवधारणाएँ

•**जनसंख्या वृद्धि**: किसी विशेष क्षेत्र में दो समय बिन्दुओं के बीच जनसंख्या में होने वाले परिवर्तन को जनसंख्या वृद्धि के रूप में जाना जाता है।

•**जनसंख्या वृद्धि दर**: यह जनसंख्या में परिवर्तन को प्रतिशत में व्यक्त किया गया है।

•जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि:

**जनसंख्या वृद्धि= जन्म दर- मृत्यु दर**

**जनसंख्या की वास्तविक वृद्धि= जन्म दर- मृत्यु दर+अप्रवास-उत्प्रवास**

**जनसंख्या की धनात्मक वृद्धि**- जनसंख्या की धनात्मक वृद्धि तब होती है,जब दो समय अंतरालों के बीच जन्म दर मृत्यु दर से अधिक हो या अन्य देशों के लोग स्थाई रूप से उसे देश में प्रवास कर जाएं।

**जनसंख्या की नकारात्मक वृद्धि:**यदि दो समय बिंदुओं के बीच जनसंख्या घटती है तो इसे जनसंख्या की नकारात्मक वृद्धि के रूप में जाना जाता है

**जनसंख्या परिवर्तन के घटक**-जनसंख्या परिवर्तन के तीन घटक हैं – जन्म, मृत्यु और प्रवास।

**अघोषित जन्म दर-** अघोषित जन्म दर को प्रति हजार स्त्रियों द्वारा जन्म दिए गए जीवित बच्चों के रूप में व्यक्त किया जाता है इसकी गणना इस प्रकार की जाती है

$$\text{अशोधित जन्म दर} = \frac{\text{किसी वर्ष विशेष में जीवित जन्म}}{\text{उस क्षेत्र के मध्य वर्ष की अनुमानित जनसंख्या}} \times 1000$$

**अशोधित मृत्यु दर (सीडीआर)**

$$\text{अशोधित मृत्यु दर} = \frac{\text{किसी वर्ष विशेष में मृतकों की संख्या}}{\text{उस वर्ष के मध्य की अनुमानित जनसंख्या}} \times 1000$$

**प्रवास-व्यक्तियों का एक स्थान को छोड़कर दूसरे स्थान पर जाना।**

**जब लोग एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हैं तो स्थान जहां से लोग गमन करते हैं उद्गम स्थान कहलाता है जिस स्थान पर लोग आगमन करते हैं वह गंतव्य स्थान कहलाता है उद्गम स्थान पर जनसंख्या में कमी को दर्शाता है जबकि स्थान गंतव्य स्थान पर जनसंख्या बढ़ जाती है**

**प्रतिकर्ष कारक-** वह कारक जो उद्गम स्थान को अनाकर्षक बनाते हैं.तथा लोगों को उद्गम स्थान छोड़ने के लिए बाध्य करते हैं

**अपकर्ष कारक-** वे कारक जो गंतव्य स्थान से को आकर्षक बनाते हैं और लोगों को वहां कर आकर रहने के लिए प्रेरित करते हैं

• पृथ्वी पर जनसंख्या सात अरब से अधिक है।

• पहली शताब्दी ई. में यह संख्या 300 मिलियन से कम थी।

• इसे 5 बिलियन से 6 बिलियन तक बढ़ने में केवल 12 वर्ष लगे।

**जनसंख्या परिवर्तन का स्थानिक पैटर्न-**

• विकासशील देशों की तुलना में विकसित देशों में जनसंख्या वृद्धि कम है।

• विश्व की जनसंख्या वृद्धि दर 1.4% है, यह अफ्रीका में सबसे अधिक अर्थात 2.6% है, तथा यूरोप में सबसे कम अर्थात 0.1% है, अर्थात न तो वृद्धि हुई है, न ही गिरावट।

**जनसंख्या परिवर्तन का प्रभाव**

• एक निश्चित स्तर से अधिक जनसंख्या वृद्धि से समस्याएं उत्पन्न होती हैं, जिनमें संसाधनों का ह्रास सबसे गंभीर है।

• जनसंख्या में गिरावट भी चिंता का विषय है। यह दर्शाता है कि जो संसाधन पहले जनसंख्या का भरण-पोषण करते थे, वे अब जनसंख्या को बनाए रखने के लिए अपर्याप्त हैं।

**जनसांख्यिकीय संक्रमण-**

**पहला चरण**-यहाँ प्रजनन क्षमता और मृत्यु दर अधिक है क्योंकि महामारी और खाद्य आपूर्ति में उतार-चढ़ाव के कारण होने वाली मौतों की भरपाई के लिए लोग अधिक प्रजनन करते हैं। दो सौ साल पहले दुनिया के सभी देश इसी अवस्था में थे।

**दूसरे चरण** मेंप्रजनन क्षमता उच्च बनी हुई है, लेकिन समय के साथ इसमें गिरावट आती है। स्वच्छता और स्वास्थ्य स्थितियों में सुधार से मृत्यु दर में कमी आती है। इस अंतर के कारण जनसंख्या में शुद्ध वृद्धि अधिक होती है।

**तीसरे चरण**- मेंप्रजनन और मृत्यु दर दोनों में काफी गिरावट आती है। जनसंख्या या तो स्थिर रहती है या धीरे-धीरे बढ़ती है।

**बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)**

Q1. निम्नलिखित का मिलान करें-

| | |
|---|---|
| 1. प्रवास में | (i) बेरोजगारी |
| 2. पलायन | (ii) आजीविका की बेहतर स्थिति |
| 3. आकर्षण कारक | (iii) नए स्थानों पर जाने वाले प्रवासी |
| 4. पुश कारक | (iv) प्रवासी जो एक स्थान से आते हैं |

1 2 3 4

(ए) (iii) (iv) (i) (ii)

(बी) (ii) (i) (iii) (iv)

(सी) (iv) (iii) (ii) (i)

(डी) (ii) (iv) (i) (iii)

उत्तर: (सी)(iv) (iii) (ii) (i)

प्रश्न 2. अभिकथन: लोग समतल मैदानों और हल्की ढलानों पर रहना पसंद करते हैं।

कारण: ये क्षेत्र फसलों के उत्पादन, सड़कों और उद्योगों के निर्माण के लिए अनुकूल हैं।

विकल्प (A) केवल कथन I सही है

(B) कथन I और II दोनों सही हैं और कथन II कथन I को सही ढंग से समझाता है

(C) केवल कथन II सही है

(D) कथन I और II दोनों गलत हैं।

**उत्तर: (बी) कथन I और II दोनों सही हैं और कथन II कथन I को सही ढंग से समझाता है**

प्रश्न 3. अभिकथन-भूमध्यसागरीय क्षेत्र में लोग इतिहास के प्रारंभिक काल से ही निवास करते आ रहे हैं।

कारण- मैदानी क्षेत्र फसलों के उत्पादन, सड़कों और उद्योगों के निर्माण के लिए अनुकूल हैं

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

(b]) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है

(c)A सत्य है लेकिन R असत्य है। (d) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

उत्तर: (a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

## आरेख आधारित प्रश्न (1X3 अंक)

Q1. ग्राफ का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:

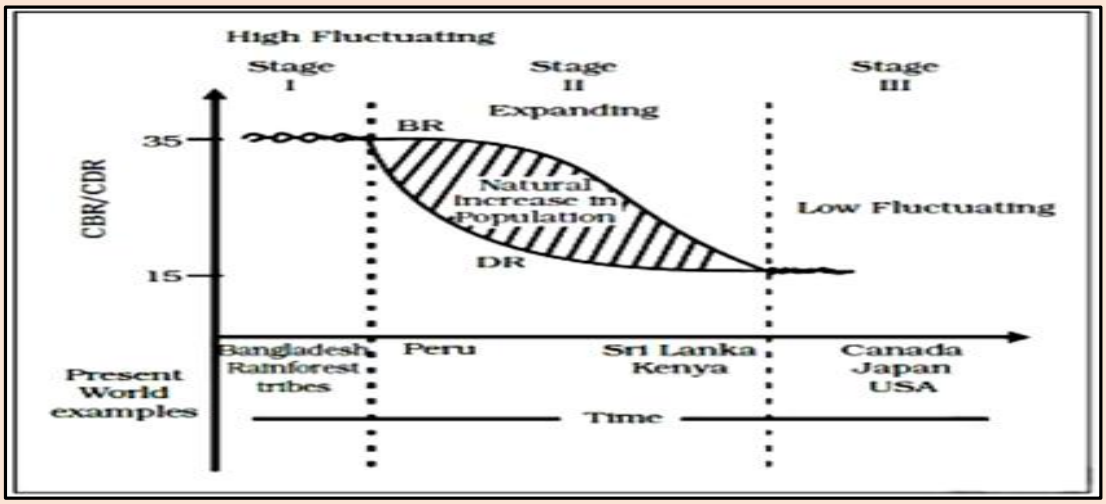


(I) कौन सा चरण जनसंख्या विस्फोट को दर्शाता है?

उत्तर: दूसरा चरण जनसंख्या विस्फोट का प्रतिनिधित्व करता है।

(II) तृतीय चरण में जनसंख्या में उतार-चढ़ाव कम क्यों रहता है?

उत्तर: विकसित अर्थव्यवस्था के कारण।

(III) चरण II में जन्म दर में गिरावट का क्या कारण था?

उत्तर: समृद्धि में वृद्धि।

प्रश्न 2. ग्राफ का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें-

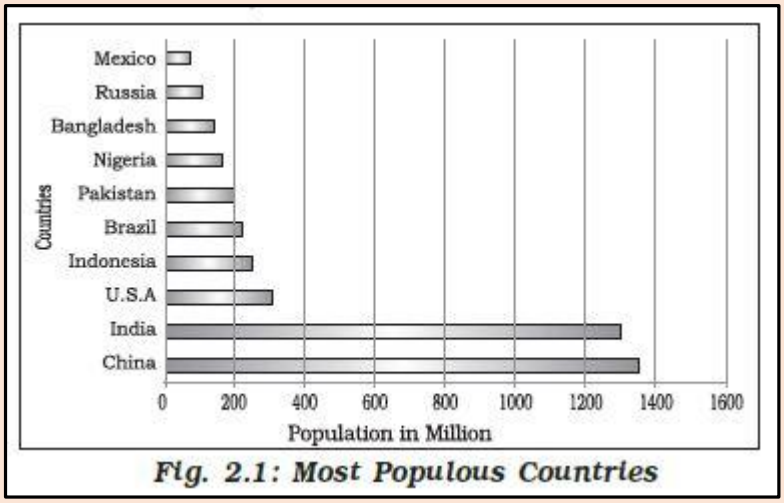


*Fig. 2.1: Most Populous Countries*

2.1. तीसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश पहचानें।

उत्तर: यू.एस.ए.

2.2. उस एशियाई देश की पहचान करें जो जनसंख्या के मामले में दुनिया में चौथा सबसे बड़ा देश है।

उत्तर: पाकिस्तान

2.3. दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देशों की सबसे बड़ी सांद्रता किस महाद्वीप में है?

उत्तर: एशिया।

## लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक)

प्रश्न 1. किसी क्षेत्र की मृत्यु दर किस प्रकार प्रभावित होती है? प्रवास के लिए जिम्मेदार किन्हीं चार कारकों की व्याख्या कीजिए।
उत्तर: प्रवासन लोगों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर विस्थापन है। यह स्थायी, अस्थायी या मौसमी हो सकता है। प्रवासन के प्रेरक कारक हैं- बेरोज़गारी (ii) खराब रहने की स्थिति (iii) राजनीतिक उथल-पुथल (iv) अप्रिय जलवायु आकर्षण कारक इस प्रकार हैं:बेहतर रोजगार के अवसर। (ii) बेहतर जीवन स्थितियां। (iii) किसी क्षेत्र की मृत्यु दर चिकित्सा और स्वास्थ्य सुविधाओं, स्वच्छता और पौष्टिक भोजन के प्रावधान की उपलब्धता से प्रभावित होती है।
प्रश्न 2. सरकारें और समाज जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के उपायों को कैसे लागू कर सकते हैं?
उत्तर: जनसंख्या नियंत्रण के लिए कई उपाय हैं: - (i) परिवार नियोजन कार्यक्रम (ii) गर्भनिरोधकों का निःशुल्क वितरण (iii) शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 1. "विश्व की 90 प्रतिशत जनसंख्या इसके कुल भू-क्षेत्र के लगभग 10 प्रतिशत भाग पर रहती है, जबकि शेष 10 प्रतिशत जनसंख्या इसके 90 प्रतिशत भू-क्षेत्र पर निवास करती है।" उपयुक्त उदाहरणों के साथ इस कथन का समर्थन करें।
उत्तर: यह सच है कि दुनिया की 90 प्रतिशत आबादी इसके कुल भू-क्षेत्र के लगभग 10 प्रतिशत हिस्से में रहती है, जबकि शेष 10 प्रतिशत आबादी इसके 90 प्रतिशत भू-क्षेत्र में निवास करती है। दुनिया में जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले कारक हैं: सांस्कृतिक कारक, भौतिक कारक, परिवहन के साधन और आर्थिक स्थिति।
प्रश्न 2. "भारत के दो क्षेत्रों की कुल आबादी समान है, लेकिन एक का जनसंख्या घनत्व दूसरे की तुलना में अधिक है। इस अंतर के क्या कारण हो सकते हैं?" जनसंख्या के घनत्व को प्रभावित करने वाले चार भौगोलिक कारकों की जाँच करें।
उत्तर: उच्च जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्र में छोटा भूमि क्षेत्र, बेहतर बुनियादी ढाँचा, शहरी केंद्र, अधिक रोजगार के अवसर और उपजाऊ भूमि हो सकती है। इसके विपरीत, दूसरा क्षेत्र बड़ा हो सकता है लेकिन कम विकसित या रहने में अधिक कठिन हो सकता है। दुनिया में जनसंख्या के घनत्व को प्रभावित करने वाले भौगोलिक कारक राहत, मैदान, जलवायु और मिट्टी हैं।

1. **जल की उपलब्धता-**जिन क्षेत्रों में जल की आपूर्ति ज्यादा होती है वहां जनसंख्या घनत्व अधिक होता है उदाहरण नदी घाटी सभ्यता और नगरी क्षेत्र जो नदियों के पास विकसित हैं वाहन उद्योग और कृषि का विस्तार होने से जनसंख्या का अधिक घनत्व है।
2. **स्थलाकृति-** मैदानी क्षेत्रों में कृषि उद्योग एवं मानव बस्तियों के लिए सबसे उपयुक्त होती हैं अतः वहां जनसंख्या घनत्व अधिक होता है परंतु पर्वती क्षेत्र पहाड़ी क्षेत्र में समान धरातली स्थिति के कारण जनसंख्या आती निम्न होती है
3. **जलवायु-** विश्व की अधिकांश जनसंख्या उन्हीं क्षेत्रों में निवास करती है जहां सम जलवायु सुहावना जलवायु पाई जाती है जैसे भूमध्यसागरीय क्षेत्र दक्षिणी पूर्वी एशिया पूर्वी एशिया और दक्षिणी एशिया इसके विपरीत किन क्षेत्रों में विषम जलवायु होती है वहां जनसंख्या आई निम्न होती है ।

**********

## इकाई – III ((भार: 19 अंक)

## अध्याय-3: मानव विकास

### पाठ का सारांश

1.विकास और प्रगति-विकास मात्रात्मक और मूल्य तटस्थ है। इसका सकारात्मक या नकारात्मक संकेत हो सकता है। इसका मतलब है कि परिवर्तन सकारात्मक (वृद्धि दर्शाने वाला) या नकारात्मक (कमी दर्शाने वाला) हो सकता है। विकास का मतलब गुणात्मक परिवर्तन है जो हमेशा मूल्य सकारात्मक होता है।

2.पाकिस्तानी अर्थशास्त्री डॉ. महबूब-उल-हक ने 1990 में मानव विकास सूचकांक तैयार किया था। उनके अनुसार, विकास का मतलब है लोगों के विकल्पों को बढ़ाना ताकि वे सम्मान के साथ लंबा, स्वस्थ जीवन जी सकें।

3.संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने 1990 से प्रतिवर्ष मानव विकास रिपोर्ट प्रकाशित करने के लिए मानव विकास की उनकी अवधारणा का उपयोग किया है।

नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर अमर्त्य सेन ने स्वतंत्रता में वृद्धि देखी। डॉ. महबूब-उल-हक और प्रोफेसर अमर्त्य सेन: मानव विकास सूचकांक के निर्माता।

**मानव विकास के उपागम:**

**1. आय उपागम:** सबसे पुराना उपागम -उच्च आय का मतलब उच्च विकास है।

**2. कल्याणकारी उपागम**: कल्याणकारी उद्देश्यों जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा पर सरकारी व्यय।

**3. बुनियादी आवश्यकताओं का उपागम:** यह अवधारणा ILO (अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन) द्वारा प्रस्तावित की गई थी जो छह बुनियादी जरूरतों (स्वास्थ्य, पानी, भोजन, जल आपूर्ति, स्वच्छता और आवास) पर केंद्रित है।

**4. क्षमता उपागम:** यह दृष्टिकोण प्रोफेसर अमर्त्य सेन से जुड़ा है, जो कहता है कि मानव विकास के लिए संसाधनों, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच सुनिश्चित करना आवश्यक है।

**मानव विकास सूचकांक के संकेतक-**

**1. स्वास्थ्य के क्षेत्र**-स्वास्थ्य का आकलन करने के लिए चुना गया संकेतक जन्म के समय जीवन प्रत्याशा है। उच्च जीवन प्रत्याशा का मतलब है कि लोगों के पास लंबा और स्वस्थ जीवन जीने की अधिक संभावना है।

**2. शिक्षा के क्षेत्र**-वयस्क साक्षरता दर और सकल नामांकन अनुपात ज्ञान तक पहुँच को दर्शाते हैं। पढ़ने और लिखने में सक्षम वयस्कों की संख्या और स्कूलों में नामांकित बच्चों की संख्या दर्शाती है कि किसी विशेष देश में ज्ञान तक पहुँचना कितना आसान या कठिन है।

**3. संसाधनों तक पहुंच-** संसाधनों तक पहुंच को क्रय शक्ति (अमेरिकी डॉलर में) के संदर्भ में मापा जाता है।

## बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न 1. कथन 1:विकास तब होता है जब सकारात्मक वृद्धि होती है।

कथन 2: सकारात्मक वृद्धि सदैव विकास की ओर ले जाती है।

A. केवल 1 सही है B. केवल 2 सही है

C. दोनों कथन गलत हैं।

D. दोनों कथन सही हैं और कथन 2 कथन 1 को सही ढंग से समझाता है

उत्तर: (बी) केवल 1 सही है

प्रश्न 2.कथन 1: मानव विकास का अर्थ है लोगों के विकल्पों को बढ़ाना और स्तर को ऊपर उठाना भलाई की.

कथन 2: स्वास्थ्य और शिक्षा पर अधिक निवेश करके मानव विकास प्राप्त किया जा सकता है।

A. केवल 1 सही है बी।केवल 2 सही है

C. दोनों कथन गलत हैं।

D. दोनों कथन सही हैं और कथन 2 कथन 1 को सही ढंग से समझाता है

उत्तर: (D) दोनों कथन सही हैं और कथन 2 कथन को सही ढंग से समझाता है

प्रश्न 3. अभिकथन:विश्व में मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) में भारत का स्थान 134 है।

कारण:मानव विकास सूचकांक आर्थिक विकास, जीवन स्तर और मृत्यु दर में उपलब्धि को मापता है।

(a)A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) A सत्य है लेकिन R असत्य है. [d] A असत्य है लेकिन R सत्य है.

उत्तर: (b) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

## स्रोत आधारित प्रश्न (1X3 अंक)

**प्रश्न 1. निम्नलिखित स्रोत को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:**

1990 से संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) हर साल मानव विकास रिपोर्ट प्रकाशित कर रहा है। यह रिपोर्ट मानव विकास के स्तर के अनुसार सभी सदस्य देशों की रैंक के अनुसार सूची प्रदान करती है। मानव विकास सूचकांक और मानव गरीबी सूचकांक यूएनडीपी द्वारा उपयोग किए जाने वाले मानव विकास को मापने के लिए दो महत्वपूर्ण सूचकांक हैं। भूटान दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जिसने आधिकारिक तौर पर सकल राष्ट्रीय खुशी (जीएनएच) को देश की प्रगति के माप के रूप में घोषित किया है। भौतिक प्रगति और तकनीकी विकास को पर्यावरण या भूटानी लोगों की संस्कृति और आध्यात्मिक जीवन के अन्य पहलुओं को होने वाले संभावित नुकसान को ध्यान में रखते हुए अधिक सावधानी से देखा जाता है। इसका सीधा सा मतलब है कि भौतिक प्रगति खुशी की कीमत पर नहीं आ सकती। जीएनएच हमें विकास के गैर-भौतिक और गुणवत्ता पहलू के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करता है।

(I) मानव विकास रिपोर्ट पहली बार कब प्रकाशित हुई?

उत्तर: 1990

(II) मानव विकास रिपोर्ट कौन सी एजेंसी लाती है?

उत्तर: संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम प्रतिवर्ष मानव विकास रिपोर्ट प्रकाशित करता है।

(III) यूएनडीपी द्वारा मानव विकास को मापने के लिए प्रयुक्त दो महत्वपूर्ण सूचकांक कौन से हैं?

उत्तर: मानव विकास सूचकांक और मानव गरीबी

प्रश्न 1. ग्राफ का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें-

1.1. सार्थक जीवन क्या है?

उत्तर: सार्थक जीवन सिर्फ़ लंबा जीवन नहीं होता। यह किसी उद्देश्य के साथ जीवन होना चाहिए। इसका मतलब है कि लोगों को स्वस्थ होना चाहिए, अपनी प्रतिभा को विकसित करने में सक्षम होना चाहिए।

1.2. महिला भविष्य में क्या हासिल करना चाहती है?

उत्तर: वह कैंसर के इलाज के लिए एक सस्ता और अधिक प्रभावी इलाज खोजने की उम्मीद करती है।

1.3. छवि दो व्यक्तियों के बीच क्या अंतर दिखाती है?

उत्तर: छवि निराशा और महत्वाकांक्षा के बीच अंतर दिखाती है।

## लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक)

प्रश्न 1. वृद्धि और विकास के बीच अंतर बताइये।

उत्तर: विकास-मात्रात्मक पहलू जैसे ऊंचाई, समय सीमा प्रक्रिया, विकास का हिस्सा।

विकास-व्यवहार, दक्षता, ज्ञान, आजीवन प्रक्रिया, विकास जैसे गुणात्मक पहलू उचित वृद्धि के माध्यम से संभव हो सकते हैं।

प्रश्न 2. "विकास का मूल लक्ष्य ऐसी परिस्थितियाँ बनाना है जहाँ लोग सार्थक जीवन जी सकें"। सार्थक जीवन से आपका क्या अभिप्राय है?

उत्तर: सार्थक जीवन सिर्फ लंबा जीवन नहीं है, इसमें ये भी शामिल है- स्वस्थ जीवन, उद्देश्यपूर्ण जीवन, अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्वतंत्र, अपनी प्रतिभा को विकसित करने में सक्षम।

प्रश्न 3. मानव विकास सूचकांक में भूटान को किस रूप में देखते हैं|

उत्तर: भूटान दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जिसने सकल राष्ट्रीय खुशी (GNH) को मानव विकास का सूचक घोषित किया है। सांस्कृतिक जीवन में खुशी। आध्यात्मिक जीवन में खुशी। गैर-भौतिकवादी शांति।

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 1. विभिन्न उपागम के द्वारा मानव विकास को कैसे परिभाषित और मापते हैं?

उत्तर:1**. आय उपागम**: सबसे पुराना उपागम उच्च आय का मतलब उच्च विकास है।

**2. कल्याणकारी उपागम:** कल्याणकारी उद्देश्यों जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा पर सरकारी व्यय।

**3. बुनियादी आवश्यकता उपागम:** आईएलओ (अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन) द्वारा प्रस्तावित यह अवधारणा मानव विकास को छह बुनियादी जरूरतों (स्वास्थ्य, पानी, भोजन, जलापूर्ति, स्वच्छता और आवास) के आधार पर इंगित करती है।

**4. क्षमता उपागम**: यह उपागम प्रोफेसर अमर्त्य सेन से जुड़ा है - संसाधनों, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच।

प्रश्न 2. आप मानव विकास की अवधारणा को कैसे परिभाषित करेंगे? मानव विकास के चार मुख्य स्तंभ क्या हैं, और वे समग्र कल्याण को कैसे समर्थन देते हैं?

उत्तर: मानव विकास का तात्पर्य मानव के आस-पास की हर चीज़ में गुणात्मक सकारात्मक परिवर्तन से है। मानव विकास का विचार चार मुख्य अवधारणाओं द्वारा समर्थित है अर्थात् समानता, उत्पादकता को बनाए रखना और सशक्तिकरण। मानव विकास के चार स्तंभों में से दो इस प्रकार हैं

**I) समता -** वर्ष, लिंग, जाति, आय और आय के सभी व्यक्तियों को समान अवसर उपलब्ध कराने से संबंधित है।

**ii) स्थिरता**-इसका अर्थ है सभी को निरन्तर अवसर उपलब्ध कराना तथा प्रत्येक पीढ़ी को ध्यान में रखते हुए संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना।

**iii) उत्पादकता-**मानव श्रम की उत्पादकता को संदर्भित करता है। लोग राष्ट्र के संसाधन हैं।

iv) सशक्तिकरण-इसका मतलब है चुनाव करने का अधिकार। इसे लोगों की स्वतंत्रता और क्षमताओं को बढ़ाकर प्राप्त किया जा सकता है। सरकार की सुशासन और जनोन्मुखी नीतियां।

**********

# इकाई – III ((भार: 19 अंक)

## अध्याय-4: प्राथमिक गतिविधियाँ

### पाठ का सारांश

प्राथमिक गतिविधियाँ: यह प्राथमिक गतिविधियों को आर्थिक गतिविधियों के रूप में प्रस्तुत करता है, जिसमें पृथ्वी से सीधे प्राकृतिक संसाधनों का निष्कर्षण और उत्पादन शामिल होता है।

**प्राथमिक गतिविधियों के प्रकार:**

●**कृषि:** इसमें विभिन्न प्रकार की खेती (निर्वाह और वाणिज्यिक), प्रमुख फसलें, फसल पैटर्न और कृषि पद्धतियों को शामिल किया गया है।

●**खनन:** खनिजों के प्रकार, खनन विधियों, खनिजों के वितरण और उनके आर्थिक महत्व पर चर्चा की गई।

●**मछली पकड़ना:** इसमें मछली पकड़ने के प्रकार (अंतर्देशीय और समुद्री), मछली पकड़ने के मैदान, मछली पकड़ने के तरीके और मत्स्य पालन का महत्व शामिल है।

●**शिकार और संग्रहण:** सबसे पुरानी आर्थिक गतिविधि जिसमें जानवरों का शिकार करना और पौधे इकट्ठा करना शामिल है।

●**पशुचारण:** पशुओं को चराने और चरागाहों पर पालने की प्रथा, जो निर्वाह या व्यावसायिक स्तर पर की जा सकती है।

●**खानाबदोश पशुपालन:** एक प्रकार का पशुपालन जिसमें चरवाहे अपने पशुओं के साथ भोजन और पानी की तलाश में विभिन्न स्थानों पर जाते हैं।

●**वाणिज्यिक पशुधन पालन:** स्थायी फार्मों पर पशुओं को पालने की प्रथा, जो अधिक संगठित और पूंजी-प्रधान है।

●कृषि: फसलों की खेती और पशुपालन की प्रथा, जो निर्वाह या वाणिज्यिक स्तर पर की जा सकती है।

●**जीविका कृषि:** व्यक्तिगत उपभोग के लिए फसलों की खेती और पशुधन पालन की प्रथा, जिसे आगे आदिम और गहन निर्वाह कृषि में विभाजित किया जा सकता है।

●**बागान कृषि:** बड़े भू-भागों या बागानों में फसल उगाने की प्रथा, जिसके लिए बहुत अधिक पूंजी निवेश और खेती के वैज्ञानिक तरीकों की आवश्यकता होती है।

●**व्यापक वाणिज्यिक अनाज की खेती:** बड़े खेतों पर गेहूं, मक्का और जौ जैसी फसलों की खेती की प्रथा, जिसके लिए मशीनीकरण की आवश्यकता होती है और प्रति व्यक्ति उच्च उपज प्राप्त होती है।

●**मिश्रित खेती:** फसलों की खेती और पशुपालन की एक साथ प्रथा, जो दुनिया के अत्यधिक विकसित भागों में की जाती है।

●**दुग्ध उत्पादन** : दुधारू पशुओं को पालने की प्रथा, जिसमें बहुत अधिक पूंजी निवेश और श्रम की आवश्यकता होती है।

●**भूमध्यसागरीय कृषि:** भूमध्यसागरीय क्षेत्र में अंगूर, जैतून और अंजीर जैसी फसलों की खेती की प्रथा।

●**बाज़ार बागवानी और बागवानी:** शहरी बाजारों के लिए सब्जियां, फल और फूल जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों की खेती करने की प्रथा।

●**ट्रक खेती:** केवल सब्जियों की खेती की प्रथा, जो शहरी बाजारों के पास की जाती है।

●**फैक्ट्री खेती:** पशुधन और मुर्गीपालन को बाड़ों और बाड़ों में पालने की प्रथा, जिसके लिए बहुत अधिक पूंजी निवेश की आवश्यकता होती है।

**●सहकारी खेती:** अधिक कुशलतापूर्वक और लाभप्रद रूप से खेती करने के लिए संसाधनों को एक साथ एकत्रित करने की प्रथा।

**●सामूहिक खेती:** साथ मिलकर खेती करने और उपज को साझा करने की प्रथा, जो पूर्व सोवियत संघ में शुरू की गई थी।

खनन: पृथ्वी से खनिजों का निष्कर्षण, जो सतह या भूमिगत खनन के माध्यम से किया जा सकता है।

## बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न 1. अभिकथन: पशुचारी खानाबदोशों की संख्या घट रही है और उनके द्वारा संचालित क्षेत्र सिकुड़ रहा है।

कारण: इसका कारण विभिन्न देशों द्वारा नई राजनीतिक सीमाएं तथा नई बसावट योजनाएं हैं।

A. A सत्य है और R, A का सही कारण है।

B. A सत्य है और R, A का सही कारण नहीं है।

C. A सत्य है और R असत्य है।

D. A असत्य है और R सत्य है।

उत्तर: A. A सत्य है और R, A का सही कारण है।

प्रश्न 2. अभिकथन: स्लैश एंड बर्न कृषि में, किसान जंगल के एक हिस्से को साफ करते हैं और अपनी फसल उगाना शुरू करते हैं। कुछ वर्षों के बाद, किसान उस हिस्से को छोड़ देते हैं और दूसरे हिस्से में चले जाते हैं।

कारण: इस प्रकार की खेती पूर्वोत्तर भारत में आम है और यहां इसे मिल्पा कहा जाता है।

A. A सत्य है और R, A का सही कारण है।

B. A सत्य है और R, A का सही कारण नहीं है।

C. A सत्य है और R असत्य है।

D. A असत्य है और R सत्य है।

उत्तर: C. A सत्य है और R असत्य है।

प्रश्न 3. अभिकथन (A) अवैध शिकार के कारण कई प्रजातियाँ अब विलुप्त या संकटग्रस्त हो गई हैं।

कारण (R)शुरुआती शिकारी पत्थरों, टहनियों या तीरों से बने आदिम औजारों का इस्तेमाल करते थे, इसलिए मारे गए जानवरों की संख्या सीमित थी।

केवल कथन 1 सही है। बी।केवल कथन 2 सही है

C. कथन 1 और 2 दोनों सही हैं डी।दोनों कथन ग़लत हैं

उत्तर: C. कथन 1 और 2 दोनों सही हैं।

प्रश्न 4. अभिकथन (A) एकत्रित उत्पाद विश्व बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते।

कारण (R)सिंथेटिक उत्पाद अक्सर बेहतर गुणवत्ता वाले और कम कीमत वाले होते हैं।

A. कथन I और II दोनों सही हैं

B. कथन I और II दोनों सही हैं और कथन II, I का सही स्पष्टीकरण है।

c. दोनों कथन गलत हैं। d. केवल कथन I सत्य है।

उत्तर: B. कथन I और II दोनों सही हैं और कथन II, I का सही स्पष्टीकरण है।

## चित्र आधारित प्रश्न (1X3)

प्रश्न 1. नीचे दिए गए चित्र का अध्ययन करें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें-

1.1. यह छवि किस प्रकार की खेती को दर्शाती है?

उत्तर: यह व्यापक या आधुनिक मशीनीकृत खेती को दर्शाती है।

1.2. इस प्रकार की खेती किस क्षेत्र में की जाती है?

उत्तर: वाणिज्यिक अनाज की खेती मध्य अक्षांशों की अर्ध-शुष्क भूमि के आंतरिक भागों में की जाती है।

1.3. खेतों में क्या उगता हुआ दिखाई देता है?

उत्तर: गेहूँ मुख्य फसल है, हालाँकि मक्का, जौ, जई और राई जैसी अन्य फसलें भी उगाई जाती हैं।

प्रश्न 2. नीचे दिए गए चित्र  का अध्ययन करें और प्रश्नों के उत्तर दें-

(I) चित्र में दिए गए कृषि के प्रकार का नाम बताइए।

उत्तर: बागान कृषि

(II) फ़ज़ेंडा क्या हैं?

उत्तर: ब्राज़ील में कॉफ़ी बागान

(III) इस प्रकार की कृषि की कुछ महत्वपूर्ण फसलों के नाम बताइए।

उत्तर: चाय, कॉफी, रबर, गन्ना।

प्रश्न 3. नीचे दिए गए चित्र  का अध्ययन करें और प्रश्नों के उत्तर दें-

3.1. यह छवि किस प्रकार की खेती को दर्शाती है?

उत्तर. यह ट्रक खेती को दर्शाता है, जहाँ उपज उगाई जाती है और बिक्री के लिए ले जाया जाता है।

3.2. ट्रक खेती का उद्देश्य क्या है?

उत्तर. इसका उद्देश्य उपज उगाना और उसे सीधे बिक्री के लिए बाज़ारों में ले जाना है।

3.3. ट्रक खेती की मुख्य विशेषताएँ लिखें।

उत्तर. वे क्षेत्र जहाँ किसान केवल सब्ज़ियों में माहिर होते हैं, वहाँ खेती को ट्रक खेती के रूप में जाना जाता है। बाज़ार से ट्रक फ़ार्म की दूरी उस दूरी से तय होती है जो एक ट्रक रात भर में तय कर सकता है, इसलिए इसे ट्रक खेती कहा जाता है।

4.1. चित्र में लोग किस गतिविधि में लगे हुए हैं?

उत्तर: वे एक विशाल परिदृश्य में जानवरों, संभवतः भेड़ या बकरियों को चरा रहे हैं।

4.2. लोग परिवहन के किस साधन का उपयोग कर रहे हैं?

उत्तर: वे घोड़ों की सवारी कर रहे हैं और अपना सामान ले जाने के लिए जानवरों का उपयोग कर रहे हैं।

4.3. यह चित्र किस प्रकार की जीवन शैली को दर्शाता है?

उत्तर:यह चित्र एक खानाबदोश जीवन शैली को दर्शाता है, जहाँ लोग चरागाह की तलाश में अपने जानवरों के साथ घूमते हैं।

## स्रोत आधारित प्रश्न (1x3)

प्रश्न 1. निम्नलिखित स्रोत को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:

अयस्क की प्रकृति और घटना के तरीके के आधार पर, खनन दो प्रकार का होता है: सतही और भूमिगत खनन। सतही खनन, खनन का सबसे आसान और सस्ता तरीका है क्योंकि खनिज सतह के करीब पाए जाते हैं। इस विधि में सुरक्षा सावधानियों और उपकरणों जैसी ओवरहेड लागत अपेक्षाकृत कम है। जब अयस्क सतह से नीचे गहराई में होता है, तो भूमिगत खनन विधि का उपयोग करना पड़ता है। इस विधि में, ऊर्ध्वाधर शाफ्ट को डुबोना पड़ता है, जहाँ से खनिजों तक पहुँचने के लिए भूमिगत दीर्घाएँ निकलती हैं। खनिजों को इन मार्गों के माध्यम से निकाला जाता है और सतह पर पहुँचाया जाता है। इसके लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए लिफ्ट, ड्रिल, ढुलाई वाहन, लोगों और सामग्री की सुरक्षा और कुशल आवाजाही के लिए वेंटिलेशन सिस्टम की आवश्यकता होती है। यह विधि जोखिम भरी है।

(I) किस प्रकार के खनन को ओपन-कास्ट खनन के रूप में भी जाना जाता है?

उत्तर: सतही खनन

(II) किस प्रकार के खनन में उत्पादन बड़ा और तीव्र होता है?

उत्तर: ओपनकास्ट खनन

(III) भूमिगत खनन में किस प्रकार की दुर्घटनाएँ हो सकती हैं?

उत्तर: जहरीली गैसें, आग और बाढ़।

## लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक)

प्रश्न 1. लाल कॉलर जॉब शब्द का क्या अर्थ है और वे किस प्रकार का काम करते हैं?

उत्तर: लाल कॉलर जॉब कृषि, खनन और मत्स्य पालन जैसे प्राथमिक उद्योगों में शामिल व्यक्तियों को संदर्भित करते हैं। इस शब्द का इस्तेमाल अक्सर कामगार मजदूरों को दर्शाने के लिए किया जाता है जो बाहर काम करते हैं और शारीरिक रूप से कठिन काम करते हैं, आमतौर पर कच्चे माल के निष्कर्षण और उत्पादन से संबंधित उद्योगों में।

प्रश्न 2. "शहरीकरण के कारण डेयरी फार्मिंग (दुग्ध उत्पादन) का विकास हुआ है।" उदाहरण सहित समझाइए।

या

'डेयरी फार्मिंग' (दुग्ध उत्पादन) का क्या महत्व है? इसे मुख्य रूप से दुनिया के शहरी और औद्योगिक केंद्रों के पास क्यों किया जाता है? कोई दो कारण बताइए।

उत्तर: डेयरी फार्मिंग शहरी केंद्रों के पास विकसित की जाती है। फार्म औद्योगिक और वाणिज्यिक शहरों के पास स्थित हैं जो डेयरी उत्पादों के लिए बाजार प्रदान करते हैं। यह शहरीकरण से निकटता से जुड़ा हुआ है। बढ़ती आबादी के कारण शहरों में दूध उत्पादों की बहुत मांग है।

यूरोप, उत्तर-पूर्व अमेरिकी क्षेत्र तथा ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के शीतोष्ण घास के मैदानों में, अधिकांश डेयरी केंद्र बड़े शहरों के पास स्थापित किये जाते हैं।

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 1. शिकार और संग्रहण को आदिम आर्थिक गतिविधि क्यों माना जाता है? इसकी मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

उत्तर: कुछ महत्वपूर्ण विशेषताएं इस प्रकार हैं:

•इसका अभ्यास कठोर जलवायु परिस्थितियों वाले क्षेत्रों में किया जाता है।

•इसमें आदिम समाज शामिल है जो भोजन, आवास और वस्त्र की अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पौधों और जानवरों का दोहन करते हैं।

•इस प्रकार की गतिविधि के लिए थोड़ी मात्रा में पूंजी निवेश की आवश्यकता होती है।

•यह बहुत निम्न स्तर की प्रौद्योगिकी पर काम करता है।

•प्रति व्यक्ति उपज बहुत कम है और बहुत कम या कोई अधिशेष उत्पादन नहीं होता है।

•क्षेत्र: यह सभा उच्च अक्षांश क्षेत्रों में की जाती है जिसमें उत्तरी कनाडा, उत्तरी यूरेशिया और चिली, निम्न अक्षांश क्षेत्रों जैसे अमेज़न बेसिन, उष्णकटिबंधीय अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी किनारे और दक्षिण पूर्व एशिया के आंतरिक भाग शामिल हैं।

प्रश्न 2. बागान कृषि को श्रम-प्रधान और पूंजी-प्रधान दोनों क्यों माना जाता है? विभिन्न देशों की कुछ महत्वपूर्ण बागान फसलों के नाम बताइए।

उत्तर: मूल रूप से यूरोपीय लोगों द्वारा उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में स्थित उपनिवेशों में शुरू की गई। बागान कृषि को श्रम-प्रधान माना जाता है क्योंकि- लाभोन्मुख बड़े पैमाने पर उत्पादन प्रणाली, बड़ी सम्पदाएं और बागान, विशाल पूंजी निवेश, पूर्णतः बाजारोन्मुख, खेती की वैज्ञानिक विधि, सस्ते एवं बड़े पैमाने पर कुशल श्रम की आपूर्ति, मोनो संस्कृति.

प्रश्न 3. विश्व में प्रचलित व्यापक वाणिज्यिक अनाज खेती की किन्हीं पाँच विशेषताओं की व्याख्या कीजिए?

उत्तर:व्यापक वाणिज्यिक अनाज की खेती की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं: यह अधिक संगठित है, पूंजी गहन है, स्थायी फार्मों में की जाती है, बड़े क्षेत्र और पार्सल में विभाजित है, पशुओं की संख्या चारागाह की क्षमता के आधार पर रखी जाती है, पशु भेड़, गाय, बकरी और घोड़े हैं और उत्पाद मांस, ऊन, खाल और त्वचा हैं।

**********

# अध्याय-5: द्वितीयक गतिविधियाँ

## पाठ का सारांश

• द्वितीयक गतिविधियाँ कच्चे माल को मूल्यवान उत्पादों में परिवर्तित करके प्राकृतिक संसाधनों का मूल्य बढ़ाती हैं।

उत्पादन: इसमें हस्तशिल्प से लेकर लोहे और स्टील को ढालने और प्लास्टिक के खिलौनों को ढालने से लेकर नाजुक कंप्यूटर घटकों या अंतरिक्ष वाहनों को जोड़ने तक के उत्पादन की पूरी श्रृंखला शामिल है। विनिर्माण में शामिल हैं: बिजली का उपयोग, बड़े पैमाने पर उत्पादन, समान उत्पाद, विशेष श्रम, मानकीकृत वस्तुएं आदि।

आधुनिक बड़े पैमाने पर विनिर्माण की विशेषताएँ-

- कौशल/उत्पादन के तरीकों का विशेषज्ञता, श्रम आपूर्ति तक पहुंच।
- मशीनीकरण, तकनीकी नवाचार।
- संगठनात्मक संरचना एवं स्तरीकरण और सरकारी नीति।
- असमान भौगोलिक वितरण.
- बाजार, कच्चे माल और ऊर्जा के स्रोतों तक पहुंच।
- परिवहन एवं संचार कौशल तक पहुंच तथा उद्योगों से संपर्क।

**उद्योगों का वर्गीकरण-**

A. आकार के आधार पर-1. कॉटेज / घरेलू 2. लघु पैमाने 3. बड़े पैमाने पर

B. इनपुट/कच्चे माल के आधार पर-कृषि आधारित, खनिज आधारित, रसायन आधारित, वन आधारित, पशु आधारित।

C. आउटपुट/उत्पाद के आधार पर-1. बुनियादी उद्योग 2. उपभोक्ता उद्योग

D. स्वामित्व के आधार पर-1. सार्वजनिक क्षेत्र 2. निजी क्षेत्र 3. संयुक्त क्षेत्र

**उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग की अवधारणा-**

- नवीनतम पीढ़ी की विनिर्माण इकाई।
- अनुसंधान एवं विकास इकाई का अनुप्रयोग.
- पेशेवर कर्मचारी (सफेदपोश) बड़े समूह को साझा करते हैं।
- उच्च कुशल विशेषज्ञ (ब्लू कॉलर) भी काम कर रहे हैं।
- उच्च तकनीक उद्योगों के लिए योजनाबद्ध बिजनेस पार्क।
- क्षेत्रीय रूप से संकेन्द्रित, आत्मनिर्भर, अत्यधिक विशिष्ट तकनीकी ध्रुव।
- सैन फ्रांसिस्को में सिलिकॉन वैली और सिएटल के पास सिलिकॉन वन तकनीकी ध्रुव हैं।

## बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)

निम्नलिखित कथन (A) और उनके कारण (R) के जोड़े हैं, उन्हें ध्यान से पढ़ें और उनके लिए सबसे सही विकल्प चुनें। विकल्प इस प्रकार हैं।

A. A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C. A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D. A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 1. अभिकथन (A):लौह एवं इस्पात उद्योग कोयला क्षेत्रों से लौह अयस्क क्षेत्रों की ओर स्थानांतरित हो गया है।

कारण(R):आजकल, लौह अयस्क की समान मात्रा के प्रसंस्करण के लिए पहले की तुलना में केवल 1/6 मात्रा में कोयले की आवश्यकता होती है।

**उत्तर: A. A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है**

अभिकथन (A):उद्योगों को ऐसे स्थानों पर स्थापित किया जाना चाहिए जहां उत्पादन लागत न्यूनतम हो।

कारण (R):उद्योग लागत कम करके लाभ को अधिकतम करते हैं।

**उत्तर: B. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।**

प्रश्न 3. द्वितीयक गतिविधियों के संदर्भ में, "समूहन" शब्द किससे संबंधित है?

क. उद्योगों का पृथक्करण ख. उद्योगों का समूहन

ग. उद्योगों का फैलाव d. औद्योगिक वस्तुओं का निर्यात

**उत्तर- (बी) उद्योगों का समूहन**

प्रश्न 4. कृषि, वानिकी और खनन के माध्यम से निकाले गए कच्चे माल का उपयोग करके वस्तुओं के उत्पादन के लिए क्या शब्द है?

क. औद्योगीकरण ख. प्राथमिक प्रसंस्करण ग. सेवा क्षेत्र d. तृतीयक क्षेत्र

**उत्तर- (बी) प्राथमिक प्रसंस्करण।**

## चित्र आधारित प्रश्न (1X3)

**प्रश्न 1. नीचे दिए गए चित्र का अध्ययन करें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें-**

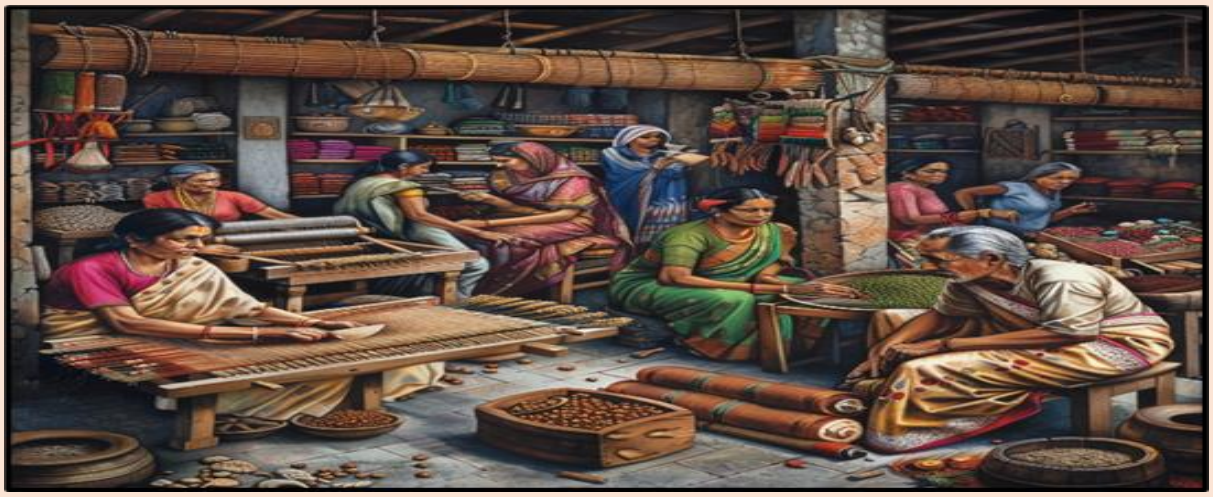

1.1. चित्र में महिलाएँ क्या कर रही हैं?

उत्तर: महिलाएँ हस्तशिल्प, संभवतः बुनाई, मोतियों का काम और चूड़ियाँ बनाने में लगी हुई हैं।

1.2. यहाँ किस तरह का उद्योग दिखाया गया है?

उत्तर: यह चित्र एक कुटीर या घरेलू उद्योग को दर्शाता है।

1.3. चित्र महिलाओं की भूमिका के बारे में क्या बताता है?

उत्तर: चित्र बताता है कि महिलाएँ पारंपरिक शिल्प और लघु उद्योगों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

## लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक)

प्रश्न 1. फुट लूज़ उद्योगों की विशेषताएँ क्या हैं?

उत्तर:हल्के उद्योग जो प्रायः कच्चे माल का नहीं बल्कि घटक भागों का उपयोग करते हैं।

•बिजली की आवश्यकता आमतौर पर केवल राष्ट्रीय ग्रिड से उपलब्ध बिजली से होती है।

•छोटे श्रम बल को रोजगार देता है।

•प्रदूषण रहित।

•पहुंच-योग्यता सड़क नेटवर्क के निकट होनी चाहिए।

प्रश्न 2. घरेलू उद्योगों की कोई तीन विशेषताएँ बताइए।

उत्तर: घरेलू उद्योगों की तीन विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

•घरेलू उद्योग मूलतः रचनात्मक व्यक्तियों या कारीगरों द्वारा चलाए जाते हैं, जिन्हें उनके घर में उनके परिवार के सदस्य सहायता प्रदान करते हैं।

•इस प्रकार के उद्योगों में अंतर्निहित विनिर्माण कौशल को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में स्थानांतरित होते देखा जा सकता है।

•कच्चा माल स्थानीय क्षेत्र से लिया जाता है और स्थानीय बाजार में बेचा जाता है। जूट की रस्सी, टोकरी अचार आदि इसके उदाहरण हैं।

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 1. विश्व भर में उद्योगों के स्थान को प्रभावित करने वाले प्रमुख भौतिक और मानवीय कारक क्या हैं?

उत्तर: विश्व में औद्योगिक स्थान को प्रभावित करने वाले कारक निम्नलिखित हैं:

- बाज़ार तक पहुंच, कच्चे माल तक पहुंच।
- ऊर्जा के स्रोतों तक पहुंच।
- परिवहन एवं संचार तक पहुंच।
- सरकारी नीतियां।

प्रश्न 2 कच्चे माल को मूल्यवान वस्तुओं में कैसे बदला जाता है? लघु पैमाने के विनिर्माण की कोई चार विशेषताएँ बताएँ।

उत्तर: यह अपनी उत्पादन तकनीक और स्थान के कारण घरेलू उद्योगों और लघु उद्योगों से भिन्न है।

•इस प्रकार के विनिर्माण में स्थानीय कच्चे माल, सरल विद्युत चालित मशीनों और अर्ध-कुशल श्रम का उपयोग किया जाता है।

•इससे रोजगार मिलता है और स्थानीय क्रय शक्ति बढ़ती है।

•इन विनिर्माण इकाइयों ने अपने लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए श्रम-गहन तकनीक विकसित की है।

प्रश्न 3. उच्च तकनीक उद्योग महानगरीय क्षेत्र की परिधि में क्यों स्थित हैं?

उत्तर: एक मंजिला कारखानों और भविष्य के विस्तार के लिए स्थान, सस्ती भूमि कीमतें, मुख्य सड़कों तक पहुंच, सुखद वातावरण, निकट से श्रम आपूर्ति।

प्रश्न 4. "एक देश आधुनिक विनिर्माण के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना चाहता है" आधुनिक बड़े पैमाने पर विनिर्माण की विशेषताओं के प्रकाश में इस कथन की व्याख्या करें।

उत्तर: देश को इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल या फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, क्योंकि वे उच्च मूल्य उत्पन्न करते हैं, कुशल श्रम की आवश्यकता होती है और उनकी वैश्विक मांग मजबूत होती है। आधुनिक बड़े पैमाने पर विनिर्माण की विशेषताएं हैं: कौशल का विशेषज्ञताकरण, यंत्रीकरण, तकनीकी नवाचार, संगठनात्मक संरचना, श्रम शक्ति का स्तरीकरण

**********

# अध्याय-6: तृतीयक और चतुर्थक गतिविधियाँ

## पाठ का सारांश

•तृतीयक गतिविधियाँ सेवा क्षेत्र से संबंधित हैं। इनमें भुगतान के बदले में सेवाएँ प्रदान करना शामिल है। उदाहरण- डॉक्टर, शिक्षक, प्लंबर, इलेक्ट्रीशियन, तकनीशियन, लॉन्डरर, नाई, दुकानदार, ड्राइवर, प्रकाशक आदि...|

### तृतीयक गतिविधियों के प्रकार

•तृतीयक गतिविधियाँ चार प्रकार की होती हैं: **व्यापार, परिवहन, संचार और सेवाएँ।**

## व्यापार और वाणिज्य

•व्यापार और वाणिज्य मूलतः अन्यत्र उत्पादित वस्तुओं की खरीद-बिक्री है। संग्रहण और वितरण बिंदु जहां व्यापार होता है, उन्हें व्यापार केंद्र कहा जाता है।

**ग्रामीण विपणन केंद्र-** वे अर्ध शहरी हैं और स्थानीय जरूरतों और क्षेत्रों को पूरा करते हैं। इनमें से अधिकांश में मंडियां (थोक बाजार) और खुदरा बाजार हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में, आवधिक बाजार होते हैं जो साप्ताहिक या द्वि-साप्ताहिक हो सकते हैं और आस-पास के क्षेत्रों के लोग अपनी मांगों को पूरा करते हैं।

**शहरी विपणन केंद्र**-ये बाज़ार सामान्य और साथ ही विशेष वस्तुओं और सेवाओं को बेचते हैं, जैसे श्रम, आवास, अर्ध या तैयार उत्पादों के लिए बाज़ार। शैक्षणिक संस्थानों और शिक्षकों, डॉक्टरों, वकीलों जैसे पेशेवरों की सेवाएँ भी विकसित होती हैं।

**खुदरा व्यापार-**इस प्रकार के व्यापार में, माल सीधे उपभोक्ताओं को बेचा जाता है। यह व्यापार स्थायी प्रतिष्ठानों या दुकानों, छोटी दुकानों, उपभोक्ता सहकारी समितियों, बड़े डिपार्टमेंटल स्टोर और चेन स्टोर के माध्यम से किया जाता है। चेन स्टोर थोक में सामान खरीदते हैं और फिर कार्यकारी कार्यों के लिए कुशल विशेषज्ञों को काम पर रखते हैं। स्ट्रीट पेडलिंग, हाथ ठेले, ट्रक, डोर-टू-डोर, मेल ऑर्डर, टेलीफोन और इंटरनेट गैर-स्टोर खुदरा व्यापार के उदाहरण हैं।

**थोक व्यापार-**यहाँ थोक खरीद कई मध्यस्थ व्यापारियों द्वारा सीधे निर्माता से की जाती है। व्यापारी/थोक विक्रेता खुदरा विक्रेताओं को ऋण देते हैं।

**विभिन्न प्रकार के स्टोर**-उपभोक्ता सहकारी स्टोर, डिपार्टमेंटल स्टोर, चेन स्टोर

परिवहन-परिवहन एक तृतीयक गतिविधि है जिसमें लोगों, सामग्रियों और निर्मित वस्तुओं को भौतिक रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाया जाता है। परिवहन के साधन का चयन करते समय, दूरी, समय और लागत को देखा जाता है।

संचार मीडिया-संचार का अर्थ है जिसके माध्यम से दुनिया भर के विशाल दर्शकों तक संदेश भेजा जा सकता है।

सेवाएंसेवाओं को तीन उप-श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है।

**1.निम्न स्तर की सेवाएँ-** इसमें सामान्य एवं व्यापक सेवाएँ जैसे किराना दुकानें आदि शामिल हैं।

**2.घरेलू सेवाएं-** इसमें ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले गृह-सेवक, रसोइये और माली शामिल हैं।

**3.उच्च स्तरीय सेवाएँ-** ये विशिष्ट और कम प्रचलित हैं जैसे लेखाकार, परामर्शदाता और चिकित्सक।

तृतीयक गतिविधियों में लगे लोग-नौकरियों का स्थानांतरण तृतीयक या सेवा क्षेत्र की ओर हुआ है। विकसित देशों में, कम विकसित देशों की तुलना में सेवा प्रदान करने में श्रमिकों का उच्च प्रतिशत नियोजित है।

**पर्यटन**-यह उद्योग रोजगार पैदा करता है क्योंकि लोग आवास, भोजन, परिवहन, मनोरंजन, बुनियादी ढांचा, खुदरा व्यापार और शिल्प उपलब्ध कराने में लगे हुए हैं।

## पर्यटन को प्रभावित करने वाले कारक-

1.पर्यटन मौसमी हो सकता है या पूरे वर्ष भर हो सकता है, जैसे भूमध्यसागरीय तट के आसपास के गर्म स्थान।

2.ऐतिहासिक शहर, धार्मिक स्थल, विरासत स्थल पूरे वर्ष पर्यटन को बढ़ावा देते हैं।

3.पर्यटन उद्योग में वृद्धि इसकी बढ़ती मांग के कारण है

4.एक अन्य कारक परिवहन में सुधार है, जिससे यात्रा आसान हो गई है और गंतव्यों तक पहुंचना आसान हो गया है।

भारत में विदेशी मरीजों के लिए चिकित्सा सेवाएं-चिकित्सा सेवाएँ या पर्यटन तब होता है जब चिकित्सा उपचार को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन गतिविधि के साथ जोड़ दिया जाता है। अमेरिका जैसे विकसित देशों से लोग चिकित्सा पर्यटन या सेवाओं के लिए भारत आ रहे हैं। इससे भारत को आर्थिक लाभ होता है।

**चतुर्थक गतिविधियाँ-**वे अनुसंधान विकास पर केन्द्रित हैं और इसमें विशिष्ट ज्ञान और तकनीकी कौशल शामिल हो सकते हैं। उदाहरण: सॉफ्टवेयर डेवलपर्स, म्यूचुअल फंड मैनेजर, डॉक्टर, अकाउंटिंग, ब्रोकरेज फर्म चतुर्थक गतिविधियों के कुछ उदाहरण हैं।

**पंचम क्रियाकलाप -**जो गतिविधियां अत्यधिक विशिष्ट और विशिष्ट होती हैं उन्हें इसके अंतर्गत रखा जाता है, उन्हें **गोल्ड कॉलर** प्रोफेशन के रूप में भी जाना जाता है।

## आउटसोर्सिंग-

1.इसका मतलब है कि कार्यकुशलता में सुधार और लागत कम करने के लिए किसी बाहरी एजेंसी को काम सौंपना या ठेका देना। जब काम को विदेशी स्थान पर स्थानांतरित किया जाता है तो इसे ऑफ-शोरिंग कहा जाता है।

2.आउटसोर्सिंग भारत, चीन, बोत्सवाना आदि विकासशील देशों में रोजगार प्रदान करती है। सूचना प्रौद्योगिकी, मानव संसाधन, ग्राहक सहायता, कॉल सेंटर, डाटा प्रोसेसिंग और अन्य आईटी से संबंधित सेवाएं आउटसोर्सिंग के उदाहरण हैं।

## डिजिटल विभाजन-

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी से होने वाला विकास पूरी दुनिया में असमान रूप से फैला हुआ है। कुछ क्षेत्र समृद्ध हुए हैं जबकि अन्य पिछड़े हुए हैं। इसे डिजिटल डिवाइड के नाम से जाना जाता है। विकासशील देशों में इस तरह का विभाजन विकसित देशों की तुलना में ज़्यादा देखा जाता है। यहाँ महानगरीय शहर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में ज़्यादा विकसित हैं।

### बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न 1. अभिकथन (A) विश्व की सकल घरेलू उत्पाद का 40% से अधिक भाग पर्यटन से उत्पन्न होता है।

कारण (R)जैसे-जैसे कोई देश विकसित होता है, प्राथमिक क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की संख्या घटती जाती है, जबकि तृतीयक क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की संख्या बढ़ती जाती है।

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है

(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है

(c) A सत्य है, परन्तु R असत्य है

(d) A असत्य है, परन्तु R सत्य है

**उत्तर: (b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।**

प्रश्न 2. अभिकथन: सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आधारित विकास विश्व भर में असमान रूप से वितरित है।

कारण: सामान्यतः विकसित देश आगे बढ़ गए हैं, जबकि विकासशील देश पीछे रह गए हैं।

a. केवल अभिकथन सही है

b. केवल कारण ही सही है

c. कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन का सही स्पष्टीकरण है

d. कथन और कारण दोनों सही हैं लेकिन कारण कथन का सही स्पष्टीकरण नहीं है

**उत्तर: c. कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन का सही स्पष्टीकरण है।**

प्रश्न 3. अभिकथन: तृतीयक गतिविधियों में उत्पादन और विनिमय दोनों शामिल हैं।

कारण: एक विकसित अर्थव्यवस्था में, अधिकांश श्रमिकों को तृतीयक गतिविधियों में रोजगार मिलता है।

A. केवल अभिकथन सही है

B. केवल कारण सही है

C. कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन का सही स्पष्टीकरण है

D. कथन और कारण दोनों सही हैं लेकिन कारण, कथन का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

**उत्तर: D. कथन और कारण दोनों सही हैं लेकिन कारण, कथन का सही स्पष्टीकरण नहीं है।**

प्रश्न 4. अभिकथन: आउटसोर्सिंग के परिणामस्वरूप भारत, चीन, पूर्वी यूरोप, इजराइल, फिलीपींस और कोस्टा रिका में बड़ी संख्या में कॉल सेंटर खोले गए हैं।

कारण: आउटसोर्सिंग करने वाले देशों को अपने-अपने देशों में नौकरी चाहने वाले युवाओं के प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है।

A. केवल अभिकथन सही है।

B. केवल कारण सही है।

C. कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन का सही स्पष्टीकरण है।

D. कथन और कारण दोनों सही हैं लेकिन कारण, कथन का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

**उत्तर: D. कथन और कारण दोनों सही हैं लेकिन कारण, कथन का सही स्पष्टीकरण नहीं है।**

## चित्र आधारित प्रश्न (1x3)

1. दिए गए चित्र का अध्ययन करें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें-

1.1चित्र में दिखाए गए व्यक्ति द्वारा दी गई सेवा का नाम बताइए।

उत्तर: डब्बावाला सेवा।

1.2.वे सेवा के किस क्षेत्र से संबंधित हैं?

उत्तर: सेवा क्षेत्र

1.3. चित्र में दर्शाई गई सेवा की एक विशिष्ट विशेषता बताइए।

उत्तर: वे पूरे शहर में लगभग 1,75,000 ग्राहकों को (टिफिन) सेवा प्रदान करते हैं।

2.1. चित्र में किस प्रकार का बाजार दिखाया गया है?

उत्तर: यह एक थोक फल और सब्जी बाजार है।

2.2. बाजार में मौजूद मुख्य लोग कौन हैं?

उत्तर: बाजार विक्रेताओं, ट्रांसपोर्टरों और खरीदारों से भरा हुआ है।

2.3. इस बाजार में माल के लिए किस तरह के परिवहन का उपयोग किया जाता है?

उत्तर: उपज के परिवहन के लिए ट्रकों और मिनी लॉरियों का उपयोग किया जाता है।

## लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक)

प्रश्न 1. आधुनिक अर्थव्यवस्था में चतुर्थक सेवाओं के महत्व का वर्णन करें।

उत्तर: चतुर्थक सेवाएँ बौद्धिक व्यवसायों को संदर्भित करती हैं जो उन्नत और विशिष्ट हैं जैसे कि सोचना, शोध करना और नए विचारों को विकसित करना। दूसरे शब्दों में, चतुर्थक गतिविधियाँ अनुसंधान, विकास के इर्द-गिर्द केंद्रित होती हैं और विशिष्ट ज्ञान से जुड़ी सेवाओं का उन्नत चरण होती हैं।

प्रश्न 2. 'डिजिटल डिवाइड' शब्द को परिभाषित करें तथा समाज पर इसके प्रभावों पर चर्चा करें।

उत्तर: सूचना और संचार प्रौद्योगिकी आधारित विकास से उभरने वाले अवसर दुनिया भर में असमान रूप से वितरित हैं। देशों के बीच व्यापक आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक अंतर हैं। डिजिटल डिवाइड सूचना और संचार बुनियादी ढांचे की अलग-अलग उपलब्धता के कारण विभिन्न स्थानों पर लोगों के लिए उपलब्ध अवसरों में अंतर है।

प्रश्न 3. "केपीओ उद्योग बीपीओ से अलग है"। इस कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर:

| बीपीओ | केपीओ |
|---|---|
| i. इसका तात्पर्य बिजनेस प्रोसेसिंग आउटसोर्सिंग है। i. इसका अर्थ है ज्ञान प्रसंस्करण आउटसोर्सिंग. | i. इसका अर्थ है ज्ञान प्रसंस्करण |
| ii. बीपीओ ग्राहक सेवा जैसी व्यावसायिक गतिविधियों की आउटसोर्सिंग है। | ii. यह सूचना आधारित ज्ञान है\| |
| iii. बीपीओ उद्योग में केपीओ की तुलना में अपेक्षाकृत कम उच्च कुशल श्रमिक शामिल होते हैं। | iii. केपीओ उद्योग में अधिक कुशल श्रमिक शामिल होते हैं। |

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 1. आधुनिक आर्थिक विकास में सेवा क्षेत्र के महत्व पर चर्चा करें।

उत्तर: आधुनिक आर्थिक विकास में सेवा क्षेत्र का महत्व-

इस क्षेत्र के महत्व नीचे सूचीबद्ध हैं:

(i) शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद में हिस्सेदारी, (ii) औद्योगीकरण में मदद करता है,

(iii) कृषि का विस्तार करता है, (iv) क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करता है,

(v) बाजार का विकास करता है, (vi) उत्पादकता में वृद्धि करता है,

(vii) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि करता है।

प्रश्न 2. आधुनिक आर्थिक विकास में सेवा क्षेत्र के विकास पर चर्चा करें।

उत्तर:(i) सकल घरेलू उत्पाद में प्रमुख योगदानकर्ता (ii) तकनीकी उन्नति

(iii) वैश्वीकरण और आउटसोर्सिंग (iv) उपभोक्ता प्राथमिकताओं में परिवर्तन

(v) रोजगार सृजन।

**********

# अध्याय-7: परिवहन और संचार

## अध्याय का सार

### परिवहन

● परिवहन एक सेवा या सुविधा है जिसमें मनुष्यों, जानवरों और विभिन्न प्रकार के वाहनों का उपयोग करके व्यक्तियों और वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाया जाता है।

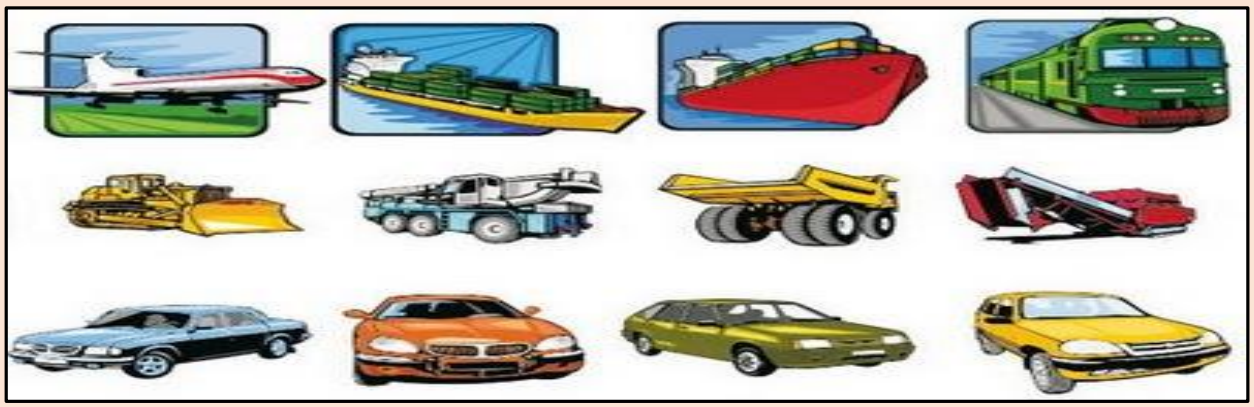

**परिवहन के साधन** विश्व परिवहन के प्रमुख साधन भूमि, जल, वायु और पाइपलाइन हैं।

**भूमि परिवहन**

1. वस्तुओं और सेवाओं का अधिकांश आवागमन स्थल मार्ग से होता है।

2. पहिये के आविष्कार के साथ ही गाड़ियों और वैगनों का उपयोग महत्वपूर्ण हो गया।

3. पहली सार्वजनिक रेलवे लाइन 1825 में उत्तरी इंग्लैंड में स्टॉकटन और डार्लिंगटन के बीच खोली गई थी और उसके बाद से, रेलवे उन्नीसवीं सदी में परिवहन का सबसे लोकप्रिय और सबसे तेज़ रूप बन गया।

**सड़कें**

1.रेलवे की तुलना में छोटी दूरी के लिए सड़क परिवहन सबसे किफायती है।

● सड़क मार्ग से माल परिवहन का महत्व बढ़ रहा है क्योंकि यह डोर-टू-डोर सेवा प्रदान करता है।

2 लेकिन कच्ची सड़कें, हालांकि निर्माण में सरल होती हैं, सभी मौसमों के लिए प्रभावी और उपयोगी नहीं होती हैं।

3.बरसात के मौसम में ये वाहन चलाने लायक नहीं रह जाते और भारी बारिश और बाढ़ के दौरान पक्के वाहन भी गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो जाते हैं।

**सीमा सड़कें-**

अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर बिछाई गई सड़कों को बॉर्डर रोड कहा जाता है। ये दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को प्रमुख शहरों से जोड़ने और सुरक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

**रेलवे-**

रेलवे लंबी दूरी तक भारी माल और यात्रियों के लिए भूमि परिवहन का एक साधन है।

रेलवे गेज अलग-अलग देशों में अलग-अलग होते हैं और मोटे तौर पर इन्हें इस प्रकार वर्गीकृत किया जाता है -: व्यापक (1.5 मीटर से अधिक), मानक (1.44 मीटर), मीटर गेज (1 मीटर) और छोटे गेज।

**पार महाद्वीपीय रेलमार्ग** - पार महाद्वीपीय रेलमार्ग पूरे महाद्वीप में चलती है और इसके दो छोरों को जोड़ती है। इनमें से सबसे महत्वपूर्ण निम्नलिखित हैं:

**पार -साइबेरियन रेलमार्ग** -ट्रांस-साइबेरियन रेलवे रूस का प्रमुख रेल मार्ग है जो पश्चिम में सेंट पीटर्सबर्ग से पूर्व में प्रशांत तट पर व्लादिवोस्तोक तक जाता है। यह एशिया का सबसे लंबा डबल ट्रैक वाला रेलवे है

**पार कैनेडियन रेलमार्ग -**

कनाडा में यह 7,050 किलोमीटर लंबी रेल लाइन पूर्व में हैलिफैक्स से वैंकूवर तक जाती है

यह क्यूबेक-मॉन्ट्रियल औद्योगिक क्षेत्र को प्रेयरी के गेहूं बेल्ट से जोड़ता है

क्षेत्र और उत्तर में शंकुधारी वन क्षेत्र।

**यूनियन और पैसिफिक रेलमार्ग** -यह रेल लाइन अटलांटिक तट पर स्थित न्यूयॉर्क को प्रशांत महासागर पर स्थित सैन फ्रांसिस्को से जोड़ती है

**पार ऑस्ट्रेलियाई रेलमार्ग -**

यह रेल लाइन पर्थ से महाद्वीप के दक्षिणी भाग में पश्चिम-पूर्व तक चलती है

पश्चिमी तट पर सिडनी से लेकर पूर्वी तट पर सिडनी तक।

**ओरिएंट एक्सप्रेस**-यह रेल लाइन पेरिस से इस्तांबुल तक चलती है।

**जल परिवहन**

1. जल परिवहन का एक बड़ा लाभ यह है कि इसमें मार्ग निर्माण की आवश्यकता नहीं होती।

2. महासागर एक दूसरे से जुड़े हुए हैं और विभिन्न आकार के जहाजों से आवागमन संभव है।जरूरत है दोनों छोर पर बंदरगाह सुविधाएं उपलब्ध कराने की।

3.यह बहुत सस्ता है क्योंकि पानी का घर्षण ज़मीन की तुलना में बहुत कम है।

4. जल परिवहन की ऊर्जा लागत कम है।

5.जल परिवहन को समुद्री मार्गों और अंतर्देशीय जलमार्गों में विभाजित किया गया है।

**समुद्री मार्ग-**

महासागर सभी दिशाओं में बिना किसी रखरखाव लागत के सुगम राजमार्ग उपलब्ध कराते हैं।

भूमि और वायु की तुलना में समुद्री परिवहन एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप तक लंबी दूरी तक भारी माल की ढुलाई (भार ढोने) का सस्ता साधन है। महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग

**उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग**

यह विश्व के दो औद्योगिक रूप से विकसित क्षेत्रों, उत्तर-पूर्वी अमेरिका और उत्तर-पश्चिमी यूरोप को जोड़ता है।

इस मार्ग से होने वाला विदेशी व्यापार दुनिया के बाकी हिस्सों के कुल व्यापार से भी ज़्यादा है। यह दुनिया का सबसे व्यस्त मार्ग है और इसे बिग ट्रंक रूट भी कहा जाता है।

**भूमध्य सागर-हिंद महासागर समुद्री मार्ग**

पोर्ट सईद, अदन, मुंबई, कोलंबो और सिंगापुर इस मार्ग पर कुछ महत्वपूर्ण बंदरगाह हैं।

स्वेज नहर के निर्माण से केप ऑफ गुड होप के माध्यम से पहले के मार्ग की तुलना में दूरी और समय बहुत कम हो गया है, जो स्वेज नहर के माध्यम से मार्ग से लंबा था।

**केप ऑफ गुड होप समुद्री मार्ग**

यह व्यापार मार्ग अत्यधिक औद्योगिक पश्चिमी यूरोपीय क्षेत्र को पश्चिम अफ्रीका, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण-पूर्व एशिया और ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की वाणिज्यिक कृषि और पशुधन अर्थव्यवस्थाओं से जोड़ता है।

**दक्षिणी अटलांटिक समुद्री मार्ग**

यह समुद्री मार्ग अटलांटिक महासागर के पार एक और महत्वपूर्ण मार्ग है जो पश्चिमी यूरोपीय और पश्चिमी अफ्रीकी दशों को दक्षिण अमेरिका में ब्राज़ील, अर्जेंटीना और उरुग्वे से जोड़ता है। इस मार्ग पर यातायात बहुत कम है।

**उत्तरी प्रशांत समुद्री मार्ग**

यह समुद्री मार्ग उत्तरी अमेरिका के पश्चिमी तट पर स्थित बंदरगाहों को एशिया के बंदरगाहों से जोड़ता है। दक्षिण प्रशांत समुद्री मार्ग

यह समुद्री मार्ग पश्चिमी यूरोप और उत्तरी अमेरिका को पनामा नहर के ज़रिए ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड और बिखरे हुए प्रशांत द्वीपों से जोड़ता है। इस मार्ग का इस्तेमाल हांगकांग, फिलीपींस और इंडोनेशिया तक पहुँचने के लिए भी किया जाता है।

**तटीय नौवहन-**

तटीय शिपिंग लंबी तटरेखा वाले देशों में परिवहन का एक सुविधाजनक तरीका है, जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और भारत।

यूरोप में शेन्ज़ेन राज्य तटीय शिपिंग के लिए सबसे उपयुक्त स्थान पर हैं जो एक सदस्य के तट को दूसरे के साथ जोड़ता है।

**नौवहन नहरें**

स्वेज नहर-इस नहर का निर्माण 1869 में मिस्र में उत्तर में पोर्ट सईद और दक्षिण में पोर्ट स्वेज के बीच भूमध्य सागर और लाल सागर को जोड़ने के लिए किया गया था। यह बिना किसी ताले के समुद्र तल पर बनी नहर है जो लगभग 160 किलोमीटर लंबी और 11 से 15 मीटर गहरी है।

**पनामा नहर**-यह नहर पूर्व में अटलांटिक महासागर को पश्चिम में प्रशांत महासागर से जोड़ती है, जिसे पनामा सिटी और कोलोन के बीच पनामा इस्थमस पर बनाया गया है। यह नहर लगभग 72 किमी लंबी है और इसमें 12 किमी की लंबाई के लिए बहुत गहरी कटाई शामिल है। इसमें छह-लॉक प्रणाली है।

**अंतर्देशीय जलमार्ग**-नदियाँ, नहरें, झीलें और तटीय क्षेत्र अनादि काल से महत्वपूर्ण जलमार्ग रहे हैं।

**राइन जलमार्ग**-राइन नदी जर्मनी और नीदरलैंड से होकर बहती है। यह 700 किलोमीटर तक नौगम्य है।

नीदरलैंड के मुहाने पर स्थित रॉटरडैम से लेकर स्विट्जरलैंड के बासेल तक।

रूहर नदी पूर्व से राइन नदी से मिलती है। डसेलडोर्फ इस क्षेत्र का राइन बंदरगाह है।

**डेन्यूब जलमार्ग.**

**वोल्गा जलमार्ग-**

रूस में बड़ी संख्या में विकसित जलमार्ग हैं, जिनमें से वोल्गा सबसे महत्वपूर्ण है। यह 11,200 किलोमीटर का नौगम्य जलमार्ग प्रदान करता है और कैस्पियन सागर में बहता है।

**महान झीले –**

**सेंट लॉरेंस जल मार्ग** -

उत्तरी अमेरिका की महान झीलें सुपीरियर, ह्यूरन एरी और ओंटारियो निम्न में से किससे जुड़ी हुई हैं?

नहर और वेलैंड नहर को एक अंतर्देशीय जलमार्ग बनाने के लिए जोड़ा गया है।

**पाइपलाइनें-**

पाइपलाइनों का उपयोग तरल पदार्थों और गैसों जैसे पानी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के निर्बाध प्रवाह के लिए बड़े पैमाने पर किया जाता है।

बिग इंच एक ऐसी प्रसिद्ध पाइपलाइन है, जो मैक्सिको की खाड़ी के तेल कुओं से पेट्रोलियम को पूर्वोत्तर राज्यों तक ले जाती है। प्रति टन-किमी के हिसाब से लगभग 17 प्रतिशत माल ढुलाई अमेरिका में पाइपलाइनों के माध्यम से की जाती है।

**संचार-**

आज-अभूतपूर्व विकास ऑप्टिक फाइबर केबल (ओएफसी) के उपयोग के कारण संभव हुआ है। वे बड़ी मात्रा में डेटा को तेज़ी से, सुरक्षित रूप से प्रसारित करने की अनुमति देते हैं और लगभग त्रुटि मुक्त होते हैं।

**उपग्रह संचार-**

इंटरनेट सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क है। 1970 के दशक से यह स्वरूप महत्वपूर्ण हो गया जब अमेरिका और तत्कालीन सोवियत संघ ने अंतरिक्ष अनुसंधान में अग्रणी भूमिका निभाई।

कृत्रिम उपग्रह दुनिया के सुदूर कोनों को जोड़ते हैं। इससे दूरी के मामले में संचार की इकाई लागत और समय में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है - और लागत में कमी आई है।

भारत ने उपग्रह विकास में भी काफी प्रगति की है:

आर्यभट्ट को 19 अप्रैल 1979 को, भास्कर-I को 1979 में और रोहिणी को 1980 में लॉन्च किया गया था।

18 जून 1981 को एरियन रॉकेट के माध्यम से APPLE (एरियन पैसेंजर पेलोड एक्सपेरीमेंट) को लॉन्च किया गया।

भास्कर, चैलेंजर और इनसैट-1-बी ने भारत में लंबी दूरी के संचार (टीवी रेडियो) को बहुत प्रभावी बना दिया है।

## साइबरस्पेस – इंटरनेट

साइबरस्पेस इलेक्ट्रॉनिक कम्प्यूटरीकृत स्पेस की दुनिया है। यह प्रेषक और प्राप्तकर्ता की भौतिक गतिविधि के बिना कंप्यूटर नेटवर्क पर संचार या सूचना तक पहुँचने के लिए इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल दुनिया है।

## बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)

1. अभिकथन (A): ट्रांस-साइबेरियन रेलवे लाइन एशिया का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग है।

कारण (R):इससे एशियाई क्षेत्र को पश्चिमी यूरोपीय बाजारों के लिए खोलने में मदद मिली है

A. A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B. A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C. A सत्य है लेकिन R असत्य है।

D. A असत्य है लेकिन R सत्य है।

**उत्तर: A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।**

2. अभिकथन (A):समुद्री परिवहन एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप तक लम्बी दूरी तक भारी सामग्री की ढुलाई का एक सस्ता साधन है।

कारण (R):महासागर सभी दिशाओं में बिना किसी रखरखाव लागत के सुगम यातायात योग्य राजमार्ग उपलब्ध कराते हैं।

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(A) और (R) दोनों सत्य हैं लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(a) सही है लेकिन (r) गलत है। (d) (a) गलत है लेकिन (r) सही है।

d. A असत्य है लेकिन R सत्य है।

**उत्तर: (A) और (R) दोनों सत्य हैं लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।**

प्रश्न 1. चित्र का अध्ययन करें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें-

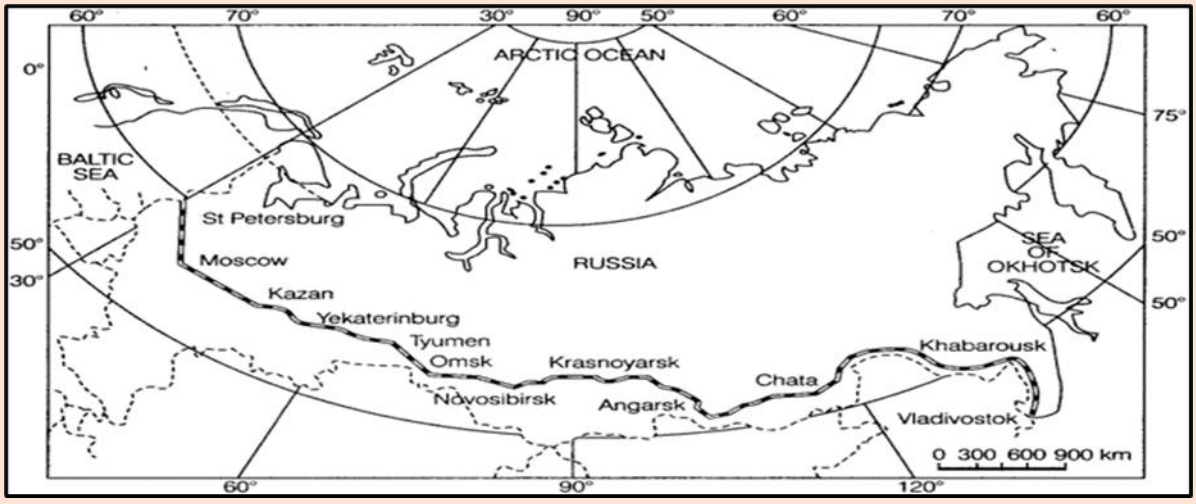


I. रेलवे लाइन का नाम बताइए तथा उस देश का नाम बताइए जहां यह स्थित है।

उत्तर: ट्रांस-साइबेरियन रेलवे साइबेरिया और रूस में स्थित है।

II. यह रेलवे सेंट पीटर्सबर्ग को जोड़ता है-

उत्तर: व्लादिवोस्तोक

III. एक कारण बताइए कि यह एशिया का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग क्यों है?

उत्तर: इससे एशियाई क्षेत्र को पश्चिमी यूरोपीय बाजारों के लिए खोलने में मदद मिली है।

प्रश्न 2. चित्र का अध्ययन करें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें-

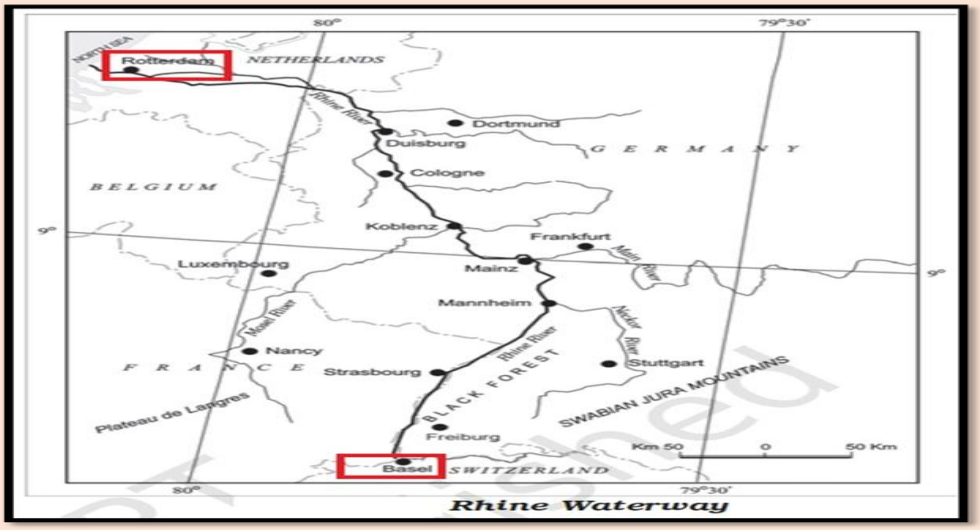


I. स्रोत/फोटोग्राफ में दिखाए गए यूरोप के अंतर्देशीय जलमार्ग का नाम बताएं।

उत्तर: राइन जलमार्ग।

II. यह नदी _____ से स्विटजरलैंड के बेसल तक 700 किमी तक नौगम्य है।

उत्तर: नीदरलैंड में रॉटरडैम

III. उस महाद्वीप का नाम बताइए जिसमें यह अंतर्देशीय जलमार्ग मौजूद है।

उत्तर: यूरोप

प्रश्न 2. चित्र का अध्ययन करें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें-

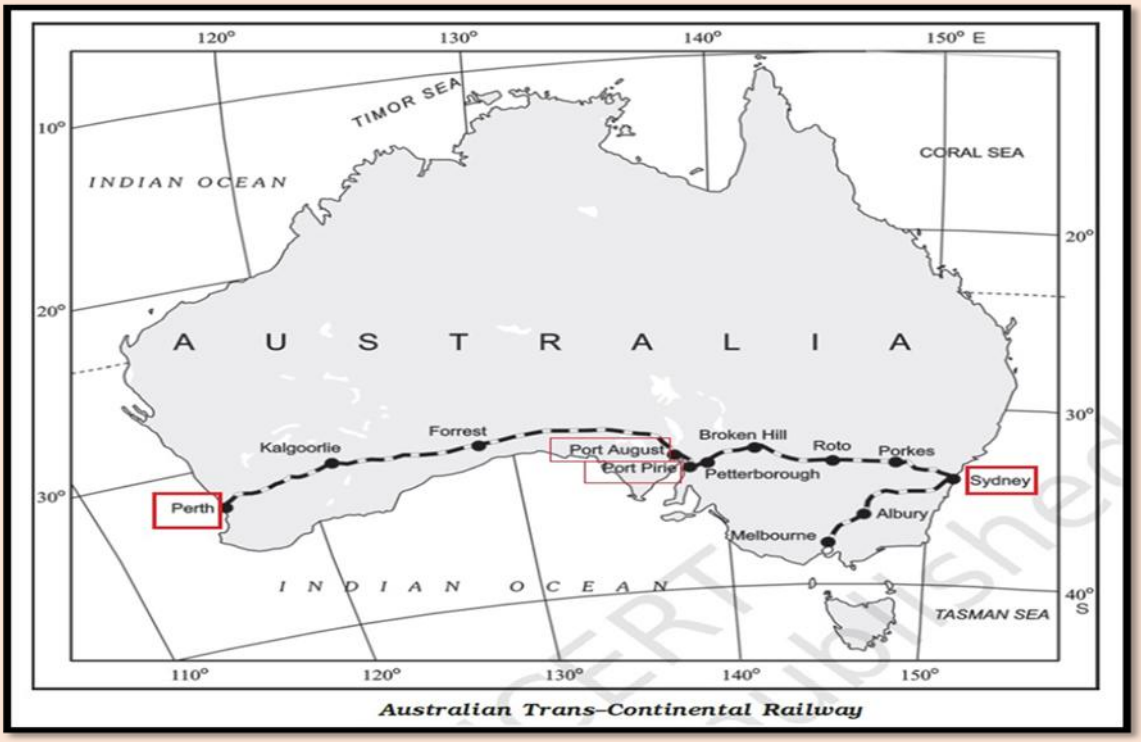


I. दिए गए मानचित्र में दर्शाई गई रेलवे लाइन का नाम बताइए।

उत्तर:ऑस्ट्रेलियाई ट्रांस कॉन्टिनेंटल रेलवे

II. इस रेलवे के टर्मिनल स्टेशनों के नाम बताइए।

उत्तर:पर्थ और सिडनी

तृतीय.इस रेलवे लाइन से जुड़े दो समुद्री तटों के नाम बताइए।

उत्तर:हिंद महासागर और प्रशांत महासागर

**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)**

प्रश्न 1. उपग्रहों के माध्यम से संचार संचार प्रौद्योगिकी में एक नए युग के रूप में उभरा है। औचित्य सिद्ध करें।

उत्तर:1.कृत्रिम उपग्रह सीमित स्थलीय सत्यापन के साथ विश्व के सुदूर कोनों को भी जोड़ देते हैं।

2.इनसे दूरी के संदर्भ में संचार की इकाई लागत और समय अपरिवर्तित हो गए हैं।

3.इसने लंबी दूरी के संचार, टेलीविजन और रेडियो को बहुत प्रभावी बना दिया है।

4.टेलीविजन के माध्यम से मौसम का पूर्वानुमान वरदान है।

5.यह 100 से अधिक देशों के लगभग 1000 मिलियन लोगों को जोड़ता है।

Q2. दुनिया में परिवहन के उस प्रमुख साधन का नाम बताइए जिसका उपयोग केवल तरल और गैसीय पदार्थों को ले जाने के लिए किया जाता है। इस परिवहन साधन की कोई चार विशेषताएँ बताइए।

उत्तर: 1.जल, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और अन्य तरल पदार्थों के परिवहन के लिए व्यापक रूप से उपयोग किया जाने वाला परिवहन साधन पाइपलाइन परिवहन है।

2.संयुक्त राज्य अमेरिका में पाइपलाइनों का एक घना नेटवर्क है जो उत्पादक क्षेत्रों से लेकर उपभोग क्षेत्रों तक फैला हुआ है।

3.ऐसी ही एक प्रसिद्ध पाइपलाइन है बिग इंच पाइपलाइनों का उपयोग तेल के कुओं को बर्तनों और रिफाइनरियों या घरेलू बाजारों से जोड़ने के लिए बड़े पैमाने पर किया जाता है।

4.प्रस्तावित सबसे लम्बी अंतर्राष्ट्रीय तेल एवं प्राकृतिक गैस पाइपलाइन' ईरान, भारत और पाकिस्तान से होकर गुजरेगी।

5.न्यूजीलैंड में दूध की आपूर्ति खेतों से कारखानों तक पाइपलाइनों के माध्यम से की जा रही है।

प्रश्न 3. मानव द्वारा वाहन चलाने के दिनों से लेकर आज के केबलवे तक स्थल परिवहन के विकास की यात्रा का वर्णन करें।

उत्तर: भूमि परिवहन से तात्पर्य वस्तुओं और सेवाओं के उस आवागमन से है जो सड़क या रेल के माध्यम से स्थल मार्ग से होता है।

पहले के दिनों में मनुष्य स्वयं ही ढोने का काम करते थे। लोगों को पालकी/डोली पर ले जाया जाता था।

बाद में पशुओं का उपयोग बोझ ढोने के लिए किया जाने लगा जैसे खच्चर, घोड़े और ऊँट।

पहिये के आविष्कार के साथ गाड़ियां और वैगन बनाए गए जिससे भूमि परिवहन आसान हो गया।

पहली रेलवे लाइन 1825 में उत्तरी इंग्लैंड में शुरू हुई और रेलवे परिवहन का सबसे लोकप्रिय और सबसे तेज़ साधन बन गया।

**********

## अध्याय-8: अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

## अध्याय का सार-

राष्ट्रीय सीमाओं के पार देशों के बीच वस्तुओं और सेवाओं का आदान-प्रदान अंतर्राष्ट्रीय व्यापार है।व्यापार का प्रारंभिक रूप वस्तु विनिमय प्रणाली है

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का इतिहास-

प्राचीन काल में व्यापार स्थानीय बाजारों तक ही सीमित था।

रेशम मार्ग - रोम से चीन - चीनी रेशम, रोमन ऊन और बहुमूल्य धातुओं का परिवहन।

15वीं शताब्दी- यूरोपीय उपनिवेशवाद ने व्यापार का एक नया रूप दिया- दास व्यापार।

औद्योगिक क्रांति के बाद- औद्योगिक राष्ट्रों ने कच्चे माल का आयात किया और तैयार उत्पादों को औद्योगिक राष्ट्रों को निर्यात किया।

**अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का आधार**

1.राष्ट्रीय संसाधनों में अंतर

2.भूविज्ञान, उच्चावच, मृदा और जलवायु में भिन्नता के कारण राष्ट्रीय संसाधन असमान रूप से वितरित हैं।

3.भूविज्ञान खनिज संसाधन आधार और स्थलाकृतिक अंतरों को निर्धारित करता है।

4.जलवायु किसी क्षेत्र विशेष में वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के प्रकार को प्रभावित करती है।

**जनसंख्या कारक-**

1.कुछ संस्कृतियों में कला और शिल्प के विशिष्ट रूप विकसित होते हैं, जिन्हें दुनिया भर में महत्व दिया जाता है, जैसे चीन के चीनी मिट्टी के बर्तन, ईरान के कालीन।

2.घनी आबादी वाले देशों में आंतरिक व्यापार तो अधिक होता है, लेकिन बाह्य व्यापार बहुत कम होता है।

3.जनसंख्या का जीवन स्तर बेहतर गुणवत्ता वाले आयातित उत्पादों की मांग निर्धारित करता है

**आर्थिक विकास के चरण-**

4.आर्थिक विकास का चरण व्यापार की वस्तुओं की प्रकृति को प्रभावित करता है।

5.कृषि की दृष्टि से महत्वपूर्ण देशों में कृषि उत्पादों का विनिमय निर्मित वस्तुओं के साथ किया जाता है।

6.औद्योगिक देश मशीनरी और तैयार उत्पादों का निर्यात करते हैं तथा खाद्यान्न और अन्य कच्चे माल का आयात करते हैं

**विदेशी निवेश की सीमा-**

1.इससे उन विकासशील देशों में व्यापार को बढ़ावा मिल सकता है जहां पूंजी की कमी है

2.वे खनन, तेल ड्रिलिंग, बागान कृषि आदि जैसे पूंजी गहन उद्योगों का विकास करते हैं।

3.औद्योगिक राष्ट्र खाद्य पदार्थों और खनिजों का आयात सुनिश्चित करते हैं और उनके तैयार उत्पादों के लिए बाजार बनाते हैं

**परिवहन-**

रेल, समुद्री और वायु परिवहन का विस्तार, प्रशीतन के बेहतर साधन और संरक्षण व्यापार में स्थानिक विस्तार हुआ है।

**व्यापार का संतुलन-** किसी देश द्वारा अन्य देशों को आयातित तथा निर्यातित वस्तुओं एवं सेवाओं की मात्रा के बीच का अंतर

नकारात्मक/प्रतिकूल व्यापार संतुलन = आयात मूल्य > निर्यात मूल्य

सकारात्मक/अनुकूल व्यापार संतुलन = निर्यात मूल्य > आयात मूल्य

**नकारात्मक संतुलन-** देश अपनी वस्तुओं को बेचकर जितना कमा सकता है, उससे अधिक वस्तुओं को खरीदने पर खर्च करता है। इससे अंततः उसके वित्तीय भंडार समाप्त हो जाएंगे

**अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रकार-**

**द्विपक्षीय व्यापार**-दो देशों द्वारा एक दूसरे के साथ किया जाने वाला व्यापार। देश आपस में निर्दिष्ट वस्तुओं का व्यापार करने के लिए समझौता करते हैं।

**बहुपक्षीय व्यापार**-कई व्यापारिक देशों के साथ किया गया व्यापार। एक ही देश कई अन्य देशों के साथ व्यापार कर सकता है।

**मुक्त व्यापार का मामला**

1.व्यापार के लिए अर्थव्यवस्थाओं को खोलने के कार्य को मुक्त व्यापार या व्यापार उदारीकरण के रूप में जाना जाता है।

2.मुक्त व्यापार के लिए टैरिफ जैसी व्यापार बाधाओं को कम किया जाता है।

3.व्यापार उदारीकरण हर जगह के माल और सेवाओं को घरेलू उत्पादों और सेवाओं के साथ प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देता है।

**डम्पिंग-**

किसी वस्तु को दो देशों में ऐसे मूल्य पर बेचने की प्रथा जो लागत से संबंधित न होने वाले कारणों से भिन्न होती है, उसे डंपिंग कहा जाता है

1 जनवरी 1995 को GATT का रूपांतरण WTO में हो गया।

**विश्व व्यापार संगठन-**

यह राष्ट्रों के बीच व्यापार के वैश्विक नियमों से निपटने वाला एकमात्र अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। यह वैश्विक व्यापार प्रणाली के लिए नियम निर्धारित करता है।

यह अपने सदस्य राष्ट्रों के बीच विवादों का समाधान करता है।

इसमें दूरसंचार और बैंकिंग जैसी सेवाओं में व्यापार तथा बौद्धिक अधिकार जैसे मुद्दों को भी शामिल किया गया है।

**अंतर्राष्ट्रीय व्यापार-** लाभ-क्षेत्रीय विशेषज्ञता, उत्पादन का उच्च स्तर, बेहतर जीवन स्तर, वस्तुओं और सेवाओं की विश्वव्यापी उपलब्धता, कीमतों और मजदूरी का समानीकरण, ज्ञान और संस्कृति का प्रसार।

**अंतर्राष्ट्रीय व्यापार**- नुकसान- i.दूसरे देशों पर निर्भरता। ii. विकास का असमान स्तर। iii. संसाधनों का दोहन। iv. युद्धों की ओर ले जाने वाली वाणिज्यिक प्रतिद्वंद्विता। V. अधिक प्रदूषण पैदा करना। vi. स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का समाधान न किया जाना।

**बंदरगाह के प्रकार-**

औद्योगिक बंदरगाह- ये बंदरगाह बड़ी मात्रा में बिना पैक किए हुए थोक माल के परिवहन में विशेषज्ञ हैं, जैसे- अनाज, अयस्क। वाणिज्यिक बंदरगाह- सामान्य माल, पैकेज्ड उत्पाद और निर्मित सामान (बक्से, गांठें, बैरल) संभालें। यात्री यातायात भी संभालें। व्यापक बंदरगाह-थोक और सामान्य माल संभालना।

**स्थान के आधार पर-**

**अंतर्देशीय बंदरगाह**-समुद्र तट से दूर स्थित, नदी या नहर के माध्यम से समुद्र से जुड़ा हुआ, जैसे- कोलकाता, हुगली नदी पर।

**बाह्य बंदरगाह-** ये बंदरगाहों से दूर बनाए गए गहरे पानी के बंदरगाह हैं, जो उन तक पहुँचने में असमर्थ बड़े आकार के जहाजों को प्राप्त करके मूल बंदरगाहों की सेवा करते हैं। उदाहरण- **एथेंस- बाहरी बंदरगाह- पिरियस**

**विशिष्टीकृत कार्यकलापों के आधार पर पत्तनों के के प्रकार-**

**1. तेल बंदरगाह**-तेल के प्रसंस्करण और शिपिंग में डील करते हैं। कुछ टैंकर बंदरगाह हैं और कुछ रिफाइनरी बंदरगाह हैं

**2. बंदरगाह**-ये वे बंदरगाह हैं जो मूल रूप से ईंधन भरने, पानी भरने और खाद्य पदार्थ ले जाने के लिए मुख्य समुद्री मार्गों पर कॉलिंग पॉइंट के रूप में विकसित किए गए थे। उदाहरण - सिंगापुर

**3. पैकेट स्टेशन** इन्हें फेरी पोर्ट भी कहा जाता है, जो यात्रियों के परिवहन और जल निकायों के पार छोटी दूरी तय करने से संबंधित हैं। उदाहरण के लिए इंग्लैंड में डोवर और इंग्लिश चैनल के पार फ्रांस में कैलाइस।

**4. एंट्रेपोट बंदरगाह**-ये संग्रहण केंद्र हैं जहां निर्यात के लिए विभिन्न देशों से माल लाया जाता है- सिंगापुर।

**5. नौसैन्य बंदरगाह**-ये बंदरगाह केवल सामरिक महत्व के हैं। ये बंदरगाह युद्धपोतों की सेवा करते हैं और इनमें कोच्चि के लिए मरम्मत कार्यशालाएँ हैं।

## बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न 1.अभिकथन (A): पर्वतीय क्षेत्रों की तुलना में निचले क्षेत्रों में कृषि की अधिक संभावना है।

कारण (R): निचली भूमियाँ व्यापक और अच्छी तरह से जुड़े परिवहन नेटवर्क बिछाने के लिए अच्छी हैं।

a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

**उत्तर: a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।**

प्रश्न 2. अभिकथन (A): घनी आबादी वाले देशों में आंतरिक व्यापार बड़ी मात्रा में होता है, लेकिन बाह्य व्यापार अपेक्षाकृत कम होता है।

कारण (R): कम आबादी वाले देशों में अधिकांश कृषि और औद्योगिक उत्पादन स्थानीय बाजारों में खपत हो जाता है।

a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

**उत्तर: C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।**

प्रश्न 3. अभिकथन (A): विदेशी निवेश विकासशील देशों में व्यापार को बढ़ावा दे सकता है।

कारण (R): विदेशी निवेश विकासशील देशों में खनन, तेल ड्रिलिंग और बागान कृषि जैसे उद्योगों के विकास के लिए आवश्यक पूंजी प्रदान करता है।

a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है। d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

**उत्तर: a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।**

प्रश्न 4.निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और उनका मूल्यांकन करें तथा दिए गए विकल्पों की सहायता से सही उत्तर चुनें।

I. घनी आबादी वाले देशों में आंतरिक व्यापार अधिक होता है, लेकिन बाहरी व्यापार कम होता है

II. इन देशों में जनसंख्या के बड़े आकार के कारण अधिकांश कृषि और औद्योगिक उत्पादन स्थानीय बाजार में खपत हो जाता है। विकल्प

a. केवल कथन II सही है

b. कथन I और II दोनों सही हैं लेकिन कथन II कथन I को सही ढंग से स्पष्ट नहीं करता है

c. दोनों कथन सत्य हैं और कथन II कथन I को सही ढंग से समझाता है

d. दोनों कथन गलत हैं

**उत्तर: दोनों कथन सत्य हैं और कथन II कथन I को सही ढंग से समझाता है**

## चित्र आधारित प्रश्न (1X3 अंक)

**1. दिए गए चित्र का अध्ययन करें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें-**

1.1. छवि में कौन सी प्रणाली दिखाई गई है?

उत्तर: वस्तु विनिमय प्रणाली।

1.2. क्या इस प्रणाली में पैसे का उपयोग किया जाता है?

उत्तर: नहीं, वस्तु विनिमय प्रणाली में पैसे का उपयोग नहीं किया जाता है।

1.3. आज इस प्रणाली का उपयोग करना क्यों मुश्किल हो सकता है?

उत्तर: इसमें इच्छाओं का दोहरा संयोग आवश्यक है- दोनों पक्षों को वही चाहिए जो दूसरे के पास है।

TABULAR COLUMN BASED QUESTION

Read the table given below and answer the following questions:

World Imports and Exports (in millions of US dollars)

| | 1955 | 1965 | 1975 | 1985 | 1995 | 2005 | 2015 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Exports Total Merchandise | 95000 | 190000 | 877000 | 1954000 | 5162000 | 10393000 | 15583232 |
| Imports Total Merchandise | 99000 | 199000 | 912000 | 2015000 | 5292000 | 10753000 | 15628204 |

1.1. Calculate the balance of trade in 2005.
1.2. Why do you think that the volume of trade has increased over the decade?
1.3. What had been the growth in the import during the year 2005 over the year 1955?
Ans. 1.1. 360000(10753000-10393000)
1.2. (a) Growth in manufacturing sector.
(b) Growth in Service sector.
(c) Specialization in agriculture and in other sectors.
.1.3 Approximately 108 times (10753000 ÷ 99000)

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 1. "बंदरगाहों को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का प्रवेश द्वार कहा जाता है क्योंकि किसी भी देश का अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समुद्री मार्गों से होता है।" कथन का विश्लेषण करें और किसी भी देश के बंदरगाह बुनियादी ढांचे में सुधार के उपाय सुझाएँ?

उत्तर: 1.बंदरगाह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे माल के प्रवेश और निकास के प्राथमिक बिंदु के रूप में कार्य करते हैं, तथा समुद्री मार्ग परिवहन का सबसे अधिक लागत प्रभावी तरीका है।

2.कुशल बंदरगाहों से माल की तीव्र गति से आवाजाही संभव होती है, लागत कम होती है और व्यापार प्रतिस्पर्धा में सुधार होता है।

3.बंदरगाहों को बेहतर बनाने के लिए, कोई देश आधुनिक बुनियादी ढांचे में निवेश कर सकता है, जैसे विस्तारित डॉकिंग सुविधाएं और उन्नत कार्गो हैंडलिंग प्रौद्योगिकी।

4.बंदरगाहों तक परिवहन संपर्क (रेल, सड़क) को उन्नत करने से भी कनेक्टिविटी में सुधार हो सकता है।

5.बंदरगाह सुरक्षा बढ़ाना, स्वचालन लागू करना और पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण उपाय हैं।

6.इसके अतिरिक्त, सुव्यवस्थित सीमा शुल्क प्रक्रियाएं और बेहतर रसद प्रबंधन देरी को कम कर सकते हैं और समग्र बंदरगाह दक्षता में सुधार कर सकते हैं।

**********

# पुस्तक- भारत: लोग और अर्थव्यवस्था

## इकाई-I भार: 5 अंक

## अध्याय-1: जनसंख्या: वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन

## माइंड मैप

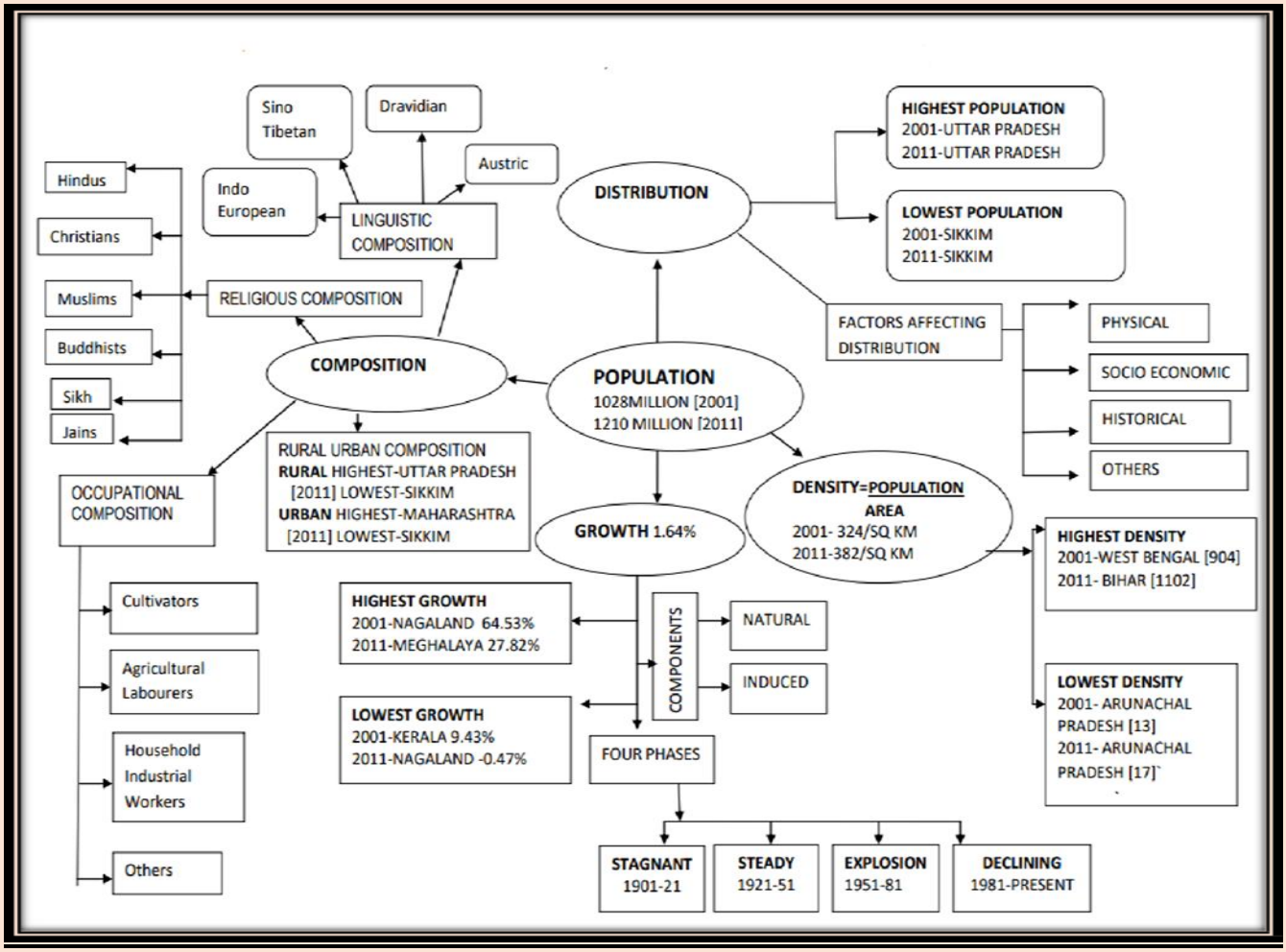


### पाठ का सार

### जनसंख्या का वितरण

1. भारत में जनसंख्या वितरण का पैटर्न बहुत असमान है।
2. जनसंख्या और भौतिक, सामाजिक-आर्थिक और ऐतिहासिक कारकों के बीच घनिष्ठ संबंध।
3. उत्तरी मैदान, डेल्टा, तटीय मैदानों में जनसंख्या का अनुपात अधिक है।

जनसंख्या का घनत्व-प्रति इकाई क्षेत्र में व्यक्तियों की संख्या के रूप में व्यक्त किया जाता है।

**घनत्व = जनसंख्या / क्षेत्र**

**जनसंख्या की वृद्धि-** यह दो समय बिंदुओं के बीच किसी विशेष क्षेत्र में रहने वाले लोगों की संख्या में परिवर्तन है।

प्राकृतिक वृद्धि- इसका विश्लेषण कच्चे जन्म और मृत्यु दर का आकलन करके किया जाता है।

प्रेरित वृद्धि- इसका विश्लेषण किसी दिए गए क्षेत्र में लोगों की आवक और जावक आवाजाही द्वारा किया जाता है।

**जनसंख्या वृद्धि के चरण**

**1. चरण I • 1901-21 तक**

1.वृद्धि के स्थिर चरण की अवधि 2. खराब स्वास्थ्य, चिकित्सा सुविधाएँ, निरक्षरता, बुनियादी सुविधाओं की कमी|

**2. चरण II • 1921-51 तक**

1. स्थिर वृद्धि की अवधि 2.पूरे देश में स्वास्थ्य और स्वच्छता में समग्र सुधार 3.मृत्यु दर में कमी

**3.Phase III 1951-1981 तक |**

1.भारत में जनसंख्या विस्फोट की अवधि अंतर्राष्ट्रीय प्रवास में वृद्धि| 2.विकासात्मक गतिविधियाँ शुरू की गईं

**4. चरण IV- 1981 के बाद से वर्तमान तक**

1.अशोधित जन्म दर में गिरावट का रुझान 2. देश में महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता, शिक्षा में सुधार

**जनसंख्या संरचना**

**भाषाई संगठन**- 1.हिंदी बोलने वालों का प्रतिशत सबसे अधिक है

**कार्यशील जनसंख्या-**

A.मुख्य श्रमिक-जनसंख्या का 39% मुख्य श्रमिक हैं।

B.गैर-श्रमिक-जनसंख्या का 61% गैर-श्रमिक हैं।

C.सीमांत श्रमिक-जनसंख्या का 39% सीमांत श्रमिक हैं।

**3. धार्मिक संगठन** -हिंदू कई राज्यों में एक प्रमुख समूह के रूप में वितरित हैं।

**4. व्यवसाय-** क. ग्रामीण- बिहार और सिक्किम में ग्रामीण आबादी बहुत अधिक है।

ख. शहरी- आर्थिक विकास के कारण शहरी आबादी में वृद्धि देखी गई है।

## बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1. भारत की कुल जनसंख्या में उनके प्रतिशत के अनुसार निम्नलिखित धार्मिक समूह के लोगों को व्यवस्थित करें-

a) ईसाई, हिंदू, मुस्लिम, सिख
b) हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, सिख
c) मुस्लिम, ईसाई, हिंदू, सिख
d) सिख, मुस्लिम, ईसाई, हिंदू।

उत्तर. b) हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, सिख

प्रश्न 2. निम्नलिखित पर विचार करें और दिए गए कोड की मदद से सही उत्तर चुनें:

| **सूची -I (जनसंख्या के चरण)** | **सूची -II (विकास विशेषताएँ)** |
|---|---|
| A. 1901-1921 के बीच की अवधि | 1. स्थिर विकास की अवधि। |
| B. 1921-1951 के बीच की अवधि | 2. जनसंख्या की स्थिर वृद्धि का चरण |
| C. 1951-1981 के बीच की अवधि | 3. उच्च लेकिन घटती वृद्धि दर |
| D. 1981 से वर्तमान तक की अवधि | 4. जनसंख्या विस्फोट की अवधि |

कोड:

A B C D

a) 1 2 3 4

b) 2 1 4 3

c) 4 3 2 1

d) 2 1 3 4

**उत्तर: a) 1 2 3 4**

प्रश्न 3. अभिकथन: आयु समूह का वितरण जनसंख्या वृद्धि को प्रभावित करने वाला कहा जाता है।

कारण: जनसंख्या वृद्धि समय की अवधि में जनसंख्या में वृद्धि का एक उपाय है।

a) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण अभिकथन के लिए सही व्याख्या है

b) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं लेकिन कारण अभिकथन के लिए सही व्याख्या नहीं है

c) अभिकथन सही है लेकिन कारण गलत है

d) अभिकथन और कारण दोनों गलत हैं

**उत्तर. a) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण सही व्याख्या है।**

4. अभिकथन (A): 1921-1951 के दशकों को स्थिर जनसंख्या वृद्धि की अवधि के रूप में संदर्भित किया जाता है।

कारण (R): स्वास्थ्य और स्वच्छता में सुधार से मृत्यु दर में कमी आई।

a. A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

b. A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

c. A सत्य है लेकिन R असत्य है।

d. A असत्य है और R सत्य है।

**उत्तर. A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है।**

**स्रोत आधारित प्रश्न (3 अंक)**

**निम्न दिए गई अन्नुछेद तथा चार्ट (प्रश्न 1 और 2) को पढ़ें तथा निम्नलिखित के उत्तर दें:**

प्रश्न 1. फरवरी 2014 में शुरू की गई राष्ट्रीय युवा नीति (NYP-2014) भारत के युवाओं के लिए एक समग्र 'विजन' का प्रस्ताव करती है, जो "देश के युवाओं को उनकी पूरी क्षमता हासिल करने के लिए सशक्त बनाना और उनके माध्यम से भारत को राष्ट्रों के समुदाय में अपना उचित स्थान दिलाने में सक्षम बनाना" है। NYP-2014 ने युवाओं को 15-29 वर्ष की आयु के व्यक्तियों के रूप में परिभाषित किया है। भारत सरकार ने देश के भीतर की जा रही सभी कौशल गतिविधियों के लिए एक छत्र ढांचा प्रदान करने और इन्हें सामान्य मानकों के साथ जोड़ने औरकौशलको मांग केंद्रों से जोड़ने के लिए 2015 में कौशल विकास और उद्यमिता के लिए राष्ट्रीय नीति भी तैयार की।

1. राष्ट्रीय युवा नीति कब शुरू की गई थी?

उत्तर: 2014 में

2. राष्ट्रीय युवा नीति का मुख्य उद्देश्य क्या था?

उत्तर: युवाओं को सशक्त बनाना तथा निर्णय लेने में उनकी प्रभावी भागीदारी बढ़ाना|

4 भारत सरकार कौशल विकास और उद्यमिता के लिए राष्ट्रीय नीति कब तैयार करेगी?

उत्तर: 2015

**चित्र आधारित प्रश्न (1X3 अंक)**

**दी गई तालिका का अध्ययन करें और प्रश्नों के उत्तर दें-**

*Table 1.1 : Decadal Growth Rates in India, 1901-2011*

| Census Years | Total Population | Growth Rate* | |
|---|---|---|---|
| | | Absolute Number | % of Growth |
| 1901 | 238396327 | ---------- | ---------- |
| 1911 | 252093390 | (+) 13697063 | (+) 5.75 |
| 1921 | 251321213 | (-) 772117 | (-) 0.31 |
| 1931 | 278977238 | (+) 27656025 | (+) 11.60 |
| 1941 | 318660580 | (+) 39683342 | (+) 14.22 |
| 1951 | 361088090 | (+) 42420485 | (+) 13.31 |
| 1961 | 439234771 | (+) 77682873 | (+) 21.51 |
| 1971 | 548159652 | (+) 108924881 | (+) 24.80 |
| 1981 | 683329097 | (+) 135169445 | (+) 24.66 |
| 1991 | 846302688 | (+) 162973591 | (+) 23.85 |

1.1. किस दशक में भारत में नकारात्मक जनसंख्या वृद्धि देखी गई?

उत्तर: 1911-1921 के दशक में, 772117 लोगों की कमी के साथ।

1.2. किस दशक के दौरान भारत में जनसंख्या में सबसे अधिक निरपेक्ष वृद्धि देखी गई?

उत्तर: 1981 से 1991 तक, 162,973,591 की वृद्धि के साथ।

1.3. 1971 से 1981 तक जनसंख्या में प्रतिशत वृद्धि क्या थी?

उत्तर: 24.66%।

प्रश्न 2. **दिये गए मानचित्र का अध्ययन करें और प्रश्नों के उत्तर दें-**

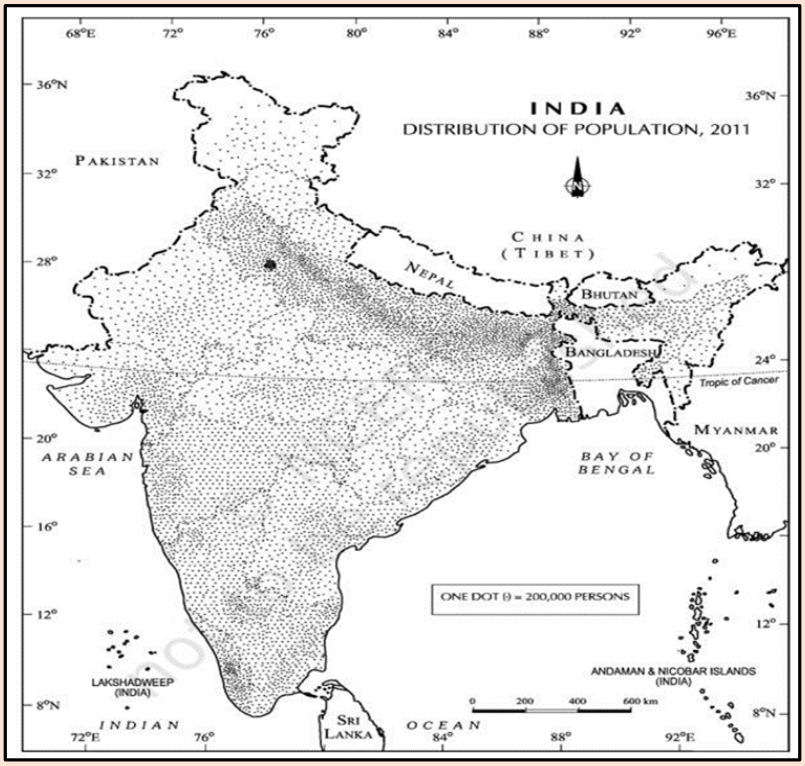


2.1. सबसे अधिक और सबसे कम जनसंख्या वाले राज्यों के नाम बताइए।

उत्तर- सबसे अधिक जनसंख्या-**उत्तर प्रदेश** और सबसे कम जनसंख्या-**सिक्किम**

2.2. घनत्व शब्द को परिभाषित करें।

उत्तर: भूमि के प्रति इकाई क्षेत्र में रहने वाली लोगों की संख्या को जनसंख्या घनत्व कहते है।

2.3. शीर्ष पाँच जनघनत्व वाले राज्यों के नाम लिखें।

उत्तर: बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु।

प्रश्न 3. दी गई तालिका का अध्ययन करें और प्रश्नों के उत्तर दें-

*Table 1.4 : Sectoral Composition of workforce in India, 2011*

| Categories | Population | | | |
|---|---|---|---|---|
| | Persons | % to total Workers | Male | Female |
| Primary | 26,30,22,473 | 54.6 | 16,54,47,075 | 9,75,75,398 |
| Secondary | 1,83,36,307 | 3.8 | 97,75,635 | 85,60,672 |
| Tertiary | 20,03,84,531 | 41.6 | 15,66,43,220 | 4,37,41,311 |

3.1. 2011 में किस क्षेत्र में सबसे अधिक संख्या में श्रमिक कार्यरत थे?

उत्तर: प्राथमिक क्षेत्र, जिसमें 26,30,22,473 श्रमिक थे।

3.2. तृतीयक क्षेत्र में कुल श्रमिकों का कितना प्रतिशत था?

उत्तर: 41.6%।

3.3. किस क्षेत्र में कार्यबल का प्रतिशत सबसे कम था?

उत्तर: द्वितीयक क्षेत्र, जिसमें 3.8% था।

## लघु उत्तर प्रश्न (3 अंक)

प्रश्न 1. "1951-81 के दशकों को भारत में जनसंख्या विस्फोट की अवधि के रूप में जाना जाता है।" तीन कारण बताकर कथन की व्याख्या करें। या

1951 से 1981 तक भारत में जनसंख्या की तीव्र वृद्धि के किन्हीं तीन कारणों की व्याख्या करें।

उत्तर: 1951-81 के दशकों को भारत में जनसंख्या विस्फोट की अवधि के रूप में जाना जाता है क्योंकि मृत्यु दर में तेजी से गिरावट आयी और जन्म दर अधिक थी। जिसके मुख्य कारण थे--

**1. जन्म और मृत्यु दर के बीच बढ़ता अंतर**- औसत वार्षिक जन्म दर प्रति हजार जनसंख्या पर 42 थी, लेकिन 1981 में यह घटकर 28.7 प्रति हजार हो गई।

**2. विवाह की कम आयु**-हमारे देश में बाल विवाह बहुत आम रहा है। जनगणना रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 72% विवाह 15 वर्ष की आयु से पहले और 34% 10 वर्ष की आयु से पहले किए गए थे।

**3. उच्च निरक्षरता**- इस अवधि (1951-81) के दौरान, समग्र साक्षरता दर बहुत कम थी। इसके कारण, वे अधिक रूढ़िवादी, अतार्किक और धार्मिक मानसिकता वाले होंगे।

**4. परिवार नियोजन के प्रति धार्मिक दृष्टिकोण**- धार्मिक रूप से रूढ़िवादी और रूढ़िवादी लोग परिवार नियोजन उपायों के इस्तेमाल के खिलाफ हैं।

**प्रश्न 2. 2003 में शुरू की गई भारत सरकार की 'राष्ट्रीय युवा नीति' के मुख्य पहलुओं की व्याख्या करें?**

उत्तर: किशोर आबादी के खिलाफ चुनौतियों के मद्देनजर सरकार द्वारा 2003 में राष्ट्रीय युवा नीति शुरू की गई है। इस नीति के प्रमुख पहलू इस प्रकार हैं:

1. किशोर समूह को शिक्षा प्रदान करना ताकि उनकी प्रतिभा और क्षमता का बेहतर विश्लेषण किया जा सके और उसका उचित उपयोग किया जा सके। 2. युवाओं को कौशल गुणवत्ता और प्रशिक्षण प्रदान करना। 3.युवाओं का सर्वांगीण विकास किया जाना है। 4. पुरुष और महिला की स्थिति में समानता लाने के लिए महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त बनाना।

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 1. "भारत में पुरुष की तुलना में महिला कार्य सहभागिता दर कम है" इस कथन का कारण स्पष्ट करें।

**उत्तर:** "भारत में पुरुष की तुलना में महिला कार्य सहभागिता दर कम है।" इसके पीछे निम्नलिखित कारण हैं:

1,समाज की पितृसत्तात्मक व्यवस्था महिलाओं को घर से बाहर काम करने की अनुमति नहीं देती है। 2. महिलाओं में साक्षरता का निम्न स्तर। 3.संयुक्त परिवार प्रणाली महिलाओं पर अधिक पारिवारिक जिम्मेदारी डालती है। 4. कम उम्र में बाल विवाह, पोषण का निम्न स्तर, असुरक्षित वातावरण ऐसी समस्याएँ हैं जिनके परिणामस्वरूप कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी कम होती है। 5. वेतन असमानता महिलाओं को कार्यबल में भाग लेने से हतोत्साहित करती है।6. साथी पुरुष श्रमिकों द्वारा उत्पीड़न।

**प्रश्न 2**. भारत सरकार द्वारा 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' सामाजिक अभियान क्यों शुरू किया गया? विवेचना करें।

**उत्तर:** भारत सरकार द्वारा 2015 में निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए सामाजिक अभियान 'बेटी-बचाओ-बेटी पढ़ाओ' शुरू किया गया था: 1. देश में लैंगिक भेदभाव और महिला सशक्तीकरण की चिंताओं को दूर करना। 2.बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ नाम का अर्थ है 'लड़की बचाओ, लड़की पढ़ाओ'। 3.लैंगिक पूर्वाग्रह के खिलाफ नागरिकों को शिक्षित करना और लड़कियों के लिए कल्याणकारी सेवाओं की प्रभावकारिता में सुधार करना। 4.इसका उद्देश्य लिंग-पक्षपाती, लिंग चयनात्मक उन्मूलन को रोकना भी है। 5. यह बालिकाओं की शिक्षा और भागीदारी को प्रोत्साहित करता है, इसका उद्देश्य बाल लिंग अनुपात में सुधार करना है। यह लैंगिक समानता और महिला सशक्तीकरण सुनिश्चित करता है।

**प्रश्न 3**. भारत में जनसंख्या वृद्धि के प्रबंधन के लिए चुनौतियों और रणनीतियों पर चर्चा करें।

**उत्तर:** भारत को अपनी जनसंख्या वृद्धि के प्रबंधन में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसके लिए व्यापक रणनीतियों की आवश्यकता है:

**1. चुनौतियाँ:** **ए. उच्च जन्म दर:** जन्म दर में गिरावट के बावजूद, भारत के कुछ क्षेत्रों में अभी भी उच्च प्रजनन दर है, जो जनसंख्या वृद्धि में योगदान दे रही है।

**बी. गरीबी और निरक्षरता**: गरीबी और निरक्षरता का उच्च स्तर उच्च प्रजनन दर से जुड़ा हुआ है, क्योंकि गरीब और कम शिक्षित आबादी के पास परिवार नियोजन संसाधनों तक सीमित पहुंच हो सकती है।

**सी. स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच:** ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में अपर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं जनसंख्या वृद्धि को प्रबंधित करने के प्रयासों में बाधा डालती हैं, क्योंकि लोगों के पास प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा तक पहुंच नहीं है।

**2. रणनीतियां:**

**ए. परिवार नियोजन कार्यक्रम:** गर्भनिरोधक, प्रजनन स्वास्थ्य शिक्षा और सेवाओं तक व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए परिवार नियोजन कार्यक्रमों को मजबूत करना जनसंख्या वृद्धि को प्रबंधित करने में मदद कर सकता है।

**बी. शिक्षा और जागरूकता:** शिक्षा को बढ़ाना, विशेष रूप से महिलाओं के लिए, महत्वपूर्ण है। शिक्षित महिलाएं परिवार के आकार और प्रजनन स्वास्थ्य के बारे में सूचित निर्णय लेने की अधिक संभावना रखती हैं।

**सी. आर्थिक विकास:** आर्थिक स्थितियों में सुधार और गरीबी को कम करने से प्रजनन दर कम हो सकती है। आर्थिक विकास बेहतर रोजगार के अवसर प्रदान करता है और बड़े परिवारों की आर्थिक आवश्यकता को कम करता है।

**डी. स्वास्थ्य सेवा में सुधार:** स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे का विस्तार, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, यह सुनिश्चित करता है कि लोगों को आवश्यक प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं और मातृ देखभाल तक पहुंच प्राप्त हो।

**********

## यूनिट-II अंकभार : 3 अंक

## अध्याय-2: मानव बस्ती

# माइंड मैप

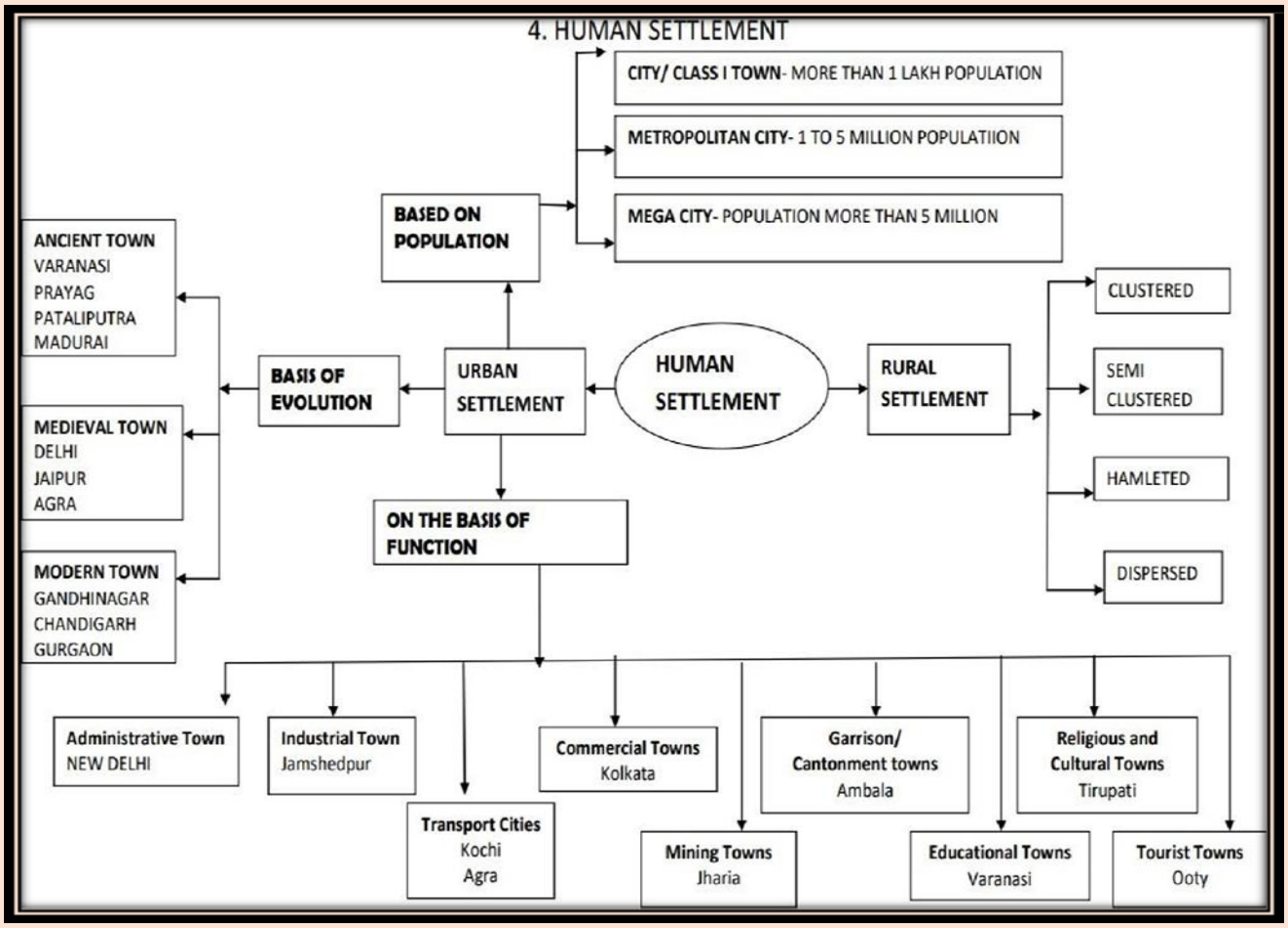


## पाठ का सार

मानव बस्ती का अर्थ है आवासों का समूह जहाँ लोग रहते हैं।

बस्ती के विकास में लोगों का एक साथ रहना और अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एक क्षेत्र को संसाधन आधार के रूप में आवंटित करना शामिल है। बस्तियाँ आकार और प्रकार में भिन्न होती हैं। छोटी बस्तियों को ग्रामीण बस्तियाँ (गाँव) कहा जाता है और बड़ी बस्तियों को शहरी बस्तियाँ (कस्बों और शहरों) कहा जाता है।

ग्रामीण बस्तियों के प्रकार ग्रामीण बस्तियां अपने जीवन का पोषण अथवा आधारभूत आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति भूमि आधारित प्राथमिक आर्थिक क्रियाओ से करती हैं

भारत में विभिन्न प्रकार की ग्रामीण बस्तियों के वितरण लिए जिम्मेदार कारक-

(I) भौतिक कारक (II) सांस्कृतिक और जातीय कारक (III) सुरक्षा कारक

**(अ) गुच्छित बस्तियाँ -1.** (घरों का सघन और निकट निर्मित क्षेत्र) 2.आस-पास के खेतों और चरागाहों से अलग सामान्य रहने का क्षेत्र। 3.आम तौर पर जगह-जगह और उत्तर-पूर्वी राज्यों में पाया जाता है। 4.सुरक्षा कारणों से बुंदेलखंड क्षेत्र और नागालैंड में। 5. पानी की कमी के कारण - राजस्थान |

**(ब) अर्ध-गुच्छित बस्तियाँ -**1.ग्रामीण समाज का एक वर्ग बाहरी किनारों पर रहने के लिए मजबूर होते है, जबकि भूमि मालिक समुदाय गाँव के मध्य भाग पर कब्जा किये रहते है। 2.गुजरात और राजस्थान के कुछ हिस्सों में पाया जाता है। 3. पल्लिकृत बस्तियाँ- विखंडन अक्सर सामाजिक और जातीय कारकों से प्रेरित होता है इकाइयों को स्थानीय रूप से पन्ना, पारा, धानी, पल्ली, नगला आदि कहा जाता है। मध्य और निचले गंगा के मैदानों, छत्तीसगढ़ और हिमालय की निचली घाटियों में पाए जाते हैं।

**(स) विखंडित बस्तियाँ -** पहाड़ी क्षेत्र में अलग-अलग झोपड़ियों या बस्तियों के रूप में दूरदराज के जंगल या छोटी पहाड़ियों पर पाए जाते हैं। मेघालय हिमाचल प्रदेश केरल और उत्तराखंड में पाए जाते हैं।

| क्रम संख्या | ग्रामीण बस्तियां | शहरी बस्तियां |
|---|---|---|
| 1 | प्राथमिक क्रियाकलाप | द्वितीयक क्रियाकलाप से पंचम क्रियाकलाप |
| 2 | कच्चा माल उपलब्ध कराना | कच्चे माल को संसाधित करना |
| 3 | जीवित प्राणियों के लिए भोजन का उत्पादन करना | सेवाएँ प्रदान करना |
| 4 | मूल रूप से निम्न आय आधार | उच्च आय आधार |
| 5 | निम्न जनघनत्व | उच्च जनघनत्व |

## शहरी बस्तियाँ: भारत में शहरों का विकास

शहरों को भारतीय इतिहास के विभिन्न कालखंडों में क्रांति के आधार पर वर्गीकृत किया गया है।

**I). प्राचीन शहर-** ऐसे शहर जिनकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 2000 वर्षों से अधिक है। उनमें से अधिकांश धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्रों के रूप में विकसित हुए। वाराणसी, प्रयागराज, पाटलिपुत्र, मदुरै इसके कुछ उदाहरण हैं|

**II). मध्यकालीन शहर**-लगभग 100 मौजूदा भारतीय शहर मध्यकालीन काल के हैं।

उनमें से अधिकांश रियासतों और राज्यों के मुख्यालय के रूप में विकसित हुए। वे किलेनुमा शहर हैं जो प्राचीन शहरों के खंडहरों पर बने हैं। दिल्ली, हैदराबाद, जयपुर, लखनऊ, आगरा और नागपुर इसके कुछ उदाहरण हैं।

**III). आधुनिक शहर**-आधुनिक शहरों को कई श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता हैं -

**A. औपनिवेशिक काल के दौरान विकसित शहर -** सूरत, दमन, गोवा पांडिचेरी।

**2. तटीय क्षेत्रों में व्यापारिक बंदरगाह के रूप में विकसित शहर -** मुंबई, चेन्नई, कोलकाता|

**3. पहाड़ी शहर -** डलहौजी, शिमला,

**4. छावनी शहर -** अंबाला कैंट, पठानकोट

**5. औद्योगिक शहर-** जमशेदपुर, लुधियाना।

**B स्वतंत्रता के बाद विकसित शहर**-चंडीगढ़, भुवनेश्वर जैसे कई औद्योगिक शहर और महानगरीय शहरों के आसपास फरीदाबाद, गुरुग्राम जैसे सैटेलाइट शहर प्रशासनिक मुख्यालय के रूप में विकसित हुए।

**भारत में शहरीकरण:-** शहरीकरण का स्तर कुल जनसंख्या में शहरी आबादी के प्रतिशत के रूप में मापा जाता है। भारत की 31.16% जनसंख्या शहरी जनसंख्या है (2011 की जनगणना)

**महानगर-** जनसंख्या 10 लाख से 50 लाख|

**मेगा शहर-** जनसंख्या 5 से 10 मिलियन से अधिक|

**कस्बों का कार्यात्मक वर्गीकरण: ---**

**1.प्रशासनिक शहर और शहर-** चंडीगढ़, नई दिल्ली, भोपाल, शिलांग, गुवाहाटी, इंफाल, श्रीनगर, गांधीनगर, जयपुर, चेन्नई

**2.औद्योगिक शहर-** मुंबई, सेलम, कोयंबटूर, मोदीनगर, जमशेदपुर, हुगली, भिलाई, आदि।

**3. परिवहन नगर-** कांडला, कोच्चि, कोझिकोड, विशाखापत्तनम आगरा, धूलिया, मुगलसराय, इटारसी, कटनी,

**4. वाणिज्यिक नगर-** कोलकाता, सहारनपुर, सतना, आदि।

**5.खनन नगर-** रानीगंज, झरिया, डिगबोई, अंकलेश्वर, सिंगरौली आदि।

**6. गैरीसन/छावनी शहर-** अंबाला, जालंधर, महू, बबीना, उधमपुर, आदि।

**7. शैक्षिक शहर-** रुड़की, वाराणसी, अलीगढ़, पिलानी, इलाहाबाद, आदि।

**8. धार्मिक और सांस्कृतिक शहर-** वाराणसी, मथुरा, अमृतसर, मदुरै, पुरी, अजमेर, पुष्कर, तिरुपति, कुरुक्षेत्र, हरिद्वार, उज्जैन आदि।

**9. पर्यटक शहर-** नैनीताल, मसूरी, शिमला, पचमढ़ी, जोधपुर, जैसलमेर, उदगमंडलम (ऊटी),माउंट आबू आदि।

## बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न 1 भारत में उनके ऐतिहासिक विकास के अनुसार शहरों की निम्नलिखित श्रेणियों को अनुक्रम क्रम में व्यवस्थित करें।

i. कोलकाता ii. चंडीगढ़ iii. मदुरै iv. लखनऊ

**विकल्प:** 1. i, iv, iii, ii 2. iv, i,iii, ii 3. ii, iv, i, iii 4. iii, iv, i ,ii

**उत्तर:** 4.iii, iv, i, ii

**प्रश्न 2 कथन पर विचार करें, और निम्नलिखित के उत्तर दें:**

कथन I- शहर अपने कार्य में स्थिर नहीं हैं और उनके गतिशील स्वभाव के कारण कार्य बदलते हैं।

कथन II- कार्य इतने परस्पर जुड़े हुए हैं कि शहर को आसानी से एक विशेष कार्यात्मक वर्ग में वर्गीकृत किया जा सकता है।

A. केवल कथन I सही है। B. केवल कथन II सही है। C. कथन I और II दोनों सही हैं। D. कथन I और II दोनों गलत हैं

**उत्तर A. केवल कथन I सही है**

प्रश्न 3. निम्न कथनों को पढ़ें और निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर खोजें:

कथन I: कठोर जलवायु परिस्थितियों वाले क्षेत्रों में बिखरी हुई बस्तियाँ आम हैं।

कथन II: कठोर जलवायु और कठिन भूभाग लोगों को एक-दूसरे के करीब रहने के लिए उपयुक्त बनाते हैं।

विकल्प:

A. कथन I और कथन II दोनों सत्य हैं, और कथन II कथन I का सही स्पष्टीकरण है।

B. कथन I और कथन II दोनों सत्य हैं, लेकिन कथन II कथन I का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।

D. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

**उत्तर C. कथन I और II दोनों सही हैं।**

प्रश्न 4. निम्नलिखित में से कौन सा स्मार्ट सिटी मिशन का उद्देश्य नहीं है?

A. स्मार्ट समाधान। B. शहर को महत्वाकांक्षी शहरों के लिए प्रकाश स्तंभ बनाएं।

C. समावेशी और सतत विकास। D. केवल ऊँची इमारतें बनाएँ।

**उत्तर: D. केवल ऊंची इमारतें बनाएं**

प्रश्न 5. निम्नलिखित को सही विकल्पों से मिलाएं:

| **स्तंभ A (कार्यात्मक वर्गीकरण)** | **स्तंभ B (शहरों के उदाहरण)** |
|---|---|
| I. शैक्षिक शहर | a. अंकलेश्वर |
| II. खनन शहर | b. अलीगढ़ |
| III. पर्यटक शहर | c. अंबाला |
| IV. गैरीसन शहर | d. पचमढ़ी |

विकल्प:

A. I-a, II-b, III-c, IV-d B. I-d, II-a, III-c, IV-b,

C. I-b, II-a, III-d, IV-c D. I-b, II-a, III-c, IV-d

**उत्तर C. I-b, II-a, III-d, IV-c**

## लघु उत्तर प्रश्न (3 अंक)

प्रश्न 1. स्मार्ट सिटी मिशन के उद्देश्य क्या हैं?

उत्तर: स्मार्ट सिटी मिशन का उद्देश्य ऐसे शहरों का विकास करना है जो अपने निवासियों को बुनियादी ढांचे के साथ-साथ स्वच्छ और टिकाऊ वातावरण प्रदान करें। वे शहरों में मौजूद समस्याओं के लिए स्मार्ट समाधान लागू करके ऐसा करते हैं। स्मार्ट सिटी का उद्देश्य अन्य महत्वाकांक्षी शहरों के लिए प्रकाश स्तंभ के रूप में कार्य करना है।

प्रश्न 2. "शहरी बस्तियाँ अक्सर "शहरी फैलाव" की घटना का अनुभव करती हैं। प्राकृतिक पर्यावरण और सामाजिक-आर्थिक संरचनाओं दोनों पर इसके प्रभाव का मूल्यांकन करें।

**उत्तर: पर्यावरणीय प्रभाव-**

• भूमि परिवर्तन के कारण वनों की कटाई और जैव विविधता का नुकसान होता है।

• आवागमन के लिए अधिक वाहनों की आवश्यकता होने से प्रदूषण का स्तर बढ़ता है।

• पानी और ऊर्जा जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव पड़ता है।

**सामाजिक-आर्थिक प्रभाव-**

• विशेष रूप से परिधीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसी सेवाओं तक असमान पहुँच बनाता है।

• बुनियादी ढाँचे के विकास में देरी के कारण जीवन यापन की लागत बढ़ जाती है।

• कृषि भूमि कम हो जाती है, जिससे खाद्य सुरक्षा प्रभावित होती है।

**प्रश्न 2. निम्नलिखित तालिका का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें और प्रश्नों के उत्तर दें:**

| Year | No of Towns/UAs | Urban Population (in Thousands) | % of Total Population | Decennial Growth |
|---|---|---|---|---|
| **1961** | 2365 | 78936.6 | 19.97 | 26.41 |
| **1971** | 2590 | 109114 | 19.91 | 38.23 |
| **1981** | 3378 | 159463 | 23.34 | 46.14 |
| **1991** | 4689 | 217611 | 25.71 | 36.47 |
| **2001** | 5161 | 285355 | 27.78 | 31.13 |
| **2011** | 6171 | 377000 | 31.16 | 31.08 |

(2.1). किस जनगणना वर्ष में शहरी जनसंख्या की दशकीय वृद्धि सबसे अधिक है।

उत्तर: 1981

(2.2). भारत में शहरी जनसंख्या की बढ़ती प्रवृत्ति की व्याख्या करें।

उत्तर: भारत में 1961 से 2011 तक शहरी जनसंख्या में नियमित वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई है। 1961 में यह 17.97% और 2011 में 31.16% दर्ज की गई है।

(2.3). भारत में कस्बों की संख्या में निरंतर वृद्धि की प्रवृत्ति का विश्लेषण करें।

प्रश्न 3. "उत्तरी मैदानों में कॉम्पैक्ट या क्लस्टर किए गए गाँव एक सार्वभौमिक विशेषता है"। कारण बताइए।

उत्तर: उत्तरी मैदानों में सघन या समूहबद्ध गाँव निम्नलिखित कारणों से एक सार्वभौमिक विशेषता है:

1. समतल और उपजाऊ भूमि 2. अधिक श्रम शक्ति 3. विभिन्न गतिविधियों के लिए पानी की प्रचुर आपूर्ति
4. सामाजिक सुरक्षा 5. बेहतर परिवहन सुविधाएँ 6. आबादी का बड़ा हिस्सा भूमिहीन है;

इसलिए वे एक साथ रहने के लिए बाध्य हैं।

**प्रश्न 4 दी गई तस्वीर का अध्ययन कीजिए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए**

4.1. चित्र में किस प्रकार की बस्ती दिखाई गई है?

उत्तर: यह एक सघन या समूहबद्ध ग्रामीण बस्ती है।

4.2. सघन बस्तियाँ आम तौर पर किन क्षेत्रों में पाई जाती हैं?

उत्तर: वे आम तौर पर उपजाऊ मैदानों और नदी घाटियों में पाई जाती हैं।

4.3. सघन बस्तियों का एक लाभ क्या है?

उत्तर: वे बेहतर सामाजिक संपर्क और सामुदायिक संसाधनों तक आसान पहुँच में मदद करते हैं

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 1. भारत में कई आधुनिक शहर ब्रिटिश शासन के दौरान विकसित हुए थे। इस कथन की पुष्टि करें। उत्तर: अंग्रेजों ने भारत में कई आधुनिक शहर विकसित किए थे। तटीय स्थानों पर अपना पैर जमाना शुरू किया। सबसे पहले उन्होंने कुछ व्यापारिक बंदरगाह विकसित किए। सूरत, दमन, गोवा, पुडुचेरी (पांडिचेरी) आदि को व्यापारिक केंद्र के रूप में विकसित किया गया। इसके बाद उन्होंने तीन नोड्स मुंबई (बॉम्बे), चेन्नई (मद्रास) और कोलकाता (कलकत्ता) के आसपास अपनी पकड़ मजबूत कर ली। उन्होंने अपने प्रशासनिक केंद्र, पहाड़ी शहरों को ग्रीष्मकालीन रिसॉर्ट के रूप में भी विकसित किया। उन्होंने नए नागरिक प्रशासनिक और सैन्य क्षेत्र विकसित किए। 1850 के बाद जमशेदपुर जैसे आधुनिक उद्योगों पर आधारित शहर भी विकसित हुए। प्रश्न 2 "भारत में प्रागैतिहासिक काल से ही शहर फले-फूले" कथन की व्याख्या करें। उत्तर: भारत में प्रागैतिहासिक काल से ही शहर फले-फूले। सिंधु घाटी सभ्यता के समय भी शहर जैसे हड़प्पा और मोहनजो-दारो अस्तित्व में थे। विभिन्न अवधियों में उनके विकास के आधार पर, भारतीय शहरों को इस प्रकार वर्गीकृत किया जा सकता है-

• **प्रशासनिक शहर और शहर-** चंडीगढ़, नई दिल्ली, भोपाल, शिलांग, गुवाहाटी, इम्फाल, श्रीनगर, गांधीनगर, जयपुर, चेन्नई।

• **औद्योगिक शहर-** मुंबई, सेलम, कोयंबटूर, मोदीनगर, जमशेदपुर, हुगली, भिलाई, आदि।

• **परिवहन नगर-** कांडला, कोच्चि, कोझिकोड, विशाखापत्तनम आगरा, धूलिया, मुगल सराय, इटारसी, कटनी, 4. वाणिज्यिक नगर- कोलकाता, सहारनपुर, सतना, आदि।

• **खनन शहर-** रानीगंज, झरिया, डिगबोई, अंकलेश्वर, सिंगरौली, आदि।

• **गैरीसन/छावनी शहर-** अंबाला, जालंधर, महू, बबीना, उधमपुर, आदि।

• **शैक्षिक नगर-** रूड़की, वाराणसी, अलीगढ, पिलानी, इलाहाबाद आदि।

• **धार्मिक एवं सांस्कृतिक नगर-** वाराणसी, मथुरा, अमृतसर, मदुरै, पुरी, अजमेर, पुष्कर, तिरूपति, कुरूक्षेत्र, हरिद्वार, उज्जैन आदि।

• **पर्यटन नगर**-नैनीताल, मसूरी, शिमला, पचमढ़ी, जोधपुर, जैसलमेर, उदगमंडलम (ऊटी), माउंट आबू।

**********

## इकाई -III (अंक भार: 10 अंक)

# अध्याय- 3 भूमि संसाधन और कृषि

**माइंड मैप**

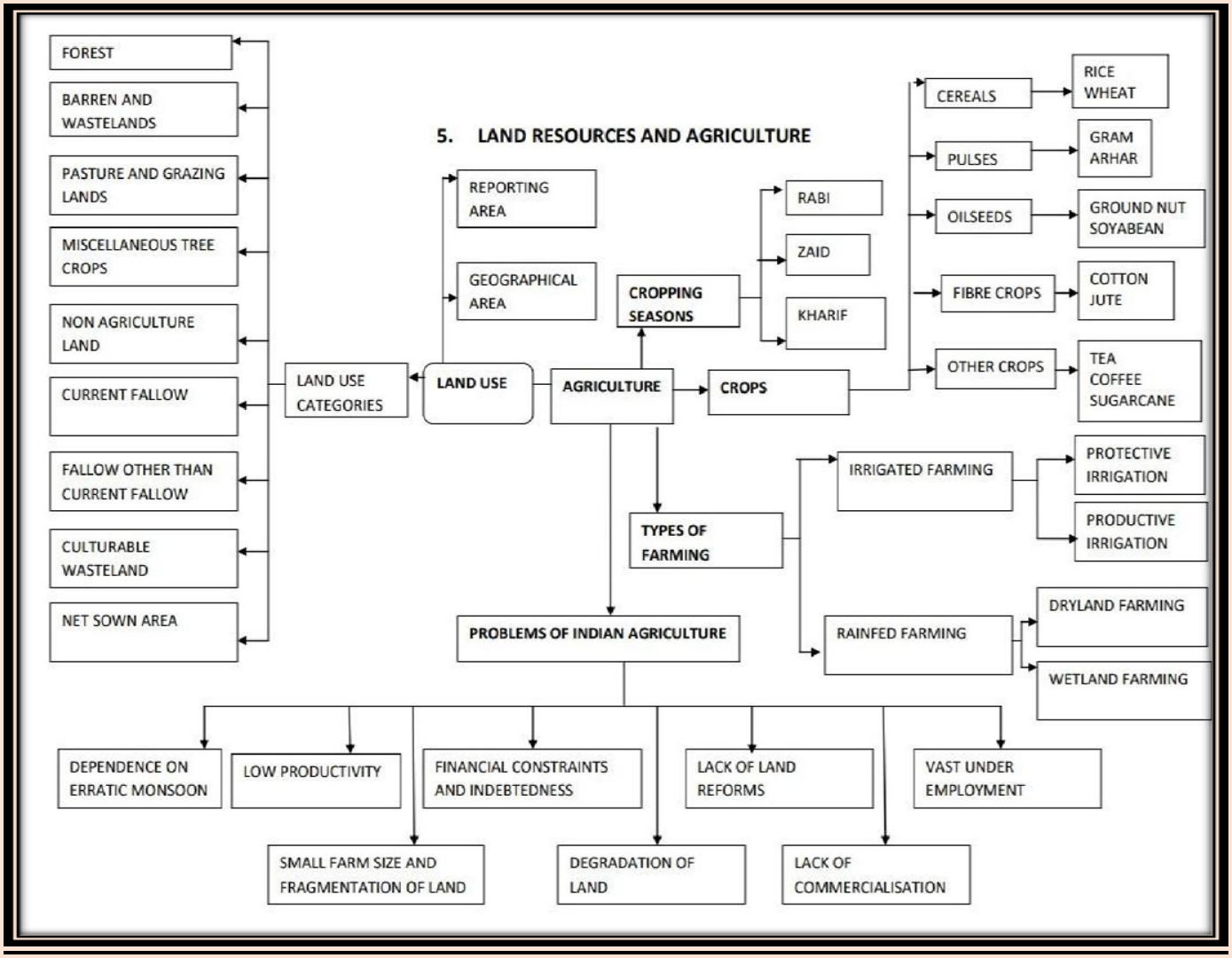


## पाठ का सार

| **भारत में फसल ऋतुये** | **मुख्य उगाई जाने वाली फसलें** | |
|---|---|---|
| | **उत्तरी राज्य** | **दक्षिणी राज्य** |
| **खरीफ की फसल** जून-सितंबर | चावल, कपास, बाजरा, मक्का,ज्वार, अरहर | चावल, मक्का,रागी,ज्वार,मूंगफली |
| **रबी की फसल** अक्टूबर-मार्च | गेहूँ,चना,रैपीसीड जौ और सरसों, | चावल,रागी, मूंगफली, |
| **जायद की फसल** अप्रैल-जून | फल, सब्जियाँ, | चारा,चावल,सब्जियाँ, |

**खेती के प्रकार:**

फसलों के लिए नमी के मुख्य स्रोत के आधार पर, खेती को सिंचित और वर्षा आधारित के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। वर्षा आधारित खेती को शुष्क भूमि खेती और आर्द्रभूमि खेती में विभाजित किया जाता है।

**शुष्क भूमि खेती** -75 सेमी से कम वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्र तक सीमित है। रागी,बाजरा,मूंग,चना औरग्वार (चारा) मुख्य फसलें हैं।

**आर्द्रभूमि खेती-** बरसात के मौसम में पौधों की मिट्टी की नमी की आवश्यकता से अधिक वर्षा होती है। इन क्षेत्रों में चावल, जूट और गन्ना जैसी विभिन्न जल गहन फसलें उगाई जाती हैं।

**खाद्य फसलें -चावल, गेहूँ, ज्वार, बाजरा, मक्का, दालें, चना, गन्ना, तिलहन।**

**रोपण फसलें - चाय, कॉफी और रबर**

## बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)

**प्रश्न.1 उनमें से कौन सा सही ढंग से मेल खाता है?**

| क्रम संख्या | समूह | फसल |
|---|---|---|
| 1 | बागान | गन्ना, चाय, कॉफी |
| 2. | तिलहन | तिलहन सरसों, रेपसीड, ज्वार |
| 3. | दालें | चना, अरहर, मूंगफली |
| 4. | रेशा | कपास, जूट, रेशम |

क्रम संख्या समूह फसलें-

a. 1&3 b. 1&4 c. 2&4 d. 2&3

उत्तर. d. 2&3

प्रश्न.2. अभिकथन- (A): समय के साथ कृषि का योगदान कम हुआ है लेकिन कृषि के लिए भूमि पर दबाव कम नहीं हुआ है।

कारण- (R):- भारत में लोगों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है।

A. A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है

B. A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है

C. A सत्य है, लेकिन R असत्य है

D. A असत्य है, लेकिन R सत्य है

**उत्तर. A. A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है**

प्रश्न 3. अभिकथन (A):- चाय की तीन किस्में हैं अर्थात् अरेबिका, रोबस्टा और लिबेरिका।

कारण (R):- भारत में अधिकतर उच्च गुणवत्ता वाली कॉफी अरेबिका उगाई जाती है, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बहुत मांग है।

a. A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है।

b. A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

c. A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

d. A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

**उत्तर:.c. A सत्य है, लेकिन R असत्य है।**

## स्रोत आधारित प्रश्न (1X3 अंक)

प्रश्न 1. पाठ को ध्यान से पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर दें: चावल भारत में अधिकांश आबादी का मुख्य भोजन है। हालाँकि, इसे उष्णकटिबंधीय आर्द्र क्षेत्रों की फसल माना जाता है। इन्हें समुद्र तल से लगभग 2,000 मीटर की ऊँचाई तक और पूर्वी भारत के आर्द्र क्षेत्रों से लेकर पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी यू.पी. और उत्तरी राजस्थान के शुष्क लेकिन सिंचित क्षेत्रों में सफलतापूर्वक उगाया जाता है। दक्षिणी राज्यों और पश्चिम बंगाल में जलवायु परिस्थितियाँ एक कृषि वर्ष में चावल की दो या तीन फसलों की खेती की अनुमति देती हैं। पश्चिम बंगाल में किसान चावल की तीन फसलें उगाते हैं जिन्हें 'औस', 'अमन' और 'बोरो' कहा जाता है। लेकिन हिमालय और देश के उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में, इसे दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम में खरीफ की फसल के रूप में उगाया जाता है। भारत दुनिया में चावल उत्पादन में 22.07 प्रतिशत का योगदान देता है और 2018 में चीन के बाद दूसरे स्थान पर रहा पंजाब, तमिलनाडु, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और केरल में चावल की पैदावार अधिक होती है। इनमें से पहले चार राज्यों में चावल की खेती के अंतर्गत आने वाली लगभग पूरी भूमि सिंचित है।

1.1. भारत के चावल उत्पादक राज्यों के नाम लिखिए।

उत्तर: पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और पंजाब देश में चावल के प्रमुख उत्पादक राज्य हैं।

1.2. देश के कुल फसली क्षेत्र का कितना हिस्सा चावल की खेती के अंतर्गत आता है?

उत्तर: एक-चौथाई

1.3. पश्चिम बंगाल के किसान चावल की कौन सी तीन फसलें उगाते हैं?

उत्तर: पश्चिम बंगाल के किसान चावल की तीन फसलें उगाते हैं जिन्हें 'औस', 'अमन' और 'बोरो' कहा जाता है।

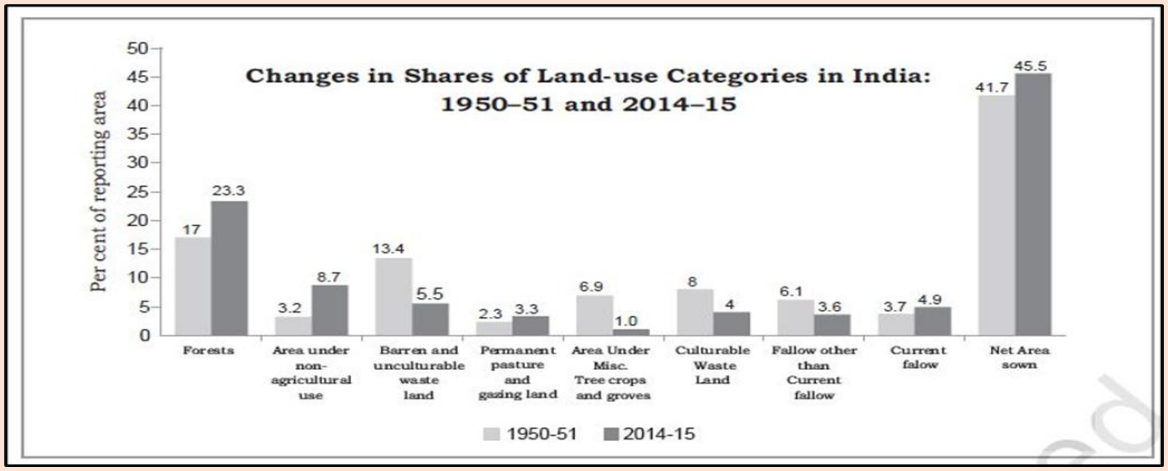


2.1. 1950-51 से 2014-15 तक किस भूमि-उपयोग श्रेणी में सबसे महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई?

उत्तर: वन 17% से बढ़कर 23.3% हो गए।

2.2. पिछले कुछ वर्षों में किस श्रेणी में भूमि के हिस्से में बड़ी कमी देखी गई?

उत्तर: बंजर और अनुपयोगी बंजर भूमि 13.4% से घटकर 5.5% हो गई।

2.3: 1950-51 से 2014-15 तक बोए गए शुद्ध क्षेत्र में कितनी वृद्धि हुई?

उत्तर: यह 41.7% से बढ़कर 45.5% हो गया।

## लघु उत्तर प्रश्न (3 अंक)

**प्रश्न 1. दिए गए चित्र का अध्ययन करें और नीचे उत्तर लिखें-**

1.1. चित्र में कौन सी फसल दिखाई गई है?

उत्तर: गन्ना।

1.2. गन्ना किस प्रकार की जलवायु में सबसे अच्छा उगता है?

उत्तर: गर्म और आर्द्र जलवायु।

1.3. भारत में गन्ना उत्पादन करने वाले एक प्रमुख राज्य का नाम बताइए।

उत्तर: उत्तर प्रदेश, उसके बाद महाराष्ट्र, गुजरात कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश

प्रश्न 2. भारत को कृषि प्रधान देश क्यों कहा जाता है? कोई तीन कारण बताइए।

उत्तर: भारत एक कृषि प्रधान देश है क्योंकि:

1 इस देश में कृषि में इसके मुख्य श्रमिकों के 64% से अधिक लोग शामिल हैं या कार्यरत हैं।

2.भारत में 70% से अधिक लोग अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर हैं।

3.एक आदर्श भौगोलिक स्थिति, जलवायु, लंबा उगने का मौसम और प्रचुर मात्रा में पानी की आपूर्ति ने भारत को एक असाधारण कृषि प्रधान देश बना दिया है।

4. यहाँ उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों की फसलें उगाई जाती हैं। इसलिए भारत एक कृषि प्रधान देश है।

प्रश्न 3. फसल की तीव्रता राज्य दर राज्य अलग-अलग क्यों होती है? उदाहरण सहित तीन कारण बताइए।

उत्तर: फसल की तीव्रता राज्य दर राज्य अलग-अलग होती है क्योंकि यह इस पर निर्भर करती है:

1. सिंचाई सुविधाएँ: ऐसे राज्यों में जहाँ सिंचाई के साधन उपलब्ध हैं, वहाँ फसल की तीव्रता अधिक है, जैसे कि हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब आदि में फसल की तीव्रता अधिक है।

2. जल्दी पकने वाले HYV बीजों के उपयोग से फसल की तीव्रता बढ़ाने में मदद मिली है। एक फसल के पकने और कम समय में कट जाने के बाद उसी खेत में दूसरी फसल बोना सुनिश्चित करें।

3. रासायनिक उर्वरक: उर्वरकों का उपयोग बहुत आम है। जिन राज्यों में उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग आम है, वहाँ फसल की सघनता भी अधिक है। उदाहरण के लिए पंजाब एक ऐसा राज्य है जहाँ फसल की सघनता अधिक है।

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 1 हरित क्रांति भारत के सभी भागों में समान रूप से सफल नहीं रही। क्यों?

उत्तर: हरित क्रांति भारत के सभी भागों में समान रूप से सफल नहीं रही, इसके निम्नलिखित कारण हैं:

1. सिंचाई सुविधाएँ केवल पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक ही सीमित थीं।

2.किसान आधुनिक तकनीक और इसकी पहुँच के बारे में नहीं जानते थे।

3.दोषपूर्ण वितरण और भंडारण प्रणाली के कारण बीजों की अच्छी और अधिक उपज देने वाली किस्में आसानी से उपलब्ध नहीं थीं।

4. किसानों की गरीबी। 5. भूमि जोत का छोटा आकार। 6. निवेश क्षमता की कमी।

प्रश्न 2 "अनियमित मानसून" और 'अकुशलता भारत की कृषि की प्रमुख समस्याएँ हैं।' इन समस्याओं को दूर करने के उपाय सुझाएँ और समझाएँ।

उत्तर: भारत में मानसून की प्रकृति बहुत अनिश्चित है। इसलिए, सिंचाई के विभिन्न साधनों को विकसित करने पर अधिक जोर दिया जाना चाहिए, खासकर भारत के गैर-सिंचित क्षेत्रों में। कुछ उपाय इस प्रकार हैं:

1. भूजल स्तर को सुधारने और रिचार्ज करने के लिए वर्षा जल संचयन तकनीकों पर जोर दिया जाना चाहिए।

2.जिन क्षेत्रों में पानी की कमी होती है, वहाँ सूखा प्रतिरोधी फसलों का अधिक उपयोग किया जाना चाहिए।

**ऋणग्रस्तता की समस्या को दूर करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं-**

3.ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारी ऋणों को प्रोत्साहित करना ताकि किसानों को सस्ती दरों पर ऋण मिल सके।

4.कृषि को वैज्ञानिक आधार पर संचालित किया जाना चाहिए ताकि किसानों की आय बढ़े।

5.सभी किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य नीति को प्रोत्साहित करें। ग्रामीण बैंक और सहकारी बैंक दरें।

प्रश्न 3. यदि आप भारत के किसान हैं, तो आपको भारतीय कृषि में किन समस्याओं का सामना करना पड़ेगा?

उत्तर। 1. असमान और अविश्वसनीय वर्षा 2. कम उत्पादकता 3. किसानों की गरीबी 4. भूमि सुधारों का अभाव 5.भूमि जोत का विखंडन 6. व्यावसायीकरण का अभाव 7. बड़े पैमाने पर बेरोजगारी 8. खेती योग्य भूमि का क्षरण 9. किसानों की अशिक्षा।

# अध्याय- 4 जल संसाधन

## माइंड मैप

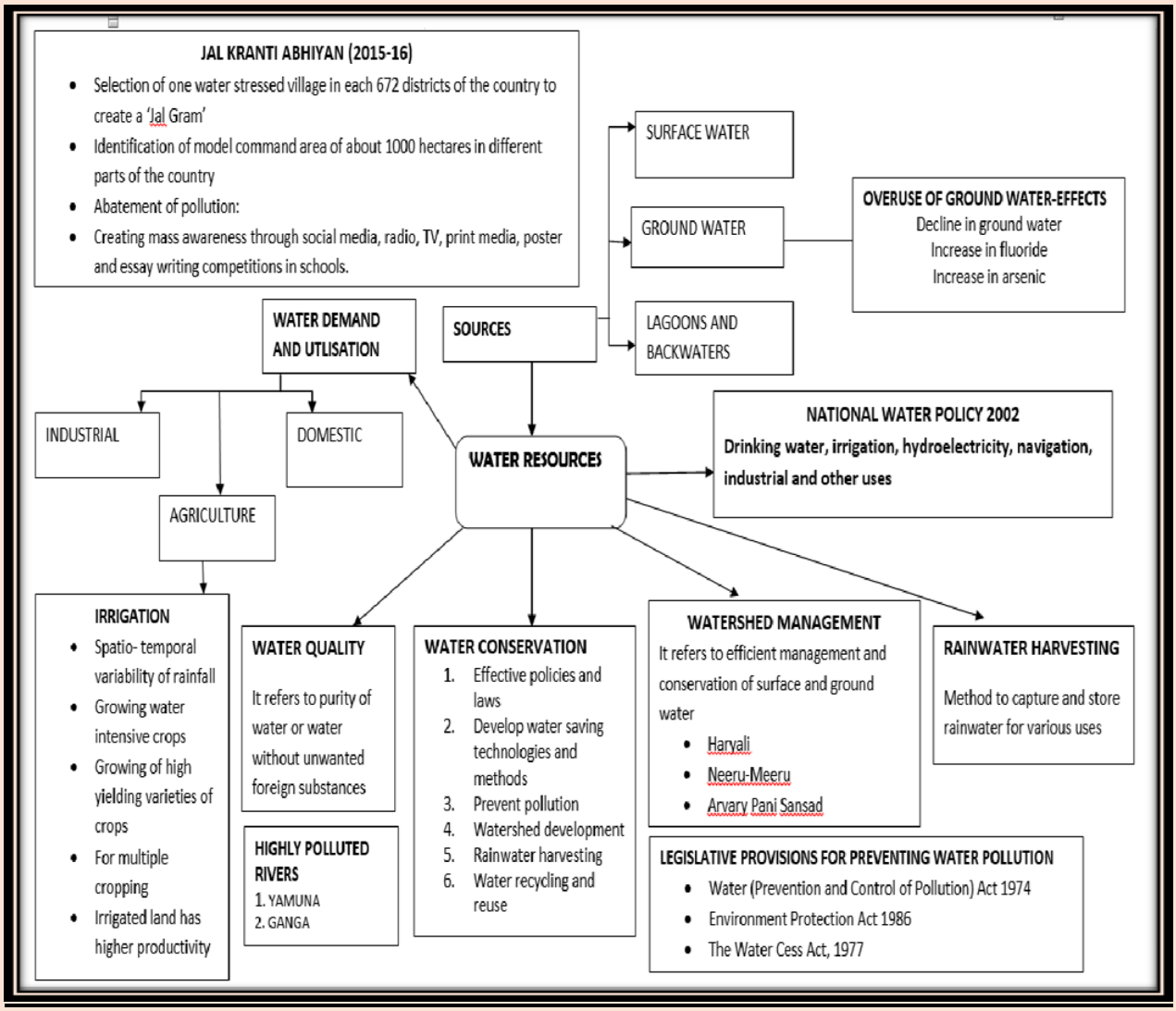


## पाठ का सार

1. भारत विश्व सतही क्षेत्र का 2.45% हिस्सा रखता है 2. विश्व जल संसाधन का 4%|

3. जनसंख्या का 16%| 4. वर्षा से उपलब्ध कुल जल 4000 घन किमी.|

5. सतही जल और पुनःपूर्ति योग्य जल 1869 घन किमी है| 6. केवल 60% उपयोगी जल लगभग 1122 घन किमी है|

### सतही जल संसाधन

1. सतही जल के चार प्रमुख स्रोत| 2. नदी, झील, तालाब, टैंक| 3. 1.6 किमी से अधिक लंबाई वाली 10,360 नदियाँ हैं|

4. लगभग 1869 घन किमी पानी उपलब्ध है| 5. केवल 690 घन किमी उपयोग योग्य है|

### भूजल संसाधन

1. कुल पुनःपूर्ति योग्य भूजल 432 घन किमी है| 2. गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी घाटियों से 46% उपलब्ध है|

3. उत्तर-पश्चिम और दक्षिण भारत में भूजल के उपयोग का स्तर उच्च है| 4. छत्तीसगढ़, ओडिशा, केरल में कम है|

5. गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, त्रिपुरा, महाराष्ट्र में मध्यम|

### जल उपयोग

**सतही पानी:** - 1. कृषि = 89% घरेलू = 9% औद्योगिक 2%

**भूजल संसाधन: कृषि** = 92% औद्योगिक = 5 घरेलू = 3%

**सिंचाई की मांग**

1. वर्षा का असमान वितरण| 2. मौसमी वर्षा | 3. उच्च तापमान के कारण वाष्पीकरण अधिक होता है|

4. जल गहन फसलें उगाना| 5. उत्पादन बढ़ाना| 6. शुष्क मौसम में फसलें उगाना |7. हरित क्रांति लाना|

**जल गुणवत्ता में गिरावट|**

1. प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता दिन-प्रतिदिन कम होती जा रही है|

2. बढ़ती जनसंख्या| 3. जीवन स्तर में सुधार|

4. भूजल प्रदूषण| 5. शहरी अपशिष्ट और औद्योगिक अपशिष्ट नदियों में छोड़ दिया जाता है|

6. सांस्कृतिक गतिविधियों के कारण नदियों में अधिक अपव्यय होता है|

7. भारत में गंगा और यमुना सबसे प्रदूषित नदियाँ हैं|

**जल संरक्षण और प्रबंधन**

1. जल संरक्षण के लिए कानून और अधिनियम अपनाएँ जाएँ| 2. जल बचत विधियों और प्रौद्योगिकी का उपयोग करें|

3. जल प्रदूषण को रोकें| 4. जल सम्भर प्रबंधन | 5. वर्षा जल संचयन| 6. जल पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग|

**जल प्रदूषण की रोकथाम|**

1. केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के साथ मिलकर प्रदूषण की निगरानी करनी चाहिए|

2. साबरमती, गोमती, अडयार, वैगई जैसी दूसरी नदियों के प्रदूषण को कम करने का प्रयास करना चाहिए|

5. नदी किनारे स्थित उद्योगों की निगरानी|

**पानी का पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग**

1. उद्योगों के लिए कम गुणवत्ता वाले पानी का इस्तेमाल किया जा सकता है|

2. घरेलू केंद्रों से पानी का इस्तेमाल बागवानी के लिए किया जा सकता है|

3. वाहनों की सफ़ाई के लिए इस्तेमाल होने वाले पानी का इस्तेमाल बागवानी के लिए भी किया जा सकता है|

**जल संभर प्रबंधन**

1. सतही और भूजल के कुशल प्रबंधन और संरक्षण को जल संभर प्रबंधन कहा जाता है|

2. अपवाह की रोकथाम, रिसाव टैंक, पुनर्चक्रण विधियो के ज़रिए भूजल का भंडारण और पुनर्भरण|

3. प्राकृतिक उपलब्धता और उपयोगिता के बीच संतुलन लाना|

4. सामुदायिक भागीदारी तथा जिम्मेदारी|

5. हरियाली केंद्र सरकार द्वारा शुरू किया गया वाटर शेड विकास है|

6. आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा नीरू-मीरू। राजस्थान सरकार द्वारा अरवरी पानी संसद।

7. चेक डैम का निर्माण, वृक्षारोपण|

8. तमिलनाडु में भवन निर्माण से पहले जनता के लिए वर्षा जल संचयन करना अनिवार्य बनाना।

**बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)**

प्रश्न.1 अभिकथन (A): उत्तर पश्चिमी क्षेत्र और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में स्थित नदी घाटियों में भूजल उपयोग अपेक्षाकृत अधिक है।

कारण (R): यह वर्षा की कमी के कारण है।

A. A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है

B. A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है

C.A सत्य है लेकिन R असत्य है

D.A असत्य है लेकिन R सत्य है।

**उत्तर A. A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है**

प्रश्न.2. अभिकथन (A): वाटर शेड प्रबंधन सतही और भूजल संसाधनों के कुशल प्रबंधन और संरक्षण को संदर्भित करता है।

कारण (R): यह अपवाह की रोकथाम और भूजल के भंडारण और पुनर्भरण द्वारा किया जाता है।

A) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

**उत्तर A. A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है।**

प्रश्न 3. अभिकथन (A): गंगा और यमुना देश की दो सबसे अधिक प्रदूषित नदियाँ हैं।

कारण (R): यह विदेशी पदार्थों, सूक्ष्म जीवों और रसायनों, औद्योगिक और अन्य अपशिष्टों के मिलने के कारण है।

A) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

**उत्तर A. A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।**

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और उनका मूल्यांकन करें तथा दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

I. उपयोग योग्य जल की उपलब्धता दिन-प्रतिदिन सीमित होती जा रही है।

II. उपलब्ध जल संसाधन जनसंख्या, औद्योगिक, कृषि और घरेलू अपशिष्टों में वृद्धि के कारण प्रदूषित हो रहे हैं।

A) केवल कथन II सही है

B) दोनों सही हैं, कथन II कथन I की सही व्याख्या करता है

C) दोनों सही हैं, लेकिन एक दूसरे से संबंधित नहीं हैं

D) दोनों गलत हैं।

**उत्तर B. दोनों सही हैं, कथन II कथन की सही व्याख्या करता है।**

प्रश्न 5. निम्नलिखित में से कौन सा वर्षा जल संचयन का लाभ नहीं है?

(A) यह जल उपलब्धता बढ़ाता है। (B) यह घटते भूजल को रोकता है।

(C) यह फ्लोराइड और नाइट्रेट जैसे दूषित पदार्थों को पतला करके भूजल की गुणवत्ता में सुधार करता है।

(D) जलविद्युत के उत्पादन में सहायक है।

**उत्तर (D) जलविद्युत उत्पादन में सहायक।**

प्रश्न 6. पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश राज्यों में गहन सिंचाई का नकारात्मक प्रभाव क्या है?

(A) मिट्टी में लवणता बढ़ना (B) मिट्टी का कटाव बढ़ना

(C) मिट्टी क्षारीय हो जाना (D) मिट्टी की उर्वरता कम होना

**उत्तर: (A) मिट्टी में लवणता बढ़ना।**

प्रश्न 7. किस राज्य ने घरों में जल संचयन संरचना अनिवार्य कर दी है?

(A) महाराष्ट्र (B) कर्नाटक (C) मध्य प्रदेश (D) तमिलनाडु

**उत्तर: (D) तमिलनाडु**

**स्रोत आधारित प्रश्न (1X3 अंक)**

प्रश्न 1. आउटसोर्सिंग पर नीचे दिए गए नोट को पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें-

उत्तर: रालेगण सिद्धि महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले का एक छोटा सा गाँव है। यह पूरे देश में वाटरशेड विकास के लिए एक उदाहरण बन गया है। 1975 में टैंक पानी नहीं रोक सका। तटबंध की दीवार लीक हो गई। लोगों ने स्वेच्छा से तटबंध की मरम्मत की। इसके नीचे के सात कुएँ गर्मियों में पहली बार लोगों की याद में पानी से लबालब भर गए। लोगों ने उनमें और उनके दर्शन में अपना विश्वास जताया। तरुण मंडल नामक एक युवा समूह का गठन किया गया। समूह ने दहेज प्रथा, जातिगत भेदभाव और अस्पृश्यता पर प्रतिबंध लगाने के लिए काम किया। शराब बनाने वाली इकाइयों को हटा दिया गया और निषेधाज्ञा लागू कर दी गई। खुले में चराई पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया और स्टॉल फीडिंग पर नया जोर दिया गया। गन्ने जैसी पानी की अधिक खपत वाली फसलों की खेती पर प्रतिबंध लगा दिया गया। दालों, तिलहनों और कम पानी की आवश्यकता वाली कुछ नकदी फसलों जैसी फसलों को प्रोत्साहित किया गया। स्थानीय निकायों के सभी चुनाव आम सहमति के आधार पर होने लगे। "इसने समुदाय के नेताओं को लोगों का पूर्ण प्रतिनिधि बना दिया।" न्याय पंचायतों (अनौपचारिक अदालतों) की एक प्रणाली भी स्थापित की गई। तब से, कोई भी मामला पुलिस को नहीं भेजा गया है।

(i) रालेगण सिद्धि किस राज्य में स्थित है?

**उत्तर: महाराष्ट्र**

(ii) 1975 में तटबंध की दीवार का क्या हुआ?

**उत्तर: लीक**

(iii) गठित युवा समूह को क्या नाम दिया गया था?

**उत्तर: तरुण मंडल**

## लघु उत्तर प्रश्न (3 अंक)

प्रश्न 1. दिए गए चित्र का अध्ययन कीजिए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1.1. चित्र क्या दर्शाता है?

उत्तर: वर्षा जल संचयन प्रणाली।

1.2. चित्र में एकत्रित वर्षा जल का उपयोग किस लिए किया जाता है?

उत्तर: सिंचाई के लिए।

1.3. वर्षा जल संचयन क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर: यह जल संरक्षण में मदद करता है और भूजल पर निर्भरता को कम करता है

प्रश्न 2. वर्षा जल संचयन ने भारत के कुछ क्षेत्रों के विकास में कैसे मदद की है? उदाहरणों के साथ समझाएँ।

उत्तर: वर्षा जल संचयन ने भारत के कुछ क्षेत्रों के विकास में निम्नलिखित तरीकों से मदद की है:

1.वर्षा जल संचयन एक सस्ती और पर्यावरण के अनुकूल तकनीक है जो बोरवेल, गड्ढों आदि में वर्षा जल को संग्रहीत करने का मार्गदर्शन करती है।

2.यह विभिन्न उपयोगों के लिए भूजल जलभृतों को भी रिचार्ज करता है।

3. यह फ्लोराइड और नाइट्रेट जैसे प्रदूषकों को पतला करके भूजल की गुणवत्ता में सुधार करता है।

प्रश्न 3. "वर्षा जल संचयन तकनीक पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ लोगों के लिए लागत प्रभावी भी है"।
इस कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए।

उत्तर: वर्षा जल संचयन के आर्थिक और सामाजिक मूल्य नीचे दिए गए हैं:

1.वर्षा जल संचयन तकनीक पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ लोगों के लिए लागत प्रभावी भी है।

2.यह तकनीक भविष्य में उपयोग के लिए और पानी की कमी के समय में बोरवेल, गड्ढों आदि में वर्षा जल को संग्रहीत करने का मार्गदर्शन करती है।

3.यह लोगों में जल के संरक्षण और पुन: उपयोग के लाभों के बारे में संवेदनशीलता और जागरूकता पैदा करती है।

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 1. घटते जल संसाधन सामाजिक संघर्ष और विवादों को जन्म दे सकते हैं। इसे उपयुक्त उदाहरणों के साथ विस्तार से समझाइए?

उत्तर: जल एक चक्रीय संसाधन है जिसकी दुनिया में प्रचुर आपूर्ति है। पृथ्वी की सतह का लगभग 71 प्रतिशत हिस्सा इससे ढका हुआ है लेकिन मीठे पानी में कुल पानी का केवल 3 प्रतिशत ही है। वास्तव में, मीठे पानी का बहुत छोटा हिस्सा मानव उपयोग के लिए प्रभावी रूप से उपलब्ध है। मीठे पानी की उपलब्धता स्थान और समय के साथ बदलती रहती है। इस दुर्लभ संसाधन के बंटवारे और नियंत्रण पर तनाव और विवाद समुदायों, क्षेत्रों और राज्यों के बीच विवादित मुद्दे बनते जा रहे हैं।

- पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश की नदियों के पानी का बंटवारा एक विवादित मुद्दा है।
- कावेरी नदी के पानी को लेकर तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है।
- नर्मदा बेसिन के पानी का बंटवारा महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात राज्यों के बीच विवाद है।

प्रश्न 2 "मानव आवश्यकताओं और पर्यावरणीय स्वास्थ्य के बीच संतुलन बनाने के लिए जलसम्भर प्रबंधन आवश्यक है।" इस कथन को उपयुक्त उदाहरण के साथ स्पष्ट करें।

उत्तर: जलसम्भर प्रबंधन मूल रूप से सामुदायिक भागीदारी के साथ सतही और भूजल संसाधनों के कुशल प्रबंधन और संरक्षण को संदर्भित करता है। इसमें अपवाह को रोकना और विभिन्न तरीकों जैसे कि परकोलेशन टैंक, रिचार्ज कुओं आदि के माध्यम से भूजल का भंडारण और पुनर्भरण शामिल है। वाटरशेड प्रबंधन का उद्देश्य एक ओर प्राकृतिक संसाधनों और दूसरी ओर समाज के बीच संतुलन लाना है।

जलसम्भर प्रबंधन विकास की सफलता काफी हद तक सामुदायिक भागीदारी पर निर्भर करती है। इस परियोजना को ग्राम पंचायतों द्वारा लोगों की भागीदारी के साथ क्रियान्वित किया जा रहा है।

• हरियाली केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित एक जलग्रहण विकास परियोजना है, जिसका **उद्देश्य ग्रामीण आबादी को पीने, सिंचाई, मत्स्य पालन और वनीकरण** के लिए जल संरक्षण करने में सक्षम बनाना है।

• केंद्र और राज्य सरकारों ने देश में कई जलग्रहण विकास और प्रबंधन कार्यक्रम शुरू किए हैं।

• **नीरू-मीरू (पानी और आप) कार्यक्रम (आंध्र प्रदेश में) और अरवरी पानी संसद (अलवर, राजस्थान में)** ने लोगों की भागीदारी के माध्यम से विभिन्न जल संचयन संरचनाओं जैसे कि रिसाव टैंक, खोदे गए तालाब (जोहड़), चेक डैम आदि का निर्माण शुरू किया है।

**********

# अध्याय-05: खनिज और ऊर्जा संसाधन

## पाठ का सार

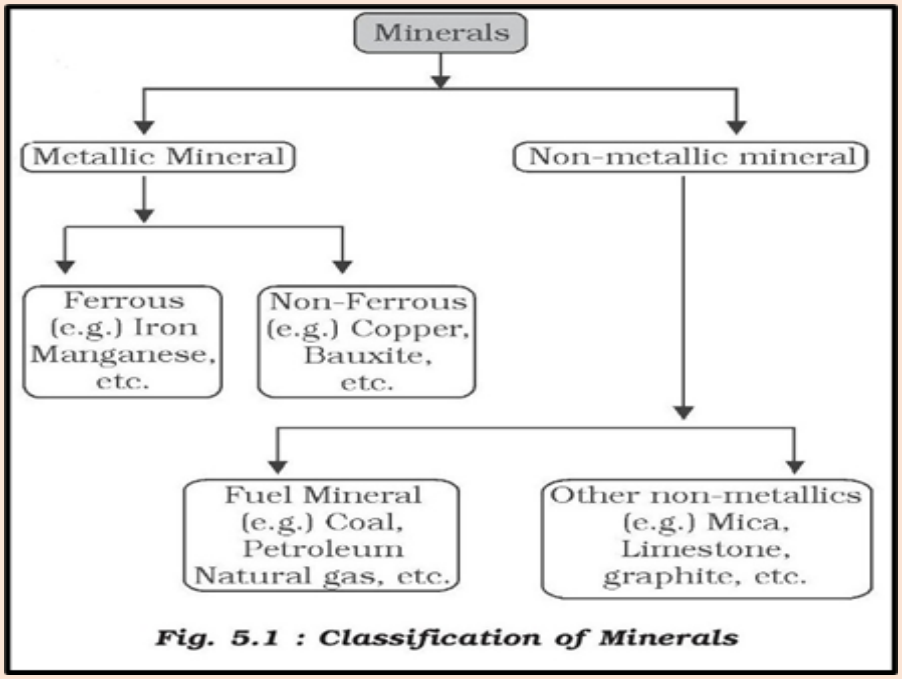

***Fig. 5.1 : Classification of Minerals***

• खनिज: खनिज शब्द को प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले कार्बनिक और अकार्बनिक पदार्थ के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसमें निश्चित रासायनिक संरचना और विशिष्ट भौतिक गुण होते हैं।

**• खनिजों का वर्गीकरण-**

• धात्विक खनिज धातुओं के स्रोत होते हैं जबकि गैर-धात्विक खनिज मूल रूप से कार्बनिक या अकार्बनिक होते हैं और उनकी रासायनिक संरचना में निष्कर्षण योग्य धातुएँ नहीं होती हैं। धात्विक खनिजों को आगे लौह और अलौह के रूप में विभाजित किया जाता है।

**• लौह खनिज:** वे सभी खनिज जिनमें लौह तत्व होता है, लौह होते हैं जैसे लोहा मैंगनीज आदि। जबकि वे खनिज जिनमें लौह तत्व नहीं होता है, अलौह होते हैं जैसे तांबा, बॉक्साइट आदि।

**• खनिज ईंधन**: खनिज ईंधन मूल रूप से कार्बनिक होते हैं ये हजारो साल से मिट्टी में दफ़न जानवरों और पौधों के परिवर्तन स्वरुप कोयला और पेट्रोलियम के रूप में प्राप्त होते हैं। उन्हें जीवाश्म ईंधन के रूप में भी जाना जाता है।

**खनिज संसाधनों की विशेषताएँ-**

1. पृथ्वी की सतह पर खनिजों का वितरण असमान है। 2. खनिजों की मात्रा और गुणवत्ता में विपरीत संबंध है, अर्थात अच्छी गुणवत्ता।

3. निम्न गुणवत्ता वाले खनिजों की तुलना में खनिजों की मात्रा कम है। 4. खनिज समाप्त होने वाले हैं। एक बार उपयोग हो जाने के बाद उन्हें आवश्यकता पड़ने पर तुरंत पुनः प्राप्त नहीं किया जा सकता।

**भारत में खनिजों का वितरण**:

1.भारत में अधिकांश धात्विक खनिज प्रायद्वीपीय पठार क्षेत्र में पुरानी क्रिस्टलीय चट्टानों में पाए जाते हैं।

2.दामोदर, सोन, महानदी और गोदावरी की नदी घाटियों में भारत के 97% से अधिक कोयला भंडार हैं।

3. असम की तलछटी घाटियाँ और अरब सागर (गुजरात और मुंबई हाई) में अपतटीय क्षेत्र अपने कच्चे पेट्रोलियम भंडार के लिए प्रसिद्ध हैं।

4.कृष्णा-गोदावरी और कावेरी घाटियों में भी पेट्रोलियम के नए भंडार पाए गए हैं।

**ऊर्जा संसाधन:**

• ऊर्जा संसाधन ऊर्जा के स्रोत हैं जिनका उपयोग विभिन्न गतिविधियों को शक्ति प्रदान करने के लिए किया जाता है, जिसमें तापन, बिजली पैदा करना और मशीनों या वाहनों को चलाना शामिल है।

**पारंपरिक ऊर्जा संसाधन:**

• ऊर्जा स्रोत जो एक बार समाप्त हो जाने के बाद, एक निश्चित अवधि के भीतर पुनर्चक्रित नहीं होते हैं जैसे कोयला, गैस और तेल आदि।

## गैर-पारंपरिक ऊर्जा संसाधन

1. नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत जिन्हें गैर-पारंपरिक ऊर्जा भी कहा जाता है, वे स्रोत हैं जो परमाणु, सौर, पवन, ज्वार और लहर, भूतापीय, जैव ऊर्जा आदि जैसी प्राकृतिक प्रक्रियाओं द्वारा लगातार भरे जाते हैं।
2. पेट्रोलियम को इसकी कमी और विविध उपयोगों के कारण तरल सोना कहा जाता है।
3.भूमिगत ऊष्मा को निकालने का पहला सफल (1890) प्रयास बोइस, इडाहो (यू.एस.ए.) शहर में किया गया था, जहाँ आस-पास की इमारतों को गर्मी देने के लिए गर्म पानी की पाइप नेटवर्क बनाया गया था। यह संयंत्र अभी भी काम कर रहा है।

## कोयला-

• भारत में लगभग 80% बिटुमिनस कोयला है|
• यह दो शैल क्रमों अर्थात् गोंडवाना कोयला क्षेत्र और तृतीयक कोयला क्षेत्र में पाया जाता है।
• **गोंडवाना कोयला क्षेत्र-** दामोदर घाटी, झारखंड और पश्चिम बंगाल में इस कोयला क्षेत्र का पूरा क्षेत्र आता है। झरिया (सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र), रानीगंज (दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र), बोकारो, गिरिडीह, करणपुरा इस घाटी के महत्वपूर्ण कोयला क्षेत्र हैं।
• **तृतीयक कोयला क्षेत्र-** यह असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और नागालैंड में पाया जाता है। इसे दारंगिरी, चेरापूंजी, मेवलोंग और लांगरीन (मेघालय); ऊपरी असम में मकुम, जयपुर और नाज़िरा, नामचिक-नामफुक (अरुणाचल प्रदेश) से निकाला जाता है।

## पेट्रोलियम-

• इसका उपयोग उर्वरक, सिंथेटिक रबर, दवाइयों, स्नेहक और सौंदर्य प्रसाधन आदि के उत्पादन के लिए पेट्रोकेमिकल उद्योगों में कच्चे माल के रूप में भी किया जाता है।
• कच्चा तेल तृतीयक युग की तलछटी चट्टानों में पाया जाता है। डिगबोई भारत में एकमात्र कच्चा तेल उत्पादक क्षेत्र था।
• महत्वपूर्ण तेल उत्पादक क्षेत्र डिगबोई, नहरकटिया और मोरन (असम) हैं। **अंकलेश्वर, कलोल, मेहसाणा और लुनेज (गुजरात), मुंबई हाई** जो मुंबई से 160 किमी दूर है, की खोज 1973 में हुई थी।
• भारत में दो प्रकार की तेल रिफाइनरियाँ हैं: फील्ड आधारित रिफाइनरियाँ- डिगबोई फील्ड आधारित रिफाइनरी का एक उदाहरण है।
• बाजार आधारित रिफाइनरियाँ- बरौनी बाजार आधारित रिफाइनरी का एक उदाहरण है|

## बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)

1. भारत में लौह अयस्क के कौन से दो मुख्य प्रकार पाए जाते हैं?

A. मैग्नेटाइट और लिमोनाइट B. हेमेटाइट और मैग्नेटाइट C. हेमेटाइट और साइडराइट D. लिमोनाइट और साइडराइट

**उत्तर: B. हेमेटाइट और मैग्नेटाइट**

2. अभिकथन (A): भारत में लौह अयस्क के समृद्ध भंडार हैं।
कारण (R): लौह अयस्क का उपयोग इस्पात निर्माण के लिए किया जाता है।

A. A सत्य है, लेकिन R असत्य है। B. A असत्य है, लेकिन R सत्य है।
C. A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है। D. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

**उत्तर: C. A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।**

3. अभिकथन (A): भारत में गैर-परंपरागत ऊर्जा स्रोत लोकप्रियता प्राप्त कर रहे हैं।

कारण (R): गैर-परंपरागत स्रोत नवीकरणीय, पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ होते हैं।

विकल्प: A. A और R दोनों सत्य हैं, तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C. A सत्य है, लेकिन R असत्य है। D. A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

**उत्तर: A. A और R दोनों सत्य हैं, तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है।**

4. अभिकथन (A): सतत विकास के लिए खनिजों का संरक्षण आवश्यक है।

कारण (R): खनिज गैर-नवीकरणीय हैं और बनने में लाखों वर्ष लगते हैं।

विकल्प: A. A और R दोनों सत्य हैं, तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C. A सत्य है, लेकिन R असत्य है। D. A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

**उत्तर: A. A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है।**

5.. अभिकथन (A): उत्तर भारत का विशाल जलोढ़ मैदान आर्थिक उपयोग के खनिजों से रहित है।

कारण (R): खनिज मुख्य रूप से कायांतरित और आग्नेय चट्टानों से जुड़े हैं।

विकल्प:

A. A और R दोनों सत्य हैं, तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C. A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D. A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

**उत्तर: B. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।**

## लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक)

प्रश्न 1. "सामाजिक और आर्थिक मूल्य जो हमें ऊर्जा के अधिक से अधिक गैर-परंपरागत स्रोतों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं" कथन का औचित्य सिद्ध करें।

उत्तर: 1. प्राकृतिक संसाधनों का नियोजित और विवेकपूर्ण उपयोग। 2. पर्यावरण का संरक्षण

3. प्रकृति के साथ सामंजस्य 4. सतत विकास

प्रश्न 2. "भारत में परमाणु ऊर्जा के विकास की अनेक संभावनाए है''। तीन बिंदु बताकर कथन का समर्थन करें।

उत्तर: "भारत में परमाणु ऊर्जा के विकास की अनेक संभावनाए है''। प्रमुख बिंदु निम्नलिखित है-

1.भारत में खनिज तेल की कमी है और इसके कोयला भंडार भी जल्द ही समाप्त हो सकते है|

2. भारत अभी तक जलविद्युत की क्षमता को इस हद तक विकसित नहीं कर पाया है कि वह कुछ बाधाओं के कारण पूरी तरह से इस पर निर्भर हो सके।

3. यह शक्ति भारत में औद्योगिक और कृषि विकास में पूरक भूमिका निभा सकती है।

4. यूरेनियम और थोरियम जैसे परमाणु खनिजों के पर्याप्त भंडार की उपलब्धता।

प्रश्न 3. "भारत में पवन ऊर्जा की प्रचुर संभावनाएँ हैं" अपने कथन को लाभ और विकास के संदर्भ में लिखें।

उत्तर: 1. पवन ऊर्जा एक स्वच्छ ईंधन स्रोत है। 2. यह पारंपरिक स्रोतों की तुलना में हवा को प्रदूषित नहीं करता है।

3. पवन ऊर्जा आज उपलब्ध सबसे कम लागत वाली नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में से एक है।

4. सरकारी सब्सिडी के बिना भी, पवन ऊर्जा देश के कई क्षेत्रों में कम लागत वाला ईंधन है।

भारत के चार पवन ऊर्जा उत्पादक राज्य हैं**: 1. राजस्थान 2. गुजरात 3. महाराष्ट्र 4. कर्नाटक।**

**4. दिए गए चित्र का अध्ययन करें और नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर दें**

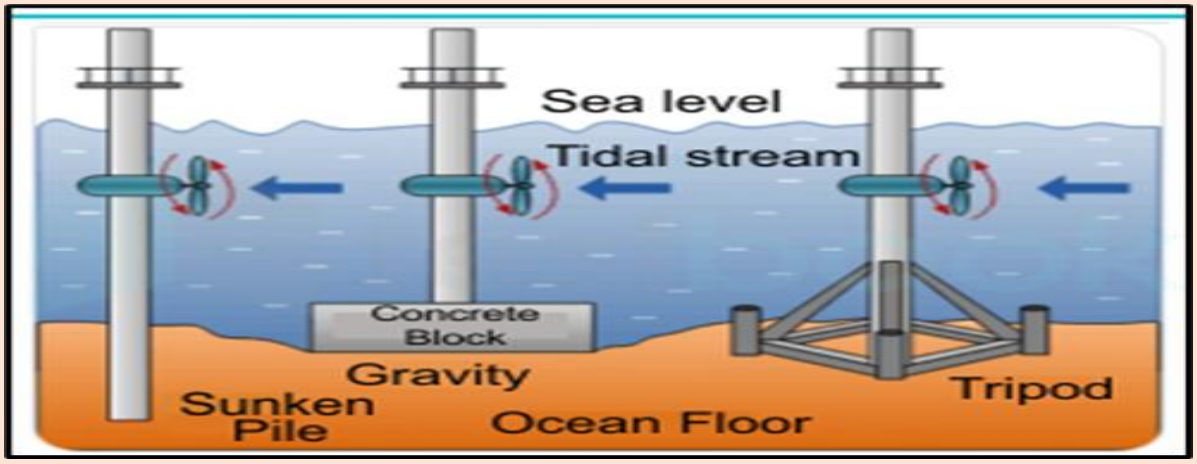


4.1. चित्र में दिए गए ऊर्जा स्रोत की पहचान करें।

उत्तर: ज्वारीय और तरंग ऊर्जा।

4.2. भारत में ज्वारीय ऊर्जा की क्षमता क्या है?

उत्तर: भारत की ज्वारीय ऊर्जा क्षमता लगभग 12,455 मेगावाट होने का अनुमान है, जो मुख्य रूप से खंबात की खाड़ी (कैम्बे) और कच्छ की खाड़ी क्षेत्रों और गंगा डेल्टा के साथ-साथ है। ये क्षेत्र अपनी मजबूत ज्वारीय श्रेणियों के लिए जाने जाते हैं।

4.3. ज्वारीय ऊर्जा कैसे उत्पन्न होती है?

उत्तर: ज्वारीय ऊर्जा समुद्री ज्वार की गतिज ऊर्जा का उपयोग करके उत्पन्न की जाती है। यह ज्वारीय बैराज, ज्वारीय टर्बाइन या अन्य तरीकों का उपयोग करके किया जा सकता है।

5.दिए गए चित्र का अध्ययन करें और नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर दें-

1.1. चित्र में दिए गए ऊर्जा स्रोत का नाम लिखें।

उत्तर: भूतापीय ऊर्जा

1.2. भूतापीय ऊर्जा के क्या लाभ हैं?

उत्तर: यह एक नवीकरणीय और टिकाऊ संसाधन है, जो कम ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के साथ पर्यावरण के अनुकूल है, और एक विश्वसनीय और सुसंगत ऊर्जा स्रोत है।

1.3. भारत का पहला भूतापीय ऊर्जा संयंत्र किस स्थान पर चालू किया गया है?

उत्तर: भारत का पहला भूतापीय ऊर्जा संयंत्र हिमाचल प्रदेश के मणिकरण में चालू किया गया है।

• इसका उपयोग ग्रिड तक पहुँच के बिना ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में किया जा सकता है।

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 1. "भारत में ऊर्जा के गैर-परंपरागत स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देना समय की मांग है।" इस कथन का समर्थन करें।

उत्तर: 1. ऊर्जा के गैर-परंपरागत स्रोतों में सौर, परमाणु, पवन, ज्वार, भूतापीय ऊष्मा आदि शामिल हैं।

2. ये सभी स्रोत नवीकरणीय या अक्षय हैं। 3. ये प्रकृति में सस्ते हैं। 4. ये प्रदूषण मुक्त हैं। 5. ये उद्योगों के विकेंद्रीकरण में मदद करते हैं। 6. ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा का विकास किया जा सकता है। 7. इन्हें कम लागत पर विकसित और बनाए रखा जा सकता है।

8. ये संसाधन अधिक समान रूप से वितरित और पर्यावरण के अनुकूल हैं।

प्रश्न 2. "जैव-ऊर्जा जीवाश्म ईंधन पर भारत की निर्भरता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।" इस कथन की व्याख्या करें।

उत्तर: जैव ऊर्जा से तात्पर्य जैविक उत्पादों से प्राप्त ऊर्जा से है जिसमें नगरपालिका, औद्योगिक और अन्य कार्यों के साथ-साथ कृषि अवशेष शामिल हैं। लाभ:

• इसे विद्युत ऊर्जा, ऊष्मा ऊर्जा या खाना पकाने के लिए गैस में परिवर्तित किया जा सकता है।

• यह भारत जैसे विकासशील देशों में ग्रामीण क्षेत्र के आर्थिक जीवन को बेहतर बनाएगा।

• यह ऊर्जा पैदा करने के लिए कचरे को संसाधित कर सकता है।

• यह पर्यावरण प्रदूषण को कम करता है।

**प्रश्न 3. "देश के कुछ क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के खनिज केंद्रित हैं" खनिजों के वितरण पैटर्न के माध्यम से कथन को सत्यापित करें।**

उत्तर: निम्नलिखित तीन प्रमुख खनिज बेल्टों का सीमांकन किया जा सकता है।

**1. उत्तर-पूर्वी पठार:** इसमें छोटानागपुर पठार, ओडेसा पठार और पूर्वी आंध्र पठार शामिल हैं। इस बेल्ट में लौह अयस्क, मैंगनीज, अभ्रक, बॉक्साइट, चूना पत्थर और डोलोमाइट के समृद्ध भंडार हैं। दामोदर घाटी और छत्तीसगढ़ के कोयला भंडार ने भारी उद्योगों के विकास को सुविधाजनक बनाया है।

**2. दक्षिण-पश्चिमी पठार:** यह बेल्ट कर्नाटक पठार और उससे सटे तमिलनाडु पठार तक फैली हुई है और धात्विक खनिजों, विशेष रूप से लौह अयस्क, मैंगनीज और बॉक्साइट और कुछ अधात्विक खनिजों से समृद्ध है। देश के सभी तीन स्वर्ण क्षेत्र इसी बेल्ट में स्थित हैं।

**3. उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र**: यह बेल्ट गुजरात में खंबात की खाड़ी से लेकर राजस्थान में अरावली पर्वतमाला तक फैली हुई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस इन बेल्टों के प्रमुख संसाधन हैं।

**4. अन्य क्षेत्र:** इन खनिज बेल्टों के बाहर, ऊपरी ब्रह्मपुत्र घाटी महत्वपूर्ण पेट्रोलियम उत्पादक क्षेत्र है। केरल में भारी खनिज रेत का विशाल संकेन्द्रण है।

प्रश्न 4. "खनिजों का संरक्षण अन्य संसाधनों की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण है"। व्याख्या करें।

उत्तर:1. खनिजों का संरक्षण महत्वपूर्ण है क्योंकि उद्योग और कृषि पूरी तरह से खनिजों पर निर्भर हैं।

2. हम तेजी से खनिज संसाधनों का उपभोग कर रहे हैं जिन्हें नवीनीकृत होने में लाखों वर्ष लगते हैं।

3.भारत में गुणवत्तापूर्ण खनिज अपर्याप्त मात्रा में हैं।

4 अत्यधिक गहराई से निष्कर्षण के कारण लागत बढतीहै|

5.आर्थिक और औद्योगिक विकास खनिजों पर निर्भर करता है।

प्रश्न 5. "कोयला और पेट्रोलियम भारत की अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक हैं, लेकिन ये गैर-नवीकरणीय और प्रदूषणकारी हैं" इस कथन की व्याख्या करें।

उत्तर:1. **भारत की अर्थव्यवस्था के लिए महत्व-** कोयला भारत में बिजली उत्पादन का मुख्य स्रोत है, खासकर थर्मल पावर प्लांट के लिए।

2. पेट्रोलियम परिवहन क्षेत्र को ईंधन देता है और इसका उपयोग उद्योगों, कृषि (ट्रैक्टर, सिंचाई पंप) और घरों (एलपीजी) में भी किया जाता है।

3. दोनों औद्योगिक विकास, बुनियादी ढांचे और परिवहन के लिए महत्वपूर्ण हैं- आर्थिक गतिविधि की रीढ़।

4. प्रकृति में गैर-नवीकरणीय- ये ईंधन लाखों वर्षों में गर्मी और दबाव में मृत पौधों और जानवरों के अवशेषों से बनते हैं।

5. एक बार समाप्त होने के बाद इन्हें मानव समय-सीमा में फिर से नहीं भरा जा सकता।

6 भारत के भंडार सीमित हैं, जिससे आयात पर निर्भरता अधिक है, खासकर पेट्रोलियम के लिए।

**********

## अध्याय-06: भारतीय संदर्भ में नियोजन और सतत विकास

**पाठ का सार**

• नियोजन शब्द में किसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सोचने, योजना या कार्यक्रम बनाने और कार्यों के एक सेट को लागू करने की प्रक्रिया शामिल है। 1 जनवरी 2015 को, योजना आयोग को नीति आयोग द्वारा प्रतिस्थापित किया गया।

• नीति आयोग का उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकारों को रणनीतिक और तकनीकी सलाह प्रदान करने के लिए भारत के लिए आर्थिक नीति निर्माण में राज्यों को शामिल करना है। आम तौर पर, नियोजन के दो दृष्टिकोण हैं, यानी **क्षेत्रीय नियोजन और प्रादेशिक नियोजन।**

**1. क्षेत्रीय नियोजन-** का अर्थ है अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों, जैसे कृषि, सिंचाई आदि के विकास के उद्देश्य से योजनाओं या कार्यक्रमों के सेट का निर्माण और कार्यान्वयन।

**2.प्रादेशिक नियोजन** का अर्थ है विकास में क्षेत्रीय असंतुलन को कम करने के लिए पिछड़े क्षेत्र के विकास के लिए योजनाओं या कार्यक्रमों का निर्माण और कार्यान्वयन।

• **लक्षित क्षेत्र नियोजन**- नियोजन प्रक्रिया में उन क्षेत्रों का विशेष ध्यान रखना होगा जो आर्थिक रूप से पिछड़े हुए हैं।

लक्षित क्षेत्र नियोजन के अंतर्गत सरकार ने निम्नलिखित कार्यक्रम शुरू किए हैं- 1. कमांड क्षेत्र विकास कार्यक्रम, 2. सूखाग्रस्त क्षेत्र विकास कार्यक्रम, 3. रेगिस्तान विकास कार्यक्रम, 4. पहाड़ी क्षेत्र विकास कार्यक्रम।

लक्षित समूह जैसे लघु कृषक विकास एजेंसी, सीमांत कृषक विकास एजेंसी।

**भरमौर क्षेत्र में एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना-**

1. भरमौर जनजातीय क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले की भरमौर और होली तहसीलें शामिल हैं।

2.भरमौर में 'गद्दी' नामक जनजातीय समुदाय रहता है जो पारलौकिक व्यवहार करता है और गद्दीली बोली के माध्यम से बातचीत करता है।

3.भरमौर के जनजातीय क्षेत्र के विकास की प्रक्रिया 1970 के दशक में शुरू हुई जब गद्दी को अनुसूचित जनजातियों में शामिल किया गया।

4. पांचवीं पंचवर्षीय योजना के तहत, 1974 में जनजातीय उप-योजना शुरू की गई और भरमौर को हिमाचल प्रदेश में पाँच एकीकृत जनजातीय विकास परियोजनाओं (आईटीडीपी) में से एक के रूप में नामित किया गया।

5. इस योजना में परिवहन और संचार, कृषि और संबद्ध गतिविधियों, सामाजिक और सामुदायिक सेवाओं, स्कूलों के विकास, स्वास्थ्य सुविधाओं, पेयजल, सड़कों और बिजली के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई।

6.आईटीडीपी से प्राप्त सामाजिक लाभों में साक्षरता दर में जबरदस्त वृद्धि, लिंग अनुपात में सुधार और बाल विवाह में कमी शामिल है।

**इंदिरा गांधी नहर (नहर) कमान क्षेत्र-**

1.यह नहर पंजाब में हरिके बैराज से निकलती है और राजस्थान के थार रेगिस्तान (मरुस्थली) में 40 किलोमीटर की औसत दूरी पर पाकिस्तान सीमा के समानांतर चलती है।

2. इसका कुल कमान क्षेत्र में से, लगभग 70 प्रतिशत को प्रवाह प्रणाली और बाकी को लिफ्ट प्रणाली द्वारा सिंचित करने की परिकल्पना की गई थी।

3. इस नहर प्रणाली का निर्माण कार्य दो चरणों में किया गया है। **चरण-I** का कमांड क्षेत्र गंगानगर, हनुमानगढ़ और बीकानेर जिलों के उत्तरी भाग में है। **चरण-II** का कमांड क्षेत्र बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर, नागौर और चूरू जिलों में फैला हुआ है, जिसमें 14.10 लाख हेक्टेयर कृषि योग्य कमांड क्षेत्र शामिल है।

4. नहर सिंचाई के प्रसार से खेती के क्षेत्र में वृद्धि हुई है और फसल की सघनता बढ़ी है।

5. इस क्षेत्र में पारंपरिक फसलें बोई जाती हैं; चना, बाजरा और ज्वार की जगह अब गेहूं, कपास, मूंगफली और चावल ने ले ली है।

6.सतत विकास- ऐसा विकास जो भविष्य की पीढ़ी की अपनी जरूरतों को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान की जरूरतों को पूरा करता है।.

## बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)

1. नीति आयोग के गठन के पीछे मुख्य उद्देश्य है।

A. केंद्र और राज्य सरकार को रणनीतिक और तकनीकी सलाह प्रदान करना

B. भारत में आर्थिक नीति निर्माण में राज्यों को शामिल करना

C. संसाधनों के समान वितरण के लिए

D. (a) और (b) दोनों

**उत्तर: D. (a) और (b) दोनों**

2. अभिकथन: - सूखा प्रवण क्षेत्र कार्यक्रम चौथी वर्ष की योजना के दौरान शुरू किया गया था।

कारण- इस कार्यक्रम के प्रदर्शन की समीक्षा के बाद पिछड़े क्षेत्र के विकास पर राष्ट्रीय समिति का गठन किया गया।

A. A और दुर्लभ दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है

B. A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है

C. A सत्य है, R असत्य है

D. A असत्य है, R सत्य है

**उत्तर: B. A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है|**

3. इनमें से कौन सा/से लक्ष्य क्षेत्र नियोजन का उदाहरण है/हैं?

1. पहाड़ी क्षेत्र विकास कार्यक्रम

2. रेगिस्तानी क्षेत्र विकास कार्यक्रम

3. लघु कृषक विकास एजेंसी

A. 1, 2 और 3 B. 2 और 3 C. 1 और 2 D. 1 और 3

**उत्तर: A. 1, 2 और 3**

4. ITDP का मतलब है।

A. भारतीय आदिवासी विकास कार्यक्रम B. एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना

C. अंतर्राष्ट्रीय जनजाति विकास परियोजना D. परिवहन और विकास नीति संस्थान

**उत्तर: B एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना**

5. अभिकथन (A) गहन सिंचाई से इंदिरा गांधी कमांड क्षेत्र में कृषि और पशुधन उत्पादकता में जबरदस्त वृद्धि हुई है।

कारण (R) गहन सिंचाई से अत्यधिक जलभराव और मिट्टी की लवणता हुई है।

अभिकथन और कारण के रूप में दो कथन दिए गए हैं, निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

A. A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है

B. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है

C. A सत्य है, लेकिन R असत्य है

D. A असत्य है, लेकिन R सत्य है

**उत्तर: B. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है**

6. निम्नलिखित का मिलान करें।

| **रिपोर्ट/प्रकाशन द्वारा प्रकाशित** | **रिपोर्ट/प्रकाशन द्वारा प्रकाशित** |
|---|---|
| 1. हमारा साझा | a. ब्रुंडलैंड आयोग |
| 2. विकास की सीमाएँ | b. पी. एर्लिच |
| 3. जनसंख्या बम | c. मीडोज |

**कोड-**

a b c

(A) 1 2 3

(B) 1 3 2

(C) 3 2 1

(D) 3 1 2

**उत्तर. (B) 1 3 2**

7. WCED का क्या अर्थ है?

A. पर्यावरण एवं विकास पर विश्व आयोग

B. पारिस्थितिक विकास के लिए विश्व आयोग

C. पर्यावरण एवं विकास का विश्व केंद्र

D. पर्यावरण एवं विकास पर वन्यजीव आयोग

उत्तर. A. पर्यावरण एवं विकास पर विश्व आयोग

**केस आधारित प्रश्न (1X 3 अंक )**

1. भरमौर जनजातीय क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले की भरमौर और होली तहसीलें शामिल हैं। यह 21 नवंबर 1975 से अधिसूचित जनजातीय क्षेत्र है। भरमौर में 'गद्दी' नामक जनजातीय समुदाय रहता है, जिसने हिमालयी क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाए रखी है क्योंकि वे पारलौकिक व्यवहार करते थे और गद्दीली बोली के माध्यम से बातचीत करते थे। भरमौर के जनजातीय क्षेत्र के विकास की प्रक्रिया 1970 के दशक में शुरू हुई जब गद्दियों को 'अनुसूचित जनजातियों' में शामिल किया गया।

i. भरमौर जनजातीय क्षेत्र हिमाचल प्रदेश के किस जिले में स्थित है?

उत्तर: चंबा जिला

ii. भरमौर को जनजातीय क्षेत्र के रूप में कब अधिसूचित किया गया था?

उत्तर: यह 21 नवंबर 1975 से अधिसूचित जनजातीय क्षेत्र है।

iii. भरमौर में कौन सा जनजातीय समुदाय निवास करता है?

उत्तर: 'गद्दी' जनजातीय समुदाय

2. दिए गए मानचित्र का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:

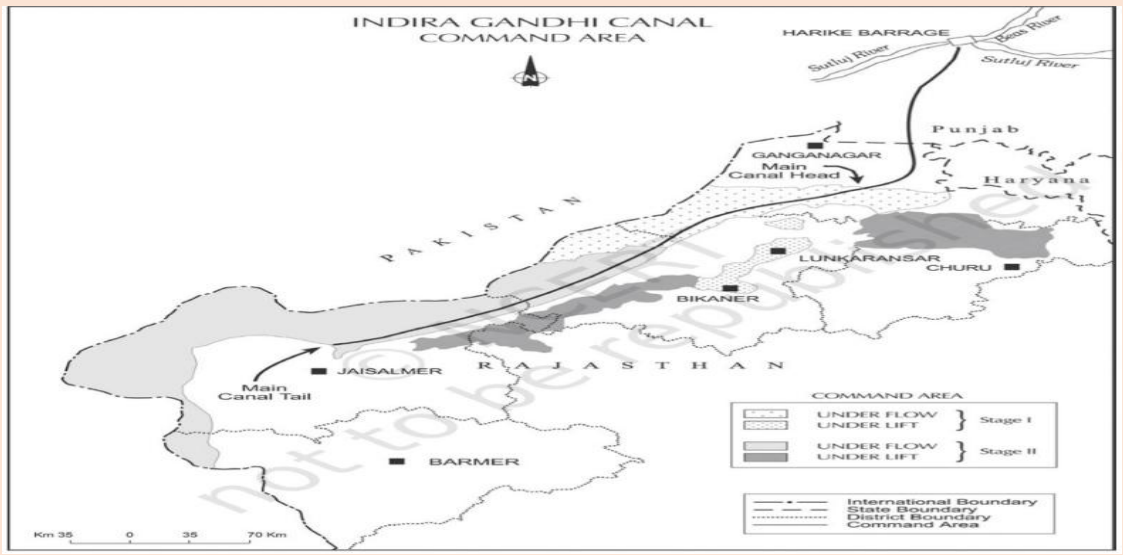


i. इस नहर के उद्गम स्रोत का उल्लेख करें।

उत्तर: नहर हरिके बैराज से निकलती है।

ii. नहर के पूर्व का क्षेत्र लिफ्ट सिंचाई के अंतर्गत क्यों है?

उत्तर: ऐसा इसलिए है क्योंकि मुख्य नहर के दक्षिण-पूर्व की ओर का क्षेत्र नहर की ओर ढलान वाला है और पानी को भूमि की ढलान के विरुद्ध उठाना पड़ता है।

iii. कमांड क्षेत्र के लिए इस नहर के आर्थिक महत्व की व्याख्या करें।

उत्तर: इंदिरा गांधी नहर रेगिस्तान की जीवन रेखा है जिसने यहाँ की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बदल दिया है। यहाँ फसल उत्पादन में लगातार वृद्धि हो रही है; इसके अलावा उद्योगों की स्थापना भी शुरू हो गई है।

प्रश्न 3 दिए गए मानचित्र का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें-

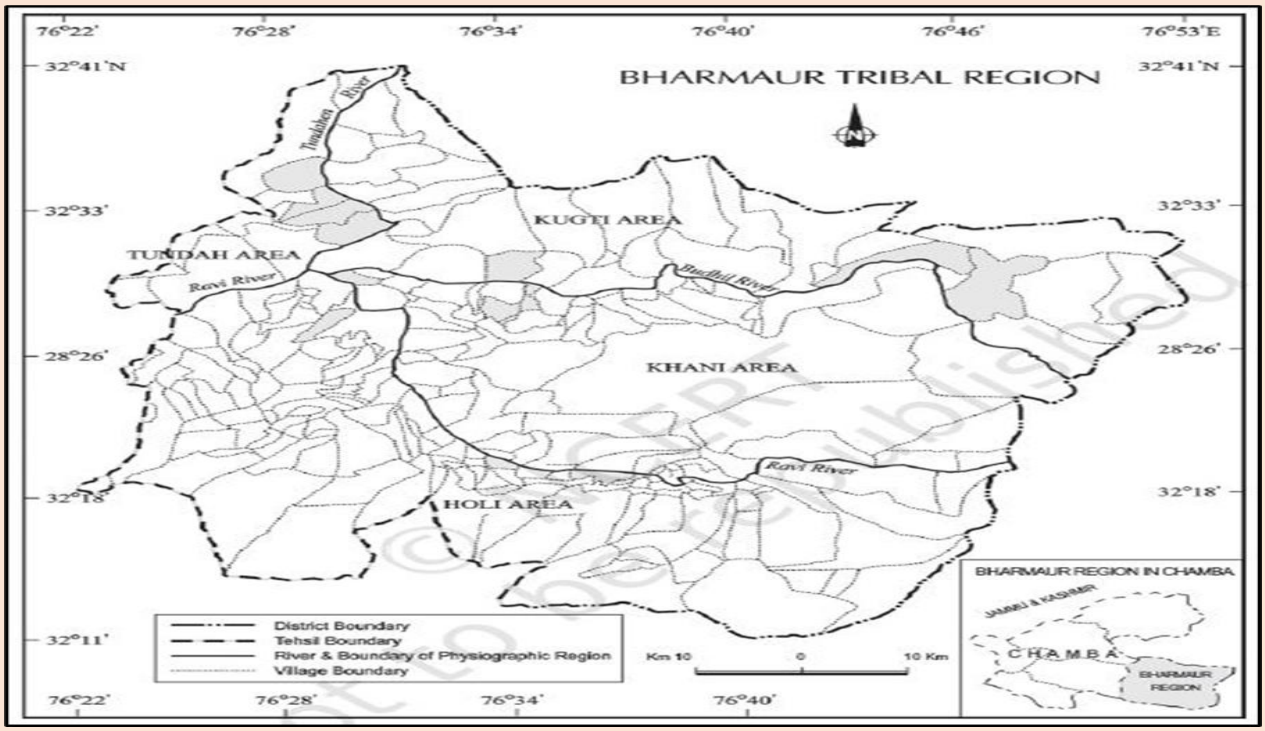


3.1. प्रश्न: भरमौर जनजातीय क्षेत्र किस जिले में स्थित है?

उत्तर: चंबा जिला।

3.2. भरमौर क्षेत्र से होकर बहने वाली प्रमुख नदी का नाम बताइए।

उत्तर: रावी नदी।

3.3. भरमौर क्षेत्र में कितने मुख्य क्षेत्र चिह्नित हैं?

उत्तर: चार क्षेत्र कुगती, टुंडाह, खणी और होली।

## लघु प्रश्न (3 अंक)

**प्रश्न 1. "हमारे देश के कई क्षेत्र संसाधन संपन्न क्षेत्र हैं लेकिन पिछड़े हुए हैं" । इस स्थिति को दूर करने के लिए किस प्रकार की नियोजन प्रक्रिया मदद करती है?**

उत्तर:1. योजना आयोग क्षेत्रीय और सामाजिक असमानता को कम करने के लिए लक्ष्य क्षेत्र और लक्ष्य समूह दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है।

2.इन उपायों में योजनाकार उन क्षेत्रों या समूहों का विशेष ध्यान रखते हैं जो आर्थिक रूप से पिछड़े रह गए हैं।

3. लक्ष्य क्षेत्र कार्यक्रम में कमांड क्षेत्र विकास कार्यक्रम, रेगिस्तान विकास कार्यक्रम, पहाड़ी क्षेत्र विकास कार्यक्रम शामिल हैं।

**प्रश्न 2. "अनियमित वर्षा और मानसून पर अत्यधिक निर्भरता के कारण भारत कई क्षेत्रों में अक्सर सूखे का सामना करता है" । इस कथन की व्याख्या करें।**

उत्तर:1.यह कार्यक्रम चौथी पंचवर्षीय योजना के दौरान शुरू किया गया था। इस कार्यक्रम के उद्देश्य इस प्रकार हैं:

2.सूखाग्रस्त क्षेत्रों में लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना।

3.बिजली, सड़क, बाजार, ऋण और सेवाओं जैसे बुनियादी ग्रामीण बुनियादी ढांचे का निर्माण।

4. पानी, मिट्टी, पौधों और मानव के बीच पारिस्थितिक संतुलन की बहाली।

**प्रश्न 3. "इंदिरा गांधी नहर ने राजस्थान में कृषि विकास में योगदान दिया" व्याख्या करें।**

उत्तर: नहर ने शुष्क रेगिस्तानी भूमि को उपजाऊ कृषि क्षेत्रों में बदल दिया है, जिससे गेहूं, कपास और सरसों जैसी फसलों की खेती संभव हो गई है और खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण आजीविका में सुधार हुआ है।

1. एक पर्यावरणीय मुद्दा मिट्टी का लवणीकरण है, जो अत्यधिक सिंचाई और खराब जल निकासी के कारण होता है, जिससे समय के साथ मिट्टी की उर्वरता कम हो जाती है।

2. जलभराव और लवणता जैसी समस्याओं को उचित जल निकासी प्रणालियों, नियंत्रित सिंचाई तकनीकों और नमक-सहिष्णु फसलों के उपयोग के माध्यम से प्रबंधित किया जा सकता है।

3.प्राकृतिक परिस्थितियों के अनुसार योजना बनाने से पारिस्थितिक क्षति से बचने, स्थायी जल उपयोग सुनिश्चित करने और भूमि की दीर्घकालिक उत्पादकता बनाए रखने में मदद मिलती है।

**प्रश्न 4. भरमौर जनजातीय क्षेत्र में एकीकृत जनजातीय क्षेत्र विकास परियोजना के सामाजिक लाभ क्या हैं?**

उत्तर:साक्षरता दर में वृद्धि, विशेष रूप से महिला साक्षरता दर में वृद्धि।

1.लिंग अनुपात में सुधार 2.बाल विवाह में कमी

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

**1. 'भारत में पहाड़ी क्षेत्र विकास कार्यक्रम उनकी स्थलाकृतिक, पारिस्थितिक, सामाजिक और आर्थिक स्थितियों को ध्यान में रखते हुए तैयार किए जाते हैं।'इस कथन का उपयुक्त स्पष्टीकरण दें।**

उत्तर। 1.हां, यह सच है कि भारत में पहाड़ी क्षेत्र विकास कार्यक्रम उनकी स्थलाकृतिक, पारिस्थितिक, सामाजिक और आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए थे।

2. इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बागवानी, रोपण कृषि, पशुपालन, मुर्गीपालन, वानिकी का विकास करना था।

3.पहाड़ी क्षेत्र कार्यक्रम पांचवीं पंचवर्षीय योजना में शुरू किए गए थे।

4.इस कार्यक्रम की सिफारिश पिछड़े क्षेत्रों के विकास पर राष्ट्रीय समिति (1981) ने की थी।

5. इस कार्यक्रम में उत्तराखंड के सभी पहाड़ी जिले, असम के मिकिर पहाड़ी और उत्तरी कछार पहाड़ियाँ, पश्चिम बंगाल का दार्जिलिंग जिला और तमिलनाडु का नीलगिरी जिला शामिल हैं।

**2. सतत विकास के बारे में आप क्या जानते हैं? सतत विकास के महत्वपूर्ण बिन्दुओ पर चर्चा करे|**

उत्तर: सतत विकास का अर्थ है **"वह विकास जो भविष्य की पीढ़ियों की अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा करता है"।**

• सतत विकास की धारणा 1960 के दशक के उत्तरार्ध में पर्यावरण संबंधी मुद्दों के बारे में जागरूकता में सामान्य वृद्धि के मद्देनजर उभरी।

• 1968 में एर्लिच द्वारा पॉपुलेशन बम और 1972 में मीडोज और अन्य द्वारा द लिमिट्स टू ग्रोथ के प्रकाशन ने पर्यावरणविदों के बीच भय को और बढ़ा दिया।

• नॉर्वे के प्रधानमंत्री ग्रो हार्लेम ब्रुन्डलैंड की अध्यक्षता में WCED (विश्व पर्यावरण और विकास आयोग) ने 1987 में अपनी रिपोर्ट (ब्रंडलैंड रिपोर्ट) हमारा साझा भविष्य दी।

• सतत विकास वर्तमान समय के दौरान विकास के पारिस्थितिक, सामाजिक और आर्थिक पहलुओं का ध्यान रखता है।

प्रश्न 3. "इंदिरा गांधी नहर राजस्थान के रेगिस्तान की जीवन रेखा है"। हम इस नहर के कमांड क्षेत्र में सतत विकास के लक्ष्य को कैसे प्राप्त कर सकते हैं?

उत्तर: "इंदिरा गांधी नहर राजस्थान के रेगिस्तान की जीवन रेखा है" हम इस नहर के विकास से कमांड क्षेत्र में सतत विकास के लक्ष्य किया गया है | कुछ उपायों का पालन करके ये उपाय इस प्रकार हैं- जल प्रबंधन नीति का कठोर क्रियान्वयन।

• अधिक पानी की खपत वाली फसलों के स्थान पर नींबू वर्गीय फलों जैसी रोपण फसलों को अपनाना।

• जल परिवहन में होने वाले नुकसान को कम करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रमों पर ध्यान दिया जाना चाहिए, जैसे कि सी.ए.डी. (कमांड एरिया डेवलपमेंट) कार्यक्रम, जैसे कि जलमार्गों की लाइनिंग, भूमि विकास और समतलीकरण, वारबंदी प्रणाली।

• जल से प्रभावित क्षेत्र को पुनः प्राप्त किया जाना चाहिए।

**********

# अध्याय-07: परिवहन और संचार

## माइंड मैप

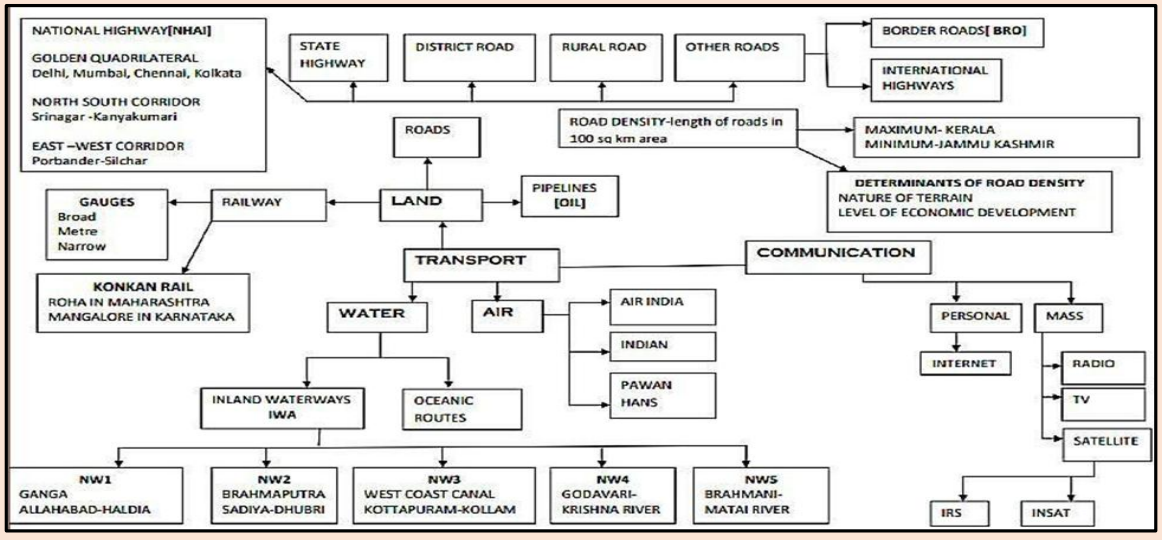


## पाठ का सार

परिवहन के साधन- भूमि परिवहन, जल परिवहन और हवाई परिवहन।

**भूमि परिवहन-** **1.**सड़क परिवहन- भारत में दुनिया के सबसे बड़े सड़क नेटवर्क में से एक है, जिसकी कुल लंबाई 62.16 लाख किमी (2020-21) है। **2.**हर साल लगभग 85 प्रतिशत यात्री और 70 प्रतिशत माल यातायात सड़कों द्वारा किया जाता है। **3.** पहला गंभीर प्रयास 1943 में किया गया था जब **'नागपुर योजना'** तैयार की गई थी।

4.स्वतंत्रता के बाद, सड़कों की स्थिति में सुधार के लिए बीस वर्षीय सड़क योजना (1961) पेश की गई थी।

**राष्ट्रीय राजमार्ग-** केंद्र सरकार द्वारा निर्मित और अनुरक्षित, अंतर-राज्यीय परिवहन के लिए, रक्षा कर्मियों और सामग्री की आवाजाही, राज्यों की राजधानियों को जोड़ने के लिए, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण 1995 में चालू हुआ, सड़क की लंबाई का 2% हिस्सा, 40% यातायात वहन करता है, स्वर्णिम चतुर्भुज 5846 किमी, 4/6/लेन। उच्च घनत्व यातायात, महानगरों को जोड़ता है, समय दूरी और लागत दूरी कम करता है, उत्तर-दक्षिण गलियारा श्रीनगर को कन्याकुमारी से जोड़ता है (4076 किमी) पूर्व-पश्चिम गलियारा पोरबंदर को सिलचर से जोड़ता है (3640 किमी)।

**राज्य राजमार्ग-**राज्य एसपीडब्ल्यूडी द्वारा निर्मित और अनुरक्षित है|

•राज्य की राजधानियों को जिला मुख्यालयों से जोड़ता है।

**जिला सड़कें-**जिला मुख्यालयों को जिले के अन्य शहरों से जोड़ता है।

**ग्रामीण सड़कें-1.**ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ता है|

2.सड़क की कुल लंबाई का 80% हिस्सा है| 3.सड़क घनत्व में क्षेत्रीय भिन्नता भूभाग और जलवायु से प्रभावित होती है।

**अन्य सड़कें,**

**सीमा सड़क**-सीमा सड़क संगठन (BRO) की शुरुआत 1960 में हुई थी, अर्थव्यवस्था को विकसित करने में मदद, रक्षा को मजबूत करना, रणनीतिक बिंदुओं में सुधार, यह एक प्रमुख बहुआयामी निर्माण एजेंसी है, सबसे ऊंचा सड़क मार्ग 4270 मीटर की ऊंचाई के साथ मनाली-लेह को जोड़ता है।

**शेर शाह सूरी रोड (ग्रैंड ट्रंक)-** सिंधु घाटी से बंगाल में सोनार घाटी तक अपने साम्राज्य को मजबूत और समेकित करने के लिए शाही (रॉयल) सड़क का निर्माण किया। ब्रिटिश काल के दौरान इस सड़क का नाम बदलकर ग्रैंड ट्रंक (GT) रोड कर दिया गया, जो कलकत्ता और पेशावर को जोड़ती थी। वर्तमान में, यह अमृतसर से कोलकाता तक फैली हुई है।

**रेल परिवहन-**

• पहली रेलवे लाइन 1853 में बॉम्बे और थाने (34 किमी) के बीच शुरू हुई थी।

• यह 67,956 किमी (2019-20) की लंबाई के साथ सबसे बड़ी सरकारी क्षेत्र की सड़क है।

• इसे 17 क्षेत्रों में विभाजित किया गया है।

**भारत में रेलवे गेज-**

• ब्रॉड गेज: 1.676 मीटर, कुल लंबाई 63950 किमी।

• मीटर गेज: 1.000 मीटर, कुल लंबाई 2402 किमी।

• नैरो गेज: 0.762 मीटर और 0.610 मीटर, कुल लंबाई 1604 किमी।

**कोंकण रेलवे-**

• निर्माण 1998, कुल लंबाई-760 किमी।

• टर्मिनल स्टेशन-रोहा (महाराष्ट्र) से मैंगलोर (कर्नाटक)

• भागीदार राज्य-महाराष्ट्र, गोवा और कर्नाटक।

• यह 146 नदियों/धाराओं, 2000 पुलों और 91 सुरंगों को पार करता है, जिसमें एशिया की सबसे बड़ी रेल मार्ग सुरंग (6.5 किमी.) भी शामिल है।

**जल परिवहन-**

**क . अंतर्देशीय जलमार्ग-** भारत में 14500 किलोमीटर नौगम्य जलमार्ग हैं, जो देश के परिवहन में 1% का योगदान करते हैं। वर्तमान में, 5,685 किलोमीटर प्रमुख नदियाँ मशीनीकृत सपाट तल वाले जहाजों द्वारा नौगम्य हैं। अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण की स्थापना 1986 में की गई थी।

**ख. समुद्री मार्ग-** बारह प्रमुख और 200 छोटे बंदरगाह इन मार्गों को ढांचागत सहायता प्रदान करते हैं। भारत का लगभग 95 प्रतिशत विदेशी व्यापार मात्रा के हिसाब से और 70 प्रतिशत मूल्य के हिसाब से समुद्री मार्गों से होता है।

**वायु परिवहन-**1911 में इलाहाबाद और नैनी (10 किमी.) के बीच हवाई परिवहन शुरू हुआ।

• भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण सुरक्षित, कुशल हवाई यातायात प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है।

• पवन हंस पहाड़ी क्षेत्रों में चलने वाली हेलीकॉप्टर सेवा है।

**संचार-**इसे व्यक्तिगत- मोबाइल मास रेडियो, टीवी में विभाजित किया गया है। वर्तमान में व्यक्तिगत संचार सबसे महत्वपूर्ण हो गया है। उपयोगकर्ता सीधे ग्राहक से संपर्क कर सकता है। संचार का सबसे तेज़ साधन। इंटरनेट के ज़रिए दुनिया में संचार क्रांति आई।

**जन संचार प्रणाली**

1.रेडियो की शुरुआत भारत में 1923 में बॉम्बे के रेडियो क्लब द्वारा की गई थी। 1930 में भारतीय प्रसारण प्रणाली (1936) के तहत ऑल इंडिया रेडियो (1957), आकाशवाणी रेडियो ने सूचना, शिक्षा, मनोरंजन और समाचार बुलेटिन से जुड़े कई तरह के कार्यक्रम प्रसारित किए।

2.टेलीविजन (टी.वी.) की शुरुआत 1959 में सिर्फ़ दिल्ली में हुई। 1972 के बाद दूसरे शहरों में, 1976 में टीवी को ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर) से अलग कर दिया गया और दूरदर्शन (डीडी) के तौर पर एक अलग पहचान मिली।

3.इनसैट-आईए के चालू होने के बाद पूरे नेटवर्क के लिए कॉमन नेशनल प्रोग्राम (सीएनपी) शुरू किए गए और इसकी सेवाओं को पिछड़े और दूरदराज के ग्रामीण इलाकों तक बढ़ाया गया।

4.उपग्रह संचार का उपयोग मौसम पूर्वानुमान, प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी, सीमावर्ती क्षेत्रों की निगरानी आदि के लिए किया जा सकता है।

**भारत में उपग्रह प्रणाली:**

(अ ) भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह प्रणाली (इनसैट): 1983 में स्थापित, उपयोग-दूरसंचार, मौसम संबंधी अवलोकन और अन्य।

(ब) भारतीय सुदूर संवेदन उपग्रह प्रणाली (आईआरएस): 1988 में स्थापित, उपयोग-प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन। पीएसएलवी: भारत द्वारा विकसित ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान। हैदराबाद में राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी)।

## बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और दिए गए विकल्पों की मदद से सही उत्तर चुनें-

I. हाल के वर्षों में रोपवे, केबलवे और पाइपलाइनों को परिवहन के साधन के रूप में विकसित किया गया था।

II. उन्हें विशेष परिस्थितियों में विशिष्ट वस्तुओं के परिवहन की मांगों को पूरा करने के लिए विकसित किया गया था।

A. केवल I सही है B. केवल II सही है

C. दोनों कथन सही हैं और कथन II कथन I को सही ढंग से समझाता है

D. दोनों कथन सत्य हैं लेकिन एक दूसरे से संबंधित नहीं हैं।

**उत्तर C. दोनों कथन सही हैं और कथन II कथन I को सही ढंग से समझाता है**

2. NHAI के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सत्य नहीं है?

A. यह भूतल परिवहन मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय है।

B. यह राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण और रखरखाव के लिए जिम्मेदार है।

C. यह गाँव की संपर्क सड़कों का भी निर्माण करता है।

D. NHAI को 1995 में चालू किया गया था

**उत्तर: C. यह गाँव की संपर्क सड़कों का भी निर्माण करता है।**

3. प्रस्तावित भारतमाला अम्ब्रेला योजना से संबंधित कार्यक्रमों को ध्यान से पढ़ें और सही विकल्प चुनें:

I. पिछड़े क्षेत्रों, धार्मिक और पर्यटन स्थलों को जोड़ने वाला कार्यक्रम II. देश के चार महानगरों को आपस में जोड़ना

III. तटीय क्षेत्रों में राज्य सड़कों का विकास करना IV. तटीय राज्यों में गैर-प्रमुख बंदरगाहों को जोड़ना विकल्प:

A. केवल I, II और III सही हैं। B. केवल II, III और IV सही हैं।

C. केवल I, III और IV सही हैं। D. केवल I, II और IV सही हैं।

**उत्तर: C. केवल I, III और IV सही हैं।**

4. सीमा सड़कों के संबंध में निम्नलिखित कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें:

I. सीमा सड़कें रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हैं। II. वे रक्षा तैयारियों को मजबूत करती हैं।

III. भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण इन सड़कों का निर्माण करता है।

IV. वे आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हैं।

**विकल्प**: A. केवल I, II और III सही हैं। B. केवल II, III और IV सही हैं।

C. केवल I, II और IV सही हैं। D. केवल I, III और IV सही हैं।

**उत्तर: C. केवल I, II और IV सही हैं।**

5. निम्नलिखित में से कौन सा सुमेलित नहीं है?

| सूची- 1 सूची- 2 | सूची- 1 सूची- 2 |
|---|---|
| **A. राज्य राजमार्ग** | राज्य की राजधानियों को जिला मुख्यालयों और अन्य महत्वपूर्ण शहरों से जोड़ते हैं। |
| **B. जिला सड़कें** | जिला मुख्यालयों और जिले के अन्य महत्वपूर्ण नोड्स के बीच संपर्क स्थापित करती हैं| |
| **C. सीमा सड़कें** | राज्य की राजधानियों को एक-दूसरे से जोड़ती हैं| |

**उत्तर: सी सीमा सड़कें- राज्य की राजधानियों को एक दूसरे से जोड़ती हैं।**

6. निम्नलिखित पर विचार करें और सूची I को सूची II से सुमेलित करें और दिए गए कोड की सहायता से सही उत्तर चुनें.

| रेलवे जोन मुख्यालय | रेलवे जोन मुख्यालय |
|---|---|
| a. मध्य | 1. चेन्नई |
| b. पूर्वी | 2. मुंबई सीएसटी |
| c. दक्षिणी | 3. नई दिल्ली |
| d उत्तरी | 4. कोलकाता |

कूट

| | a | b | c | d |
|---|---|---|---|---|
| A. | 4 | 1 | 3 | 2 |
| B. | 2 | 4 | 1 | 3 |
| C. | 1 | 3 | 4 | 2 |
| D. | 1 | 2 | 3 | 4 |

**उत्तर : B.2 4 1 3**

**स्रोत आधारित प्रश्न (1X3 अंक )**

1. निम्नलिखित तालिका का अध्ययन करें और प्रश्नों के उत्तर दें।

तालिका: भारत सड़क नेटवर्क 2020

| Serial No. | Road Category | Length in Km. |
|---|---|---|
| 1 | राष्ट्रीय राजमार्ग | 136440 |
| 2 | राज्य राजमार्ग | 176818 |
| 3 | अन्य सड़कें | 5902539 |
| 4. | कुल | 6215797 |

i. भारत में किस प्रकार की सड़क की लंबाई किलोमीटर में सबसे कम है?

उत्तर: भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई किलोमीटर में सबसे कम है।

ii. भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण और रखरखाव करने वाली सर्वोच्च संस्था कौन सी है?

उत्तर: भारत में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण और रखरखाव करने वाली सर्वोच्च संस्था है।

iii. भारत में राष्ट्रीय राजमार्ग महत्वपूर्ण परिवहन नेटवर्क क्यों हैं?

उत्तर: भारत में राष्ट्रीय राजमार्ग इतने महत्वपूर्ण परिवहन नेटवर्क हैं क्योंकि वे कुल सड़क लंबाई का केवल 2 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं लेकिन सड़क यातायात का 40 प्रतिशत वहन करते हैं।

## लघु उत्तर प्रश्न (3 अंक)

**प्रश्न 1. "अटल सुरंग इंजीनियरिंग संगमरमर का प्रतीक है"। इस कथन की व्याख्या करें।**

उत्तर:1. दुनिया की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग-अटल सुरंग (9.02 किमी) सीमा सड़क संगठन द्वारा बनाई गई है।

2.यह सुरंग पूरे साल मनाली को लाहौल-स्पीति घाटी से जोड़ती है।

3. इससे पहले घाटी भारी बर्फबारी के कारण हर साल लगभग 6 महीने तक कट जाती थी।

4सुरंग का निर्माण पीर पंजाल रेंज में समुद्र तल (MSL) से 3000 मीटर की ऊँचाई पर किया गया है।

2. पहाड़ी, पठारी और वन क्षेत्रों में ग्रामीण सड़कों का घनत्व बहुत कम क्यों है? समझाएँ।

उत्तर:1.पहाड़ी, पठारी और वन क्षेत्रों में अक्सर चुनौतीपूर्ण भूभाग होता है, जिसमें खड़ी ढलान, असमान सतह और चट्टानी भूभाग शामिल हैं, जिससे सड़कों का निर्माण और रखरखाव करना मुश्किल हो जाता है।

**प्रश्न 2.पहाड़ी, पठारी और वन क्षेत्रों में ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर जनसंख्या घनत्व कम होता है, जिससे सड़कों के निर्माण के लिए आवश्यक निवेश को उचित ठहराना मुश्किल हो जाता है।**

3. पहाड़ी, पठारी और वन क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचे की कमी।

4.पहाड़ी, पठारी और वन क्षेत्रों में निर्माण की लागत अपेक्षाकृत अधिक है।

**प्रश्न 3. "बेहतर हवाई संपर्क भारत में क्षेत्रीय विकास में मदद करता है" उड़ान योजना के संदर्भ में इस कथन पर चर्चा करें।**

उत्तर:1.उड़ान वैश्विक स्तर पर अपनी तरह की पहली योजना है, जिसे क्षेत्रीय विमानन बाजार शुरू करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। 2. इस योजना की परिकल्पना भारत सरकार के विमानन मंत्रालय द्वारा की गई थी।

3.आम नागरिक के लिए उड़ान को किफायती बनाकर क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देना।

4. एयरलाइनों को क्षेत्रीय और दूरदराज के मार्गों पर उड़ानें संचालित करने के लिए प्रोत्साहित करना।

**प्रश्न 4. कई नदियों, नहरों, बैकवाटर और खाड़ियों के बावजूद, भारत में अंतर्देशीय जलमार्ग खराब तरीके से विकसित क्यों हैं?**

उत्तर:1.अधिकांश नदियों, विशेष रूप से प्रायद्वीपीय नदियों के जल स्तर की मात्रा में मौसमी उतार-चढ़ाव।

2.नदी तल पर गाद का उच्च स्तर।

3. सिंचाई के लिए नदी के पानी को मोड़ने से उनके मार्ग का बड़ा हिस्सा नौगम्य नहीं रह गया।

4. सुविधा के मामले में सड़क और रेल परिवहन से कड़ी प्रतिस्पर्धा।

**प्रश्न 5. निम्नलिखित चित्र का अध्ययन करें और प्रश्नों के उत्तर दें।**

5

5 .1. छवि में परिवहन का कौन सा तरीका दिखाया गया है?

उत्तर: अंतर्देशीय जलमार्ग।

5.2. छवि में परिवहन के लिए किस जल निकाय का उपयोग किया जा रहा है?

उत्तर: नदियाँ, जलाशय, नहरें और अन्य अंतर्देशीय जल निकाय।

5.3. अंतर्देशीय जल परिवहन के क्या लाभ हैं?

उत्तर: लाभ लागत-प्रभावशीलता, पर्यावरणीय लाभ और माल, विशेष रूप से थोक माल के परिवहन की बढ़ी हुई क्षमता हैं।

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

**प्रश्न 1. "भारत में सुचारू संपर्क और क्षेत्रीय असंतुलन को कम करने के लिए सड़कों का विकास आवश्यक है" इस कथन के समर्थन में भारतमाला परियोजना की व्याख्या करें।**

उत्तर:1. गैर-प्रमुख बंदरगाहों की संपर्कता सहित तटीय क्षेत्रों, सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़कों का विकास।

2.पिछड़े क्षेत्रों, धार्मिक स्थलों और पर्यटन स्थलों की संपर्कता कार्यक्रम।

3.सेतुभारतम परियोजना, जो लगभग 1500 प्रमुख पुलों और 200 रेल ओवर ब्रिजों के निर्माण के लिए है।

4. लगभग 9000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए जिला मुख्यालय संपर्कता योजना।

**प्रश्न 2. "भारत में कई अंतर्देशीय जल निकाय हैं जो परिवहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।" बताएं कि अंतर्देशीय जल निकाय भारत के विभिन्न क्षेत्रों में सतत विकास में कैसे योगदान करते हैं।**

उत्तर: अंतर्देशीय जल निकाय क्षेत्रीय विकास और स्थिरता के लिए आवश्यक हैं-

• यह स्थानीय मत्स्य पालन का समर्थन करता है और इसमें तैरते द्वीप हैं।

• जैव विविधता का समर्थन करता है और मछली पकड़ने और इकोटूरिज्म के माध्यम से आजीविका प्रदान करता है।

• जलविद्युत और सिंचाई के लिए उपयोग किया जाता है।

• भूजल पुनर्भरण, स्थानीय जलवायु को मध्यम करने और कृषि, परिवहन और आजीविका का समर्थन करने में मदद करता है।

• कुछ अंतर्देशीय जल निकाय हैं-

1. **राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या 1**- प्रयागराज से हल्दिया (1620 किमी) गंगा नदी पर।

इसे तीन भागों में विभाजित किया गया है-

i हल्दिया से फरक्का (560 किमी), ii. फरक्का से पटना (460 किमी) iii पटना से प्रयागराज (600 किमी।)।

**2. राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या II**- ब्रह्मपुत्र नदी पर सादिया से धुबरी (891 किमी)।

**3. राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या III**- कोट्टापुरम से कोल्लम (205 किमी) पश्चिमी तट नहर, चंपकरा नहर (14 किमी) और उद्योगमंडल नहर (34 किमी) पर स्थित है।

**4. राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या IV**- गोदावरी और कृष्णा नदियों के साथ-साथ काकीनाडा पुडुचेरी नहरों के विस्तार (1078 किमी) पर स्थित है। 5. राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या 5- ब्राह्मणी, मताई नदी और महानदी और ब्राह्मणी नदियों के डेल्टा चैनलों और पूर्वी तट नहरों (588 किमी) पर स्थित है।

3. "भारत जैसे विशाल देश के लिए हवाई परिवहन आवश्यक है, जहाँ दूरियाँ अधिक हैं और भूभाग और जलवायु परिस्थितियाँ विविध हैं।" उपयुक्त तर्कों के साथ इस कथन का समर्थन करें।

उत्तर:1.भारत एक विशाल देश है इसलिए हवाई परिवहन ने यात्रा के समय को कम करके दूरियों को कम कर दिया है।

2. पूर्वोत्तर राज्यों के पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क और रेल परिवहन की तुलना में हवाई परिवहन सबसे आसान और सुरक्षित परिवहन माना जाता है।

3.पर्यटकों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने के लिए हवाई परिवहन भी आदर्श है।

**********

## अध्याय-08: अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

**पाठ का सार-**

1.1950-51 में भारत का विदेशी व्यापार 1,214 करोड़ रुपये का था, जो 2020-21 में बढ़कर 77,19,796 करोड़ रुपये हो गया। **2.**पिछले कुछ वर्षों में भारत के विदेशी व्यापार की प्रकृति में बदलाव आया है।

**अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में परिवर्तन-**

• मात्रा में परिवर्तन हुआ है, लेकिन आयात का मूल्य निर्यात से अधिक है

• व्यापार घाटे में वृद्धि।

• यह पेट्रोलियम की कीमत में वृद्धि के कारण है।

भारत के निर्यात की संरचना का बदलता स्वरूप-

• कृषि और संबद्ध उत्पादों की हिस्सेदारी में गिरावट आई है।

• पेट्रोलियम की हिस्सेदारी में वृद्धि हुई है।

• अयस्क-खनिज और विनिर्मित वस्तुओं की हिस्सेदारी काफी हद तक स्थिर रही है।

• भारत की रिफाइनिंग क्षमता में वृद्धि भी पेट्रोलियम आयात के लिए जिम्मेदार है।

• पारंपरिक वस्तुओं में गिरावट कड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के कारण है।

• कॉफी, मसाले, दालें, चाय में भारी गिरावट आई है।

• पुष्प उत्पादन, समुद्री उत्पाद, चीनी और ताजे फलों में वृद्धि हुई है।

**भारतीय समुद्री बंदरगाह-**

**कांडला बंदरगाह (दीनदयाल बंदरगाह)-**

• कच्छ की खाड़ी में स्थित, मुंबई बंदरगाह पर दबाव कम करने के लिए विकसित किया गया।

• पेट्रोलियम के लिए विशेष सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इस बंदरगाह पर दबाव कम करने के लिए अपतटीय वाडिनार को विकसित किया गया है।

**मुंबई बंदरगाह-**

• यह भारत का सबसे बड़ा प्राकृतिक बंदरगाह है

• मध्य पूर्व के देशों, उत्तरी अफ्रीका, अमेरिका और यूरोप से सामान्य मार्गों के करीब स्थित है

• मुंबई दुनिया के सभी प्रमुख बंदरगाहों के साथ विदेशी व्यापार करता है

• बंदरगाह 20 किमी लंबा और 6-10 किमी चौड़ा है।

• भारत का सबसे बड़ा तेल टर्मिनल मुंबई में है। इसे गेटवे ऑफ इंडिया के नाम से भी जाना जाता है।

नहावा शेवा में जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह-

• इसे मुंबई बंदरगाह पर दबाव कम करने के लिए एक सैटेलाइट बंदरगाह के रूप में विकसित किया गया था।

• यह भारत का सबसे बड़ा कंटेनर बंदरगाह है।

**मर्मगाओ बंदरगाह-**

• यह गोवा में एक प्राकृतिक बंदरगाह है।

• जापान को लौह अयस्क निर्यात को संभालने के लिए इसे 1961 में फिर से तैयार किया गया था।

• कर्नाटक, गोवा, दक्षिणी महाराष्ट्र इसके भीतरी क्षेत्र हैं।

**न्यू मैंगलोर बंदरगाह-**• यह कर्नाटक में स्थित है।

• यह बंदरगाह लौह अयस्क और उर्वरक, पेट्रोलियम उत्पाद, खाद्य तेल, कॉफी, चाय, लकड़ी का गूदा, ग्रेनाइट संभालता है। कर्नाटक इसका मुख्य भीतरी क्षेत्र है।

**कोच्चि बंदरगाह-**

• इसे अरब सागर की रानी के रूप में जाना जाता है।

• वेम्बनाड कयाल के शीर्ष पर स्थित है।

• यह एक गहरा प्राकृतिक बंदरगाह है।

• स्वेज-कोलंबो मार्ग के करीब स्थित होने के कारण यह चाय, कॉफी, काजू, मेवा, रबर, काली मिर्च, इलायची और कपास के सामान का निर्यात करता है।

• यह केरल, दक्षिणी कर्नाटक और दक्षिण पश्चिमी तमिलनाडु की जरूरतों को पूरा करता है

**कोलकाता बंदरगाह-**• यह बंगाल की खाड़ी से 128 किलोमीटर दूर हुगली नदी पर स्थित है और इसे अंग्रेजों ने विकसित किया था।

• आज यह अपना बहुत महत्व खो चुका है क्योंकि कोलकाता से बहुत से निर्यात विशाखापत्तनम, पाराद्वीप और हल्दिया जैसे अन्य बंदरगाहों पर भेजे जा रहे हैं।

• पश्चिम बंगाल, सिक्किम, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड इसके भीतरी इलाके हैं।

**हल्दिया बंदरगाह-**

• यह कोलकाता से 105 किलोमीटर नीचे की ओर स्थित है।

• इसका निर्माण कोलकाता बंदरगाह पर भीड़भाड़ को कम करने के लिए किया गया है।

• यह लौह अयस्क, कोयला, पेट्रोलियम, पेट्रोलियम उत्पाद और उर्वरक, जूट, जूट उत्पाद, कपास और सूती धागे आदि जैसे थोक माल को संभालता है।

**पाराद्वीप बंदरगाह-**

• कटक से लगभग 100 किमी दूर स्थित है।

• यह सबसे गहरा बंदरगाह है जो बहुत बड़े जहाजों को संभाल सकता है।

• इसे बड़े पैमाने पर निर्यात किए जाने वाले लौह अयस्क को संभालने के इरादे से विकसित किया गया है

• छत्तीसगढ़ और झारखंड इसके भीतरी इलाकों का हिस्सा हैं।

**विशाखापत्तनम बंदरगाह-**

• यह बंदरगाह आंध्र प्रदेश में है और एक लैंडलॉक बंदरगाह है।

• इसके भीतरी इलाकों में आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और उड़ीसा शामिल हैं।

• इस बंदरगाह से सामान्य कार्गो, लौह अयस्क, मैंगनीज, तिलहन, अभ्रक और तंबाकू का निर्यात किया जाता है।

**चेन्नई बंदरगाह-**

• यह 1859 में निर्मित सबसे पुराने कृत्रिम बंदरगाहों में से एक है।

• तट के पास उथले पानी के कारण यह बड़े जहाजों के लिए अधिक उपयुक्त नहीं है।

• तमिलनाडु और पांडिचेरी इसके भीतरी इलाके हैं।

**एन्नोर बंदरगाह-**

• यह तमिलनाडु में एक नव विकसित बंदरगाह है।

• इसे चेन्नई बंदरगाह पर दबाव कम करने के लिए चेन्नई से 25 किलोमीटर उत्तर में बनाया गया है।

**तूतीकोरिन बंदरगाह-**

• इसे चेन्नई बंदरगाह पर दबाव कम करने के लिए विकसित किया गया था।

• यह कोयला, नमक, खाद्यान्न, अनाज, रसायन और पेट्रोलियम उत्पादों सहित विभिन्न प्रकार के कार्गो का सौदा करता है।

**वायु परिवहन-**

• अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वायु परिवहन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

• देश में 25 प्रमुख हवाई अड्डे कार्यरत थे (वार्षिक रिपोर्ट 2016-17)।

• उड़ान योजना के तहत, 9 हेलीपोर्ट और 2 जल एयरोड्रोम सहित कुल 73 असेवित/अल्पसेवित हवाई अड्डों का संचालन किया गया है।

**बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)**

1. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही ढंग से सुमेलित नहीं है?

| सूची- 1 | सूची-2 |
|---|---|
| A. हुगली नदी | डायमंड हार्बर |
| B. बांग्लादेश | सड़क मार्ग से व्यापार |
| C. यूएसए | प्रमुख व्यापारिक साझेदार |
| D. अफ्रीका | सबसे बड़ा आयात महाद्वीप |

उत्तर: D. अफ्रीका- सबसे बड़ा आयात महाद्वीप।

2. सूची I को सूची II से सुमेलित करें और दिए गए विकल्पों की सहायता से सही उत्तर चुनें।

| बंदरगाह | स्थान/प्रकार |
|---|---|
| I. कांडला बंदरगाह | a. भूमि से घिरा बंदरगाह |
| II. मुंबई बंदरगाह | b. प्राकृतिक बंदरगाह |
| III. विशाखापत्तनम बंदरगाह | c. सबसे पुराना बंदरगाह |
| IV. चेन्नई बंदरगाह | d. कच्छ की खाड़ी के मुहाने पर |

कूट :

| | I | II | III | IV |
|---|---|---|---|---|
| A. | d | b | a | c |
| B. | a | b | c | d |
| C. | b | a | d | c |
| D. | c | d | b | a |

उत्तर: A. d b a c

3. अभिकथन (A): अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को किसी देश का आर्थिक बैरोमीटर माना जाता है।

कारण (R): अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में देशों के बीच अधिशेष वस्तुओं और सेवाओं का आदान-प्रदान शामिल होता है।

A. A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C. A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D. A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

उत्तर: A. A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

4. सूची I को सूची II से सुमेलित करें और दिए गए विकल्पों की सहायता से सही उत्तर चुनें.

| बंदरगाह | राज्य |
|---|---|
| I. हल्दिया | a. केरल |
| II. पाराद्वीप | b. ओडिशा |
| III. तूतीकोरिन | c. पश्चिम बंगाल |
| IV. कोच्चि | d. तमिलनाडु |

कोड:

| | I | II | III | IV |
|---|---|---|---|---|
| A. | a | b | c | d |
| B. | c | b | d | a |
| C. | b | a | d | c |
| D. | d | c | a | b |

उत्तर : B. c b d a

5. अभिकथन (A): भारत को 1950 और 1960 के दशक में गंभीर खाद्यान्न की कमी का सामना करना पड़ा।

कारण (R): उस समय आयात की एक प्रमुख वस्तु खाद्यान्न थी।

विकल्प:

A. A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है

B. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है

C. A सत्य है, लेकिन R असत्य है

D. A असत्य है, लेकिन R सत्य है

उत्तर: A. A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

6. अभिकथन (A) कोलकाता बंदरगाह को हुगली नदी में गाद जमा होने की समस्या का भी सामना करना पड़ रहा है, जो समुद्र से संपर्क प्रदान करती है।

कारण (R) इसका भीतरी भाग उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और उत्तर-पूर्वी राज्यों को कवर करता है।

(A) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है

(B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है

(C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है

(D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है

उत्तर: (B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

स्रोत आधारित प्रश्न (1X3 अंक )

1. निम्नलिखित तालिका को ध्यान से पढ़ें तथा उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दें।

तालिका: भारत का विदेशी व्यापार (मूल्य करोड़ रुपये में)

| वर्ष | निर्यात | आयात | व्यापर संतुलन |
|---|---|---|---|
| 2004-05 | 3,75,340 | 5,01,065 | -1,25,725 |
| 2009-10 | 8,45,534 | 13,63,736 | -5,18,202 |
| 2013-14 | 19,05,011 | 27,15,434 | -8,10,423 |
| 2016-17 | 18,52,340 | 25,77,422 | -7,25,082 |
| 2021-22 | 31,47,021 | 45,72775 | -14,25,753 |

स्रोत: http://commerce.nic.in/publications/annual-report-2010-11 और आर्थिक सर्वेक्षण 2016-17, 2022-23

i. किस वर्ष भारत ने न्यूनतम आयात किया।

उत्तर: 2005-06

ii. किस वर्ष भारत का व्यापार संतुलन सबसे अधिक नकारात्मक रहा?

उत्तर: 2021-22

iii. 2004-05 और 2021-22 के बीच निर्यात अंतर क्या है?

उत्तर: 2,771,681

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:

**मुक्त व्यापार का मामला**

अर्थव्यवस्थाओं को व्यापार के लिए खोलने के कार्य को मुक्त व्यापार या व्यापार उदारीकरण के रूप में जाना जाता है, यह टैरिफ जैसी व्यापार बाधाओं को कम करके किया जाता है, व्यापार उदारीकरण हर जगह से वस्तुओं और सेवाओं को घरेलू उत्पादों और सेवाओं के साथ प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देता है। वैश्वीकरण और मुक्त व्यापार विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं, क्योंकि वे समान अवसर प्रदान नहीं करते हैं, क्योंकि वे परिवहन और संचार प्रणालियों के विकास के लिए प्रतिकूल परिस्थितियाँ लागू करते हैं। वस्तुएँ और सेवाएँ पहले से कहीं अधिक तेजी से और दूर तक यात्रा कर सकती हैं, लेकिन मुक्त व्यापार को न केवल अमीर देशों को बाजारों में प्रवेश करने देना चाहिए, बल्कि विकसित देशों को अपने स्वयं के बाजार को विदेशी उत्पादों से सुरक्षित रखने की अनुमति देनी चाहिए। देशों को डंप किए गए सामानों के बारे में भी सतर्क रहने की आवश्यकता है, क्योंकि मुक्त व्यापार के साथ-साथ सस्ते दामों के डंप किए गए सामान घरेलू उत्पादकों को नुकसान पहुँचा सकते हैं।

i. 'व्यापार उदारीकरण' का अर्थ स्पष्ट करें।

उत्तर: टैरिफ जैसी व्यापार बाधाओं को कम करना और व्यापार के लिए अर्थव्यवस्थाओं को खोलना व्यापार उदारीकरण के रूप में जाना जाता है।

ii. 'वैश्वीकरण' और 'मुक्त व्यापार' ने विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं को कैसे प्रभावित किया है?

उत्तर: विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाएँ प्रतिकूल रूप से प्रभावित होती हैं, क्योंकि विकसित देश विकासशील देशों के लिए प्रतिकूल परिस्थितियाँ लागू करके समान अवसर प्रदान नहीं करते हैं।

iii. विकासशील देशों को 'मुक्त व्यापार' के नकारात्मक प्रभाव से बचाने के लिए क्या करना चाहिए? कोई दो कदम बताएँ।

उत्तर: i. उन्हें अपने बाजारों को विदेशी उत्पादों से सुरक्षित रखना चाहिए।

ii. उन्हें सस्ते दामों पर डंप किए गए सामानों के बारे में सतर्क रहने की आवश्यकता है क्योंकि वे घरेलू उत्पादकों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

## लघु उत्तर प्रश्न (3 अंक)

**प्रश्न 1. "भारत ने हाल के दशकों में अपने व्यापार भागीदारों और निर्यात वस्तुओं में विविधता लाई है"। इस विविधीकरण से देश के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को क्या लाभ होता है?**

उत्तर:

• व्यापार भागीदारों और निर्यात वस्तुओं में विविधता लाने से भारत की कुछ देशों या वस्तुओं पर निर्भरता कम हो जाती है।

• यह व्यापार को अधिक स्थिर बनाता है और वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव के प्रति कम संवेदनशील बनाता है।

• यह आर्थिक लचीलापन बढ़ाता है, और भारत को उभरते बाजारों और उद्योगों का लाभ उठाने में मदद करता है।

**प्रश्न 2. "भारत अपने विदेशी व्यापार का एक बड़ा हिस्सा समुद्री बंदरगाहों के माध्यम से संभालता है। बताएं कि समुद्री बंदरगाहों का विकास और आधुनिकीकरण वैश्विक व्यापार में भारत की भूमिका को कैसे बढ़ा सकता है।"**

उत्तर:

• भारत के समुद्री बंदरगाह मात्रा के हिसाब से देश के विदेशी व्यापार का लगभग 95% संभालते हैं।

• पहल के तहत बेहतर कार्गो हैंडलिंग, डिजिटल सिस्टम और बेहतर कनेक्टिविटी के साथ बंदरगाहों का आधुनिकीकरण।

• समुद्री बंदरगाह विदेशी गंतव्यों के लिए आगे शिपमेंट के लिए भीतरी इलाकों से वस्तुओं के संग्रह केंद्र के रूप में कार्य करते हैं।

• बंदरगाह देश के आंतरिक भागों में वितरित करने के लिए भारत आने वाले विदेशी सामानों और खेपों के प्राप्ति बिंदु हैं।

3. 2013-14 से 2020-21 तक भारत का बाहरी व्यापार धीरे-धीरे क्यों बढ़ा?

उत्तर:• विदेशी व्यापार में तेज वृद्धि के कारण भारत का बाहरी व्यापार धीरे-धीरे बढ़ा।

• विनिर्माण क्षेत्रों द्वारा गति पकड़ी गई।

• सरकार की उदार नीतियों और बाजार का विविधीकरण।

प्रश्न 3.निम्नलिखित चित्र का अध्ययन करें और प्रश्नों के उत्तर दें-

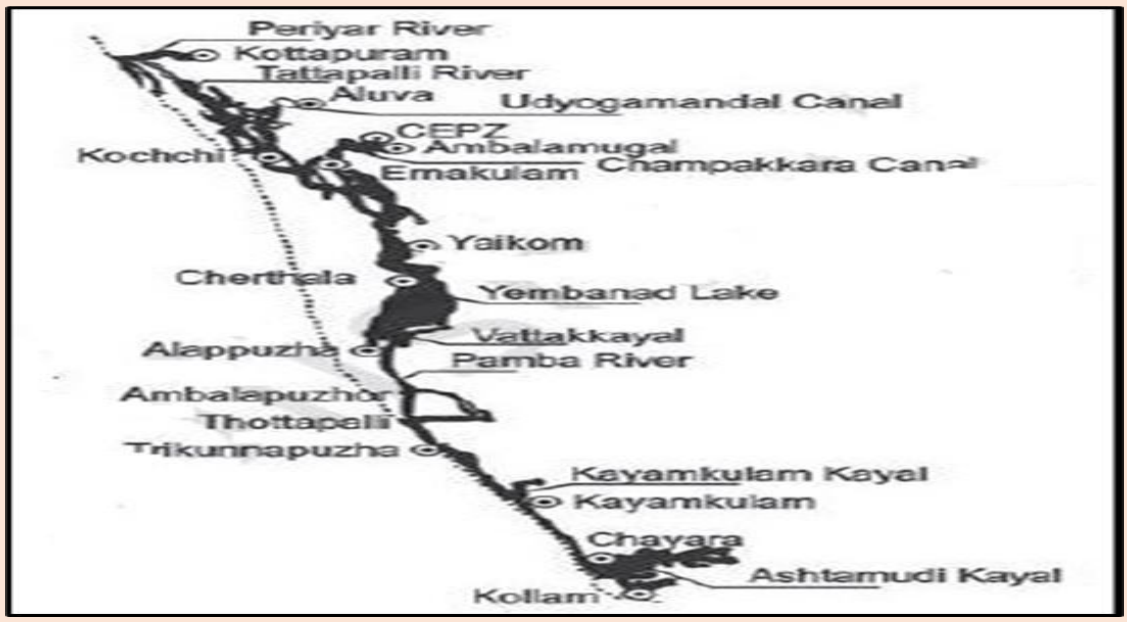


3.1. राष्ट्रीय जलमार्ग 3 किस राज्य में स्थित है?

उत्तर: केरल

3.2. राष्ट्रीय जलमार्ग 3 के दो टर्मिनल बिंदुओं के नाम बताइए।

उत्तर: कोल्लम और कोट्टापुरम

3.3. राष्ट्रीय जलमार्ग 3 के कामकाज में वेम्बनाड झील के महत्व को समझाइए।

उत्तर: वेम्बनाड झील NW-3 मार्ग में सबसे महत्वपूर्ण जल निकायों में से एक है। यह एक विस्तृत, नौगम्य खिंचाव प्रदान करता है जो विभिन्न क्षेत्रों को जोड़ता है। झील केरल में वाणिज्यिक और यात्री नाव सेवाओं दोनों का समर्थन करती है।

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

**प्रश्न 1"भारत के आयात पैटर्न में पिछले दशकों में काफी बदलाव आया है"। भारत के आयात के पीछे के कारणों का विश्लेषण करें।"**

उत्तर: • पहले आयात में खाद्यान्न, पूंजीगत सामान, मशीनरी शामिल थे। • भुगतान संतुलन प्रतिकूल था क्योंकि आयात निर्यात से अधिक था।

• 1970 के दशक के बाद, हरित क्रांति की सफलता के कारण खाद्यान्न आयात बंद कर दिया गया था। • खाद्यान्न आयात की जगह उर्वरक और पेट्रोलियम ने ले ली।

• ईंधन और उद्योगों के रूप में बढ़ते उपयोग के कारण पेट्रोलियम उत्पादों के आयात में वृद्धि हुई है।

• पूंजीगत सामान और संबद्ध उत्पादों के आयात में लगातार गिरावट आई है।

**प्रश्न 2"भारत कच्चे तेल और इलेक्ट्रॉनिक सामान के लिए आयात पर बहुत अधिक निर्भर करता है"। आयात पर निर्भरता कम करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?**

उत्तर: • विकास को बनाए रखते हुए कच्चे तेल और इलेक्ट्रॉनिक सामान के लिए आयात पर भारत की निर्भरता को कम करना घरेलू क्षमता निर्माण, तकनीकी प्रगति, नीति समर्थन और टिकाऊ प्रथाओं के रणनीतिक मिश्रण की आवश्यकता है। अक्षय ऊर्जा का विस्तार करके अक्षय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना बुनियादी ढांचा।

• घरेलू तेल उत्पादन में वृद्धि। घरेलू विनिर्माण क्षमताओं का विकास।

• इलेक्ट्रॉनिक क्लस्टर बनाकर इलेक्ट्रॉनिक्स पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पर केंद्रित विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) विकसित करना।

• एंटी-डंपिंग उपायों को अपनाकर: जैसे घरेलू विकल्पों को प्रोत्साहित करने के लिए कम लागत वाले आयातित इलेक्ट्रॉनिक्स पर एंटी-डंपिंग शुल्क लागू करना।

**********

# अध्याय-09: चयनित मुद्दों और समस्याओं पर भौगोलिक परिप्रेक्ष्य

## माइंड मैप

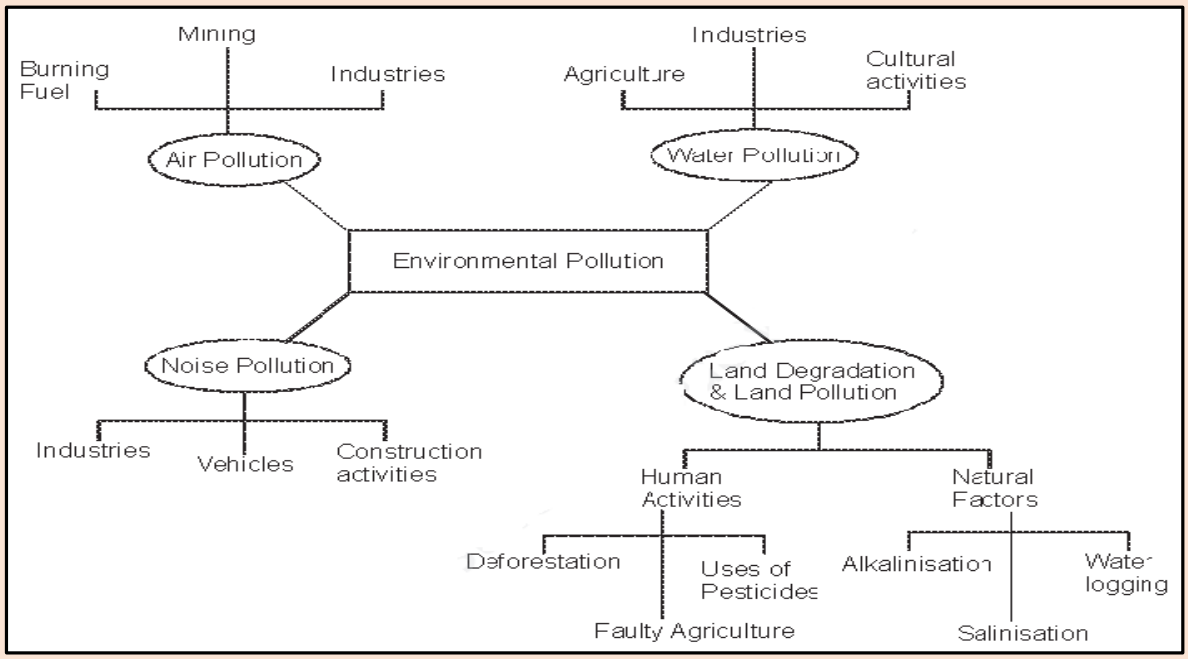


## पाठ का सार

पर्यावरण प्रदूषण- पर्यावरण प्रदूषण पर्यावरण में विदेशी और संभावित रूप से हानिकारक तत्वों का प्रवेश है।

**प्रदूषण के प्रकार**- (i) वायु प्रदूषण, (ii) जल प्रदूषण, (iii) भूमि प्रदूषण और (iv) ध्वनि प्रदूषण।

**जल प्रदूषण**- जल प्रदूषण जल स्रोतों में प्रदूषकों का प्रवेश है, जो इसकी गुणवत्ता को खराब करते हैं।

**जल प्रदूषण के प्रभाव**- जल प्रदूषण विभिन्न जल जनित बीमारियों का स्रोत है। दूषित जल के कारण होने वाली आम बीमारियाँ हैं डायरिया, आंतों के कीड़े, हेपेटाइटिस, आदि।

नमामि गंगे कार्यक्रम- केंद्र सरकार ने निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ 'नमामि गंगे कार्यक्रम' शुरू किया है:

• शहरों में सीवरेज उपचार प्रणाली विकसित करना।

• औद्योगिक अपशिष्टों की निगरानी।

• नदी के किनारों का विकास।

• जैव विविधता बढ़ाने के लिए किनारे पर वनरोपण।

• नदी की सतह की सफाई।

• उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में 'गंगा ग्राम' का विकास।

• अनुष्ठानों के रूप में भी नदी में प्रदूषक न डालने के लिए जन जागरूकता पैदा करना।

**वायु प्रदूषण-**• वायु प्रदूषण का अर्थ है धूल, धुआँ, गैस, कोहरा, गंध, धुआँ या वाष्प जैसे प्रदूषकों का हवा में पर्याप्त अनुपात और अवधि में शामिल होना जो वनस्पतियों और जीवों और संपत्ति के लिए हानिकारक हो सकते हैं।

• जीवाश्म ईंधन का दहन, खनन और उद्योग वायु प्रदूषण के मुख्य स्रोत हैं।

• इन प्रक्रियाओं से सल्फर और नाइट्रोजन, हाइड्रोकार्बन, कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, सीसा और एस्बेस्टस के ऑक्साइड निकलते हैं।

• वायु प्रदूषण श्वसन, तंत्रिका और संचार प्रणालियों से संबंधित विभिन्न बीमारियों का कारण बनता है।

• शहरों के ऊपर धुएँ जैसा कोहरा जिसे शहरी स्मॉग कहा जाता है, वायुमंडलीय प्रदूषण के कारण होता है।

**• ध्वनि प्रदूषण-**

• ध्वनि प्रदूषण से तात्पर्य मनुष्य के लिए असहनीय और असुविधाजनक स्थिति से है जो विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न होने वाले शोर के कारण होता है।

• ध्वनि प्रदूषण के मुख्य स्रोत विभिन्न कारखाने, मशीनीकृत निर्माण और विध्वंस कार्य, ऑटोमोबाइल, विमान, सायरन, विभिन्न त्योहारों में उपयोग किए जाने वाले लाउडस्पीकर आदि हैं।

• स्थिर शोर का स्तर डेसिबल (dB) में मापा जाता है।

## शहरी अपशिष्ट निपटान-

• ठोस अपशिष्ट से तात्पर्य विभिन्न प्रकार की पुरानी और प्रयुक्त वस्तुओं से है, उदाहरण के लिए धातुओं के छोटे-छोटे दाग लगे हुए टुकड़े, टूटे हुए कांच के बर्तन, प्लास्टिक के कंटेनर, पॉलीथीन बैग, राख, फ्लॉपी, सीडी आदि, जिन्हें अलग-अलग स्थानों पर फेंक दिया जाता है।

• शहरी अपशिष्टों का निपटान दो स्रोतों से किया जाता है: (i) घरेलू या घरेलू प्रतिष्ठान, और

(ii) औद्योगिक या वाणिज्यिक प्रतिष्ठान।

• ठोस अपशिष्ट अप्रिय गंध पैदा करके और मक्खियों और कृन्तकों को आश्रय देकर स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा करते हैं।

• ये टाइफाइड, डिप्थीरिया, डायरिया, मलेरिया और हैजा जैसी बीमारियों के वाहक हैं।

• मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु आदि महानगरों में लगभग 90 प्रतिशत ठोस अपशिष्ट एकत्र किया जाता है और उसका निपटान किया जाता है।

**भूमि क्षरण-**

• भूमि क्षरण होता है और उत्पादकता घटती है। भूमि क्षरण को आम तौर पर भूमि की उत्पादक क्षमता में अस्थायी या स्थायी गिरावट के रूप में समझा जाता है।

• भूमि क्षरण को प्रेरित करने वाली दो प्रक्रियाएँ हैं। ये प्राकृतिक हैं और मनुष्यों द्वारा बनाई गई हैं।

• राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (NRSC) ने सुदूर संवेदन तकनीकों का उपयोग करके बंजर भूमि को वर्गीकृत किया है।

• अन्य प्रकार की क्षरित भूमियाँ भी हैं जैसे जलभराव और दलदली क्षेत्र, लवणता और क्षारीयता से प्रभावित भूमि।

• कुछ अन्य प्रकार की बंजर भूमि भी हैं जैसे कि क्षरित स्थानान्तरित कृषि क्षेत्र, बागान फसलों के अंतर्गत क्षरित भूमि, क्षरित वन, क्षरित चारागाह, खनन और औद्योगिक बंजर भूमि, जो मानवीय कार्यों के कारण उत्पन्न हुई हैं।

• स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) शहरी मलिन बस्तियों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए शहरी नवीनीकरण मिशन का हिस्सा है।

## बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)

1. अभिकथन: औद्योगिक अपशिष्ट को नदियों में डालने से जल प्रदूषण होता है।
कारण: शहरी केंद्रों में और उसके आसपास औद्योगिक इकाइयों का संकेन्द्रण औद्योगिक अपशिष्टों के निपटान को बढ़ावा नहीं देता है।

A. अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।

B. अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।

C. अभिकथन सत्य है, कारण असत्य है। D. अभिकथन असत्य है, कारण सत्य है।

**उत्तर: C. अभिकथन सत्य है, कारण असत्य है।**

2. अभिकथन: कृषि भूमि पर दबाव बढ़ गया है।
कारण: यह न केवल सीमित उपलब्धता के कारण है, बल्कि कृषि भूमि की गुणवत्ता में गिरावट के कारण भी है।

A. अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं और कारण अभिकथन का सही स्पष्टीकरण है।

B. अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं लेकिन कारण अभिकथन का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C. अभिकथन सत्य है, कारण असत्य है। D. अभिकथन असत्य है, कारण सत्य है।

उत्तर: A. अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं और कारण अभिकथन का सही स्पष्टीकरण है।

3. रोग से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. दूषित जल के कारण सामान्यतः होने वाली बीमारियाँ डायरिया, आंतों के कीड़े, हेपेटाइटिस आदि हैं।

2. वायु प्रदूषण श्वसन, तंत्रिका और संचार प्रणालियों से संबंधित विभिन्न रोगों का कारण बनता है।

इसके लिए सही विकल्प चुनें-

A. केवल 1 सही है B. 1 और 2 दोनों सही हैं

C. केवल 2 सही है D. दोनों गलत हैं

उत्तर: B. 1 और 2 दोनों सही हैं।

## स्रोत आधारित प्रश्न (1x3 अंक )

**1. नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:**

रमेश पिछले दो वर्षों से तालचेर (ओडिशा का कोयला क्षेत्र) में निर्माण स्थल पर वेल्डर के रूप में अनुबंध पर काम कर रहा है रमेश अपने पैतृक गांव में अपने पिता को प्रति वर्ष 20,000 रुपये देते थे। भेजे गए धन का उपयोग मुख्य रूप से दैनिक उपभोग,

स्वास्थ्य सेवा, बच्चों की स्कूली शिक्षा आदि के लिए किया जाता है। धन का कुछ हिस्सा कृषि, भूमि की खरीद और मकान बनाने आदि में भी उपयोग किया जाता है। साथ ही, वह अपने गांव के कुछ सफल प्रवासियों से भी प्रभावित थे, जो लुधियाना में काम कर रहे थे और पैसे और कुछ उपभोक्ता सामान भेजकर गांव में अपने परिवारों का भरण-पोषण कर रहे थे। उन्होंने 1988 में केवल 20 रुपये प्रतिदिन की दर से छह महीने तक एक ऊनी कारखाने में काम किया। इस अल्प आय से अपने व्यक्तिगत खर्च का प्रबंधन करने के संकट के अलावा, उन्हें नई संस्कृति और वातावरण को आत्मसात करने में भी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था।

i. रमेश किस कोयला क्षेत्र में काम कर रहे थे?

उत्तर: रमेश ओडिशा के तालचेर कोयला क्षेत्र में काम कर रहे थे।

ii. रमेश द्वारा भेजे गये धन का उपयोग किस उद्देश्य से किया गया था?

उत्तर: रमेश द्वारा भेजे का उपयोग मुख्य रूप से दैनिक उपभोग, स्वास्थ्य सेवा, बच्चों की स्कूली शिक्षा आदि के लिए किया जाता है। धन का कुछ हिस्सा कृषि, भूमि की खरीद और मकान बनाने आदि में भी उपयोग किया जाता है।

iii. रमेश कम वेतन पर काम क्यों कर रहा था?

उत्तर: रमेश अशिक्षित और अर्ध-कुशल था जो ग्रामीण क्षेत्रों से आकर अक्सर शहरी क्षेत्रों में अनौपचारिक क्षेत्र में कम वेतन पर कार्य करता था।

1. नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:

**धारावी-एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती**

यहाँ बसें केवल परिधि के आसपास से गुजरती हैं। ऑटो रिक्शा वहाँ नहीं जा सकते; धारावी मध्य बॉम्बे का हिस्सा है जहाँ तीन पहिया वाहनों पर प्रतिबंध है। केवल एक मुख्य सड़क झुग्गी बस्ती को पार करती है, जिसे गलत तरीके से 'नब्बे फुट की सड़क' कहा जाता है, जिसकी लंबाई इसकी अधिकांश लंबाई के आधे से भी कम रह गई है। छाया रहित, वृक्ष रहित सूर्य प्रकाश, बिना एकत्र किए गए कचरे, गंदे पानी के स्थिर तालाबों वाली इस जगह में, जहाँ केवल गैर-मानव प्राणी चमकते हुए काले कौवे और लंबे भूरे चूहे हैं, भारत के कुछ सबसे सुंदर, मूल्यवान और उपयोगी सामान बनाए जाते हैं। धारावी से नाजुक चीनी मिट्टी के बर्तन, उत्तम कढ़ाई और ज़री का काम, परिष्कृत चमड़े के सामान, उच्च फैशन के कपड़े, बारीक धातु के काम, नाजुक आभूषण सेटिंग, लकड़ी की नक्काशी और फर्नीचर आते हैं जो सबसे अमीर घरों में अपना रास्ता खोज लेंगे। i. धारावी झुग्गी की प्रमुख समस्याएँ क्या हैं? उत्तर: धारावी झुग्गी की प्रमुख समस्याएँ भीड़भाड़, भीड़भाड़, संकरी सड़कें, जीर्ण-शीर्ण घर आदि हैं। ii. धारावी झुग्गी की मुख्य सड़क का नाम क्या है? उत्तर: धारावी झुग्गी की मुख्य सड़क का नाम "नब्बे फुट सड़क" है iii. धारावी में किस प्रकार की वस्तुएँ बनाई जाती हैं? उत्तर: नाजुक चीनी मिट्टी और मिट्टी के बर्तन, उत्तम कढ़ाई और ज़री का काम, परिष्कृत चमड़े के सामान, उच्च फैशन के कपड़े, बारीक नक्काशीदार धातु का काम, नाजुक आभूषण सेटिंग, लकड़ी की नक्काशी और फर्नीचर।

**लघु प्रश्न (3 अंक)**

प्रश्न1. "ध्वनि प्रदूषण भारत में एक बढ़ती हुई शहरी समस्या है"। ध्वनि प्रदूषण के प्रमुख स्रोत का मूल्यांकन करें।

उत्तर: ध्वनि प्रदूषण के मुख्य स्रोत हैं-• विभिन्न कारखाने, मशीनीकृत निर्माण और विध्वंस कार्य।

• ऑटोमोबाइल और विमान।

• विभिन्न त्योहारों और कार्यक्रमों में इस्तेमाल किए जाने वाले सायरन, लाउडस्पीकरों से होने वाला शोर।

• यातायात से उत्पन्न शोर।

प्रश्न2. झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले बच्चों को स्कूली शिक्षा से क्यों वंचित रखा जाता है?

उत्तर: प्रमुख कारण गरीबी, संसाधनों की कमी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सीमित पहुँच, गरीबी, बाल श्रम, पारिवारिक सहायता की कमी, भेदभाव और सामाजिक बहिष्कार, जागरूकता की कमी, सांस्कृतिक प्रथाएँ, विकलांगताएँ आदि हैं।

प्रश्न 3. निम्नलिखित चित्र का अध्ययन करें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें-

३.1. पाइप से पानी में क्या छोड़ा जा रहा है?

उत्तर: पाइप से गंदा, प्रदूषित पानी और अपशिष्ट पदार्थ निकल रहे हैं।

3.2. चित्र किस पर्यावरणीय मुद्दे को दर्शाता है?

उत्तर: चित्र जल प्रदूषण को दर्शाता है।

3.3. कौन सी मानवीय गतिविधि इस प्रदूषण का कारण बन रही है?

उत्तर: औद्योगिक अपशिष्ट डंपिंग और लापरवाही से कूड़ा फेंकना प्रदूषण का कारण बन रहा है।

प्रश्न 4. झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले बच्चों को स्कूली शिक्षा से क्यों वंचित रखा जाता है?

उत्तर: प्रमुख कारण गरीबी, संसाधनों की कमी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सीमित पहुँच, गरीबी, बाल श्रम, पारिवारिक सहायता की कमी, भेदभाव और सामाजिक बहिष्कार, जागरूकता की कमी, सांस्कृतिक प्रथाएँ, विकलांगता आदि हैं।

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

**प्रश्न 1. "भारत में शहरी क्षेत्रों में आम तौर पर भीड़भाड़ होती है और तेज़ी से बढ़ती आबादी को सहारा देने के लिए अपर्याप्त सुविधाएँ होती हैं।" कथन का औचित्य सिद्ध करें।**

उत्तर:

- शहरी क्षेत्रों की जनसंख्या बहुत तेज़ी से बढ़ रही है, जिससे सभी सुविधाओं पर बहुत दबाव पड़ रहा है।
- बढ़ती आबादी को सहारा देने के लिए सुविधाएँ पर्याप्त नहीं हैं।
- खराब स्वच्छता और प्रदूषित हवा।
- बड़ी मात्रा में कचरा उत्पन्न होता है और कचरा प्रबंधन की कोई उचित व्यवस्था नहीं है।
- जनसंख्या की अनियमित वृद्धि के परिणामस्वरूप झुग्गी-झोपड़ियाँ पैदा हुई हैं।
- भीड़भाड़ वाली संकरी गलियों में सुविधाएँ प्रदान करना मुश्किल है।
- शहरी क्षेत्रों में और उसके आस-पास औद्योगिक इकाइयाँ पर्यावरण को बदतर बनाती हैं।

**********

## मानचित्र  केवल विश्व के रूपरेखा राजनीतिक मानचित्र पर पहचान के लिए

### पुस्तक- मानव भूगोल के मूल सिद्धांत

### अध्याय- 4 प्राथमिक गतिविधियाँ

1. निर्वाह संग्रहण के क्षेत्र (उत्तरी कनाडा, उत्तरी, यूरेशिया और दक्षिणी चिली, अमेज़न बेसिन, उष्णकटिबंधीय, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी किनारे और दक्षिण पूर्व एशिया के आंतरिक भाग)

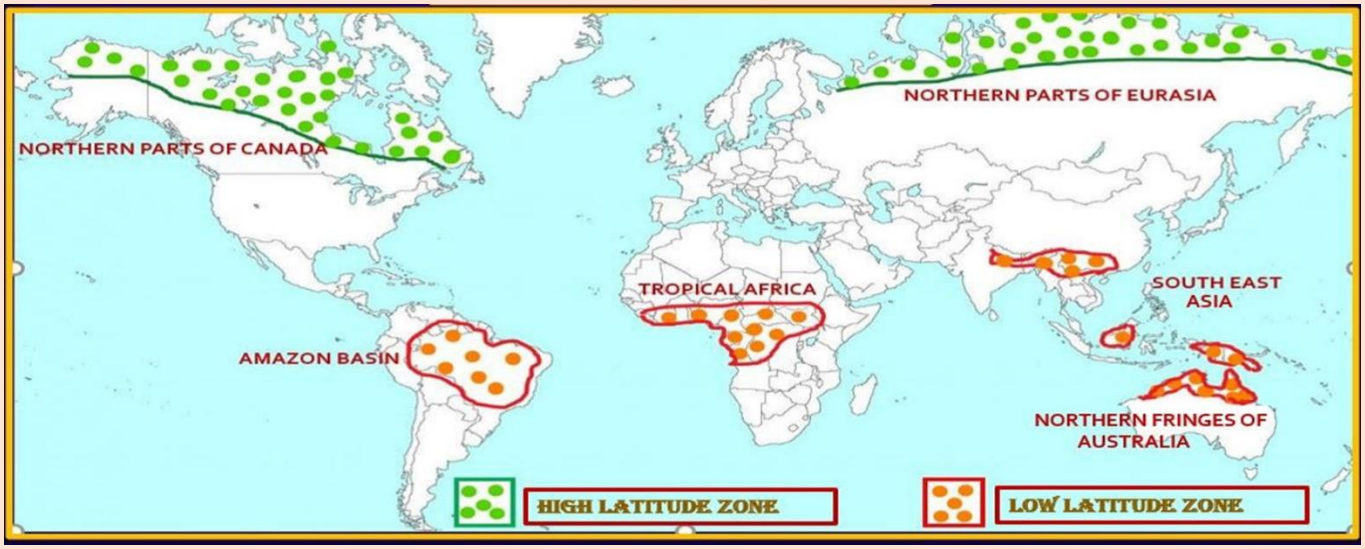


2. विश्व के खानाबदोश पशुपालन के प्रमुख क्षेत्र (उत्तरी अफ्रीका, मंगोलिया और मध्य चीन, यूरेशिया का टुंड्रा क्षेत्र, दक्षिण-पश्चिम अफ्रीका और मेडागास्कर)।

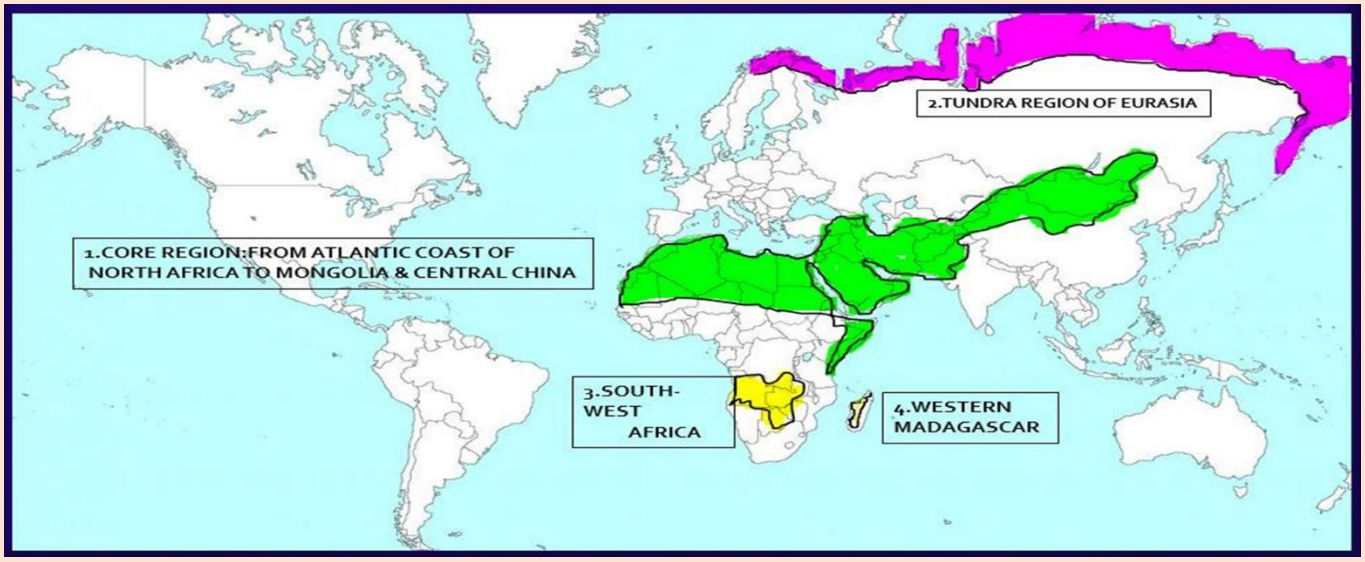


3. वाणिज्यिक पशुधन पालन के प्रमुख क्षेत्र (न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, उरुग्वे और संयुक्त राज्य अमेरिका)

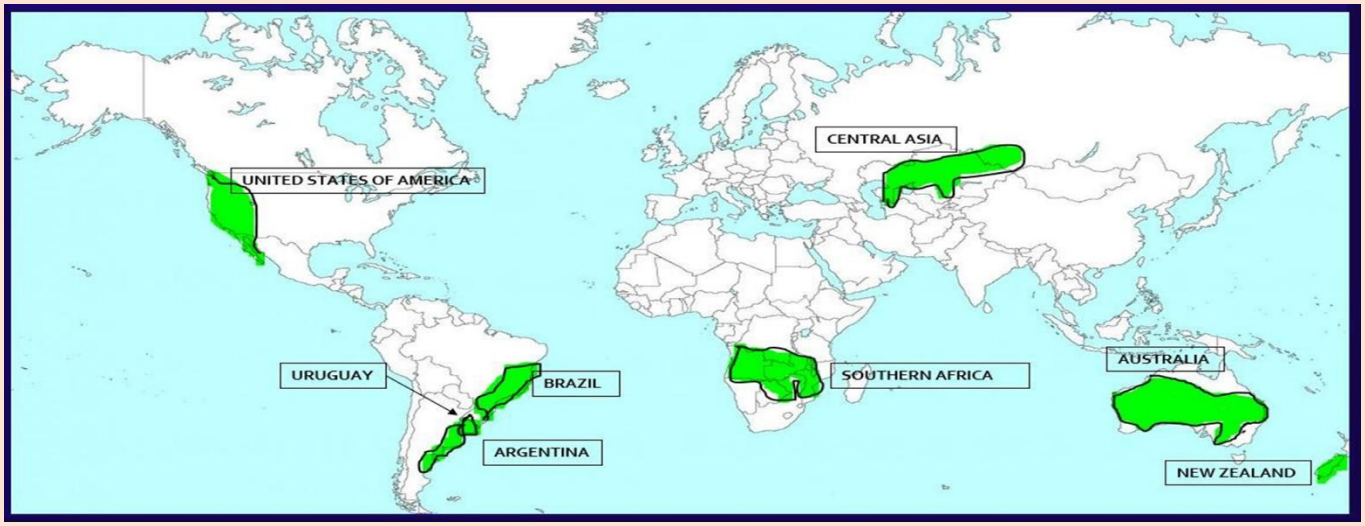

4. व्यापक वाणिज्यिक अनाज खेती के प्रमुख क्षेत्र (यूरेशियन स्टेप्स, कनाडाई और अमेरिकी प्रेयरी, अर्जेंटीना के पम्पास, दक्षिण अफ्रीका के वेल्ड्स, ऑस्ट्रेलियाई डाउन्स और न्यूजीलैंड के कैंटरबरी मैदान)।

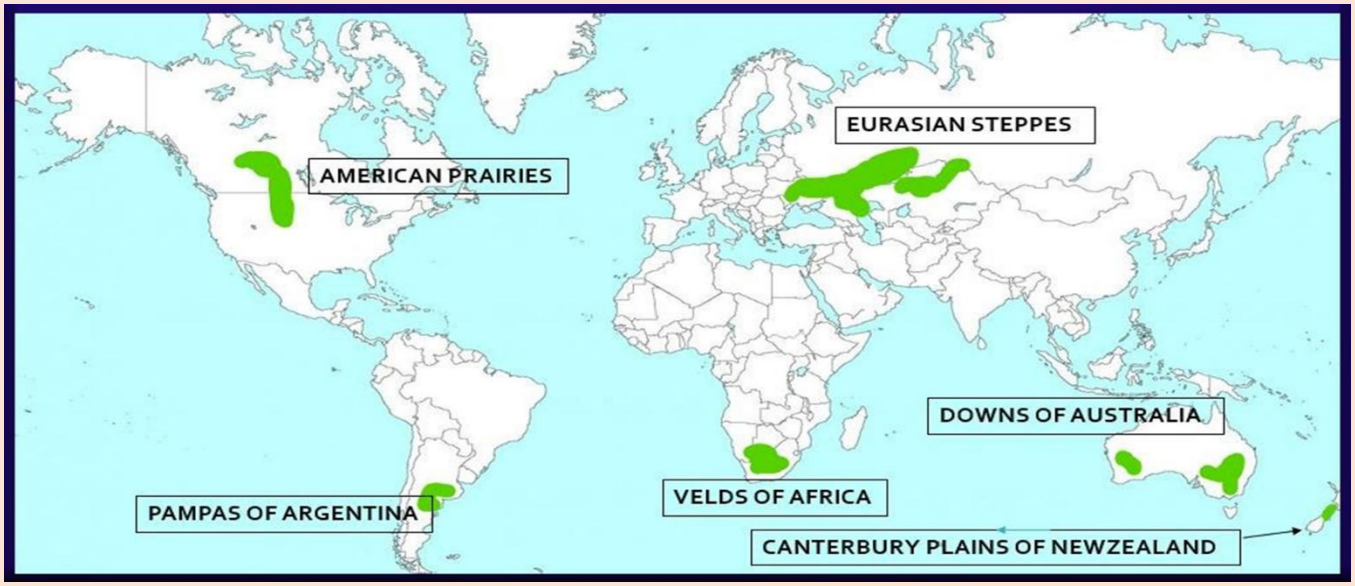


5. विश्व में मिश्रित कृषि के प्रमुख क्षेत्र (उत्तर-पश्चिमी यूरोप, पूर्वी उत्तरी अमेरिका, यूरेशिया के कुछ भाग और दक्षिणी महाद्वीपों के समशीतोष्ण अक्षांश)।

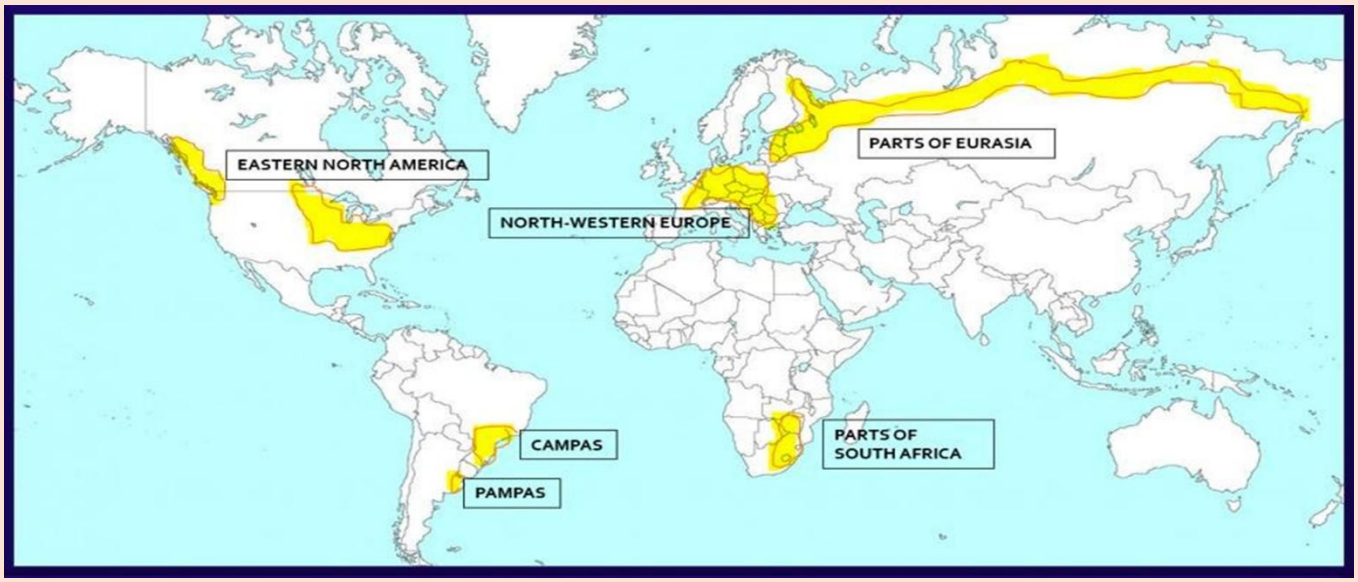


## अध्याय- 7 परिवहन संचार

1. ट्रांस-साइबेरियन रेलवे के टर्मिनल स्टेशन- सेंट पीटर्सबर्ग और व्लादिवोस्तोक।

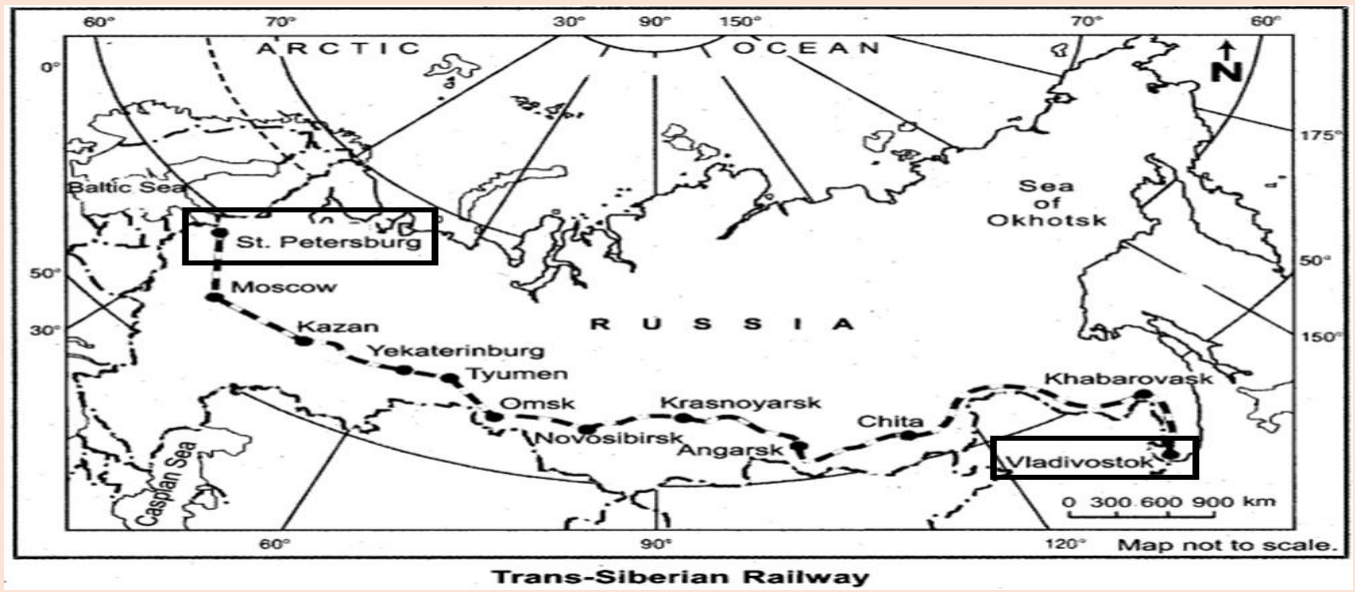

2. ट्रांस-कैनेडियन रेलवे के टर्मिनल स्टेशन- वैंकूवर और हैलिफैक्स।

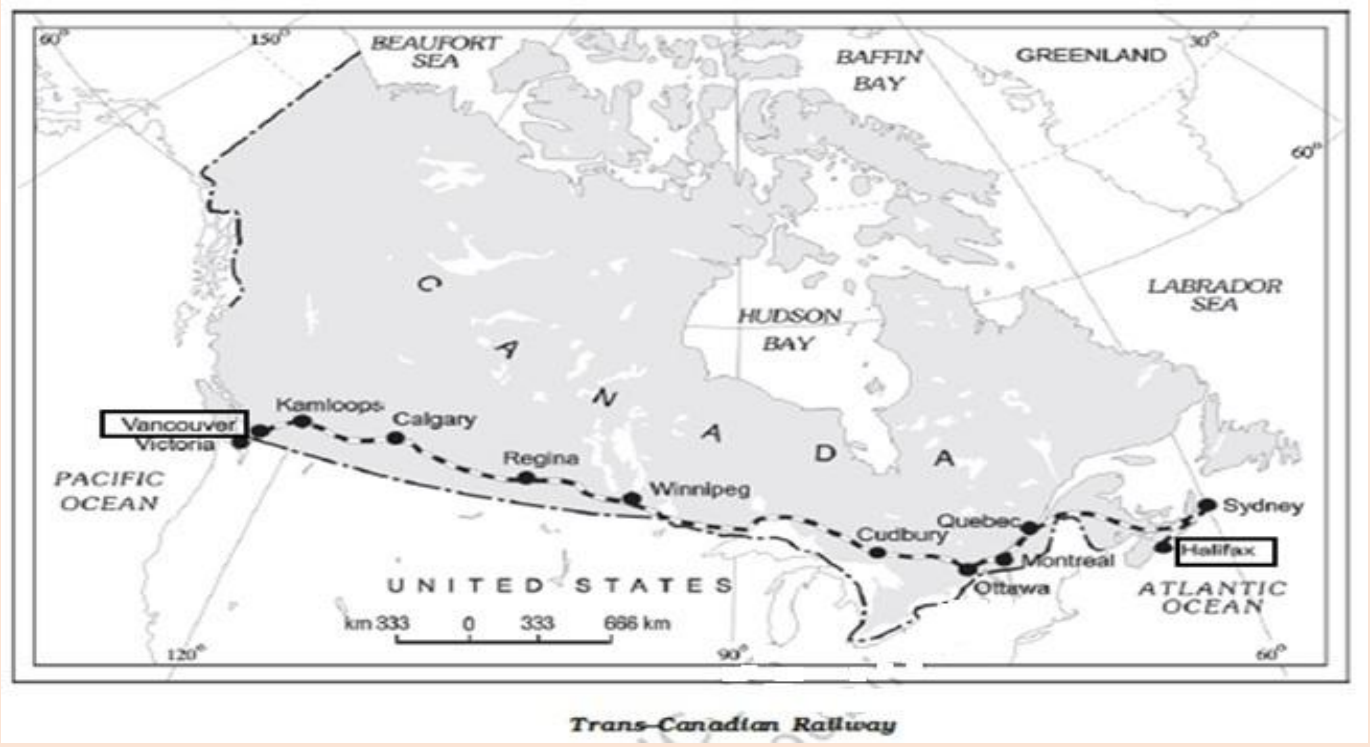


*Trans-Canadian Railway*

**3. ट्रांस-ऑस्ट्रेलियाई रेलवे के टर्मिनल स्टेशन- पर्थ और सिडनी।**

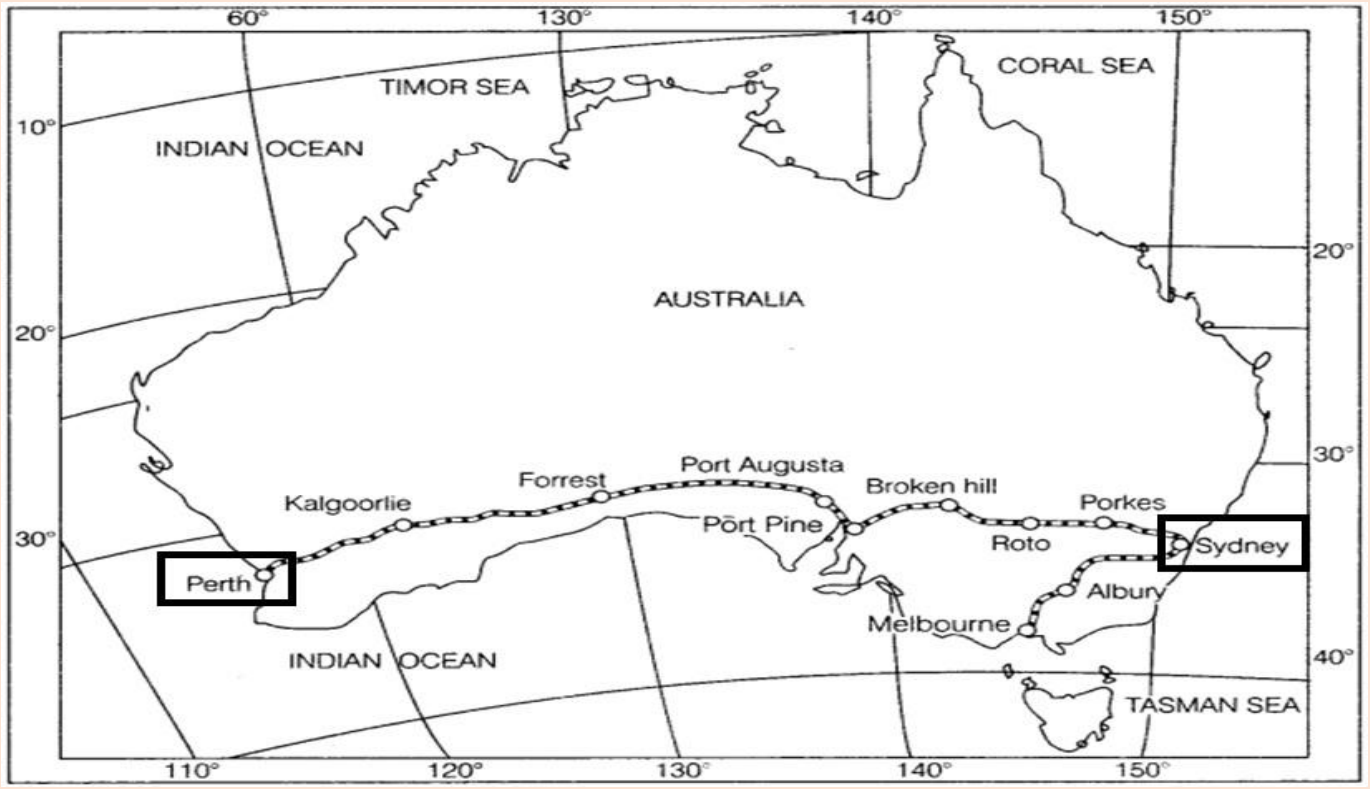


4. प्रमुख समुद्री बंदरगाह- यूरोप (उत्तरी केप, लंदन, हैम्बर्ग), उत्तरी अमेरिका (वैंकूवर, सैन फ्रांसिस्को, न्यू ऑरलियन्स), दक्षिण अमेरिका (रियो डी जेनेरो, कोलोन, वालपारासियो), अफ्रीका (स्वेज और केप टाउन), एशिया (योकोहामा, शंघाई,

हांगकांग, अदन, कराची, कोलकाता), ऑस्ट्रेलिया (पर्थ, सिडनी, मेलबर्न)।

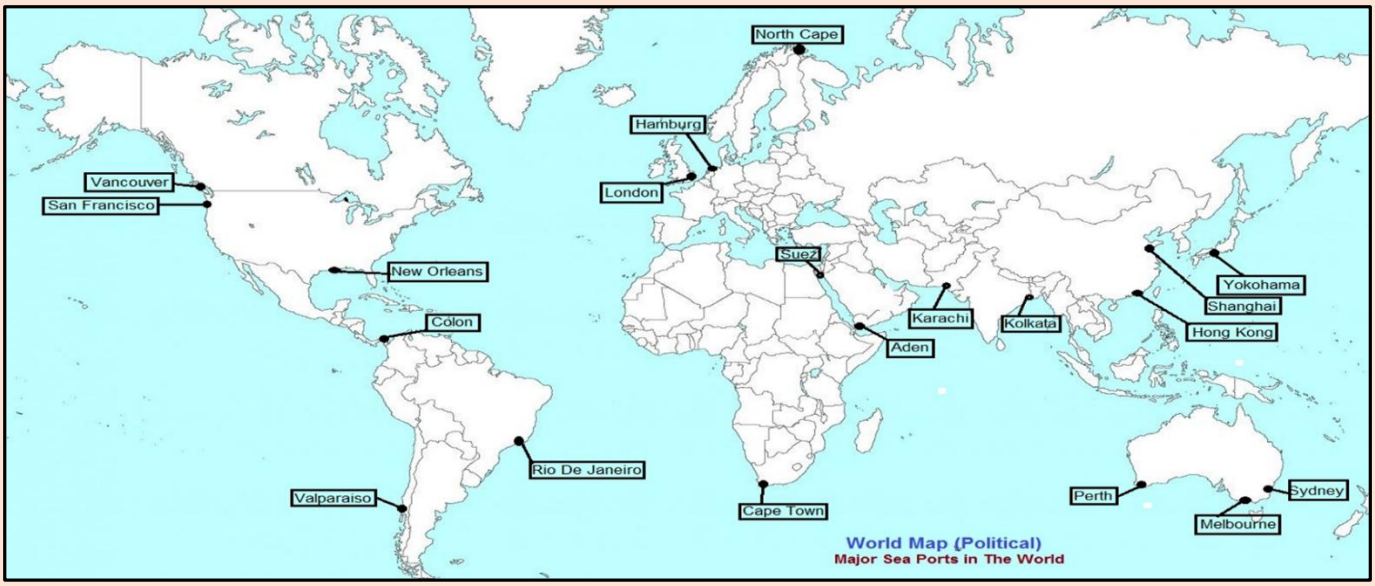


5. प्रमुख हवाई अड्डे- एशिया (टोक्यो, बीजिंग, मुंबई, जेद्दा, अदन), अफ्रीका (जोहान्सबर्ग और नैरोबी), यूरोप (मास्को, लंदन, पेरिस, बर्लिन और रोम), उत्तरी अमेरिका (शिकागो, न्यू ऑरलियन्स, मैक्सिको सिटी), दक्षिण अमेरिका (ब्यूनस आयर्स, सैंटियागो), ऑस्ट्रेलिया (डार्विन और वेलिंगटन)

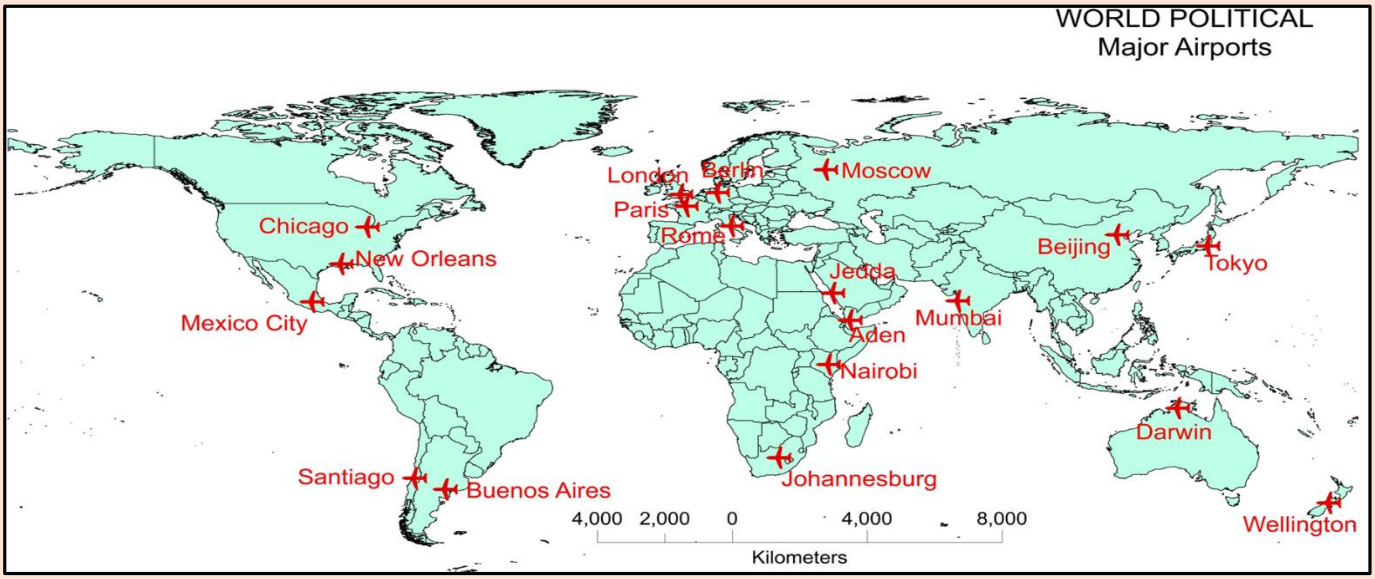


6. अंतर्देशीय जलमार्ग- स्वेज नहर, पनामा नहर, राइन जलमार्ग और सेंट लॉरेंस समुद्री मार्ग।

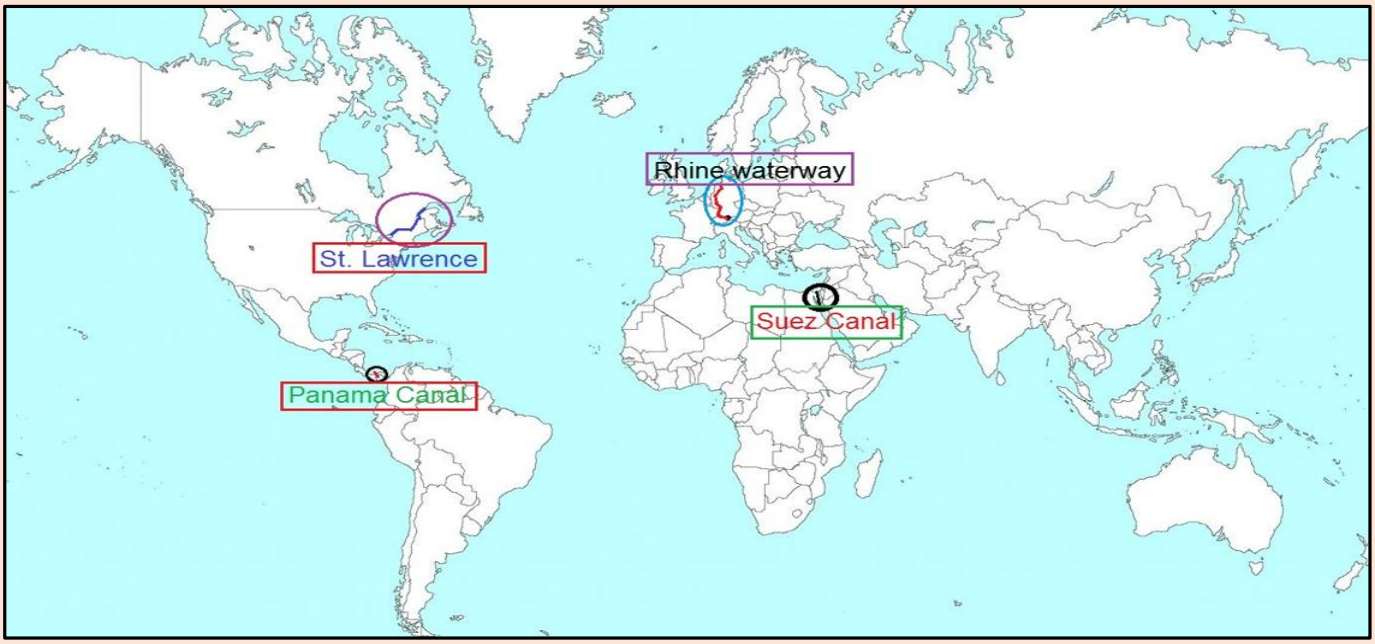

## भारत के राजनीतिक रूपरेखा मानचित्र पर स्थान निर्धारण और लेबलिंग के लिए मानचित्र

पुस्तक- भारत: लोग और अर्थव्यवस्था

अध्याय- 1 जनसंख्या वितरण घनत्व वृद्धि और संरचना

1. उच्चतम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य और सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य (2011)

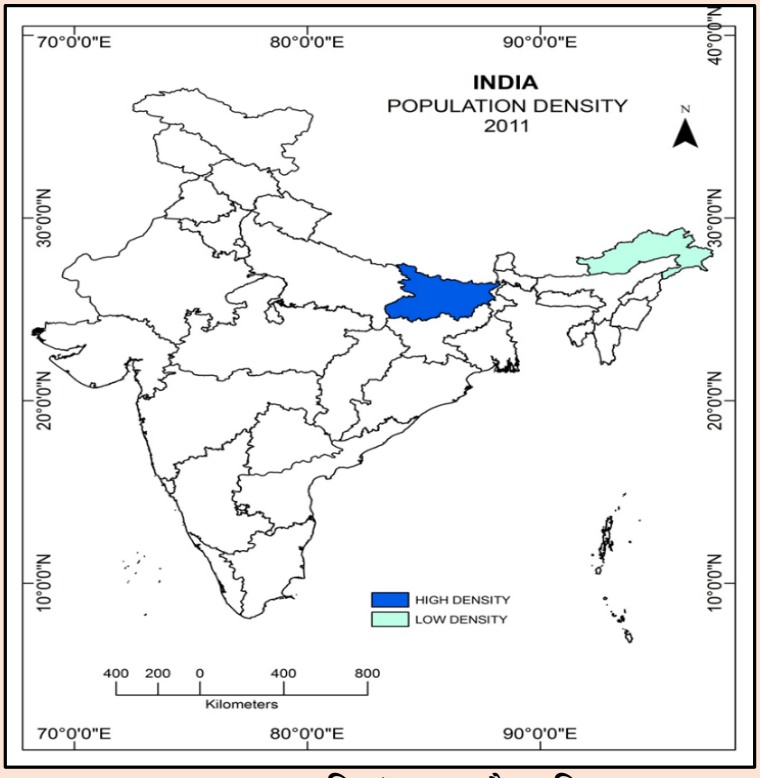


**अध्याय-3 भूमि संसाधन और कृषि**

1. निम्नलिखित फसलों के अग्रणी उत्पादक राज्य: (क) चावल (ख) गेहूँ (ग) कपास (घ) जूट (ङ) गन्ना (च) चाय और (छ) कॉफी।

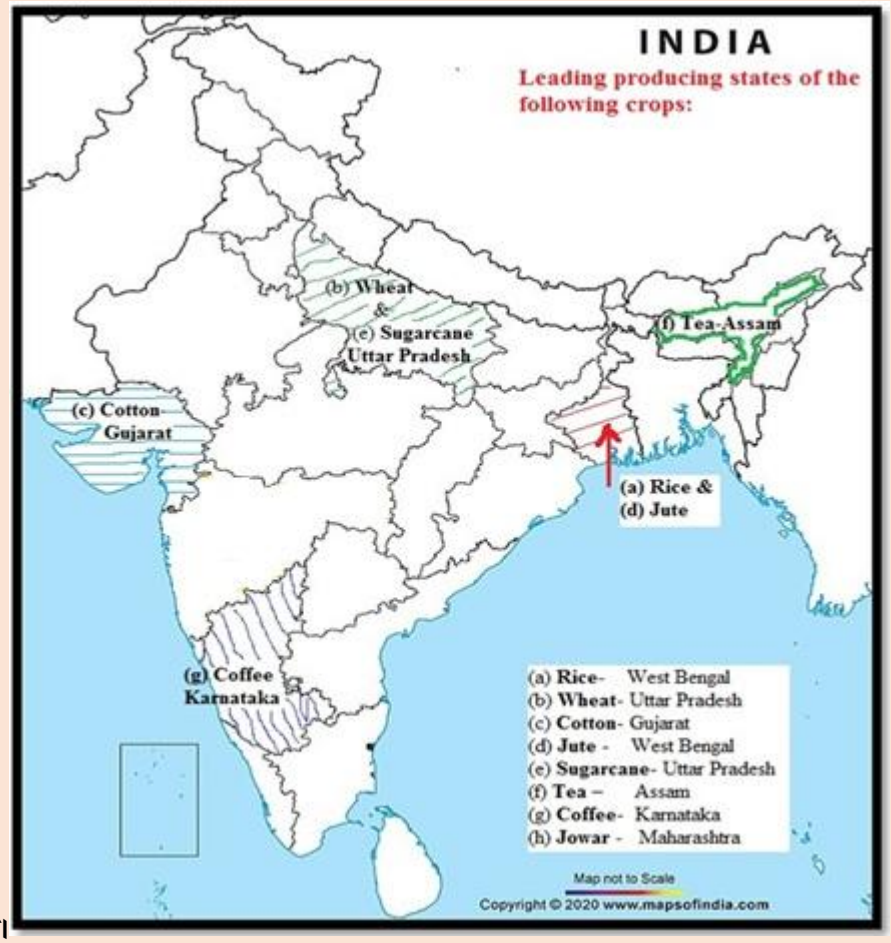

# अध्याय- 5 खनिज एवं ऊर्जा संसाधन

**1.** खानें: मैंगनीज खानें (बालाघाट, शिमोगा), तांबा खानें (हजारीबाग, सिंहभूम,कृषि), लौह अयस्क खदानें (मयूरभंज, बेलाडीला, रत्नागिरी और बेल्लारी), तेल रिफाइनरियां (मथुरा,जामनगर, बरौनी )

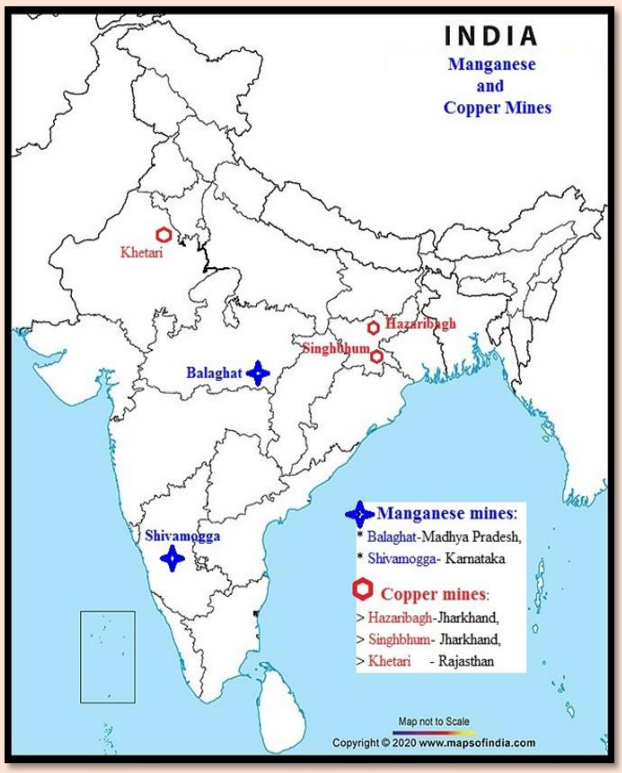


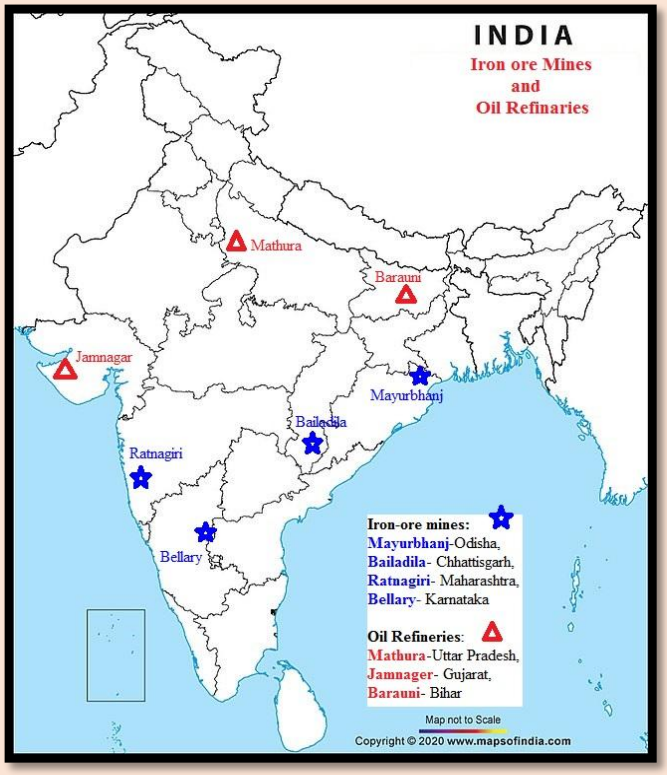


2. बॉक्साइट खदानें (कटेनी, बिलासपुर और कोरापुट), कोयला खदानें (झरिया, बोकर, रानीगंज, निवेली)।

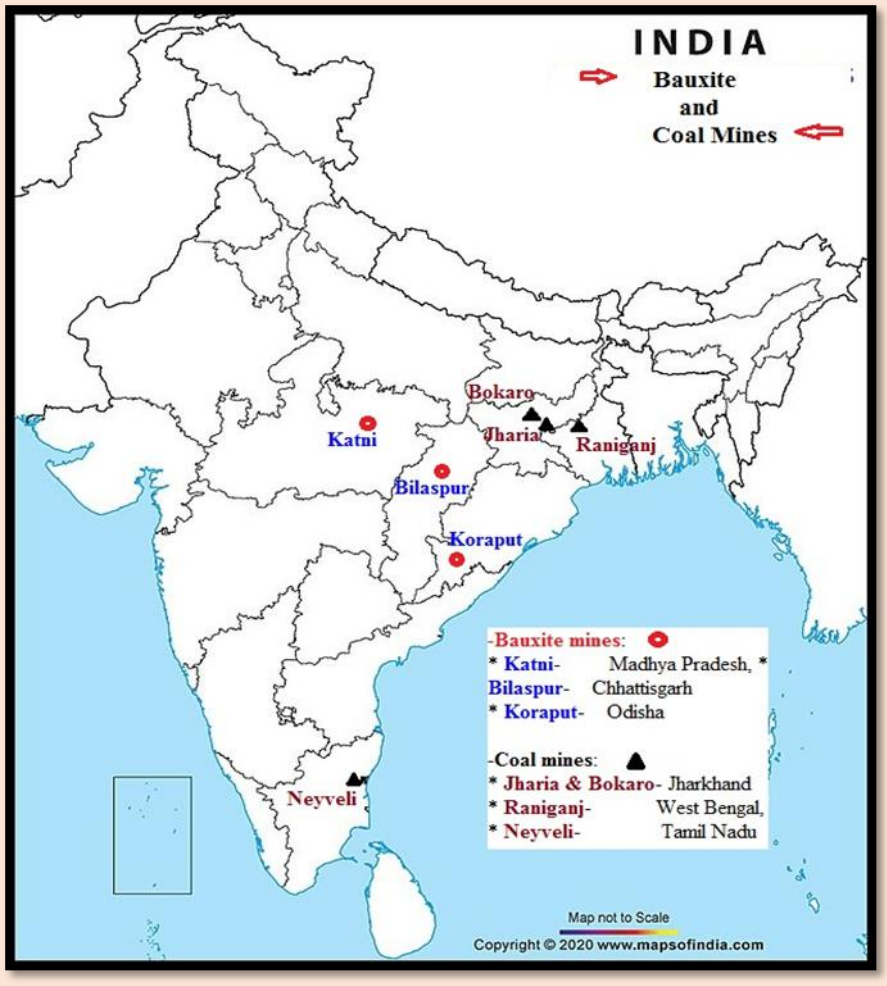

# अध्याय- 8 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

1. प्रमुख बंदरगाह: कैंडी, मुंबई, मोरमुगाओ, कोच्चि, मैंगलोर, तूतीकोरिन, चेन्नई, विशाखापत्तनम, पारादीप, हल्दिया।

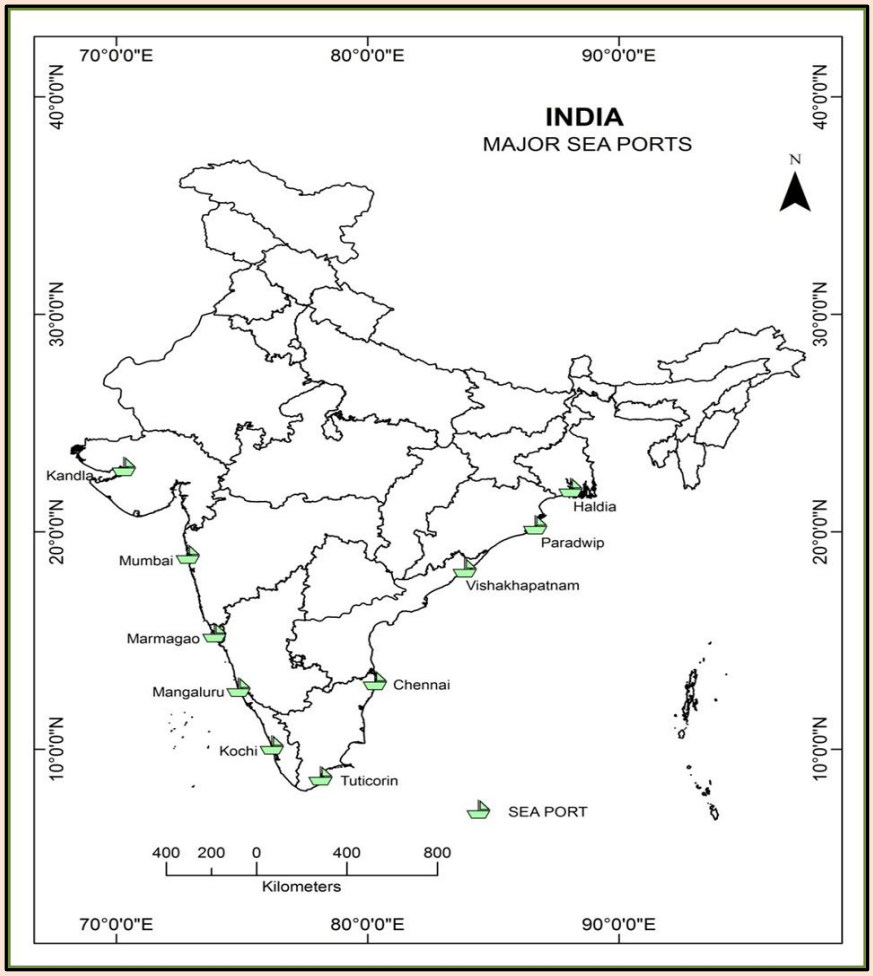


2. अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे: अहमदाबाद, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता, गुवाहाटी, दिल्ली, अमृतसर, तिरुवनंतपुरम और हैदराबाद।

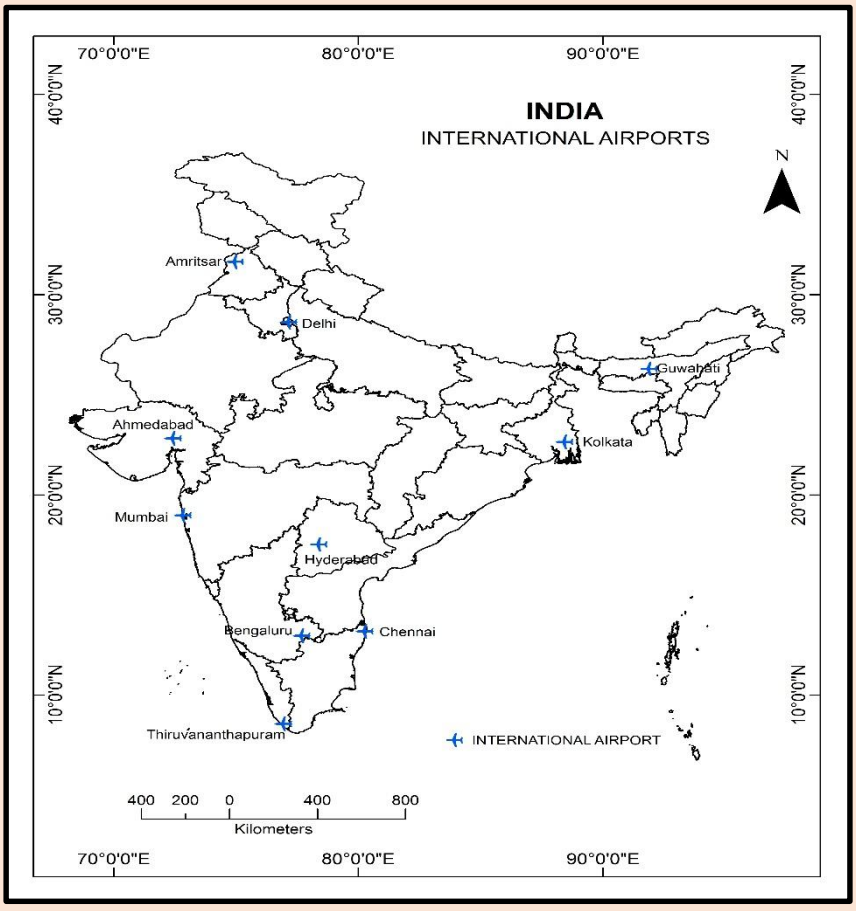

**SAMPLE QUESTION PAPER**

**GEOGRAPHY (029)**

**Class: XII: 2024 – 25**

Time allowed: 3 Hours Maximum marks: 70

सामान्य निर्देश:

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उनका पालन करें:

(i) इस प्रश्न पत्र में 30 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) प्रश्न पत्र पाँच खंडों A, B, C, D और E में विभाजित है।

(iii) खंड A प्रश्न संख्या 1 से 17 बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।

(iv) खंड B प्रश्न संख्या 18 और 19 स्रोत-आधारित प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है।

(v) खंड C प्रश्न संख्या 20 से 23 लघु उत्तर प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है। इन प्रश्नों के उत्तर 80 से 100 शब्दों में लिखे जाने चाहिए।

(vi) खंड D प्रश्न संख्या 24 से 28 दीर्घ उत्तर प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। इन प्रश्नों के उत्तर 120 से 150 शब्दों में लिखे जाने चाहिए।

(vii) खंड E के प्रश्न संख्या 29 और 30 मानचित्र आधारित प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

(viii) इसके अतिरिक्त, ध्यान दें कि दृश्य इनपुट, मानचित्र आदि वाले प्रश्नों के स्थान पर दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए एक अलग प्रश्न प्रदान किया गया है। ऐसे प्रश्न केवल दृष्टिबाधित उम्मीदवारों द्वारा ही हल किए जाने हैं।

(ix) प्रश्न पत्र में कोई समग्र विकल्प नहीं दिया गया है। हालाँकि, खंड A के अलावा सभी खंडों में कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प प्रदान किया गया है।

## खंड A

प्रश्न संख्या 1 से 17 बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न हैं। (17X1)

1.मानव गरीबी सूचकांक किस पैरामीटर/मापदंडों के आधार पर मानव विकास में कमी को मापता है? 1

A. वयस्क साक्षरता दर और जन्म के समय जीवन प्रत्याशा।

B. क्रय शक्ति के संदर्भ में संसाधनों तक पहुँच।

C. कम वजन वाले छोटे बच्चों की संख्या।

D. स्कूल में नामांकित बच्चों की संख्या।

2.अभिकथन (A) और कारण (R) के रूप में चिह्नित दो कथन हैं। नीचे दिए गए कोड के अनुसार अपना उत्तर चिह्नित करें। 1

अभिकथन (A): अक्सर छोटे देशों ने बड़े देशों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है और अपेक्षाकृत गरीब देशों को मानव विकास के मामले में अमीर पड़ोसियों की तुलना में उच्च स्थान दिया गया है।

कारण (R): क्षेत्र का आकार और प्रति व्यक्ति आय सीधे मानव विकास से संबंधित नहीं हैं। उच्च मानव विकास वाले देश वे हैं जहाँ सामाजिक क्षेत्र में बहुत अधिक निवेश हुआ है। विकल्प:

A. (A) और (R) दोनों सत्य हैं लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

B. (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

C. (A) और (R) दोनों गलत हैं।

D. (A) सही है लेकिन (R) गलत है।

3.ग्रामीण विपणन केंद्रों से संबंधित निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है? सही विकल्प चुनें। 3

i. ग्रामीण विपणन केंद्र आस-पास की बस्तियों की सेवा करते हैं।

ii. ग्रामीण विपणन केंद्र सबसे अल्पविकसित प्रकार के अर्ध-शहरी व्यापार केंद्र हैं।

iii. वे निर्मित वस्तुओं की पेशकश करते हैं और साथ ही कई विशिष्ट बाजार विकसित होते हैं, जैसे श्रम, आवास, अर्ध या तैयार उत्पादों के लिए बाजार।

iv. व्यक्तिगत और पेशेवर सेवाएं अच्छी तरह से विकसित नहीं हैं। ये स्थानीय संग्रह और वितरण केंद्र बनाते हैं।

विकल्प:

A. i, ii, iv B. i, iii, iv C. ii, iii, iv D. i, ii, iii

4.अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के इतिहास से संबंधित निम्नलिखित तथ्यों को क्रम में व्यवस्थित करें। 1

i. रेशम मार्ग रोम को चीन से जोड़ने वाले लंबी दूरी के व्यापार का एक प्रारंभिक उदाहरण है - 6,000 किमी के मार्ग के साथ।

ii. रोमन साम्राज्य के विघटन के बाद, बारहवीं और तेरहवीं शताब्दी के दौरान यूरोपीय वाणिज्य में वृद्धि हुई, समुद्री युद्धपोतों के विकास के साथ यूरोप और एशिया के बीच व्यापार बढ़ा और अमेरिका की खोज हुई।

iii. पंद्रहवीं शताब्दी के बाद, यूरोपीय उपनिवेशवाद शुरू हुआ और विदेशी वस्तुओं के व्यापार के साथ-साथ व्यापार का एक नया रूप उभरा जिसे दास व्यापार कहा जाता था।

iv. प्रथम और द्वितीय विश्व युद्धों के दौरान, देशों ने पहली बार व्यापार कर और मात्रात्मक प्रतिबंध लगाए।

कोड

A. i, ii, iv, v B. iv, ii, iii, I C. i, ii, iii, iv D. iii, ii, iv, i

5.टैरिफ जैसी व्यापार बाधाओं को कम करके और हर जगह से वस्तुओं और सेवाओं को घरेलू उत्पादों और सेवाओं के साथ प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देकर अर्थव्यवस्थाओं को व्यापार के लिए खोलने के कार्य को कहा जाता है। 1

A. डंपिंग B. व्यापार उदारीकरण

C. व्यापार संतुलन D. द्विपक्षीय व्यापार

6.निम्नलिखित राज्यों को उनकी जनसंख्या के क्रम में सबसे अधिक से सबसे कम तक व्यवस्थित करें। 1

1. बिहार 2. महाराष्ट्र 3. उत्तर प्रदेश 4. पश्चिम बंगाल

कोड:

A. 1, 3, 2, 4 B. 4, 3, 2, 1 C. 3, 2, 1, 4 D. 2, 1, 4, 3

7.भारत में पिछली एक सदी में जनसंख्या वृद्धि के चार अलग-अलग चरण पहचाने गए हैं। दिए गए विवरण से चरण की पहचान करें। 1

इस अवधि को भारत में जनसंख्या विस्फोट की अवधि के रूप में जाना जाता है, जो मृत्यु दर में तेजी से गिरावट के कारण हुआ था, लेकिन देश में जनसंख्या की उच्च प्रजनन दर थी। औसत वार्षिक वृद्धि दर 2.2 प्रतिशत जितनी अधिक थी। यह इस अवधि में है कि एक केंद्रीकृत योजना प्रक्रिया के माध्यम से विकासात्मक गतिविधियाँ शुरू की गईं और अर्थव्यवस्था ने बड़े पैमाने पर लोगों की जीवन स्थिति में सुधार सुनिश्चित करना शुरू कर दिया। परिणामस्वरूप, उच्च प्राकृतिक वृद्धि और उच्च विकास दर थी। 1

A. चरण I 1901-1921

B. चरण II 1921-1951

C. चरण III 1951-1981

D. चरण IV 1981 के बाद से वर्तमान तक

8.सुरक्षात्मक सिंचाई का उद्देश्य है: 1

A. फसलों को मिट्टी की नमी की कमी के प्रतिकूल प्रभावों से बचाना।

B. उच्च उत्पादकता प्राप्त करने के लिए फसल के मौसम में पर्याप्त मिट्टी की नमी प्रदान करना।

C. खेती की गई भूमि के प्रति इकाई क्षेत्र में पानी का इनपुट दोगुना करना ताकि कई फसलें ली जा सकें।

D. मिट्टी की उत्पादकता में वृद्धि करना।

9.अभिकथन (A) और कारण (R) के रूप में चिह्नित दो कथन हैं। नीचे दिए गए कोड के अनुसार अपना उत्तर चिह्नित करें।

अभिकथन (A): पिछले 50 वर्षों के दौरान प्रौद्योगिकी में सुधार के कारण चावल और गेहूं जैसी कई फसलों के साथ-साथ गन्ना, तिलहन और कपास की कृषि उपज और उपज में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

कारण (R): देश में कृषि उत्पादन को बढ़ाने में सिंचाई के विस्तार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने पिछले 50 वर्षों के दौरान आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी की शुरूआत के लिए आधार प्रदान किया।

विकल्प: 1

A. (A) और (R) दोनों सत्य हैं लेकिन R, (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

B. (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

C. (A) और (R) दोनों गलत हैं।

D. (A) सही है लेकिन (R) गलत है।

10 वाटरशेड प्रबंधन के संबंध में कौन सा कथन सत्य नहीं है? 1

I. यह सतही और भूजल संसाधनों के कुशल प्रबंधन और संरक्षण को संदर्भित करता है।

II. वाटरशेड प्रबंधन में वाटरशेड के भीतर सभी संसाधनों - प्राकृतिक और मानवीय दोनों का विवेकपूर्ण उपयोग शामिल है।

III. वाटरशेड प्रबंधन का उद्देश्य एक ओर प्राकृतिक संसाधनों और दूसरी ओर समाज के बीच संतुलन लाना है।

IV. वाटरशेड विकास की सफलता पूरी तरह से राज्य सरकार पर निर्भर करती है।

विकल्प:

A. कथन I और IV

B. केवल II

C. केवल III

D. कथन IV

11 छात्रों का एक समूह दिल्ली में जल प्रदूषण के स्तर पर शोध कर रहा था। छात्रों को जल गुणवत्ता के बारे में जानकारी एकत्र करने के लिए किस संगठन का दौरा करना होगा?

A. दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (DPCC)

B. भारतीय पर्यावरण अनुसंधान परिषद (ICER)

C. राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी (NWDA)

D. केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB)

12 निम्नलिखित में से कौन सा गलत तरीके से मेल खाता है? 1

| सूची I (राज्य का नाम) | सूची II (कोयला खनन केंद्र) |
|---|---|
| A. पश्चिम बंगाल | I. रानीगंज |
| B. तमिलनाडु | 2. नेवेली |
| C. महाराष्ट्र | 3. कोरबा |
| D. ओडिशा | 4. तालचेर |

13 उपग्रह अपने आप में संचार का एक माध्यम है और साथ ही वे संचार के अन्य साधनों के उपयोग को नियंत्रित करते हैं। भारत द्वारा उपयोग की जाने वाली सही उपग्रह प्रणाली चुनें। 1

1. भारत सुदूर संवेदन उपग्रह प्रणाली (IRS)

2. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)

3. भारतीय राष्ट्र उपग्रह प्रणाली (INSAT)

4. भारत क्षेत्रीय नेविगेशन उपग्रह प्रणाली

कोड

A. I और III दोनों

B. केवल I

C. II और III दोनों

D. केवल IV

14 भारत सरकार द्वारा शुरू की गई सेतुभारतम परियोजना का लक्ष्य क्या है?

A. तटीय सीमा क्षेत्रों के साथ राज्य सड़कों का विकास।

B. लगभग 1500 प्रमुख पुलों और 200 रेल ओवर ब्रिज और रेल अंडर ब्रिज का निर्माण।

C. सीमा सड़कों का विकास।

D. अधिक जलमार्गों का निर्माण।

15.ग्राफ को पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्न संख्या 15-17 के उत्तर दें

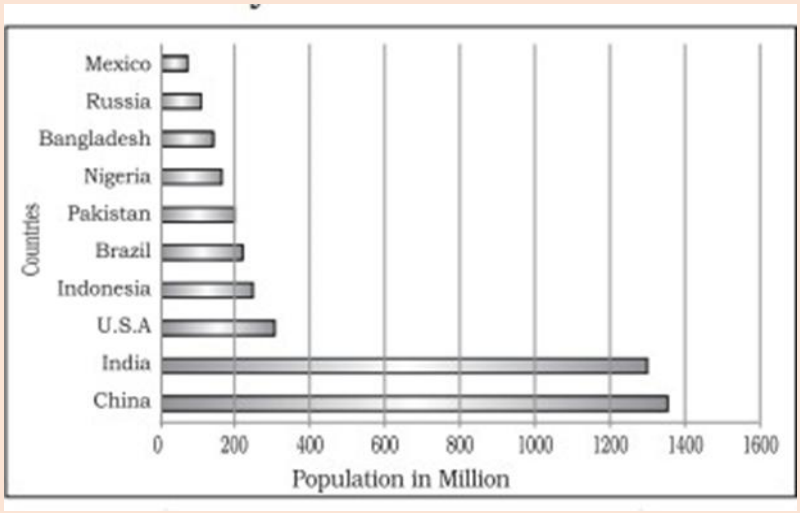


सबसे अधिक आबादी वाला देश कौन सा है?

A. रूस B. भारत C. कनाडा D. चीन

15.निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए प्रश्न 15 के स्थान पर है।

सबसे अधिक आबादी वाला देश कौन सा है?

A. रूस B. भारत C. कनाडा D. चीन

16.उस अफ्रीकी देश की पहचान करें जिसकी जनसंख्या बहुत अधिक है।

A. मेक्सिको B. ब्राज़ील C. पाकिस्तान D. नाइजीरिया

16.निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए प्रश्न 16 के स्थान पर है।

जनसंख्या वितरण शब्द का क्या अर्थ है?

A. किसी विशिष्ट क्षेत्र में रहने वाले लोगों की कुल संख्या।

B. किसी दिए गए क्षेत्र में लोगों की व्यवस्था या फैलाव।

C. समय के साथ जनसंख्या में वृद्धि की दर।

D. जनसंख्या में प्रति 1,000 लोगों पर जन्मों की संख्या।

17 दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देशों की संख्या किस महाद्वीप में है?

A. अफ्रीका B. उत्तरी अमेरिका C. एशिया D. दक्षिण अमेरिका

निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए प्रश्न 17 के स्थान पर है।

किस महाद्वीप में दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देशों की संख्या सबसे अधिक है?

A. अफ्रीका B. उत्तरी अमेरिका C. एशिया D. दक्षिण अमेरिका 1

## अनुभाग B

**प्रश्न संख्या 18 और 19 स्रोत-आधारित प्रश्न हैं। 2x3=6**

**18 गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें: 2x3=6**

पर्यटन 3 x1=3

पर्यटन कुल पंजीकृत नौकरियों (250 मिलियन) और कुल राजस्व (कुल सकल घरेलू उत्पाद का 40 प्रतिशत) में दुनिया की सबसे बड़ी तृतीयक गतिविधि बन गई है। इसके अलावा, कई स्थानीय व्यक्ति, पर्यटकों की सेवा करने वाले आवास, भोजन, परिवहन, मनोरंजन और विशेष दुकानों जैसी सेवाएँ प्रदान करने के लिए नियोजित हैं। पर्यटन बुनियादी ढाँचा उद्योगों, खुदरा व्यापार और शिल्प उद्योगों (स्मृति चिन्ह) के विकास को बढ़ावा देता है। कुछ क्षेत्रों में, पर्यटन मौसमी होता है क्योंकि छुट्टियों की अवधि अनुकूल मौसम की स्थिति पर निर्भर करती है, लेकिन कई क्षेत्र पूरे साल पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

भूमध्यसागरीय तट और भारत के पश्चिमी तट के आसपास के गर्म स्थान दुनिया के कुछ लोकप्रिय पर्यटन स्थल हैं। अन्य में मुख्य रूप से पहाड़ी क्षेत्रों में पाए जाने वाले शीतकालीन खेल क्षेत्र और विभिन्न सुंदर परिदृश्य और राष्ट्रीय उद्यान शामिल हैं, जो बिखरे हुए हैं। ऐतिहासिक शहर भी स्मारक, विरासत स्थलों और सांस्कृतिक गतिविधियों के कारण पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

(I) पर्यटन क्या है?

(II) दो प्रसिद्ध वैश्विक पर्यटन स्थलों की सूची बनाएँ।

(III) "पर्यटन दुनिया में सबसे बड़ी तृतीयक गतिविधि बन गया है"। टिप्पणी करें।

19 निम्नलिखित तालिका का अध्ययन करें और प्रश्नों के उत्तर दें:

| *Level of Human Development* | *Score in Development Index* | *Number of Countries* |
|---|---|---|
| Very High | above 0.800 | 66 |
| High | between 0.700 up to 0.799 | 53 |
| Medium | between 0.550 up to 0.699 | 37 |
| Low | below 0.549 | 33 |

*Source: Human Development Report, 2020*

3 x1=3

(I) मध्यम मानव विकास वाले देशों के लिए मानव विकास स्कोर की पहचान करें?

(II) आप उच्च स्तर के मानव विकास वाले देशों में रहने वाले लोगों की भलाई के बारे में क्या अनुमान लगा सकते हैं?

(III) 33 देशों में मानव विकास के निम्न स्तर के कारण बताएँ।

## खंड C

**प्रश्न संख्या 20 से 23 लघु उत्तरीय प्रश्न हैं 4x3=12**

20 वास्तविक जीवन के उदाहरण की मदद से प्रकृति के मानवीकरण की व्याख्या करें।

या

"नव-नियतिवाद की अवधारणा की तुलना चौराहे पर ट्रैफिक लाइट से की जाती है"। उदाहरणों के साथ कथन का विश्लेषण करें। 3

21 स्वेज नहर के मानचित्र का अध्ययन करें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:

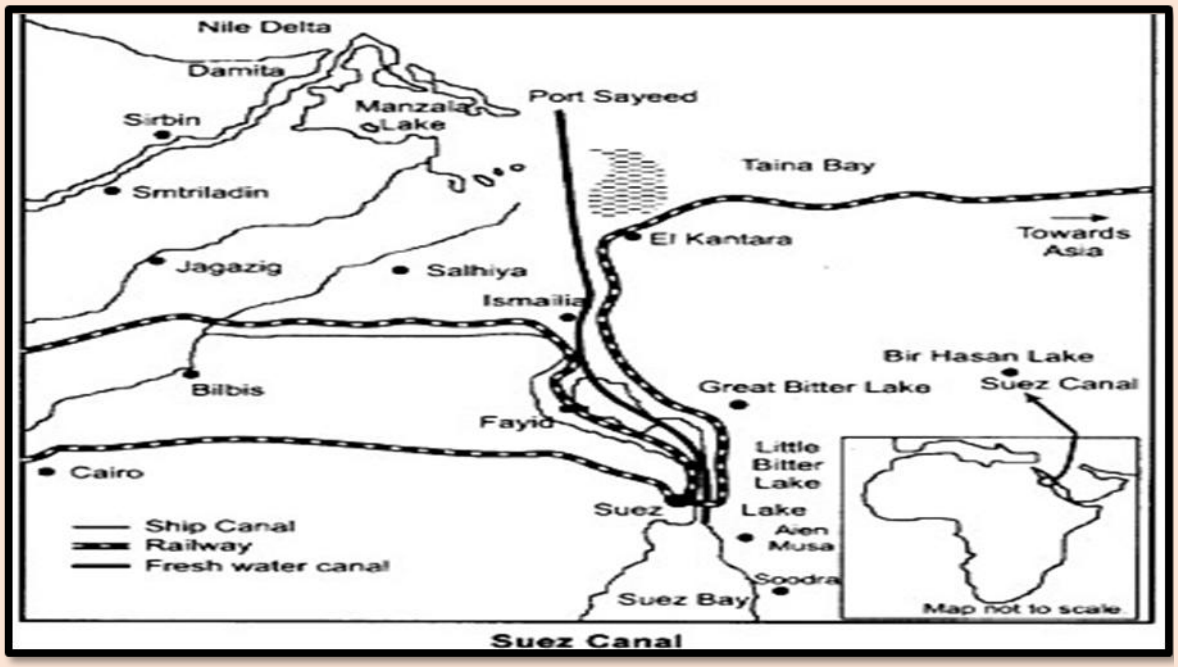


(I) स्वेज नहर से जुड़े दो समुद्रों के नाम बताएँ।

(II) हम इसे हिंद महासागर के लिए यूरोप का प्रवेश द्वार क्यों मानते हैं?

(III) स्वेज नहर की एक विशेषता लिखिए। 1+1+1=3

21.1 निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों के लिए प्रश्न 21 के स्थान पर हैं

(I) पनामा नहर द्वारा जुड़े दो महासागरों के नाम बताइए।

(II) पनामा नहर की एक अनूठी विशेषता लिखिए।

(III) यह नहर लैटिन अमेरिका की अर्थव्यवस्थाओं के लिए क्यों महत्वपूर्ण है? 1+1+1=3

22 एक स्मार्ट शहर के लिए प्रस्ताव तैयार करें जो स्थिरता, स्वच्छता और सामर्थ्य को प्राथमिकता देते हुए शहरी जीवन को बेहतर बनाने के लिए उन्नत तकनीक को एकीकृत करता है। 3

23 किशोर आबादी के संबंध में समाज के सामने आने वाली चुनौतियों को सूचीबद्ध करें। इन समस्याओं को दूर करने के लिए कुछ उपायों को सूचीबद्ध करें। 2+1=3

## खंड D

**प्रश्न संख्या 24 से 28 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं- 5X5=25**

24 आदिम और आधुनिक समाजों के बीच आर्थिक गतिविधि के रूप में खाद्य संग्रह कैसे भिन्न होता है, और आज वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना क्यों नहीं है? 3+2=5

25 A. दुनिया भर में बड़े पैमाने के उद्योगों के विकास में योगदान देने वाले कारकों का आकलन करें।

या

B. उद्योगों के विकास के लिए परिवहन और संचार सुविधाओं तक पहुँच आवश्यक है।' उपयुक्त उदाहरण के साथ कथन की पुष्टि करें। 5

26 A. भरमौर क्षेत्र में कार्यान्वित एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना से प्राप्त लाभों का मूल्यांकन करें।

या

B. 'पहाड़ी क्षेत्र विकास कार्यक्रम निर्दिष्ट क्षेत्रों के लिए उनकी स्थलाकृतिक, पारिस्थितिक, सामाजिक और आर्थिक स्थितियों को ध्यान में रखते हुए शुरू किए गए थे।' कथन की पुष्टि करें। 5

27 A. भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वस्तुओं की संरचना पिछले कुछ वर्षों में बदल रही है। उपयुक्त तर्कों के साथ कथन की पुष्टि करें।

या

B. 'हवाई परिवहन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है'। उपयुक्त तर्कों के साथ कथन की पुष्टि करें। 5

28 A. 'कचरे की मात्रा में भारी वृद्धि के कारण ठोस कचरे से पर्यावरण प्रदूषण अब महत्वपूर्ण हो गया है'।

अथवा

B. ठोस कचरे में असंवहनीय वृद्धि के कारण बताएँ तथा शहरी क्षेत्रों में स्रोत पर कचरे के उत्पादन को नियंत्रित करने की दो रणनीतियों पर चर्चा करें। 5

## खंड E

**प्रश्न संख्या 29 और 30 मानचित्र आधारित प्रश्न हैं, जिनमें से प्रत्येक में 5 उप-भाग हैं। 2X5=10**

29 विश्व के दिए गए राजनीतिक मानचित्र पर, सात भौगोलिक विशेषताओं को A, B, C, D, E, F और G के रूप में चिह्नित किया गया है। निम्नलिखित जानकारी की सहायता से किन्हीं पाँच को पहचानें और प्रत्येक विशेषता के पास खींची गई रेखाओं पर उनके सही नाम लिखें।

A. एक प्रमुख बंदरगाह।

B. एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा।

C. एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग।

D. दक्षिण अमेरिका में निर्वाह संग्रह का एक क्षेत्र।

E. एशिया का एक महत्वपूर्ण बंदरगाह।

F. खानाबदोश पशुपालन का एक क्षेत्र।

G. व्यापक वाणिज्यिक अनाज कृषि का क्षेत्र। 5

**निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए प्रश्न संख्या 29 के स्थान पर हैं।**

**निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें:**

29 A. अफ्रीका के सबसे दक्षिणी सिरे पर स्थित एक प्रमुख बंदरगाह का नाम बताइए।

29 B. इटली के एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम बताइए।

29 C. उत्तरी अमेरिका में कौन सी नदी ग्रेट लेक्स को अटलांटिक महासागर से जोड़ती है?

29 D. दक्षिण अमेरिका में जीविका संग्रहण के एक क्षेत्र का नाम बताइए।

29 E. चीन के एक महत्वपूर्ण समुद्री बंदरगाह का नाम बताइए।

29 F. उत्तरी अफ्रीका में खानाबदोश पशुपालन के एक क्षेत्र का उल्लेख कीजिए।

29 G. न्यूजीलैंड में व्यापक वाणिज्यिक अनाज कृषि के क्षेत्र का नाम बताइए।

30 भारत के राजनीतिक रूपरेखा मानचित्र पर निम्नलिखित भौगोलिक विशेषताओं में से किन्हीं पाँच को उपयुक्त प्रतीकों के साथ चिह्नित करें और लेबल करें:

A. उड़ीसा में एक महत्वपूर्ण कोयला खदान।
B. कर्नाटक में एक महत्वपूर्ण बंदरगाह।
C. झरिया - कोयला खदानें।
D. उत्तर प्रदेश में एक तेल रिफाइनरी।
E. सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य।
F. चाय के उत्पादन में अग्रणी राज्य।
G. पंजाब में एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा।

**निम्नलिखित प्रश्न प्रश्न संख्या 30 के स्थान पर दृष्टिबाधित छात्रों के लिए हैं। किन्हीं पाँच का प्रयास करें।**

30.A उड़ीसा में एक महत्वपूर्ण कोयला खदान का नाम बताइए। 30.B कर्नाटक के एक महत्वपूर्ण बंदरगाह का नाम बताइए। 30.C महाराष्ट्र की एक महत्वपूर्ण कोयला खदान का नाम बताइए। 30.D उत्तर प्रदेश की एक तेल रिफाइनरी का नाम बताइए। 30.E सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाले राज्य का नाम बताइए। 30.F भारत के एक प्रमुख चाय उत्पादक राज्य का नाम बताइए। 30.G पंजाब के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम बताइए। 5

---

## सीबीएसई हल प्रश्न पत्र-2 2025

## भूगोल सिद्धांत (029) सेट-1 प्रश्न पत्र कोड 64/1/1

समय: 3 घंटे अधिकतम अंक: 70

**खंड-ए**

**प्रश्न संख्या 1 से 17 बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न हैं। (17x1=17)**

1. नीचे दो कथन दिए गए हैं। वे अभिकथन (A) और कारण (R) हैं। दोनों कथनों को ध्यान से पढ़ें और सही विकल्प चुनें:

अभिकथन (A): सभी विनिर्माण उद्योग कच्चे माल से जुड़े हैं।

कारण (R): संसाधन मानव अस्तित्व के लिए आवश्यक हैं।

विकल्प:

(A) दोनों (A) और (R) सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(B) दोनों (A) और (R) सत्य हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।

(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सीधा है।

2. निम्नलिखित में से कौन सा कथन खनन से संबंधित सही विकल्प है? सही विकल्प चुनें-

i. प्राचीन समय में खनिजों का उपयोग औजार और हथियार बनाने के लिए किया जाता था,

ii. सभी विकसित देश अपने विकास के लिए अधिक खनिजों का उपयोग कर रहे थे

iii. खनन का वास्तविक विकास औद्योगिक क्रांति के साथ शुरू हुआ।

iv. खनिज की खोज में कई चरण हैं।

विकल्प

(A) केवल ii, iii और iv सही हैं (B) केवल i, ii और iv सही हैं

(C) केवल i, iii और iv सही हैं। (D) केवल i, ii और iii सही हैं

3. निम्नलिखित में से चतुर्थक गतिविधि की मुख्य विशेषताओं की पहचान करें-

(A) यह विकास के लिए खनिज के निष्कर्षण से जुड़ा है।

(B) यह कच्चे माल के मूल्य को तैयार उत्पादों में बढ़ाने तक सीमित है

(C) यह अनुसंधान और विकास से संबंधित है।

(D) यह समाज के सभी लोगों की सेवा से जुड़ा है।

4. एशिया के निम्नलिखित हवाई अड्डों को उनके स्थानों के अनुसार पश्चिम से पूर्व की ओर व्यवस्थित करें और सही विकल्प चुनें- i. बीजिंग ii. टोक्यो iii. अदन iv. मुंबई

विकल्प: (A) iv, iii, ii, I (B) iv, iii, i, ii (C) iii, iv, ii और i (D), iii, iv, i और ii

5. किसी बंदरगाह द्वारा निर्यात की जाने वाली वस्तुओं को सबसे पहले विभिन्न देशों से लाया जाता है इस बंदरगाह को

(A) व्यापक बंदरगाह (B) आउटपोर्ट (C) एंटरपोट बंदरगाह (D) पैकेट स्टेशन के रूप में जाना जाता है

6. भारत की निम्नलिखित तेल रिफाइनरियों को उनके स्थानों के अनुसार दक्षिण से उत्तर दिशा में व्यवस्थित करें और सही विकल्प चुनें-

i. मुंबई ii. कोच्चि iii. कोयली iv. मंगलुरु

विकल्प:

(A) ii iv iii i (B) ii iv i iii (C) iv ii i iii (D) iv ii iii i

7. राजस्थान नहर के निर्माण के पहले चरण के जिले की पहचान करें।

(A) जैसलमेर (B) बाड़मेर (C) जोधपुर (D) गंगानगर

8. निम्नलिखित में से गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (GAIL) के मुख्य उद्देश्य की पहचान करें:

(A) अपने डिपो में प्राकृतिक गैस का परिवहन और भंडारण करना।

(B) विभिन्न राज्यों को प्राकृतिक गैस को संसाधित और आवंटित करना।

(C) प्राकृतिक गैस का परिवहन, प्रसंस्करण और विपणन करना।

(D) अधिक लाभ के लिए संग्रहीत प्राकृतिक गैस को बेचना।

9. नीचे दो कथन दिए गए हैं। वे अभिकथन (A) और कारण (R) हैं। दोनों कथनों को ध्यान से पढ़ें और सही विकल्प चुनें:

अभिकथन

(A): भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में जल परिवहन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कारण (R): भारत के पूर्वी तट पर पश्चिमी तट की तुलना में अधिक बंदरगाह हैं।

विकल्प: (A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।

(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

10. 'स्वच्छ भारत मिशन' के बारे में निम्नलिखित तथ्यों को ध्यान से पढ़ें और सही विकल्प चुनें:

i. यह शहरी नवीकरणीय मिशन का एक हिस्सा है।

ii भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया है।

iii. यह शहरी क्षेत्रों में हरियाली में सुधार से जुड़ा है।

iv. इसका उद्देश्य शहरी मलिन बस्तियों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है।

विकल्प: (A) केवल i, ii और iii सही हैं।

(B) केवल ii, iii और iv सही हैं।

(C) केवल i, ii और iv सही हैं।

(D) केवल i, iii और iv सही हैं।

11. निम्नलिखित में से ध्वनि मापने की इकाई पहचानें:

(A) प्रति सौ कण (B) प्रति हजार कण (C) डेसीबल (D) नैनोमीटर

12. निम्नलिखित में से क्षेत्रों और उनकी विशेषताओं का सही मिलान वाला जोड़ा चुनें-

(क्षेत्र) (विशेषताएँ)

(A) झाबुआ जिला- भील जनजाति

(B) दौराला मेरठ- गद्दी जनजाति

(C) भरमौर तहसील- जीर्ण-शीर्ण मकान

(D) धारावी मुंबई- भूजल प्रदूषण

13. "मानव गतिविधियों के कारण कुछ बंजर भूमि कृषि के लिए अनुपयुक्त हो गई है।" कथन से संबंधित सही विकल्प चुनें:

i. स्थानांतरित खेती क्षेत्र ii. तटीय मैदान iii. खराब चारागाह iv. भाबर क्षेत्र

विकल्प: (A) केवल ii (B) ii और iv दोनों (C) केवल iii (D) i और iii दोनों

14. रिक्त स्थान भरने के लिए सही विकल्प चुनें: 2050 तक, दुनिया की आबादी शहरी क्षेत्रों में रहने का अनुमान है-

(A) एक चौथाई (B) आधा (C) दो तिहाई (D) तीन चौथाई

**निम्नलिखित तालिका और गद्यांश को पढ़ें और प्रश्न संख्या 15 से 17 के उत्तर दें:**

**मानव विकास की अंतर्राष्ट्रीय तुलना**

| मानव विकास श्रेणियाँ | विकास सूचकांक में मानव विकास स्कोर का स्तर |
|---|---|
| बहुत अधिक | 0.800 से ऊपर |
| उच्च | 0.700 से 0.799 के बीच |
| मध्यम | 0.550 से 0.699 के बीच |
| निम्न | 0.549 से कम |

मानव विकास के उच्च स्तर वाले देशों की प्राथमिकता शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना है। वे सामाजिक क्षेत्र में अधिक निवेश कर रहे हैं। कुल मिलाकर, लोगों और सुशासन में उच्च निवेश ने देशों के इस समूह को दूसरों से अलग कर दिया है। मानव विकास के मध्यम स्तर वाले देश द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की अवधि में उभरे हैं। इनमें से कई देश अधिक जन-उन्मुख नीतियों को अपनाकर और सामाजिक भेदभाव को कम करके अपने मानव विकास स्कोर में तेजी से सुधार कर रहे हैं।

15. उच्च मानव विकास वाले देशों के साथ लागू होने वाला सबसे महत्वपूर्ण कारक है-

(A) सामाजिक क्षेत्र में अधिकतम निवेश।

(B) सेवा क्षेत्र में अधिकतम निवेश।

(C) औद्योगिक विकास में अधिकतम निवेश।

(D) कृषि विकास में अधिकतम निवेश।

16. मध्यम स्तर के मानव विकास वाले देशों में अधिक सुधार की विशेषता है-

(A) विकास संबंधी नीतियां (B) पर्यावरण संबंधी नीतियां

(C) अर्थव्यवस्था उन्मुख नीतियां (D) समाज उन्मुख नीतियां

17. मानव विकास सूचकांक का निम्नलिखित में से कौन सा स्कोर मध्यम श्रेणी की सीमा दर्शाता है?

(A) 0.049 (B) 0.099 (C) 0.149 (D) 0.199

**खंड-B**

**प्रश्न संख्या 18 और 19 स्रोत आधारित प्रश्न हैं।** **(2x3=6)**

18. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दें:

**मुक्त व्यापार की स्थिति**

अर्थव्यवस्थाओं को व्यापार के लिए खोलने के कार्य को मुक्त व्यापार या व्यापार उदारीकरण के रूप में जाना जाता है। यह टैरिफ जैसी व्यापार बाधाओं को कम करके किया जाता है। व्यापार उदारीकरण हर जगह से वस्तुओं और सेवाओं को घरेलू उत्पादों और सेवाओं के साथ प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देता है।

वैश्वीकरण मुक्त व्यापार के साथ-साथ विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है, क्योंकि यह प्रतिकूल परिस्थितियों को लागू करके समान खेल का मैदान नहीं देता है। परिवहन और संचार प्रणालियों के विकास के साथ माल और सेवाएँ पहले से कहीं अधिक तेजी से और दूर तक यात्रा कर सकती हैं। लेकिन मुक्त व्यापार से न केवल अमीर देशों को बाजारों में प्रवेश करने का मौका मिलना चाहिए, बल्कि विकसित देशों को अपने बाजारों को विदेशी उत्पादों से सुरक्षित रखने की अनुमति मिलनी चाहिए। देशों को डंप किए गए माल के बारे में भी सतर्क रहने की आवश्यकता है; क्योंकि मुक्त व्यापार के साथ-साथ सस्ते दामों के डंप किए गए सामान घरेलू उत्पादकों को नुकसान पहुँचा सकते हैं।

(18.1)। व्यापार उदारीकरण का अर्थ स्पष्ट करें।

(18.2)। 'वैश्वीकरण' और 'मुक्त व्यापार' ने विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं को कैसे प्रभावित किया है?

(18.3) । विकासशील देशों को 'मुक्त व्यापार' के नकारात्मक प्रभाव से बचाने के लिए क्या करना चाहिए? कोई दो कदम बताएँ।

19. 'ऑस्ट्रेलियाई ट्रांस-कॉन्टिनेंटल रेलवे' के मानचित्र का अध्ययन करें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:

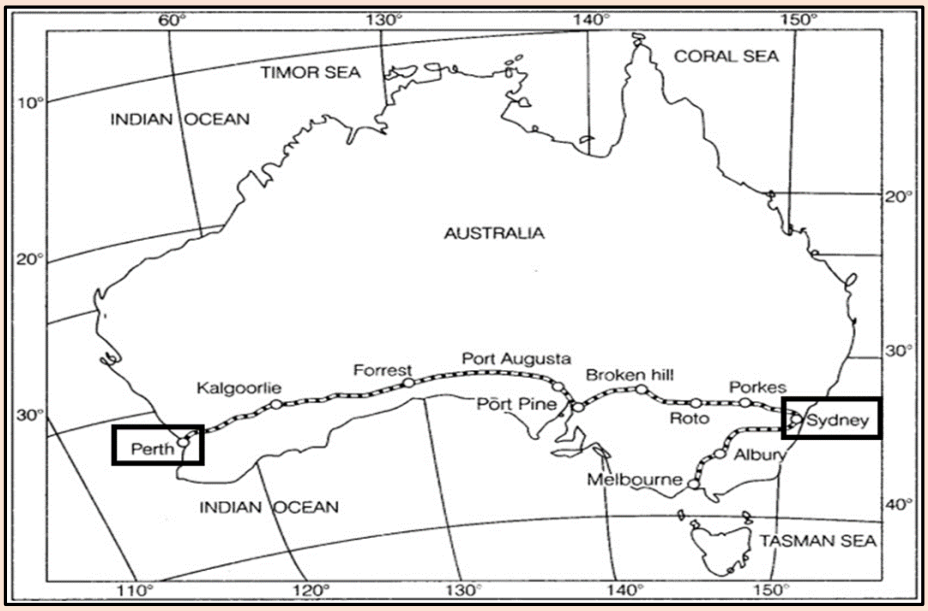


(19.1). यह रेलवे लाइन महाद्वीप के किस भाग में स्थित है?

(19.2). इस रेलवे के 'A' और 'B' से चिह्नित स्टेशनों की पहचान करें।

(19.3). इस रेलवे के सबसे पूर्वी और सबसे पश्चिमी छोर पर स्थित स्टेशनों के नाम लिखें।

नोट: निम्नलिखित प्रश्न प्रश्न संख्या 19 के स्थान पर केवल दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों के लिए है।

19. ऑस्ट्रेलियाई ट्रांस कॉन्टिनेंटल रेलवे की किन्हीं तीन विशेषताओं का वर्णन करें।

## खंड-C

**प्रश्न संख्या 20 से 23 लघु उत्तरीय प्रश्न हैं।** **(4x3 =12)**

20. (a) "प्रकृति और मानव एक दूसरे से जटिल रूप से जुड़े हुए हैं।" कथन का विश्लेषण करें।

या

(b) "मानव प्रकृति द्वारा प्रदान किए गए अवसरों का उपयोग करता है।" कथन का विश्लेषण करें।

21. ग्रामीण और शहरी विपणन केंद्रों के बीच उदाहरणों सहित अंतर स्पष्ट करें।

22. भारत में सतत विकास के लिए ऊर्जा के गैर-परंपरागत स्रोतों का उपयोग क्यों किया जाना चाहिए? उदाहरणों के साथ समझाएँ।

23. निम्नलिखित तालिका का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:

**भारत-शहरीकरण के रुझान 1961-2011**

| Year | No of Towns/UAs | Urban Population (in Thousands) | % of Total Population | Decennial Growth |
|---|---|---|---|---|
| 1961 | 2365 | 78936.6 | 19.97 | 26.41 |
| 1971 | 2590 | 109114 | 19.91 | 38.23 |
| 1981 | 3378 | 159463 | 23.34 | 46.14 |
| 1991 | 4689 | 217611 | 25.71 | 36.47 |
| 2001 | 5161 | 285355 | 27.78 | 31.13 |
| 2011 | 6171 | 377000 | 31.16 | 31.08 |

(23.1). किस जनगणना वर्ष में, शहरी जनसंख्या की दशकीय वृद्धि सबसे अधिक है।

(23.2). भारत में शहरी जनसंख्या की बढ़ती प्रवृत्ति की व्याख्या करें।

(23.3). भारत में कस्बों की संख्या में निरंतर बढ़ती प्रवृत्ति का विश्लेषण करें।

## खंड-डी

**प्रश्न संख्या 24 से 28 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं (5 x 5 = 25)**

24. आप्रवास और उत्प्रवास शब्दों को परिभाषित करें। दुनिया में जनसांख्यिकीय संक्रमण सिद्धांत का विश्लेषण करें।

25. (क) "उद्योगों के स्थान निर्धारण में परिवहन की लागत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उदाहरण देकर कथन की पुष्टि करें।

या

(ख) डेयरी फार्मिंग मुख्य रूप से शहरी और औद्योगिक केंद्रों के पास की जाती है। उदाहरण देकर कथन की पुष्टि करें।

26. (क) लक्ष्य क्षेत्र नियोजन का अर्थ स्पष्ट करें। विकास के लिए लक्ष्य क्षेत्र नियोजन की आवश्यकता का विश्लेषण करें।

या

(ख) 'क्षेत्रीय नियोजन' का अर्थ स्पष्ट करें। भरमौर क्षेत्र में एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना के परिणामों का आकलन करें।

27.(क) "भारतीय रेलवे ने माल और यात्रियों दोनों की आवाजाही को सुगम बनाया है और अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान दिया है।" उपयुक्त तर्कों के साथ कथन का समर्थन करें।

या

(ख) "सफल अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए भारतीय बंदरगाह लगातार बढ़ रहे हैं।" उपयुक्त तर्कों के साथ कथन का समर्थन करें।

28. (क) युवाओं और किशोरों के समग्र विकास के लिए 'भारत की राष्ट्रीय युवा नीति' का मूल्यांकन करें।

या

(ख) भारत में युवाओं और किशोरों के समग्र विकास के लिए उपाय सुझाएँ।

## खंड-ई

**प्रश्न संख्या 29 और 30 मानचित्र आधारित प्रश्न हैं। (2 x 5 = 10)**

29. विश्व के दिए गए राजनीतिक रूपरेखा मानचित्र पर, सात भौगोलिक विशेषताओं को A, B, C, D, E, F और G के रूप में चिह्नित किया गया है। निम्नलिखित जानकारी की सहायता से किन्हीं पाँच को पहचानें और उनके पास खींची गई रेखाओं पर उनके सही नाम लिखें: 5x1=5

A. एक प्रमुख समुद्री बंदरगाह
B. एक प्रमुख हवाई अड्डा
C. एक अंतर्देशीय जलमार्ग
D. खानाबदोश पशुपालन का एक प्रमुख क्षेत्र
E. वाणिज्यिक पशुधन पालन का एक प्रमुख क्षेत्र
F. व्यापक वाणिज्यिक अनाज खेती का एक प्रमुख क्षेत्र
G. मिश्रित खेती का एक प्रमुख क्षेत्र

**नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए प्रश्न संख्या 29 के स्थान पर हैं। किन्हीं पाँच का उत्तर दें।**

29.1 दक्षिण अफ्रीका के प्रमुख बंदरगाह का नाम बताइए।

29.2 ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख हवाई अड्डे का नाम बताइए।

29.3 अटलांटिक महासागर और प्रशांत महासागर को जोड़ने वाले अंतर्देशीय जलमार्ग का नाम बताइए।

29.4 एशियाई प्रायद्वीप का नाम बताइए जहाँ खानाबदोश पशुपालन किया जाता है।

29.5 नाम दक्षिण अमेरिका के वाणिज्यिक पशुधन पालन का प्रमुख क्षेत्र।

29.6 ऑस्ट्रेलिया के व्यापक वाणिज्यिक अनाज खेती के क्षेत्र का नाम।

29.7 अफ्रीका के मिश्रित खेती का एक क्षेत्र नाम दें।

**30। भारत के दिए गए राजनीतिक रूपरेखा मानचित्र पर, उपयुक्त प्रतीकों के साथ निम्नलिखित सात भौगोलिक विशेषताओं में से किसी भी पांच का पता लगाएं और लेबल करें: 5x1 = 5**

30.1 सबसे कम जनसंख्या घनत्व (2011) के साथ राज्य।

30.2 राज्य गन्ने के उत्पादन में अग्रणी।

30.3 गुजरात में एक प्रमुख समुद्री बंदरगाह।

30.4 झारखंड में एक तांबा खनन केंद्र।

30.5 मध्य प्रदेश में एक मैंगनीज खनन केंद्र।

30.6 महाराष्ट्र में एक आयरन-अयस्क खनन केंद्र

30.7 कर्नाटक में एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा।

**नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल प्रश्न संख्या 30 के बदले में नेत्रहीन बिगड़ा हुआ उम्मीदवारों के लिए हैं। किसी भी पांच का उत्तर दें। 5x1 = 5**

30.1 सबसे कम जनसंख्या घनत्व (2011) के साथ राज्य का नाम दें।

30.2 गन्ना उत्पादन की प्रमुख स्थिति का नाम दें।

30.3 नाम गुजरात में प्रमुख सोन बंदरगाह कहाँ स्थित है?

30.4 झारखंड में स्थित तांबा खनन केंद्र का नाम बताइए।

30.5 मध्य प्रदेश में स्थित मैंगनीज खनन केंद्र का नाम बताइए।

30.6 महाराष्ट्र में स्थित लौह अयस्क खनन केंद्र का नाम बताइए।

30.7 कर्नाटक में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा कहाँ स्थित है?

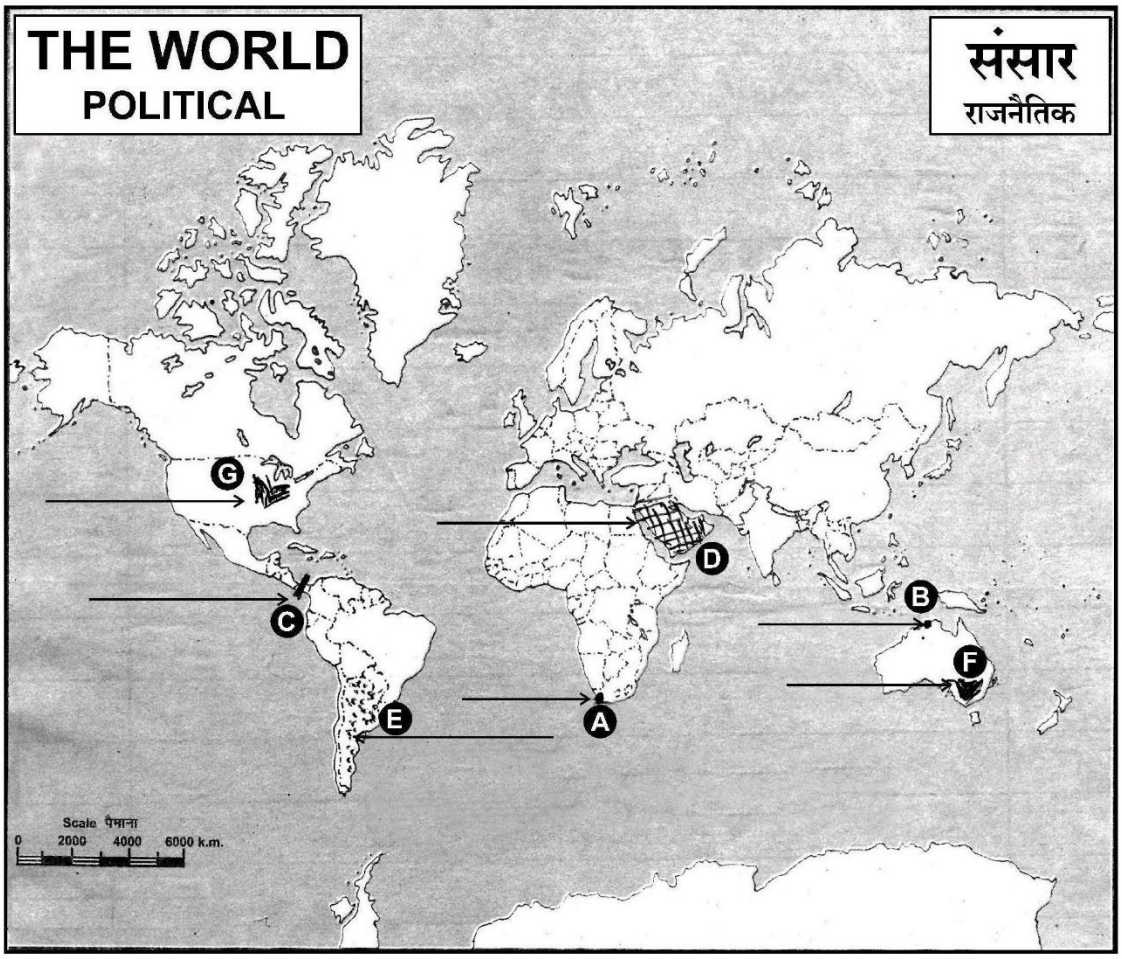


प्रश्न सं. **29** के लिए मानचित्र
Map for Q. No. **29**

**********

## परिशिष्ट-I

**Geography (029)**
**Marking Scheme**
**Class: XII-2024 – 25**

**प्रश्न संख्या अनुभाग A अंक**

**इस अनुभाग में 17 प्रश्न हैं।**

1 उत्तर। C. - कम वजन वाले छोटे बच्चों की संख्या 1

2 उत्तर: B 1

(A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R) (A) का सही स्पष्टीकरण है। 1

3 उत्तर: A i, ii, iv 1

4 उत्तर: C i, ii, iii, iv 1

5 उत्तर: B व्यापार उदारीकरण 1

6 उत्तर: C 3, 2, 1, 4 1

7 उत्तर: C चरण III 1951-1981 1

8 उत्तर: A फसलों को मिट्टी की नमी की कमी के प्रतिकूल प्रभावों से बचाना। 1

9 उत्तर: B (A) और I दोनों सत्य हैं और I (A) का सही स्पष्टीकरण है। 1

10 उत्तर: D कथन IV 1

11 उत्तर: D केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) 1

12 उत्तर: C 1

C महाराष्ट्र 3 कोरबा 1

13 उत्तर: A दोनों I और III 1

14 उत्तर: B लगभग 1500 प्रमुख पुलों और 200 रेल ओवर ब्रिज और रेल अंडर ब्रिज का निर्माण। 1

15 उत्तर: D चीन 1

16 उत्तर: D- नाइजीरिया 1

दृष्टिबाधित छात्रों के लिए

उत्तर: B - किसी दिए गए क्षेत्र में लोगों की व्यवस्था या फैलाव। 1

17 उत्तर: C एशिया 1

## खंड-B

प्रश्न 18 और 19 स्रोत आधारित प्रश्न हैं। (2X3=6)

18 (I) व्यवसाय के बजाय मनोरंजन के उद्देश्य से की गई यात्रा।

(II) भूमध्यसागरीय तट और भारत का पश्चिमी तट।

(III) कुल पंजीकृत नौकरियों (250 मिलियन) और कुल राजस्व (कुल सकल घरेलू उत्पाद का 40 प्रतिशत) के मामले में पर्यटन दुनिया की सबसे बड़ी तृतीयक गतिविधि बन गई है।

इसके अलावा, कई स्थानीय लोगों को आवास, भोजन, परिवहन, मनोरंजन और पर्यटकों की सेवा करने वाली विशेष दुकानों जैसी सेवाएँ प्रदान करने के लिए नियोजित किया जाता है।

पर्यटन बुनियादी ढाँचा उद्योगों, खुदरा व्यापार और शिल्प उद्योगों (स्मारिका) के विकास को बढ़ावा देता है। 1+1+1=3

19 (I) 0.700 से 0.699 के बीच

(II) उच्च साक्षरता दर, कम जन्म दर और मृत्यु दर, उच्च जीवन प्रत्याशा

(III) मानव विकास के निम्न स्तर वाले देश सामाजिक क्षेत्रों की तुलना में रक्षा पर अधिक खर्च करते हैं। ये देश गृहयुद्ध, अकाल या बीमारियों की उच्च घटनाओं के रूप में राजनीतिक उथल-पुथल और सामाजिक अस्थिरता वाले क्षेत्रों में स्थित होते हैं। वे त्वरित आर्थिक विकास शुरू करने में सक्षम नहीं हैं। 1+1+1=3

## खंड C

प्रश्न संख्या 20-23 लघु उत्तरीय प्रश्न हैं (4X3=12)

20 प्रकृति का मानवीकरण।

i. समय बीतने के साथ लोग अपने पर्यावरण और प्रकृति की शक्तियों को समझने लगते हैं। सामाजिक और सांस्कृतिक विकास के साथ, मनुष्य बेहतर और अधिक कुशल तकनीक विकसित करते हैं। वे आवश्यकता की स्थिति से स्वतंत्रता की स्थिति में चले जाते हैं।

ii. वे पर्यावरण से प्राप्त संसाधनों से संभावनाएँ पैदा करते हैं। मानवीय गतिविधियाँ सांस्कृतिक परिदृश्य बनाती हैं।

iii. मानवीय गतिविधियों की छाप हर जगह बनती है; ऊंचे इलाकों में स्वास्थ्य रिसॉर्ट, विशाल शहरी फैलाव, मैदानों और लुढ़कती पहाड़ियों में खेत, बाग और चारागाह, तटों पर बंदरगाह, समुद्री सतह पर समुद्री मार्ग और अंतरिक्ष में उपग्रह। पहले के विद्वानों ने इसे संभावनावाद कहा था।

iv. प्रकृति अवसर प्रदान करती है और मनुष्य इनका उपयोग करता है और धीरे-धीरे प्रकृति मानवीय हो जाती है और मानवीय प्रयासों की छापें धारण करने लगती है।

या

नव नियतिवाद

i. चौराहे पर लाइटों द्वारा यातायात को नियंत्रित किया जाता है। लाल बत्ती का अर्थ है 'रुकना', एम्बर बत्ती का अर्थ है 'तैयार होना' और हरी बत्ती का अर्थ है 'चलना'।

ii. यह अवधारणा दर्शाती है कि न तो पूर्ण आवश्यकता (पर्यावरणीय नियतिवाद) की स्थिति है और न ही पूर्ण स्वतंत्रता (संभावनावाद) की स्थिति है।

iii. इसका अर्थ है कि मनुष्य प्रकृति का पालन करके उस पर विजय प्राप्त कर सकता है। उन्हें लाल संकेतों का जवाब देना होगा और जब प्रकृति संशोधनों की अनुमति देती है तो वे विकास की अपनी खोज में आगे बढ़ सकते हैं।

iv. इसका अर्थ है कि ऐसी सीमाओं के भीतर संभावनाएँ बनाई जा सकती हैं जो पर्यावरण को नुकसान न पहुँचाएँ और दुर्घटनाओं के बिना कोई मुक्त दौड़ नहीं है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं ने जिस मुक्त दौड़ को अपनाने का प्रयास किया है, उसका परिणाम पहले ही ग्रीनहाउस प्रभाव, ओजोन परत का क्षरण, ग्लोबल वार्मिंग, ग्लेशियरों का पीछे हटना और भूमि का क्षरण है।

कोई तीन बिंदु 3

21 (I) भूमध्य सागर और लाल

(II) यह समुद्री मार्ग केप ऑफ गुड होप मार्ग की तुलना में लिवरपूल और कोलंबो के बीच सीधी दूरी को कम करता है।

(III) यह बिना ताले वाली समुद्र तल की नहर है जो लगभग 160 किमी लंबी और 11 से 15 मीटर गहरी है।

• लगभग 100 जहाज प्रतिदिन यात्रा करते हैं और प्रत्येक जहाज को इस नहर को पार करने में 10-12 घंटे लगते हैं। टोल बहुत भारी हैं।

• एक रेलवे नहर के साथ स्वेज तक जाती है, और इस्माइलिया से काहिरा तक एक शाखा लाइन है।

• नील नदी से एक नौगम्य मीठे पानी की नहर भी पोर्ट सईद और स्वेज को ताजे पानी की आपूर्ति करने के लिए इस्माइलिया में स्वेज नहर से जुड़ती है। कोई एक अंक। 1+1+1=3

निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए प्रश्न संख्या 21 के स्थान पर हैं।

उत्तर (I) पनामा नहर पूर्व में अटलांटिक महासागर को पश्चिम में प्रशांत महासागर से जोड़ती है।

उत्तर (II) इसमें छह लॉक प्रणाली है और जहाज पनामा की खाड़ी में प्रवेश करने से पहले इन लॉक के माध्यम से विभिन्न स्तरों (26 मीटर ऊपर और नीचे) को पार करते हैं। उत्तर (III) यह समुद्र के रास्ते न्यूयॉर्क और सैन फ्रांसिस्को के बीच की दूरी को 13,000 किमी कम कर देता है। पश्चिमी यूरोप और यू.एस.ए. के पश्चिमी तट के बीच की दूरी; और उत्तर-पूर्वी और मध्य यू.एस.ए.

निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों के लिए हैं। प्रश्न संख्या 21 के स्थान पर।

22 उत्तर: स्मार्ट शहरों की एक विशेषता यह है:

i. बुनियादी ढांचे और सेवाओं के लिए स्मार्ट समाधान लागू करना।

ii. शहर को आपदाओं के प्रति कम संवेदनशील बनाना, कम संसाधनों का उपयोग करना और सस्ती सेवाएं प्रदान करना।

iii. ध्यान सतत और समावेशी विकास पर है। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। 3

23 उत्तर: किशोरों (10-19 वर्ष की आयु) की हिस्सेदारी जनसंख्या का लगभग 20.9 प्रतिशत है। किशोर आबादी को यद्यपि उच्च क्षमता वाली युवा आबादी माना जाता है, लेकिन यदि उन्हें उचित मार्गदर्शन न मिले तो वे काफी असुरक्षित हैं।

i. जहाँ तक किशोरों का सवाल है, समाज के लिए कई चुनौतियाँ हैं जैसे, कम उम्र में विवाह, निरक्षरता (विशेषकर महिलाओं में), स्कूल छोड़ना, पोषक तत्वों का कम सेवन, किशोर माताओं की उच्च मृत्यु दर, एचआईवी/एड्स संक्रमण की उच्च दर, शारीरिक या मानसिक मंदता, नशीली दवाओं का दुरुपयोग, शराबखोरी, किशोर अपराध और अपराध करना।

ii. भारत सरकार ने किशोरों को उचित शिक्षा प्रदान करने के लिए कुछ नीतियाँ बनाई हैं ताकि उनकी प्रतिभा को बेहतर ढंग से दिशा दी जा सके और उनका उचित उपयोग किया जा सके।

iii. राष्ट्रीय युवा नीति हमारे बड़े युवा वर्ग के समग्र विकास पर ध्यान देती है। यह युवाओं और किशोरों के सर्वांगीण सुधार पर जोर देती है ताकि वे देश के रचनात्मक विकास की जिम्मेदारी उठा सकें। 2+1

**खंड D**

**प्रश्न संख्या 24 से 28 दीर्घ उत्तर आधारित प्रश्न हैं। (5X5=25)**

24 उत्तर: आर्थिक गतिविधि के रूप में खाद्य संग्रहण:

कठोर जलवायु परिस्थितियों वाले क्षेत्रों में संग्रहण का अभ्यास किया जाता है। इसमें अक्सर आदिम समाज शामिल होते हैं, जो भोजन, आश्रय और कपड़ों की अपनी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए पौधों और जानवरों दोनों का दोहन करते हैं।

i. इस प्रकार की गतिविधि के लिए बहुत कम पूंजी निवेश की आवश्यकता होती है और यह बहुत कम स्तर की तकनीक पर संचालित होती है।

ii. प्रति व्यक्ति उपज बहुत कम होती है और बहुत कम या कोई अधिशेष उत्पादन नहीं होता है।

iii. आधुनिक समय में कुछ संग्रहण बाज़ार-उन्मुख है और वाणिज्यिक हो गया है।

iv. संग्राहक मूल्यवान पौधे जैसे पत्ते, पेड़ों की छाल और औषधीय पौधे एकत्र करते हैं और सरल प्रसंस्करण के बाद उत्पादों को बाज़ार में बेचते हैं।

v. वे पौधों के विभिन्न भागों का उपयोग करते हैं, उदाहरण के लिए, छाल का उपयोग कुनैन, टैनिन अर्क और कॉर्क के लिए किया जाता है - पत्तियाँ पेय पदार्थों, दवाओं, सौंदर्य प्रसाधनों, रेशों, 3+2=5

छप्पर और कपड़ों के लिए सामग्री की आपूर्ति करती हैं; भोजन और तेल के लिए मेवे तथा पेड़ के तने से रबर, बलाटा, गोंद और रेजिन प्राप्त होते हैं। तुलना के कोई तीन बिंदु। खाद्य संग्रहण के वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण बनने की संभावना कम क्यों है?

i. संग्रहण के वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण बनने की संभावना कम है। ऐसी गतिविधि के उत्पाद विश्व बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते।

ii. इसके अलावा, अक्सर बेहतर गुणवत्ता वाले और कम कीमतों पर सिंथेटिक उत्पादों ने उष्णकटिबंधीय जंगलों में संग्रहकर्ताओं द्वारा आपूर्ति की जाने वाली कई वस्तुओं की जगह ले ली है।

25.उत्तर ए: पारंपरिक बड़े पैमाने के उद्योगों के पतन में योगदान देने वाले कारक:

**i.तकनीकी उन्नति:** स्वचालन और बेहतर दक्षता ने औद्योगिक परिदृश्य को बदल दिया है, जिससे मानव श्रम कम आवश्यक हो गया है। इसने विशेष रूप से कपड़ा जैसे श्रम-गहन क्षेत्रों को प्रभावित किया है, जहां स्वचालन ने कई पारंपरिक भूमिकाओं को बदल दिया है।

**ii. वैश्वीकरण:** बाजारों के खुलने और विदेशी कंपनियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा, अक्सर कम उत्पादन लागत के साथ, घरेलू उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां पेश की हैं। सस्ते आयात के खिलाफ इस्पात उद्योग का संघर्ष इस घटना का एक प्रमुख उदाहरण है।

**iii. उपभोक्ता की बदलती प्राथमिकताएँ**: अधिक नवीन और आसानी से उपलब्ध उत्पादों की उपभोक्ता माँग पारंपरिक वस्तुओं से हट गई है। यह बदलाव हस्तनिर्मित वस्त्रों की घटती माँग में देखा जा सकता है, जिन्हें अक्सर मशीन से बने विकल्पों की तुलना में महंगा और कम सुलभ माना जाता है।

**iv. पर्यावरण नियम**: बढ़ती पर्यावरण जागरूकता ने स्वच्छ उत्पादन विधियों को आवश्यक बना दिया है, जिससे पारंपरिक उद्योगों की उत्पादन लागत बढ़ गई है। कड़े पर्यावरण मानकों के अनुपालन ने उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता को और प्रभावित किया है।

**v. अवसंरचनात्मक अड़चनें:** अपर्याप्त अवसंरचना, विशेष रूप से परिवहन, बिजली और पानी की आपूर्ति के मामले में, पारंपरिक उद्योगों के विकास में बाधा बनी है। इसके परिणामस्वरूप उत्पादन प्रक्रियाओं में व्यवधान आया है, जैसा कि विनिर्माण इकाइयों को प्रभावित करने वाली बिजली कटौती के उदाहरणों में देखा गया है।

**vi. जनसांख्यिकीय परिवर्तन:** शहरीकरण और ग्रामीण-से-शहरी प्रवास ने ग्रामीण क्षेत्रों में श्रमिकों की कमी को जन्म दिया है जहाँ कई पारंपरिक उद्योग स्थित हैं

कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु

उत्तर बी: उद्योगों के विकास के लिए परिवहन और संचार सुविधाओं तक पहुँच आवश्यक है:

1.कच्चे माल को कारखाने तक ले जाने और तैयार माल को बाजार तक पहुँचाने के लिए तेज़ और कुशल परिवहन सुविधाएँ उद्योगों के विकास के लिए आवश्यक हैं।

2. परिवहन की लागत औद्योगिक इकाइयों के स्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

3.पश्चिमी यूरोप और पूर्वी उत्तरी अमेरिका में अत्यधिक विकसित परिवहन प्रणाली है, जिसने हमेशा इन क्षेत्रों में उद्योगों की सांद्रता को प्रेरित किया है।

4. आधुनिक उद्योग परिवहन प्रणालियों से अविभाज्य रूप से जुड़ा हुआ है। v. परिवहन में सुधार से एकीकृत आर्थिक विकास और विनिर्माण के क्षेत्रीय विशेषज्ञता को बढ़ावा मिला। 5

26 उत्तर A: भरमौर क्षेत्र में कार्यान्वित एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना से प्राप्त लाभ।

i. पांचवीं पंचवर्षीय योजना में, जनजातीय उप-योजना 1974 में शुरू की गई थी और भरमौर को हिमाचल प्रदेश में पाँच एकीकृत जनजातीय विकास परियोजनाओं (आईटीडीपी) में से एक के रूप में नामित किया गया था।

ii. इस क्षेत्र विकास योजना का उद्देश्य गद्दियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना था।

iii. इस योजना ने परिवहन और संचार, कृषि और संबद्ध गतिविधियों, और सामाजिक और सामुदायिक सेवाओं के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

iv. भरमौर क्षेत्र में जनजातीय उप-योजना का सबसे महत्वपूर्ण योगदान स्कूलों, स्वास्थ्य सुविधाओं, पीने योग्य पानी, सड़कों, संचार और बिजली के मामले में बुनियादी ढांचे का विकास है।

v. आईटीडीपी से प्राप्त सामाजिक लाभों में साक्षरता दर में जबरदस्त वृद्धि, लिंग अनुपात में सुधार और बाल विवाह में गिरावट शामिल है।

vi. क्षेत्र में महिला साक्षरता दर 1971 में 1.88 प्रतिशत से बढ़कर 2011 में 65 प्रतिशत हो गई।

vii. परंपरागत रूप से, गद्दी लोगों की निर्वाह कृषि-सह-पशुपालन अर्थव्यवस्था थी, जिसमें खाद्यान्न और पशुधन उत्पादन पर जोर था। लेकिन बीसवीं सदी के अंतिम तीन दशकों के दौरान, भरमौर क्षेत्र में दालों और अन्य नकदी फसलों की खेती में वृद्धि हुई है। कोई पाँच बिंदु

**या**

उत्तर बी:i. पाँचवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान पहाड़ी क्षेत्र विकास कार्यक्रम शुरू किए गए थे।

ii. इन कार्यक्रमों में उत्तर प्रदेश (वर्तमान उत्तराखंड) के सभी पहाड़ी जिले, असम के मिकिर हिल्स और उत्तरी कछार हिल्स, पश्चिम बंगाल के द्रजीलिंग जिले और तमिलनाडु के नीलगिरी जिले को शामिल करते हुए 15 जिले शामिल थे।

iii. पिछड़े क्षेत्र के विकास पर राष्ट्रीय समिति ने 1981 में सिफारिश की थी कि देश के सभी पहाड़ी क्षेत्र जिनकी ऊँचाई 600 मीटर से अधिक है और जो आदिवासी उप-योजना के अंतर्गत नहीं आते हैं, उन्हें पिछड़े पहाड़ी क्षेत्र माना जाना चाहिए।

iv. पहाड़ी क्षेत्रों के विकास के लिए विस्तृत योजनाएँ उनकी स्थलाकृतिक, पारिस्थितिक, सामाजिक और आर्थिक स्थितियों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई थीं।

v. इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बागवानी, बागान कृषि, पशुपालन, मुर्गीपालन, वानिकी और लघु एवं ग्रामीण उद्योग के विकास के माध्यम से पहाड़ी क्षेत्रों के स्वदेशी संसाधनों का दोहन करना था।

कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु 5

27 उत्तर A: भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वस्तुओं की संरचना पिछले कुछ वर्षों में बदल रही है:

i. कृषि और संबद्ध उत्पादों की हिस्सेदारी में गिरावट आई है, जबकि पेट्रोलियम और कच्चे उत्पादों और अन्य की हिस्सेदारी में कमी आई है।

ii. यह अक्सर दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचने का एकमात्र साधन होता है

iii. हवाई परिवहन ने दुनिया में कनेक्टिविटी क्रांति ला दी है। पहाड़ी बर्फ के मैदानों या दुर्गम रेगिस्तानी इलाकों से पैदा होने वाले घर्षण दूर हो गए हैं।

iv. पहुंच में वृद्धि हुई है। हवाई जहाज जमी हुई जमीन से बिना किसी बाधा के उत्तरी कनाडा में एस्किमो लोगों के लिए विभिन्न वस्तुएं लाता है। हिमालयी क्षेत्र में, भूस्खलन, हिमस्खलन या भारी बर्फबारी के कारण मार्ग अक्सर बाधित होते हैं। ऐसे समय में, किसी स्थान पर पहुंचने के लिए हवाई यात्रा ही एकमात्र विकल्प है।

v. वर्तमान में दुनिया में कोई भी स्थान 35 घंटे से अधिक दूर नहीं है। यह चौंकाने वाला तथ्य उन लोगों के कारण संभव हुआ है जो हवाई जहाज बनाते और उड़ाते हैं।

vi. हवाई यात्रा अब वर्षों और महीनों के बजाय घंटों और मिनटों में मापी जा सकती है।

vii. दुनिया के कई हिस्सों में लगातार हवाई सेवाएं उपलब्ध हैं।

कोई पाँच बिंदु

28 उत्तर: ठोस अपशिष्टों द्वारा पर्यावरण प्रदूषण अब अपशिष्ट की मात्रा में भारी वृद्धि के कारण महत्वपूर्ण हो गया है:

i. शहरी क्षेत्रों में आम तौर पर भीड़भाड़, भीड़भाड़, तेजी से बढ़ती आबादी का समर्थन करने के लिए अपर्याप्त सुविधाएं और परिणामस्वरूप खराब स्वच्छता की स्थिति और खराब हवा होती है।

ii. ठोस अपशिष्ट से तात्पर्य विभिन्न प्रकार के पुराने और उपयोग किए गए लेखों से है, उदाहरण के लिए धातुओं के छोटे-छोटे दाग लगे हुए टुकड़े, टूटे हुए कांच के बर्तन, प्लास्टिक के कंटेनर, पॉलीथीन बैग, राख, फ्लॉपी, सीडी आदि, जिन्हें अलग-अलग जगहों पर फेंक दिया जाता है।

iii. त्याग की गई सामग्री को कचरा, कूड़ा और कूड़ा आदि भी कहा जाता है, और इनका निपटान दो स्रोतों से किया जाता है: (i) घरेलू या घरेलू प्रतिष्ठान, और (ii) औद्योगिक या वाणिज्यिक प्रतिष्ठान।

iv. घरेलू कचरे का निपटान या तो सार्वजनिक भूमि पर या निजी ठेकेदारों की साइटों पर किया जाता है, जबकि औद्योगिक इकाइयों के ठोस कचरे को निचले सार्वजनिक मैदानों (लैंडफिल क्षेत्रों) में सार्वजनिक (नगरपालिका) सुविधाओं के माध्यम से एकत्र और निपटाया जाता है। v. उद्योगों, ताप विद्युत गृहों तथा भवन निर्माण या विध्वंस से निकलने वाली राख और मलबे के भारी मात्रा में निकलने से गंभीर परिणाम वाली समस्याएँ उत्पन्न हुई हैं।

vi. ठोस अपशिष्ट मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा है तथा विभिन्न बीमारियों का कारण बनता है। इससे दुर्गंध आती है तथा इसमें मक्खियाँ और कृंतक पनपते हैं जो टाइफाइड, डायरिया, मलेरिया तथा अन्य बीमारियों का कारण बन सकते हैं।

vii. ठोस अपशिष्ट का उचित तरीके से प्रबंधन न किए जाने पर यह तेजी से असुविधा पैदा कर सकता है। हवा, पानी और बारिश अपशिष्ट को फैला सकते हैं तथा लोगों को असुविधा पहुँचा सकते हैं।

viii. औद्योगिक ठोस अपशिष्ट जल निकायों में डंप करके जल प्रदूषण का कारण बन सकता है। अनुपचारित मलजल ले जाने वाली नालियाँ भी विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनती हैं। 5

कोई चार बिंदु

शहरी क्षेत्रों में स्रोत पर अपशिष्ट उत्पादन को नियंत्रित करने की रणनीतियाँ:

i. अपशिष्ट न्यूनीकरण और पुनर्चक्रण अभियान:

शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम: अपशिष्ट न्यूनीकरण और पुनर्चक्रण के महत्व के बारे में निवासियों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए शैक्षिक अभियान लागू करें। इसमें स्थानीय अधिकारियों, गैर सरकारी संगठनों और सामुदायिक समूहों द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ, सेमिनार और आउटरीच गतिविधियाँ शामिल हो सकती हैं।

ii. प्रोत्साहन योजनाएँ: उन घरों और व्यवसायों के लिए प्रोत्साहन पेश करें जो अपशिष्ट न्यूनीकरण और पुनर्चक्रण प्रयासों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। इसमें उपयोगिता बिलों पर छूट, कर छूट या पुनर्चक्रण पहलों के लिए पुरस्कार शामिल हो सकते हैं।

iii. उत्पाद डिजाइन और पैकेजिंग विनियम: ऐसी नीतियाँ लागू करें जो निर्माताओं को पर्यावरण के अनुकूल पैकेजिंग और उत्पाद डिजाइन प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें। इसमें पुनर्चक्रण, जैवनिम्नीकरण और टिकाऊ सामग्रियों के उपयोग के लिए मानक निर्धारित करना शामिल हो सकता है।

iv. विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (EPR): अपशिष्ट प्रबंधन सहित अपने उत्पादों के संपूर्ण जीवनचक्र के लिए उत्पादकों को उत्तरदायी बनाने के लिए EPR योजनाएँ लागू करें। यह निर्माताओं को न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव वाले उत्पादों को डिजाइन करने और अपने उत्पादों के जीवन के अंत में उनके पुनर्चक्रण या निपटान की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।

कोई भी दो बिंदु

## खंड E

**प्रश्न संख्या 29 और 30 मानचित्र आधारित प्रश्न हैं जिनमें प्रत्येक में 5 उप-भाग हैं। (2X5=10)**

29 विश्व का मानचित्र

विश्व के दिए गए राजनीतिक मानचित्र पर, निम्नलिखित सात विशेषताएँ 5 दर्शाई गई हैं। इनमें से किन्हीं पाँच विशेषताओं को पहचानें और प्रत्येक विशेषता के पास चिह्नित पंक्तियों पर उनके सही नाम लिखें।

A. केप टाउन B. रोम C. सेंट लॉरेंस समुद्री मार्ग D. अमेज़न

E. शंघाई F. उष्णकटिबंधीय अफ्रीका/उत्तरी अफ्रीका G. कैंटरबरी घास के मैदान/मैदान

निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए प्रश्न संख्या 29 के स्थान पर हैं।

29 A. केप टाउन 29 B. रोम 29 C. सेंट लॉरेंस सी वे 29 D. अमेज़न

29 E. शंघाई 29 F. उष्णकटिबंधीय अफ्रीका/उत्तरी अफ्रीका 29 G. कैंटरबरी घास के मैदान/मैदान

30 भारत के राजनीतिक रूपरेखा मानचित्र पर निम्नलिखित भौगोलिक विशेषताओं में से किन्हीं पाँच को उपयुक्त प्रतीकों के साथ खोजें और लेबल करें:

A. मयूरभंज B. मैंगलोर C. झरिया D. मथुरा

E. अरुणाचल प्रदेश F. असम/पश्चिम बंगाल/तमिलनाडु G. अमृतसर

निम्नलिखित प्रश्न प्रश्न संख्या 30 के स्थान पर दृष्टिबाधित छात्रों के लिए हैं। किन्हीं पाँच का प्रयास करें।

30.A मयूरभंज 30.B मैंगलोर 30.C रत्नागिरी 30.D मथुरा

30.E अरुणाचल प्रदेश 30.F असम/पश्चिम बंगाल/तमिलनाडु 30.G अमृतसर 5

---

**MARKING SCHEME-2**

**Main Examination, 2025**

**SUBJECT- GEOGRAPHY (Theory) (029)**

**PAPER CODE- 64/1/1 SET- 1**

**खंड-ए**

प्रश्न संख्या 1-17 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।

1. (बी) अभिकथन (ए) और कारण (आर) दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण (आर) अभिकथन (ए) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

2. (सी) केवल i, iii, और iv सही हैं।

3. (सी) यह अनुसंधान और विकास से संबंधित है।

4. (डी) iii, iv, i और ii।

5. (सी) एंट्रेपोट पोर्ट

6. (बी) ii, iv, i और iii

7. (डी) गंगा नगर

8. (सी) प्राकृतिक गैस का परिवहन, प्रसंस्करण और विपणन करना। 9. (C) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।

10. (C) केवल i, ii और iv सही हैं।

11. (B) डेसीबल

12. (A) झाबुआ जिला - भील जनजाति।

13. (D) i और iii दोनों

14. (C) दो तिहाई।

**नीचे दी गई तालिका का अध्ययन करें और प्रश्न संख्या 15 से 17 के उत्तर दें।**

15. उच्च मानव विकास देशों के साथ लागू सबसे महत्वपूर्ण कारक है (A) सामाजिक क्षेत्र में अधिकतम निवेश।

16. मानव विकास देशों के मध्यम स्तर के बीच अधिक सुधार _____ द्वारा चिह्नित है (D) समाज उन्मुख नीतियां।

17. मानव विकास सूचकांक का निम्नलिखित में से कौन सा स्कोर मध्यम श्रेणियों के लिए सीमा दर्शाता है? (C) 0.149।

**खंड B**

**प्रश्न संख्या 18 और 19 स्रोत-आधारित प्रश्न हैं।**

(18.1)। टैरिफ जैसी व्यापार बाधाओं को कम करना और व्यापार के लिए अर्थव्यवस्थाओं को खोलना व्यापार उदारीकरण के रूप में जाना जाता है।

(18.2)। विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाएं प्रतिकूल रूप से प्रभावित होती हैं क्योंकि विकसित देश विकासशील देशों के लिए प्रतिकूल शर्तें लागू करके समान खेल का मैदान नहीं दे रहे हैं।

(18.3)। i. उन्हें अपने बाजारों को विदेशी उत्पादों से सुरक्षित रखना चाहिए।

ii. उन्हें सस्ती कीमतों के डंप किए गए सामानों के बारे में सतर्क रहने की जरूरत है क्योंकि वे घरेलू उत्पादकों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

iii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु ½ +½=1 (स्पष्ट किए जाने वाले कोई दो बिंदु)।

'ऑस्ट्रेलियाई ट्रांस कॉन्टिनेंटल रेलवे' के मानचित्र का अध्ययन करें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:

(19.1) दक्षिणी भाग

(19.2) A- फॉरेस्ट B- रोटो

(19.3।) i) सबसे पूर्वी-सिडनी ii) सबसे पश्चिमी-पर्थ

**नोट: केवल दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए प्रश्न संख्या 19 के स्थान पर**

i. यह महाद्वीप के दक्षिणी भाग में पूर्व-पश्चिम में चलता है।

ii. यह पश्चिमी तट पर पर्थ से पूर्वी तट पर सिडनी तक जाती है।

iii. यह कालगोर्ली, पोर्ट ऑगस्टा और ब्रोकन हिल से होकर गुजरती है।

iv. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।

**खंड-सी**

**प्रश्न संख्या 20 से 23 लघु उत्तरीय प्रश्न हैं।**

20. (क) "प्रकृति और मानव जटिल रूप से एक दूसरे से जुड़े हुए हैं"। कथन का विश्लेषण करें।

i. प्रकृति और मानव अविभाज्य तत्व हैं और इन्हें समग्र रूप से देखा जाना चाहिए।

ii. भौतिक और मानवीय दोनों घटनाओं का वर्णन मानव शरीर रचना विज्ञान के प्रतीकों का उपयोग करके रूपकों में किया गया है।

iii. पृथ्वी का मुख, तूफान की आंख, नदी का मुहाना, ग्लेशियर की थूथन इसके कुछ उदाहरण हैं।

iv. इसी तरह, क्षेत्रों, गांवों, कस्बों को 'जीव' के रूप में वर्णित किया गया है। सड़कों, रेलवे और जलमार्गों के नेटवर्क को परिसंचरण की धमनियों के रूप में वर्णित किया गया है।

**या**

i. मानव पर्यावरण से प्राप्त संसाधनों से संभावनाएँ पैदा करता है

ii. मनुष्य आवश्यकता की अवस्था से स्वतंत्रता की अवस्था की ओर बढ़ता है।

iii. मानवीय क्रियाकलाप एक सांस्कृतिक परिदृश्य का निर्माण करते हैं

iv. मानवीय क्रियाकलापों की छाप हर जगह है।

v. ऊंचे इलाकों में स्वास्थ्य रिसॉर्ट, विशाल शहरी फैलाव, मैदानों और लुढ़कती पहाड़ियों में खेत, बाग और चारागाह, तटों पर बंदरगाह, समुद्री सतह पर समुद्री मार्ग और अंतरिक्ष में उपग्रह।

21. i. ग्रामीण विपणन केंद्र सबसे प्राथमिक प्रकार के व्यापार के रूप में कार्य करते हैं, जबकि शहरी केंद्रों में अधिक विशिष्ट शहरी सेवाएँ होती हैं।

ii. ग्रामीण विपणन केंद्रों में व्यक्तिगत और व्यावसायिक सेवाएँ अच्छी तरह से विकसित नहीं हैं। जबकि शहरी केंद्र अच्छी तरह से विकसित हैं।

iii. ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकतर साप्ताहिक बाज़ार होते हैं। शहरी केंद्रों में साप्ताहिक बाज़ारों के साथ-साथ संगठित बाज़ार भी होते हैं।

iv. अधिकांश ग्रामीण मंडियाँ थोक बाज़ार और खुदरा बाज़ार के रूप में कार्य करती हैं, जबकि शहरी बाज़ार निर्मित वस्तुओं के साथ-साथ विशिष्ट बाज़ार भी प्रदान करते हैं।

22. i. सतत विकास के लिए आर्थिक विकास की खोज को पर्यावरणीय चिंताओं के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता है।

ii. संसाधनों के उपयोग के पारंपरिक तरीकों से भारी मात्रा में अपशिष्ट उत्पन्न होता है और साथ ही प्रदूषण जैसी अन्य पर्यावरणीय समस्याएँ भी पैदा होती हैं।

iii. यह भावी पीढ़ियों के लिए संसाधनों के संरक्षण की माँग करता है।

iv. सौर ऊर्जा, पवन, तरंग, भू-तापीय ऊर्जा जैसे ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत अक्षय हैं।

v. ऊर्जा के गैर-परंपरागत स्रोत, विशेष रूप से पेट्रोलियम, ऊर्जा के पारंपरिक स्रोतों की तुलना में अधिक लागत प्रभावी हैं क्योंकि पेट्रोलियम की आयात लागत अधिक है।

23.1.1981

23.2. भारत में 1961 से 2011 तक शहरी आबादी में नियमित वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई है। 1961 में यह 17.97% और 2011 में 31.16% दर्ज की गई।

23.3. 1961 से 2011 तक कस्बों की संख्या में नियमित रूप से वृद्धि हुई है। 1961 में यह 2365 और 2011 में 6171 थी। 1981-1991 के बीच शहरों का तेजी से विकास दर्ज किया गया

**खंड-डी**

**प्रश्न संख्या 24 से 28 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं।**

24. आप्रवास: जो प्रवासी किसी नए स्थान पर चले जाते हैं, उन्हें आप्रवासी कहा जाता है। उत्प्रवास: जो प्रवासी किसी स्थान से बाहर चले जाते हैं, उन्हें प्रवासी कहा जाता है।

जनसांख्यिकी संक्रमण सिद्धांत-

i. जनसांख्यिकी संक्रमण सिद्धांत का उपयोग किसी भी क्षेत्र की भविष्य की जनसंख्या का वर्णन और भविष्यवाणी करने के लिए किया जा सकता है।

ii. सिद्धांत हमें बताता है कि किसी भी क्षेत्र की जनसंख्या उच्च जन्म और उच्च मृत्यु से निम्न जन्म और निम्न मृत्यु में बदल जाती है क्योंकि समाज ग्रामीण, कृषि और निरक्षर राज्य से शहरी, औद्योगिक और साक्षर राज्य में प्रगति करता है।

iii. पहले चरण में उच्च प्रजनन क्षमता और उच्च मृत्यु दर, महामारी और परिवर्तनशील खाद्य आपूर्ति के कारण धीमी जनसंख्या वृद्धि होती है।

iv. दूसरे चरण में शुरुआत में उच्च प्रजनन क्षमता होती है, लेकिन समय के साथ गिरावट आती है, स्वच्छता और स्वास्थ्य में सुधार के कारण मृत्यु दर कम हो जाती है।

v. अंतिम चरण में प्रजनन क्षमता और मृत्यु दर दोनों में काफी कमी आती है, शहरीकृत और साक्षर आबादी के कारण जनसंख्या या तो स्थिर होती है या धीरे-धीरे बढ़ती है।

25. i. कच्चे माल को कारखाने तक ले जाने तथा तैयार माल को बाजार तक पहुंचाने के लिए तेज तथा कुशल परिवहन सुविधाएं उद्योगों के विकास के लिए आवश्यक हैं।

ii. परिवहन लागत कम होने से उद्योगों का अधिक संकेन्द्रण होता है।

iii. पश्चिमी यूरोप तथा पूर्वी उत्तरी अमेरिका में अत्यधिक विकसित परिवहन प्रणाली है, जिसने हमेशा इन क्षेत्रों में उद्योगों के संकेन्द्रण को प्रेरित किया है।

iv. आधुनिक उद्योग परिवहन प्रणालियों से अभिन्न रूप से जुड़े हुए हैं।

v. परिवहन में सुधार से एकीकृत आर्थिक विकास तथा विनिर्माण में क्षेत्रीय विशेषज्ञता प्राप्त हुई।

**या**

i. डेयरी दुधारू पशुओं के पालन का सबसे उन्नत तथा कुशल प्रकार है।

ii. यह मुख्य रूप से शहरी तथा औद्योगिक केंद्रों के निकट किया जाता है, जो ताजे दूध तथा डेयरी उत्पादों के लिए पड़ोस का बाजार उपलब्ध कराते हैं।

iii. परिवहन, प्रशीतन, पाश्चराइजेशन तथा अन्य परिरक्षण प्रक्रियाओं का विकास शहरी क्षेत्रों के निकट आसानी से उपलब्ध है।

iv. यह अत्यधिक पूंजी गहन है। पशु शेड, चारा, चारा तथा दूध देने वाली मशीनों के लिए भंडारण सुविधाएं डेयरी फार्मिंग की लागत में वृद्धि करती हैं।

v. पशुपालन पर विशेष जोर दिया जाता है, शहरी केंद्रों में स्वास्थ्य देखभाल और पशु चिकित्सा सेवाएं अधिक उपलब्ध हैं। यह अत्यधिक श्रम गहन है।

26. लक्ष्य क्षेत्र नियोजन: आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्र के संसाधन आधार पर ध्यान केंद्रित करके क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने के दृष्टिकोण को लक्ष्य क्षेत्र नियोजन के रूप में जाना जाता है।

विकास के लिए लक्ष्य क्षेत्र नियोजन की आवश्यकता:

i. किसी क्षेत्र का आर्थिक विकास उसके संसाधन आधार पर निर्भर करता है, कभी-कभी संसाधन संपन्न क्षेत्र पिछड़े रह जाते हैं।

ii. क्षेत्रीय और सामाजिक असमानताओं के बढ़ने को रोकने के लिए, योजना आयोग ने नियोजन के लिए 'लक्ष्य क्षेत्र' और लक्ष्य समूह दृष्टिकोण पेश किए।

iii. यह महसूस किया गया कि आर्थिक विकास में क्षेत्रीय असंतुलन बढ़ रहा था।

iv. लक्ष्य क्षेत्र- 'कमांड क्षेत्र विकास कार्यक्रम', 'सूखा प्रवण क्षेत्र विकास कार्यक्रम', 'मरुस्थल विकास कार्यक्रम', आदि लक्ष्य क्षेत्र नियोजन के उदाहरण हैं।

v. 8वीं पंचवर्षीय योजना में पहाड़ी क्षेत्रों, पूर्वोत्तर राज्यों, आदिवासी क्षेत्रों और पिछड़े क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए विशेष क्षेत्र कार्यक्रम तैयार किए गए थे।

या

क्षेत्रीय नियोजन: विकास में क्षेत्रीय असंतुलन को कम करने की योजना को क्षेत्रीय नियोजन कहा जाता है।

भरमौर क्षेत्र में एकीकृत विकास परियोजना के परिणाम:

i. स्कूलों, स्वास्थ्य सुविधाओं और पीने योग्य पानी के मामले में बुनियादी ढांचे का विकास।

ii. सड़कों और संचार की सुविधाओं में वृद्धि।

iii. बिजली की उपलब्धता में सुधार।

iv. साक्षरता दर में जबरदस्त वृद्धि, खासकर महिला साक्षरता में

v. लिंग अनुपात में सुधार

vi. बाल विवाह में कमी

vii. लैंगिक असमानता में कमी

viii. भरमौर क्षेत्र में दालों और अन्य नकदी फसलों की खेती में वृद्धि हुई है।

27. i) भारतीय रेलवे नेटवर्क दुनिया में सबसे लंबे में से एक है।

ii) मीटर और नैरो गेज को ब्रॉड गेज में बदलने और स्टीम इंजन को डीजल और इलेक्ट्रिक इंजन में बदलने से गति के साथ-साथ ढुलाई क्षमता भी बढ़ी है।

iii) मेट्रो रेल ने भारत में शहरी परिवहन प्रणाली में क्रांति ला दी है क्योंकि यह लोगों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाती है, जिससे उनकी कार्य कुशलता और स्थानिक संदर्भों में क्षेत्र में वृद्धि होती है।

iv) कस्बों के आस-पास के क्षेत्र, कच्चे माल के उत्पादक क्षेत्र और बागान तथा अन्य वाणिज्यिक फसलें, हिल स्टेशन और छावनी कस्बे ब्रिटिश औपनिवेशिक काल से ही रेलवे द्वारा अच्छी तरह से जुड़े हुए थे।

v) स्वतंत्रता के बाद, रेलवे मार्गों को अन्य क्षेत्रों तक बढ़ाया गया है। सबसे महत्वपूर्ण विकास पश्चिमी तट के साथ कोंकण रेलवे का विकास रहा है जो मुंबई और मैंगलोर के बीच सीधा संपर्क प्रदान करता है।

vi) रेलवे आम जनता के साथ-साथ माल के परिवहन का मुख्य साधन बना हुआ है।

**या**

i. स्वतंत्रता के बाद भारतीय बंदरगाह लगातार बढ़ रहे हैं।

ii. भारतीय बंदरगाह घरेलू और विदेशी व्यापार की बड़ी मात्रा को संभाल रहे हैं।

iii. अधिकांश बंदरगाह आधुनिक बुनियादी ढांचे से सुसज्जित हैं।

iv. iv. पहले, विकास और आधुनिकीकरण सरकारी एजेंसियों की जिम्मेदारी थी।

v. इन बंदरगाहों को अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों के बराबर लाने के लिए कार्य में वृद्धि और आवश्यकता को देखते हुए, भारत में बंदरगाहों के आधुनिकीकरण के लिए निजी उद्यमियों को आमंत्रित किया गया है।

vi. 1951 के बाद से 2016 में भारतीय बंदरगाहों की क्षमता चालीस गुना से अधिक बढ़ गई।

28. i. फरवरी 2014 में राष्ट्रीय युवा नीति शुरू की गई।

ii. भारत सरकार ने किशोर समूहों को उचित शिक्षा प्रदान करने के लिए कुछ नीतियां शुरू की हैं ताकि उनकी प्रतिभा को सही दिशा दी जा सके और उसका सही उपयोग किया जा सके।

iii. यह भारत के युवाओं के लिए एक समग्र 'विजन' प्रस्तावित करता है।

iv. देश के युवाओं को उनकी पूरी क्षमता हासिल करने के लिए सशक्त बनाना और उनके माध्यम से भारत को राष्ट्रों के समुदाय में अपना सही स्थान दिलाने में सक्षम बनाना।

v. कौशल विकास और उद्यमिता के लिए राष्ट्रीय नीति, जिसे 2015 में भी तैयार किया गया था, सभी कौशल गतिविधियों के लिए एक छत्र ढांचा प्रदान करती है।

**या**

i. किशोर समूहों को उचित शिक्षा

ii. प्रतिभाओं को बेहतर ढंग से दिशा दी जानी चाहिए।

iii. कौशल विकास कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए।

iv. युवाओं में उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करना।

v. नशीली दवाओं के दुरुपयोग, शराब, किशोर अपराध और अपराध समिति जैसी सामाजिक बुराइयों को मिटाना।

vi. शारीरिक और मानसिक विकलांगता पर काबू पाना।

vii. विवाह की कम उम्र, निरक्षरता- विशेष रूप से महिला निरक्षरता, स्कूल, ड्रॉपआउट, पोषक तत्वों का कम सेवन, किशोर माताओं की मातृ मृत्यु दर की उच्च दर, एचआईवी और एड्स संक्रमण की उच्च दर जैसी चुनौतियों पर काबू पाना।

## खंड - ई

**प्रश्न संख्या 29 और 30 मानचित्र-आधारित प्रश्न हैं।**

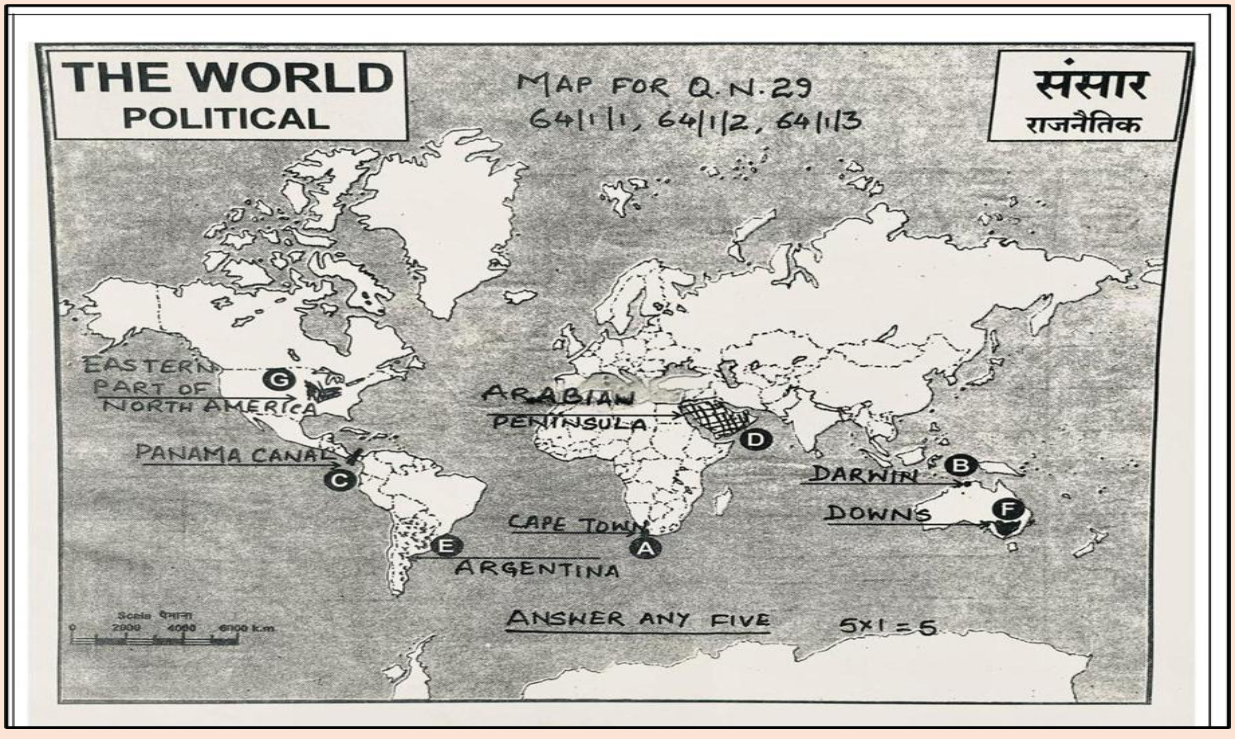

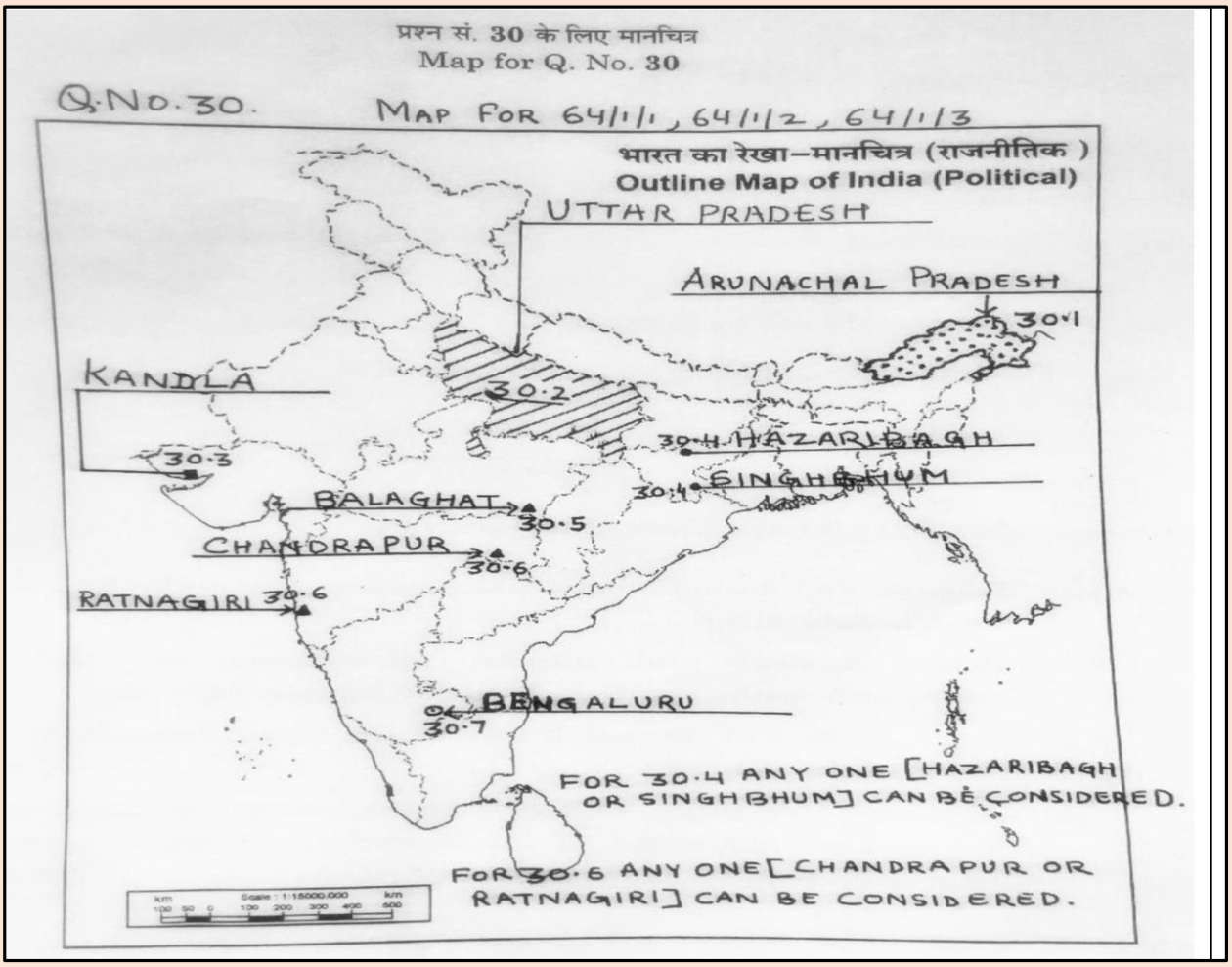


नोट: केवल दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए प्रश्न संख्या 29 के स्थान पर कोई पाँच प्रश्न हल करें। 5x1=5

(29.1) केप टाउन/डरबन

(29.2) डार्विन/वेलिंगटन/पर्थ/सिडनी

(29.3) पनामा नहर

(29.4) अरब प्रायद्वीप

(29.5) अर्जेंटीना/उरुग्वे/ब्राजील/वेनेजुएला/गुयाना

(29.6) डाउन्स (ऑस्ट्रेलिया)

(29.7) समशीतोष्ण अक्षांश (दक्षिण अफ्रीका)

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच को ढूँढ़ें और लेबल करें।

नोट: केवल दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों के लिए प्रश्न संख्या 30 के स्थान पर। किन्हीं पाँच को हल करें। 5x1=5

(30.1) अरुणाचल प्रदेश

(30.2) उत्तर प्रदेश

(30.3) कांडला

(30.4) हजारीबाग/सिंहभूम

(30.5) बालाघाट

(30.6) रत्नागिरी/चंद्रपुर

(30.7) बेंगलुरु

**********